रजिस्ट्री सं. डी. एल. (एन) 04/0007/2003–05 REGD. NO. D. L. (N) 04/0007/2003—05

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

साप्ताहिक
WEEKLY

सं. 51] नई दिल्ली, दिसम्बर 11—दिसम्बर 17, 2011, शनिवार/अग्रहायण 20—अग्रहायण 26, 1933
No. 51] NEW DELHI, DECEMBER 11—DECEMBER 17, 2011, SATURDAY/AGRAHAYANA 20—AGRAHAYANA 26, 1933

भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह पृथक संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं
Statutory Orders and Notifications Issued by the Ministries of the Government of India (Other than the Ministry of Defence)

कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय
(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

नई दिल्ली, 7 दिसम्बर, 2011

का. आ. 3572.—केंद्रीय सरकार एतद्द्वारा दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना अधिनियम, 1946 (1946 का अधिनियम सं. 25) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नोक्त अपराधों को विनिर्दिष्ट करती है जिनका अन्वेषण दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना द्वारा किया जाना है, नामत:—

(क) दी तमिलनाडु जमाकर्त्ताओं (वित्तीय स्थापनाओं में) का हित संरक्षण अधिनियम, 1997 (1997 का अधिनियम सं XLIV) के अन्तर्गत दंडनीय अपराध तथा

(ख) उपर्युक्त उल्लिखित अपराधों के संबंध में या उनसे सम्बद्ध प्रयास, दुष्प्रेरणा और षडयंत्र तथा उसी संव्यवहार के क्रम में किया गया या उन्हीं तथ्यों से उद्भूत कोई अपराध या अपराधों।

[फा. सं. 228/69/2011-एवीडी-II]

राजीव जैन, अवर सचिव

MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS
(Department of Personnel and Training)

New Delhi, the 7th December, 2011

S. O. 3572.—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Delhi Special Police Establishment Act, 1946 (Act No. 25 of 1946), the Central Government hereby specifies the following offences which are to be investigated by the Delhi Special Police Establishment namely:—

(a) Offences punishable under the Tamil Nadu Protection of Interests of Depositors (in Financial Establishments) Act, 1997 (Act No. XLIV of 1997) and

(b) Attempt, abetment and conspiracy in relation to or in connection with the offences mentioned above and any other offence or offences committed in the course of the same transaction or arising out of the same facts.

[F. No. 228/69/2011-AVD-II]

RAJIV JAIN, Under Secy.

वित्त मंत्रालय
(वित्तीय सेवाएं विभाग)

नई दिल्ली, 9 दिसम्बर, 2011

का. आ. 3573.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंध एवं प्रकीर्ण उपबंध) स्कीम, 1970/1980 के खंड 3 के उप-खंड (1) के साथ पठित, बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम, 1970/1980 की धारा 9 की उप-धारा 3 (ज) और (3-क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्द्वारा, श्री रमेश एल. अदिगे (जन्म तिथि 18-06-1950), को उनकी नियुक्ति की अधिसूचना की तिथि से तीन वर्षों की अवधि के लिए अथवा अगले आदेशों तक, जो भी पहले हो, सिंडिकेट बैंक के निदेशक मण्डल में अंशकालिक गैर-सरकारी निदेशक के रूप में नियुक्त करती है।

[फा. सं. 6/1/2011-बीओ-I]

विजय मल्होत्रा, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Financial Services)

New Delhi, the 9th December, 2011

S. O. 3573.—In exercise of the powers conferred by of sub-section 3(h) and (3-A) of Section 9 of The Banking Companies (Acquisition & Transfer of Undertakings) Act, 1970/1980 read with sub-clause (1) of clause 3 of The Nationalised Banks (Management & Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970/1980, the Central Government hereby appoints Shri Ramesh L. Adige (DoB: 18-06-1950) as part-time non-official Director on the Board of Directors of Syndicate Bank for a period of three years from the date of notification of his appointment or until further orders, whichever is earlier.

[F. No. 6/1/2011-BO-I]

VIJAY MALHOTRA, Under Secy.

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय

(उपभोक्ता मामले विभाग)

नई दिल्ली, 12 सितम्बर, 2011

का.आ. 3574.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत:, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स हाई-टैक इक्यूपमेंट, 303, लक्ष्मीकांत निकेतन परिसर, ब्लाक सी, नारायण प्लाजा, एक्जीबिशन रोड के पीछे, पटना-800001 (बिहार) द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "एसएस-एचटी-60" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (इलेक्ट्रोनिक वेब्रिज) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "सुपर स्केल" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/11/14 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (इलेक्ट्रोनिक वेब्रिज) है । इसकी अधिकतम क्षमता 60 टन और न्यूनतम क्षमता 200 कि. ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 10 कि. ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

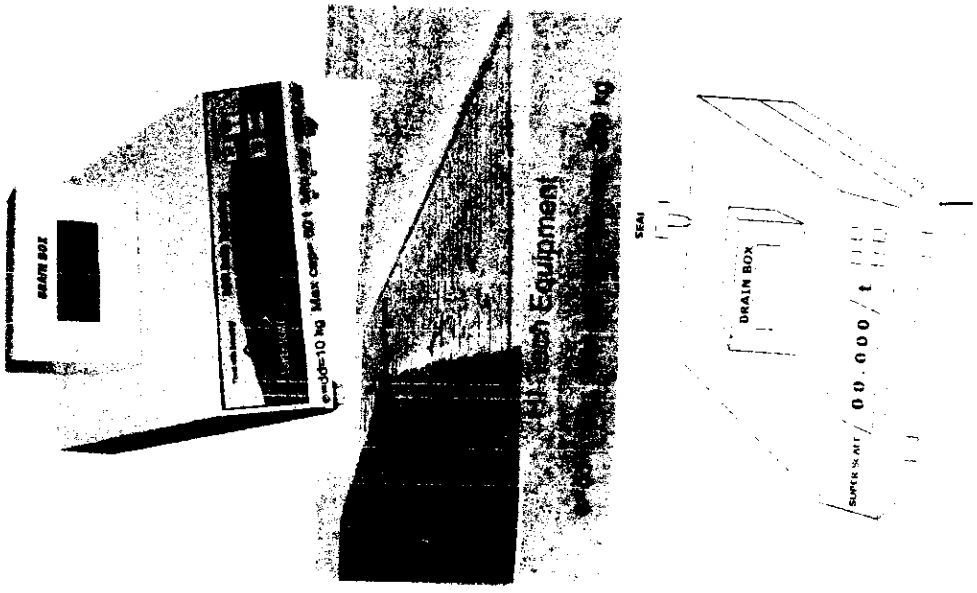

आकृति-2—मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम ।

डिस्पले की बाडी में से सीलिंग वायर निकालकर डिस्पले के राइट साइड/बैक में सीलिंग की गई है । डिस्पले की बेस प्लेट और टॉप कवर के छेद से सील को जोड़ा गया है, तब सील वायर इन दोनों छेदों में से निकाल कर सील से जोड़ा गया है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

उपकरण में केलिब्रेशन के लिए बाहरी पहुंच है । बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 5 टन से 200 टन तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान $1x10^{k}$, $2x10^{k}$ या $5x10^{k}$, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(352)/2010]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

MINISTRY OF CONSUMER AFFAIRS, FOOD AND PUBLIC DISTRIBUTION

(Department of Consumer Affairs)

New Delhi, the 12th September, 2011

S.O. 3574.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Electronic Weighbridge) with digital indication of Medium Accuracy (Accuracy Class-III) of Series "SS-HT-60" and with brand name "SUPER SCALE" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. Hi-Tech Equipment, 303, Laxmikant Niketan Parisar, Block "C", Behind Narayan Plaza Exhibition Road, Patna-800 001 (Bihar) and which is assigned the approval mark IND/09/11/14;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Electronic Weighbridge) with a maximum capacity of 60 tonne and minimum capacity of 200kg. The verification scale interval (e) is 10kg. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 Volts and 50 Hertz alternative current power supply.

Figure-1

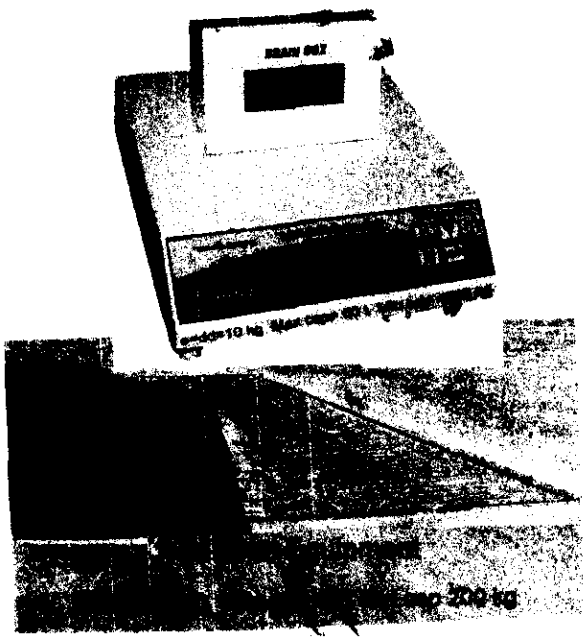

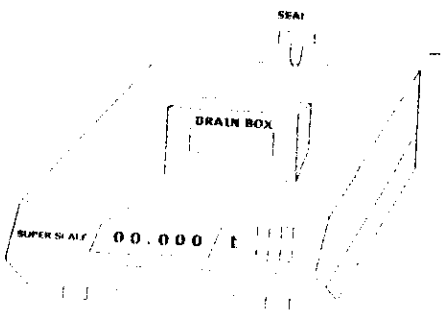

Figure-2—Schematic Diagram of the sealing provision of the model.

Sealing is done on the right side/back side of the display by passing sealing wire from the body of the display. The seal is connected by hole in base plate and top cover of display, than seal wire is passed through these two holes attached with seal . A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

The instrument has external control to calibration. A dip switch has also been provided in A/D card/mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity above 5tonne and upto 200tonne with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g or above and with 'e' value of $1x10^k$, $2x10^k$ or $5x10^k$, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No.WM-21 (352)/2010]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 12 सितम्बर, 2011

का.आ. 3575.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स गोल्डन मीन सेनसोटैक प्रा.लि., प्लाट नं. 3304, फेज-IV, जीआईडीसी, वटवा, अहमदाबाद-382445 गुजरात इंडिया, द्वारा विनिर्मित यथार्थता (वर्ग X) (1) वाले स्वचालित ग्रेविमेट्रिक फिलिंग उपकरण के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "गोल्डन मीन" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/09/143 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित स्वचालित ग्रेविमेट्रिक फिलिंग उपकरण है । इसकी अधिकतम क्षमता 30 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 1 कि. ग्रा. सहित उत्पाद की मात्रा और प्रकार पर आधारित फिल्सरेट 10 पैकेट प्रति मिनट है । स्केल अन्तराल (डी) 10 ग्रा. है । मशीन को फ्री फ्लोइंग, नॉन स्टिकी, नॉन डस्टी उत्पाद आदि भरने के लिए डिजाइन किया गया है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

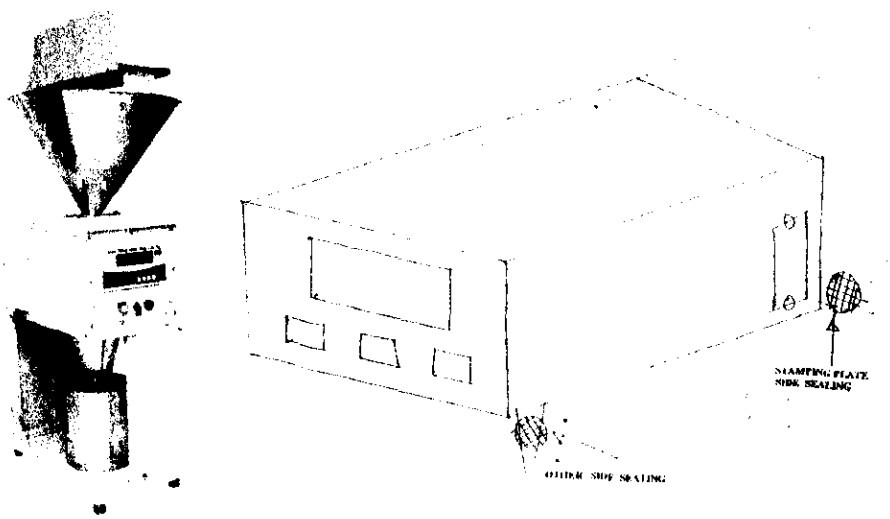

आकृति-2: --सीलिंग प्रावधान का योजनाबद्ध डायग्राम ।

डिस्पले पर सीलिंग की गई है स्क्रू के साथ स्टाम्पिंग प्लेट को लगाया गया है और सीलिंग वायर बाडी में से निकाल कर स्टाम्पिंग के लिए सील से जोड़ा गया है । सील तोड़े बिना इंडीकेटर को खोला नहीं जा सकता । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

उपकरण में केलिब्रेशन के लिए बाहरी पहुंच है । बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 100 ग्रा. से 300 कि.ग्रा. तक की रेंज में होंगे ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(102)/2010]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 12th September, 2011

S.O. 3575.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the Model of Automatic Gravimetric Filling, instrument belonging to Accuracy Class-X (1) with brand "Golden Mean" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. Golden Mean Sensotech Private Limited, Plot No. 3304, Phase-IV, GIDC, Vatva, Ahmedabad-382445, Gujarat, India and which is assigned the approval mark IND/09/09/143;

The said model is a strain gauge type load cell based Automatic Gravimetric Filling, instrument. It has with a maximum capacity of 30 kg. and minimum capacity of 1kg. a frequency of weighing 10 packs per minute depending upon the quantity and nature of the product. The scale interval (d) is 10g. The machine is designed for filling the free flowing non sticky, non dusty products. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 Volts and 50 Hertz alternative current power supply.

Figure-1

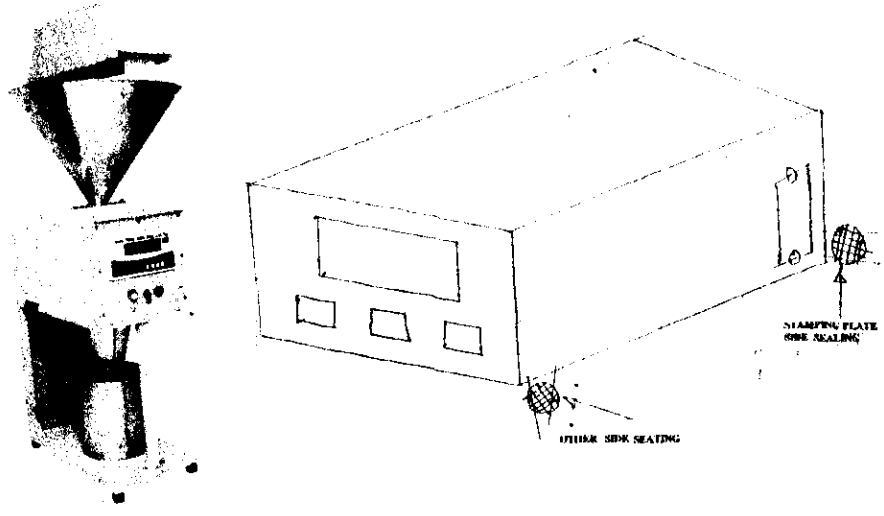

Figure-2: —Sealing Diagram of the sealing provision of the model.

Sealing is done on the display, stamping plate is fitted with screw and sealing wires passed through body and connected to the seal for stamping. The indicator cannot be opened without breaking the seal. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

The instrument has external control to calibration. A dip switch has also been provided in A/D card/mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the power conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with capacity from 100g. to 300 kg. manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No.WM-21 (102)/2010]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 12 सितम्बर, 2011

का.आ. 3576.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स गोल्डन मीन सेनसोटैक प्रा.लि., प्लाट नं. 3304, फेज-IV, जीआईडीसी, वटवा, अहमदाबाद-382445 गुजरात इंडिया, द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "जीएमडब्ल्यू-5" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (इलेक्ट्रोनिक वेब्रिज) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "गोल्डन मीन" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/10/144 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ;

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (इलेक्ट्रोनिक वेब्रिज) है । इसकी अधिकतम क्षमता 50 टन है और न्यूनतम क्षमता 100 कि. ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 5 कि. ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

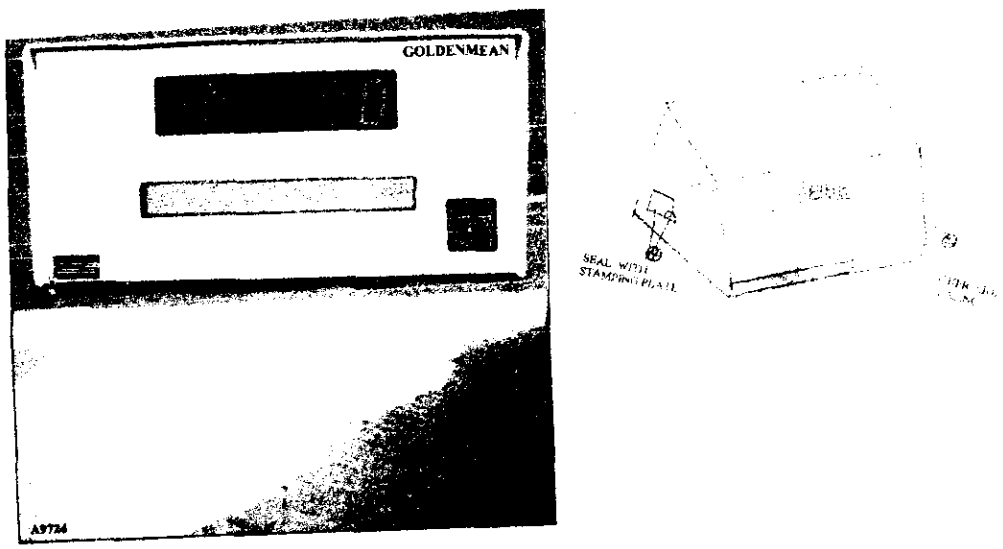

आकृति-2—मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम ।

स्केल की बॉडी में दिए गए छेदों में से सीलिंग वायर निकाल कर सीलिंग की जाती है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 5 टन से 200 टन तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान $1x10^{k}$, $2x10^{k}$ या $5x10^{k}$, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(102)/2010]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 12th September, 2011

S.O. 3576.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Electronic Weighbridge) with digital indication of medium Accuracy (Accuracy Class-III) of Series "GMW-5" and with brand name "Golden Mean" (hereinafter referred to as the said model), maunfactured by M/s. Golden Mean Sensotech Private Limited, Plot No. 3304, Phase-IV, GIDC, Vatva, Ahmedabad-382445, Gujarat, India and which is assigned the approval mark IND/09/10/144;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Electronic Weighbridge) with a maximum capacity of 50 tonne and minimum capacity of 100kg. The verification scale interval (e) is 5kg. It has a tare device with a 100 percent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 Volts and 50 Hertz alternative current power supply.

Figure-1

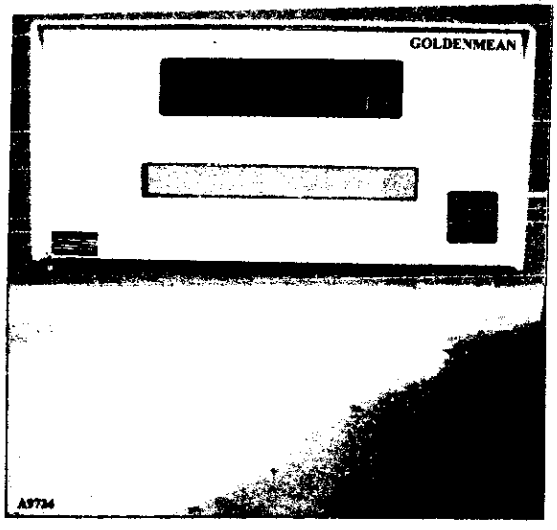

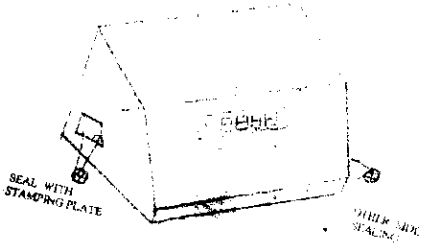

Figure-2—Sealing provision of the indicator of the model.

Sealing is done by passing the sealing wire from the body of the scale through holes . A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

Further, in exercise of the power conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity above 5 tonne and upto 200 tonne with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g. or above and with 'e' value $1x10^k$, $2x10^k$ or $5x10^k$, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No.WM-21 (102)/2010]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 12 सितम्बर, 2011

का.आ. 3577.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स गोल्डन मीन सेनसोटैक प्रा.लि., प्लाट नं. 3304, फेज-IV, जीआईडीसी, वटवा, अहमदाबाद-382445 गुजरात इंडिया, द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "जीएमटी-2" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित फ्लेमप्रूफ इंडीकेटर सहित तोलन उपकरण (टैंक वेइंग टाइप) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "गोल्डन मीन" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/10/145 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित फ्लेमप्रूफ सहित तोलन उपकरण (टैंक वेइंग टाइप) है । इसकी अधिकतम क्षमता 10000 कि.ग्रा. है और न्यूनतम क्षमता 40 कि. ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 2 कि. ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

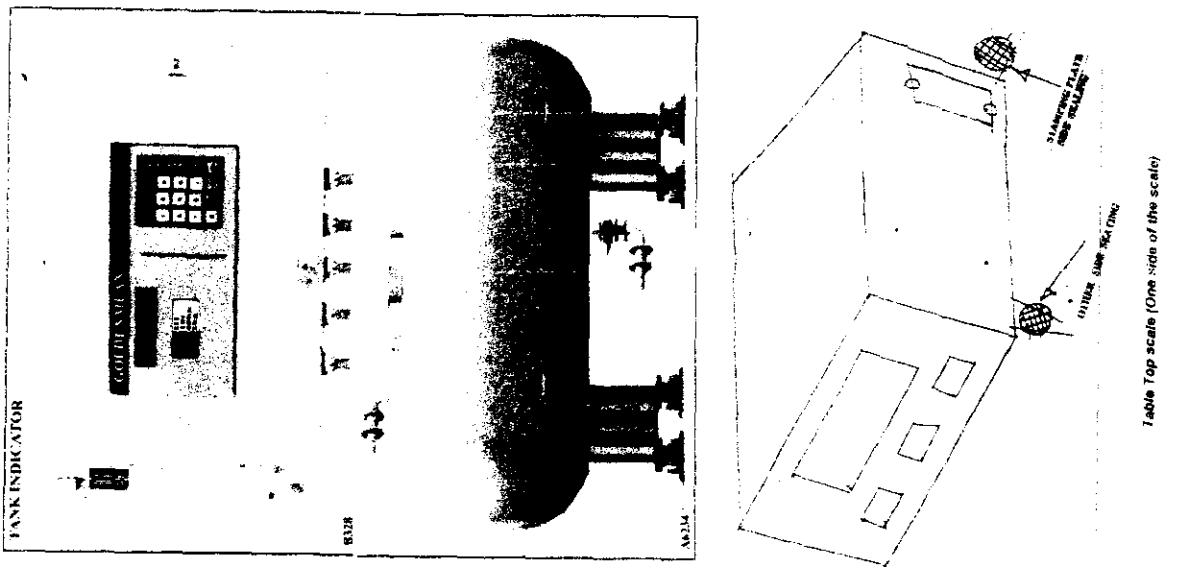

आकृति-2—सीलिंग प्रावधान का योजनाबद्ध डायग्राम ।

डिस्प्ले पर सीलिंग की गई है स्क्रू के साथ स्टाम्पिंग प्लेट को लगाया गया है और सीलिंग वायर बाडी में से निकाल कर स्टाम्पिंग के लिए सील से जोड़ा गया है । सील तोड़े बिना इंडीकेटर को खोला नहीं जा सकता । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 100 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 1 टन से 200 टन तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान $1x10^{k}$, $2x10^{k}$ या $5x10^{k}$, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(102)/2010]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 12th September, 2011

S.O. 3577.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument with flameproof indicator (Tank Weighing type) with digital indication of medium accuracy (Accuracy Class-III) of Series "GMT-2" and with brand name "Golden Mean" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. Golden Mean Sensotech Private Limited, Plot No. 3304, Phase-IV, GIDC, Vatva, Ahmedabad-382445, Gujarat, India and which is assigned the approval mark IND/09/10/145;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument with flameproof indicator (Tank Weighing type) with a maximum capacity of 10000 kg. and minimum capacity of 40kg. The verification scale interval (e) is 2kg. It has a tare device with a 100 percent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) indicates the weighing result. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

Figure-1

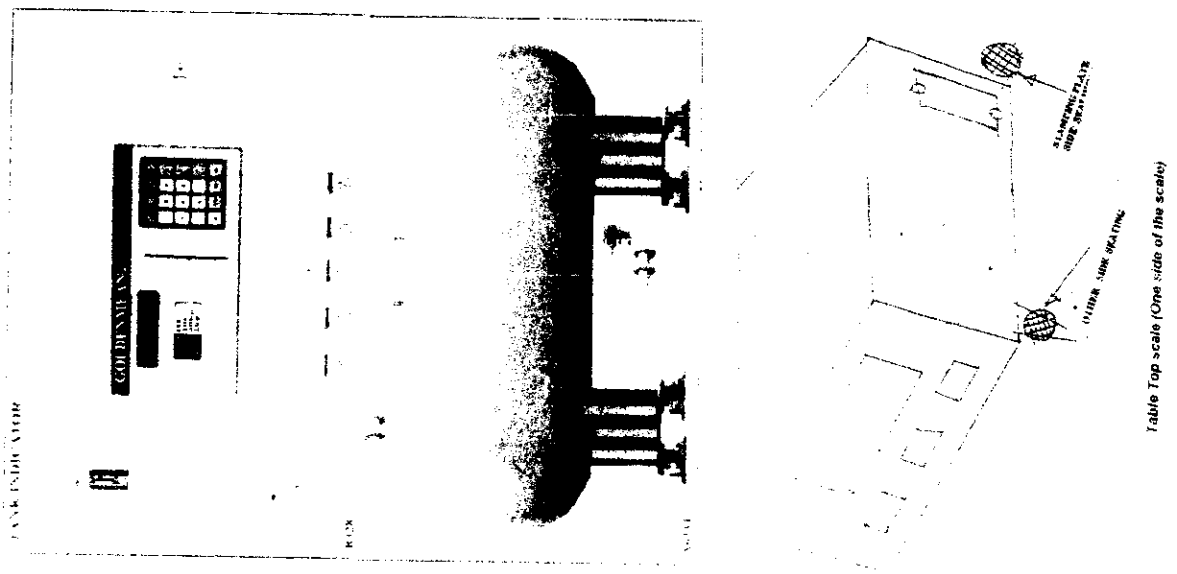

Figure-2—Schematic Diagram of the sealing provision of the model.

Sealing is done on the display, stamping plate is fitted with screw and sealing wires passed through body and connected to the seal for stamping. The indicator cannot be opened without breaking the seal. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

Further, in exercise of the power conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instrument of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacities in the range of 1 tonne to 200 tonne with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 100 g. or more and with 'e' value $1x10^k$, $2x10^k$ or $5x10^k$, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No.WM-21 (102)/2010]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 12 सितम्बर, 2011

का.आ. 3578.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत:, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स गोल्डन मीन सेनसोटैक प्रा.लि., प्लाट नं. 3304, फेज-IV, जीआईडीसी, वटवा, अहमदाबाद-382445 गुजरात इंडिया, द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "जीएमसी-5" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित फ्लेमप्रुफ इंडीकेटर सहित तोलन उपकरण (क्रेन टाइप) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "गोल्डन मीन" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/10/146 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (क्रेन टाइप) है । इसकी अधिकतम क्षमता 1,000 कि.ग्रा. है और न्यूनतम क्षमता 2 कि. ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 100 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

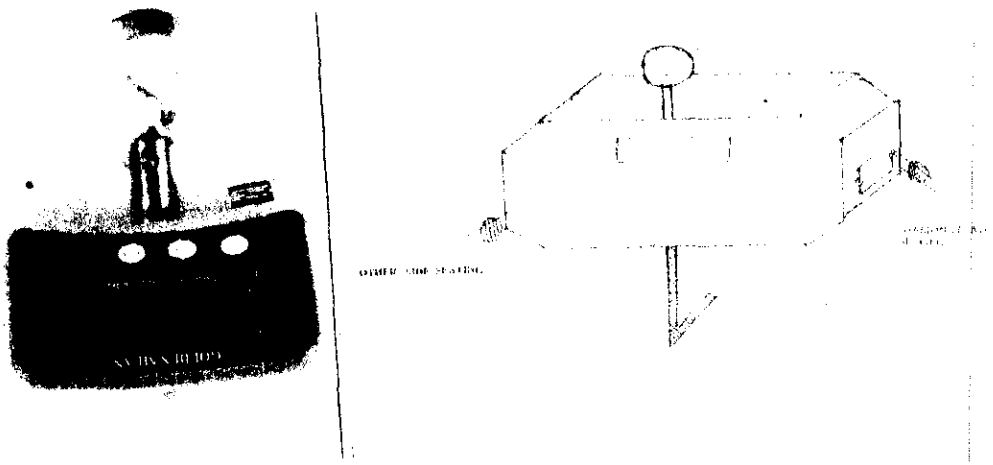

आकृति-2: –सीलिंग प्रावधान का योजनाबद्ध डायग्राम ।

इंडीकेटर की पीछे अपर और लोअर प्लेट में छेद बना कर, इनमें से सीलिंग वायर निकाल कर सीलिंग की जाती है । वेइंग मशीन को कपटपूर्ण व्यवहार के लिए खोले जाने से रोकने के लिए सीलिंग की जाती है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

उपकरण में केलिब्रेशन के लिए बाहरी पहुंच है । बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा. से 10 टन तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान $1x10^{k}$, $2x10^{k}$ या $5x10^{k}$, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(102)/2010]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 12th September, 2011

S.O. 3578.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publish the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Crane type) with digital indication of medium accuracy (Accuracy Class-III) of Series "GMC-5" and with brand name "Golden Mean" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. Golden Mean Sensotech Private Limited, Plot No. 3304, Phase-IV, GIDC, Vatva, Ahmedabad-382445, Gujarat, India and which is assigned the approval mark IND/09/10/146;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Crane type) with a maximum capacity of 1000 kg. and minimum capacity of 2kg. The verification scale interval (e) is 100g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 Volts and 50 Hertz alternative current power supply.

Figure-1

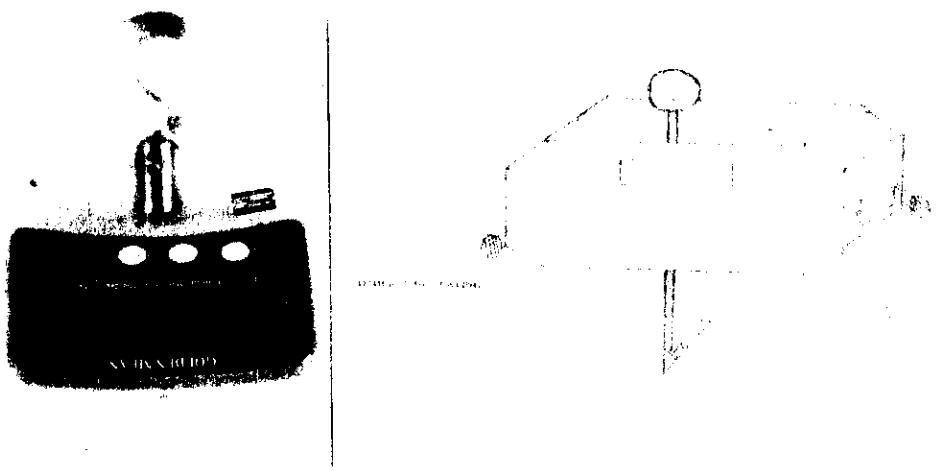

Figure-2: —Sealing arrangement

Sealing is done through the holes made in upper and lower plate on the rear side of the indicator, than sealing wire is passed through these holes. Sealing shall be done to prevent opening of the weighing machine for fraudulent practice. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

The instrument has external control to calibration. A dip switch has also been provided in A D card mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the power conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instrument of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity range from 50kg. and up to 10 tonne with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5 g. or more and with 'e' value $1x10^k$, $2x10^k$ or $5x10^k$, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No.WM-21 (102)/2010]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 12 सितम्बर, 2011

का.आ. 3579.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स कोमल स्केल, खेदा फलिया, वेजलपुर पोस्ट, तह. कलोल, जिला पंचमहल-389340 गुजरात द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "वीआरटी-II" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबल टाप टाइप) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "वरुंद" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/10/334 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबलटाप टाइप) है । इसकी अधिकतम क्षमता 30 कि.ग्रा. है और न्यूनतम क्षमता 100 ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 5 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

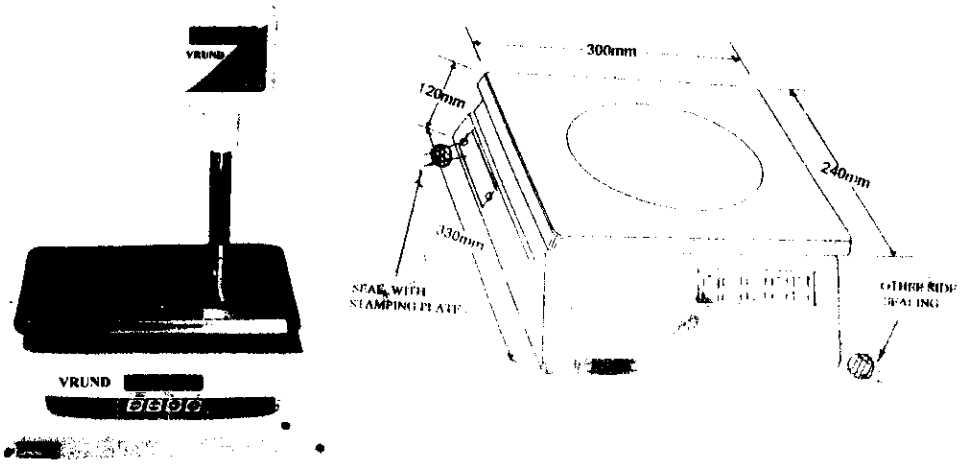

आकृति-2—मॉडल का सीलिंग प्रावधान ।

स्केल की बॉडी के होल्स में से सीलिंग वायर निकाल कर सीलिंग की जाती है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम ऊपर दिया गया है ।

बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 1 मि.ग्रा. से 2 ग्रा. तक के "ई" मान के लिए 100 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) और 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि. ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान $1x10^{k}$, $2x10^{k}$ या $5x10^{k}$, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(188)/2010]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 12th September, 2011

S.O. 3579.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Table top type) with digital indication of Medium Accuracy (Accuracy Class-III) of Series "VRT-II" and with brand name "VRUND" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. Komal Scale, Kheda Faliya. At Post-Vejalpur, Ta-Kalol, Dist Panchamahal, Pin-389340, Gujarat and which is assigned the approval mark IND/09/10/334;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Table top type) with a maximum capacity of 30 kg. and minimum capacity of 100g. The verification scale interval (e) is 5g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 Volts and 50 Hertz alternative current power supply.

Figure-1

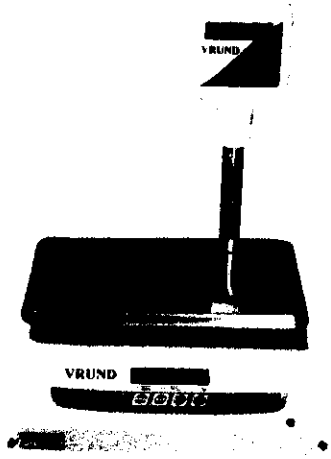

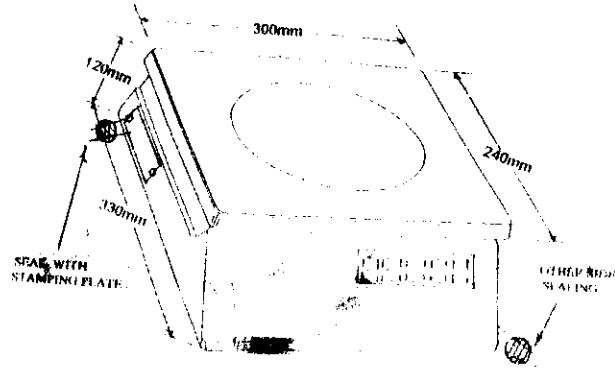

Figure-2—Sealing diagram of sealing provision of the model

Sealing is done by passing the sealing wire from the body of the scale through holes . A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

A dip switch has also been provided in A/D card/Mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the power conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity upto 50 kg. with verification scale interval (n) in the range of 100 to 10,000 for 'e' value of 1mg. to 2g. and with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g. or more and with 'e' value of $1x10^k$, $2x10^k$,or $5x10^k$, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved Model has been manufactured.

[F. No.WM-21 (188)/2010]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 12 सितम्बर, 2011

का.आ. 3580.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स कोमल स्केल, खेदा फलिया, वेजलपुर पोस्ट, तह. कलोल, जिला पंचमहल-389340 गुजरात द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "वीआरपी-7" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (प्लेटफार्म टाइप) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "वरुंद" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/10/335 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (प्लेटफार्म टाइप) है । इसकी अधिकतम क्षमता 1000 कि.ग्रा. है और न्यूनतम क्षमता 2 कि. ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 100 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

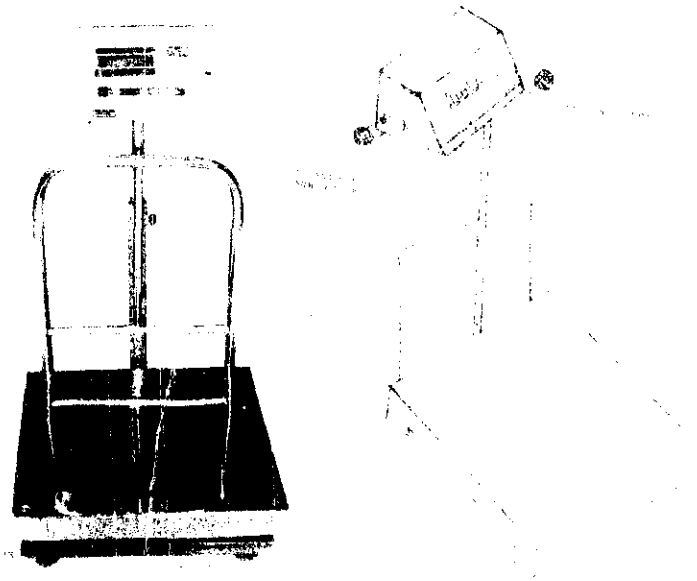

आकृति-2 -मॉडल का सीलिंग प्रावधान ।

स्केल की बाडी के होल्स में से सीलिंग वायर निकाल कर सीलिंग की जाती है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम ऊपर दिया गया है ।

बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल विनिर्माण किया गया है विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि. ग्रा. से अधिक और 5000 कि. ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान $1x10^{k}$, $2x10^{k}$ या $5x10^{k}$, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(188)/2010]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 12th September, 2011

S.O. 3580.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Platform type) with digital indication of Medium Accuracy (Accuracy Class-III) of Series "VRP-7" and with brand name "VRUND" (hereinafter referred to as the said model), maunfactured by M/s. Komal Scale, Kheda Faliya. At Post-Vejalpur, Ta.-Kalol, Dist Panchamahal, Pin-389340, Gujarat and which is assigned the approval mark IND/09/10/335;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Platform type) with a maximum capacity of 1,000 kg. and minimum capacity of 2kg. The verification scale interval (e) is 100g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 Volts and 50 Hertz alternative current power supply.

Figure-1

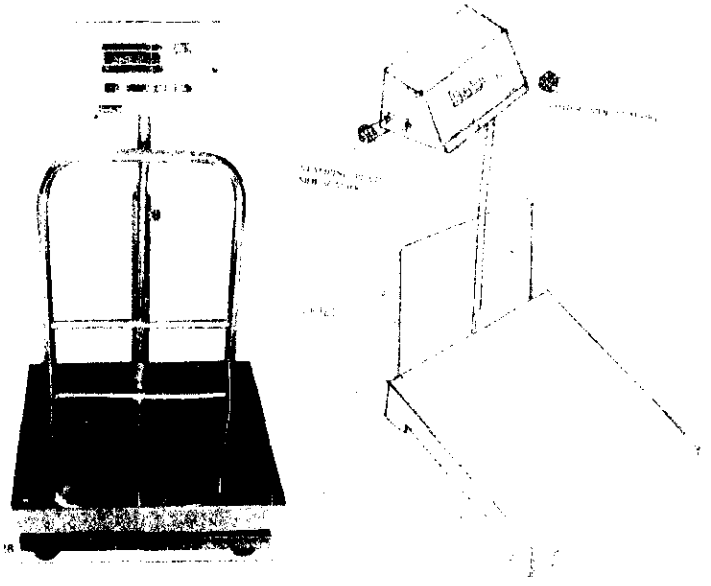

Figure-2—Schematic Diagram of sealing provision of the model

Sealing is done by passing the sealing wire from the body of the scale through holes . A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

A dip switch has also been provided in A/D card/mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the power conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity above 50 kg. and up to 5000kg. with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g. or more and with 'e' value of $1x10^k$, $2x10^k$ or $5x10^k$, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No.WM-21 (188)/2010]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 12 सितम्बर, 2011

का.आ. 3581.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत:, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा शक्तियों को प्रयोग करते हुए मैसर्स एल्कोस प्लाट नं. 397/398, लेविस रोड, गर्ग चाक, भुवनेश्वर-751002 (उड़ीसा) द्वारा विनिर्मित उच्च यथार्थता (यथार्थता वर्ग-II) वाले "एएलजे" श्रृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबलटाप टाइप) के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम "एल्कोस" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/10/124 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबलटाप टाइप) है । इसकी अधिकतम क्षमता 30 कि.ग्रा. है और न्यूनतम क्षमता 100 ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 2 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

आकृति-1

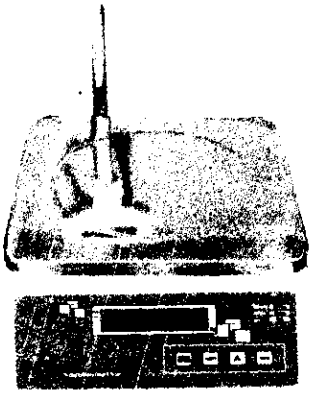

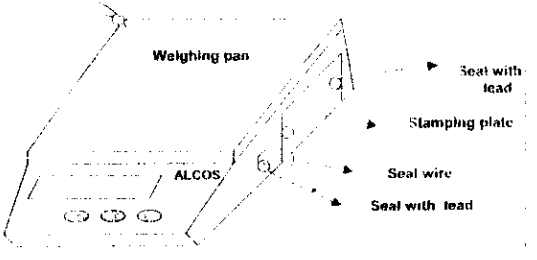

आकृति-2—मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम ।

स्केल के लेफ्ट और राइट में दिए गए छेंदों में सीलिंग वायर निकाल कर सीलिंग की गई है । वेइंग मशीन को कपटपूर्ण व्यवहार के लिए खोले जाने से रोकने के लिए सीलिंग की जाती है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

उपकरण में केलिब्रेशन के लिए बाहरी पहुंच है । बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी श्रृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 1 मि.ग्रा. से 50 मि. ग्रा. तक के "ई" मान के लिए 100 से 50,000 तक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) और 100 मि. ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 5000 से 50,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि. ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^{k}, 2×10^{k} या 5×10^{k}, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(96)/2010]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 12th September, 2011

S.O. 3581.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby approves and issues the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Table top type) with digital indication of High Accuracy (Accuracy Class-II) of Series "ALJ" and with brand name "ALCOS" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. Alcos Plot No. 397/398, Lewis Road, Garage Chack, Bhubaneswar-751002 (Orissa) which is assigned the approval mark IND/09/10/124;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Tabletop type) with a maximum capacity of 30 kg and minimum capacity of 100g. The verification scale interval (e) is 2g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 Volts and 50 Hertz alternative current power supply.

Figure-1 Model

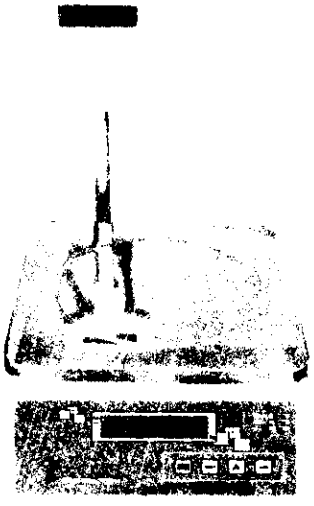

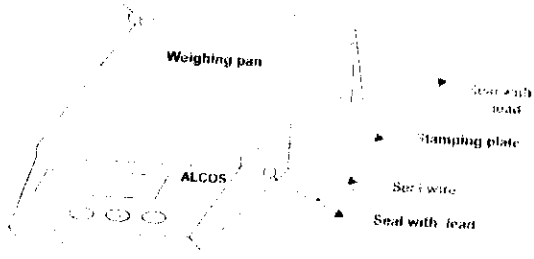

Figure-2—Sealing diagram

Sealing is done by passing the sealing wire on the left and right side of the scale. Sealing shall be done to prevent opening of the weighing machine for fraudulent practice. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

The instrument has external control to calibration. A dip switch has also been provided in A/D card/mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instrument of similar make and performance of same series with maximum capacity up to 50 kg and with number of verification scale interval (n) in the range of 100 to 50000 for 'e' value of 1mg to 50mg and with number of verification scale interval (n) in the range of 5000 to 50,000 for 'e' value of 100mg or more and with 'e' value 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, k being the positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and materials with which, the approved Model has been manufactured.

[F. No.WM-21 (96)/2010]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 12 सितम्बर, 2011

का.आ. 3582.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत:, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स एल्कोस प्लाट नं. 397/398, लेविस रोड, गर्ग चाक, भुवनेश्वर-751 002 (उड़ीसा) द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "एएलटी" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबलटाप टाइप) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "एल्कोस" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/10/125 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबलटाप टाइप) है । इसकी अधिकतम क्षमता 30 कि.ग्रा. है और न्यूनतम क्षमता 100 ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 5 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

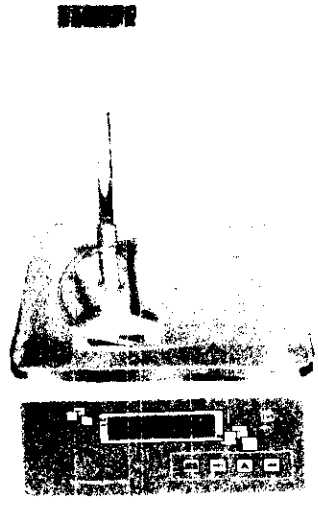

आकृति-2—मॉडल को सीलिंग का योजनाबद्ध डायग्राम ।

स्केल की बाडी में दिए गए छेदों में सीलिंग वायर निकाल कर सीलिंग की गई है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

उपकरण में केलिब्रेशन के लिए बाहरी पहुंच है । बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 100 मि.ग्रा. से 2 ग्रा. तक के "ई" मान के लिए 100 से 10,000 तक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) और 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि. ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^{k}, 2×10^{k} या 5×10^{k}, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(96)/2010]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 12th September, 2011

S.O. 3582.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby approves and issues the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Tabletop type) with digital indication belonging to Medium Accuracy (Accuracy Class-III) of Series "ALT" and with brand name "ALCOS" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. Alcos Plot No. 397/398, Lewis Road, Garage Chack, Bhubaneswar-751002 (Orissa) which is assigned the approval mark IND/09/10/125;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Tabletop type) with a maximum capacity of 30 kg. and minimum capacity of 100g. The verification scale interval (e) is 5g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 Volts 50 Hertz alternative current power supply.

Figure-1

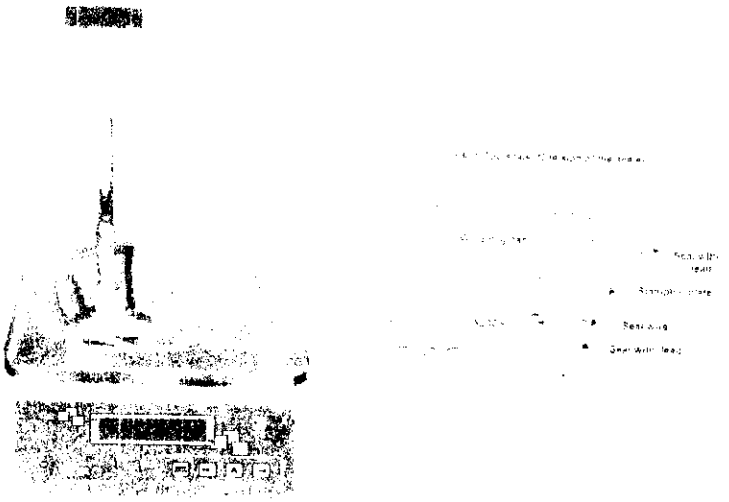

Figure-2—Schematic Diagram of sealing of the model.

Sealing is done by passing the sealing wire from the body of the scale through holes. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

The instrument has external control to calibration. A dip switch has been provided in A/D card/mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instrument of similar make, accuracy, performance and of the same series with maximum capacity up to 50 kg and with number of verification scale interval (n) in the range of 100 to 10,000 for 'e' value of 100 mg to 2. and with number of verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g. or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k,or 5×10^k, k being the positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the said manufacturer in accordance with the same principle, design and materials with which, the approved Model has been manufactured.

[F. No.WM-21 (96)/2010]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 12 सितम्बर, 2011

का.आ. 3583.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत:, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा शक्तियों को प्रयोग करते हुए मैसर्स एल्कोस प्लाट नं. 397/398, लेविस रोड, गर्ग चाक, भुवनेश्वर, 751002 (उड़ीसा) द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "एएलपी" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (प्लेटफार्म टाइप) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "एल्कोस" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/10/126 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (प्लेटफार्म टाइप) है । इसकी अधिकतम क्षमता 1000 कि.ग्रा. है और न्यूनतम क्षमता 2 कि. ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 100 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

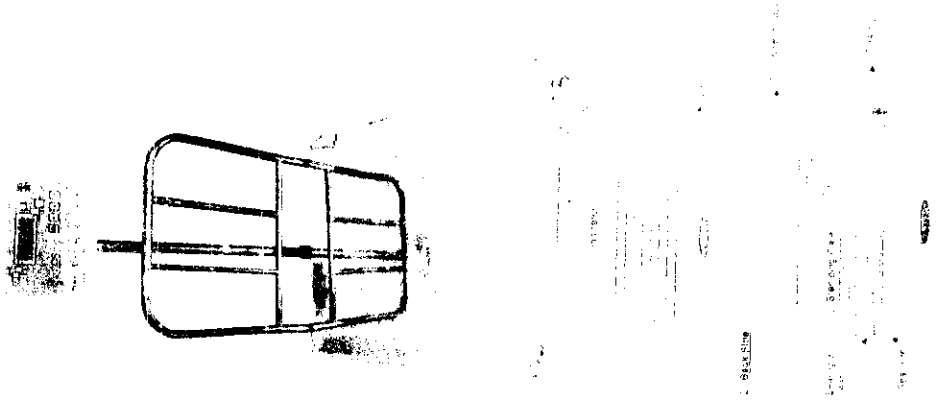

आकृति-2—मॉडल का सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम ।

स्केल की बाडी पर सीलिंग के लिए बनाए गए छेदों में से सीलिंग वायर निकाल कर सीलिंग की गई है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

उपकरण में केलिब्रेशन के लिए बाहरी पहुंच है । बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल विनिर्माण किया गया है विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) 50 कि. ग्रा. से 5000 कि. ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान $1x10^{k}$, $2x10^{k}$ या $5x10^{k}$, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(96)/2010]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 12th September, 2011

S.O. 3583.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby approves and issues the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Platform type) with digital indication of Medium Accuracy (Accuracy Class-III) of Series "ALP" and with brand name "ALCOS" (hereinafter referred to as the said model), maunfactured by M/s. Alcos Plot No. 397/398, Lewis Road, Garage Chack, Bhubaneswar-751002 (Orissa) which is assigned the approval mark IND/09/10/126;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Platform type) with a maximum capacity of 1000 kg. and minimum capacity of 2kg. The verification scale interval (e) is 100g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 Volts and 50 Hertz alternative current power supply.

Figure-1

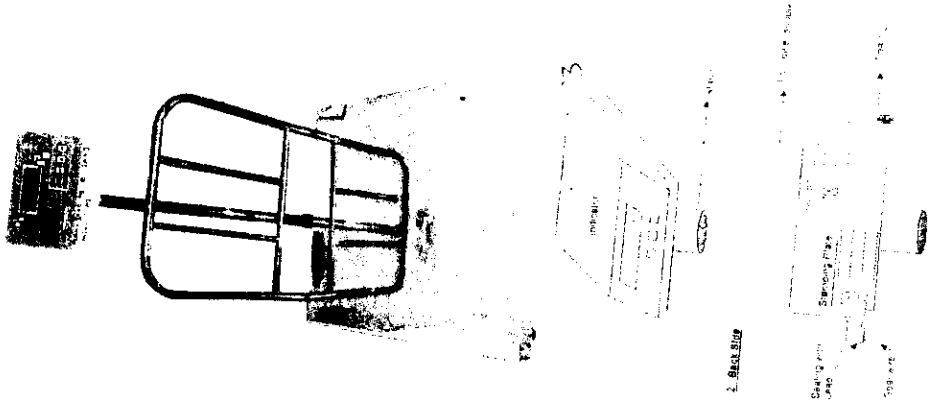

Figure-2—Schematic Diagram.

Sealing is done by passing the sealing wire from the holes provided for sealing on both the side of the indicator. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

The instrument has external control to calibration. A dip switch has also been provided in A/D card/mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the power conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity above 50 kg. up to 5000kg. with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g. or more and with 'e' value of $1x10^k$, $2x10^k$, or $5x10^k$, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and materials with which, the said approved Model has been manufactured.

[F. No.WM-21 (96)/2010]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 12 सितम्बर, 2011

का.आ. 3584.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स एल्कोस प्लाट नं. 397/398, लेविस रोड, गर्ग चाक, भुवनेश्वर-751002 (उड़ीसा) द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "एएलसी" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (क्रेन टाइप) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "एल्कोस" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/10/127 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (क्रेन टाइप) है । इसकी अधिकतम क्षमता 1000 कि.ग्रा. है और न्यूनतम क्षमता 4 कि. ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 200 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

आकृति-2—मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम ।

इंडीकेटर के पिछले भाग में अपर और लोअर प्लेट में छेद बनाकर, इन छेदों में सीलिंग वायर निकाल कर सीलिंग की जाती है । वेइंग मशीन को कपटपूर्ण व्यवहार से खोलने से रोकने के लिए सीलिंग की जाती है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

उपकरण में केलिब्रेशन के लिए बाहरी पहुंच है । बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि. ग्रा. से 30 टन तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान $1x10^{k}$, $2x10^{k}$, $5x10^{k}$, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(96)/2010]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 12th September, 2011

S.O. 3584.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Crane Type) with digital indication of Medium Accuracy (Accuracy Class-III) of Series "ALC" and with brand name "ALCOS" (hereinafter referred to as the said model), maunfactured by M/s. Alcos Plot No. 397/398, Lewis Road, Garage Chack, Bhubaneswar-751002 (Orissa) which is assigned the approval mark IND/09/10/127;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Crane type) with a maximum capacity of 1000 kg. and minimum capacity of 4kg. The verification scale interval (e) is 200g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) indicates the weighing results. The instrument operates on 230 Volts and 50 Hertz alternative current power supply.

Figure-1

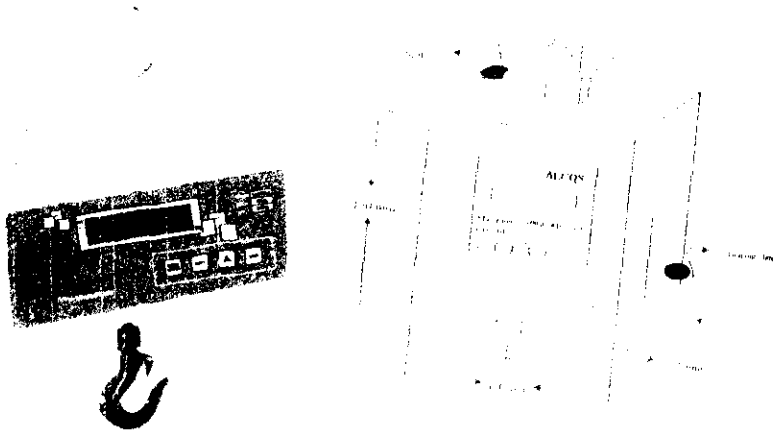

Figure-2—Schematic Diagram.

Sealing is done through the holes made in upper and lower plate on the rear side of the indicator, than sealing wire is passed through these holes. Sealing shall be done to prevent opening of the weighing machine for fraudulent practice. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

The instrument has external control to calibration. A dip switch has also been provided in A/D card/mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the power conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity range from 50kg. and up to 30 tonne with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g. or more and with 'e' value $1x10^k$, $2x10^k$ or $5x10^k$, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No.WM-21 (96)/2010]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 12 सितम्बर, 2011

का.आ. 3585.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976(1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत: अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स एल्कोस प्लाट नं. 397/398, लेविस रोड, गर्ग चाक, भुवनेश्वर-751002 (उड़ीसा) द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "एएलडब्ल्यू" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (इलेक्ट्रोनिक वेब्रिज) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "एल्कोस" है, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/10/128 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (इलेक्ट्रोनिक वेब्रिज) है । इसकी अधिकतम क्षमता 40 टन है और न्यूनतम क्षमता 100 कि.ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 5 कि.ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

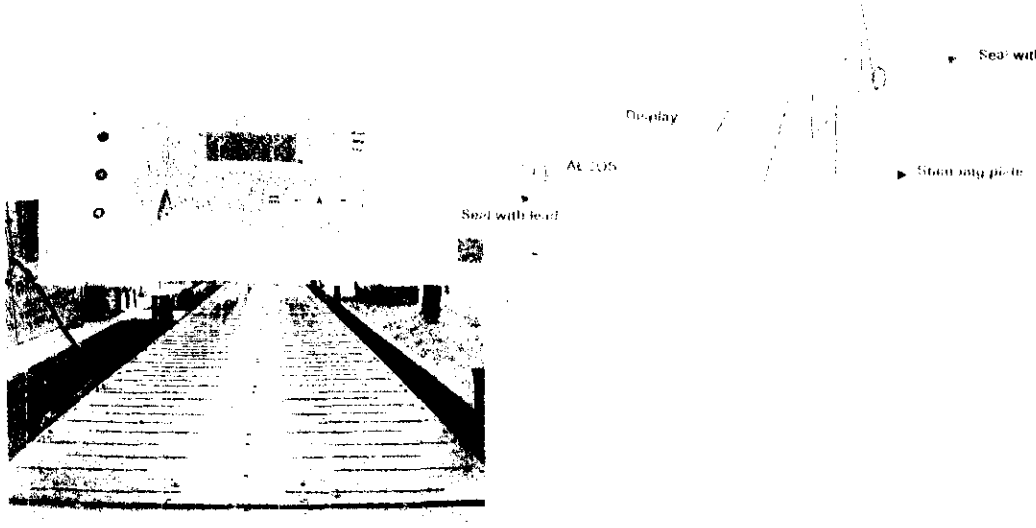

आकृति -3 मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम

डिस्प्ले की बाडी पर दिए गए हैड होल स्क्रू में से सीलिंग वायर निकालकर इंडीकेटर के दोनों ओर सीलिंग की जाती है । डिस्प्ले की बैक प्लेट में दिए गए छेद से सील को जोड़ा गया है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

उपकरण में केलिब्रेशन के लिए बाहरी पहुंच है । बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 5 टन से 200 टन तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान $1x10^{k}$, $2x10^{k}$ या $5x10^{k}$, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(96)/2010]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 12th September, 2011

S.O. 3585.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Electronic Weighbridge) with digital indication of medium accuracy (Accuracy class -III) of Series "ALW" and with brand name "ALCOS" (hereinafter referred to as the said model), maunfactured by M/s. Alcos Plot No. 397/398, Lewis Road, Garage Chack, Bhubaneswar-751002 (Orissa) and which is assigned the approval mark IND/09/10/128;

The said Model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Electronic Weighbridge) with a maximum capacity of 40tonne and minimum capacity of 100kg. The verification scale interval (e) is 5kg. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The LED display indicates the weighing results. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

Figure-1 Model (Weighbridge)

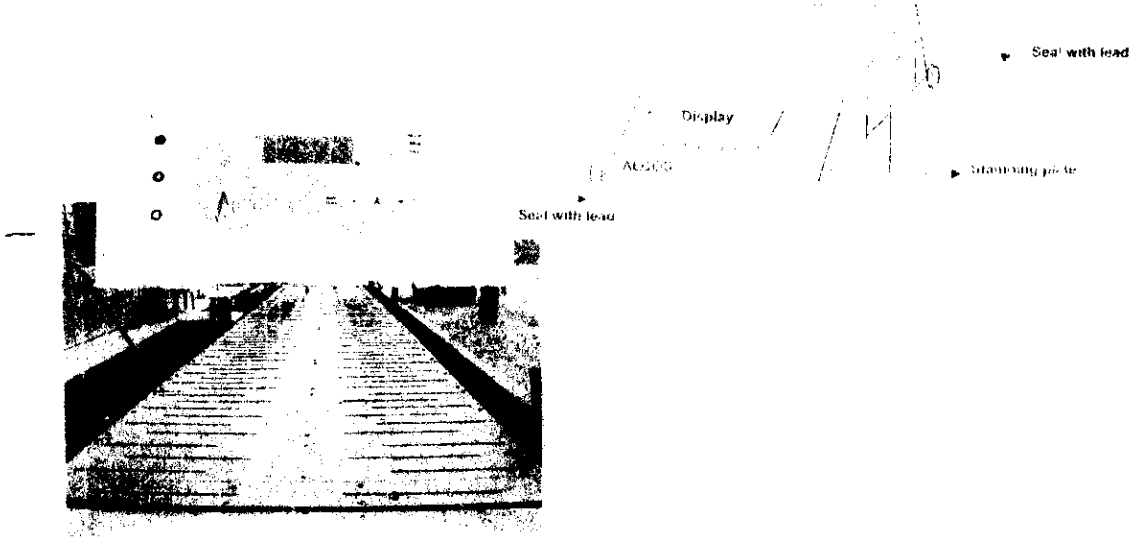

Figure-3 Sealing provision of the indicator of the model

Sealing is done on the two side of the indicator by passing sealing wire through the head holes screw on the body of the display. The seal is connected by hole in back plate of display. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

Further, in exercise of the power conferred by sub-section (12) of section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said Model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity above 5 tonne and up to 200 tomme with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g or above and with 'e' value of $1x10^k$, $2x10^k$ or $5x10^k$, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and materials with which, the said approved Model has been manufactured.

[F. No.WM-21(96)/2010]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 12 सितम्बर, 2011

का.आ. 3586.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976(1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप हैं और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत:, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स सफल इंटरप्राइज 10, रूप माधुरी सोसायटी, श्यामल रॉ हाउस के सामने, पार्ट 5, मानेकबाग, अहमदाबाद-380015 द्वारा विनिर्मित उच्च यथार्थता (यथार्थता वर्ग-II) वाले "एस ई टी 3-" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबलटाप टाइप) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "सफल" है, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/10/200 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबलटाप टाइप) है । इसकी अधिकतम क्षमता 300 ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 200 मि.ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 10 मि.ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

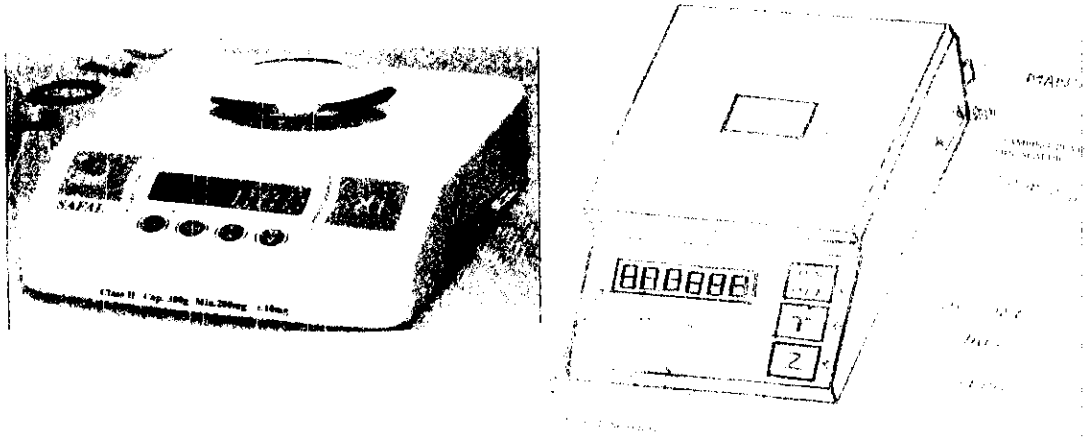

आकृति -2 मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम

डिस्प्ले की बाडी में से सीलिंग वायर निकालकर डिस्प्ले के राइट साइड/बैक साइड में सीलिंग की गई है । डिस्प्ले की बेस प्लेट और टाप कवर के छेद से सील को जोड़ा गया है । तब सील वायर इन दोनों छेदों में से निकालकर सील से जोड़ा गया है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

उपकरण में केलिब्रेशन के लिए बाहरी पहुंच है । बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो । मि.ग्रा. से 50 मि.ग्रा. तक के "ई" मान के लिए 100 से 100,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) और 100 मि.ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 100,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान $1x10^{k}$, $2x10^{k}$ या $5x10^{k}$, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(130)/2010]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 12th September, 2011

S.O. 3586.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Tabletop type) with digital indication of High Accuracy (Accuracy class -II) of Series "SET-3" and with brand name "SAFAL" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. Safal Enterprise, 10, Roop Madhuri Society, Opp. Shyamal Raw House, Part 5, Manekbaug, Ahmedabad-380015 and which is assigned the approval mark IND/09/10/200;

The said Model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Table Top type) with a maximum capacity of 300g. and minimum capacity of 200mg. The verification scale interval (e) is 500mg. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing results. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

Figure 1

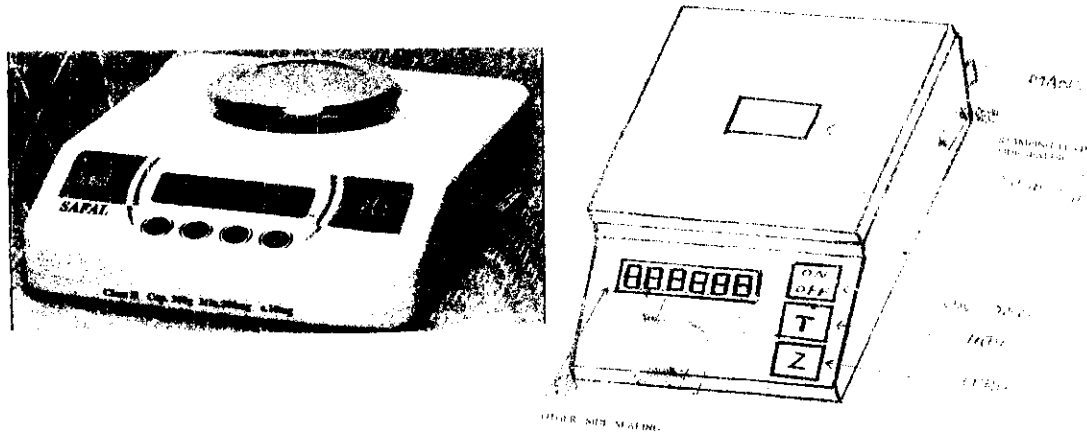

Figure-2 Schematic Diagram of sealing provision of the model

Sealing is done on the display by passing sealing wire from the body of the display. The seal is connected by whole in base plate and top cover of display, than seal wire is passed through these two holes attached with seal. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

The instrument has external control to calibration. A dip switch has also been provided in A/D card/mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the power conferred by sub-section (12) of section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said Model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity up to 50 kg. with verification scale interval (n) in the range of 100 to 100,000 for 'e' value of 1mg. to 50mg. and with verification scale interval (n) in the range of 500 to 100,000 for 'e' value of 100mg or more and with 'e' value of $1x10^k$, $2x10^k$ or $5x10^k$, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved Model has been manufactured.

[F. No.WM-21(130)/2010]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 12 सितम्बर, 2011

का.आ. 3587.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976(1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत: अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स सफल इंटरप्राइज 10, रूप माधुरी सोसायटी, श्यामल रॉ हाउस के सामने, पार्ट 5, मानेकबाग, अहमदाबाद-380015 द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "एस ई टी टी-11" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबलटाप टाइप) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "सफल" है, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/10/201 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबलटाप टाइप) है । इसकी अधिकतम क्षमता 30 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 100 ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 5 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

आकृति –1

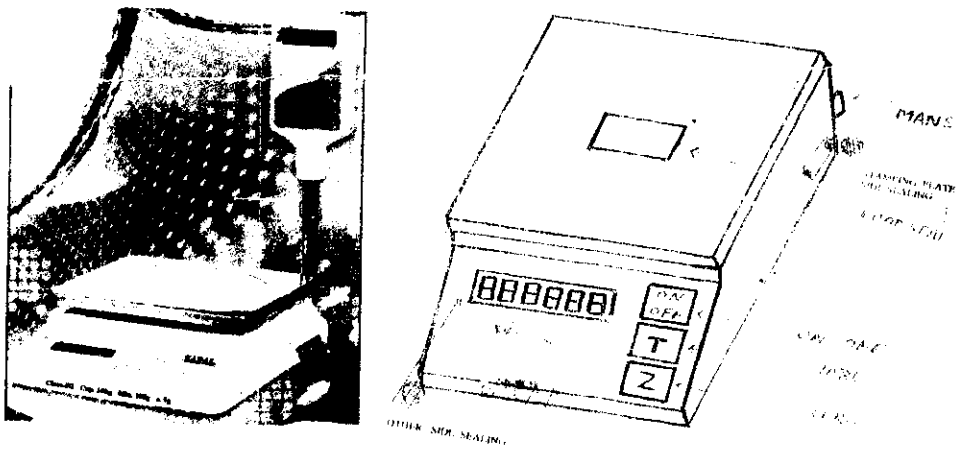

आकृति –2 मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम

डिस्प्ले की बॉडी में से सीलिंग वायर निकाल कर डिस्प्ले के राइट साइड/बैक साइड में सीलिंग की गई है । डिस्प्ले की बेस प्लेट और टाप कवर के छेद से सील को जोड़ा गया है । तब सील वायर इन दोनों छेदों में से निकाल कर सील से जोड़ा गया है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

उपकरण में केलिब्रेशन के लिए बाहरी पहुंच है । बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 1 मि.ग्रा. से 2 ग्रा. तक के "ई" मान के लिए 100 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) और 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 5000 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान $1x10^{k}$, $2x10^{k}$ या $5x10^{k}$, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(130)/2010]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 12th September, 2011

S.O. 3587.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Tabletop type) with digital indication of Medium Accuracy (Accuracy class -III) of Series "SETT-11" and with brand name "SAFAL" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. Safal Enterprise, 10, Roop Madhuri Society, Opp. Shyamal Raw House, Part 5, Manekbaug, Ahmedabad-380015 and which is assigned the approval mark IND/09/10/201;

The said Model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Table Top type) with a maximum capacity of 30kg and minimum capacity of 100g. The verification scale interval (e) is 5g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

Figure-1

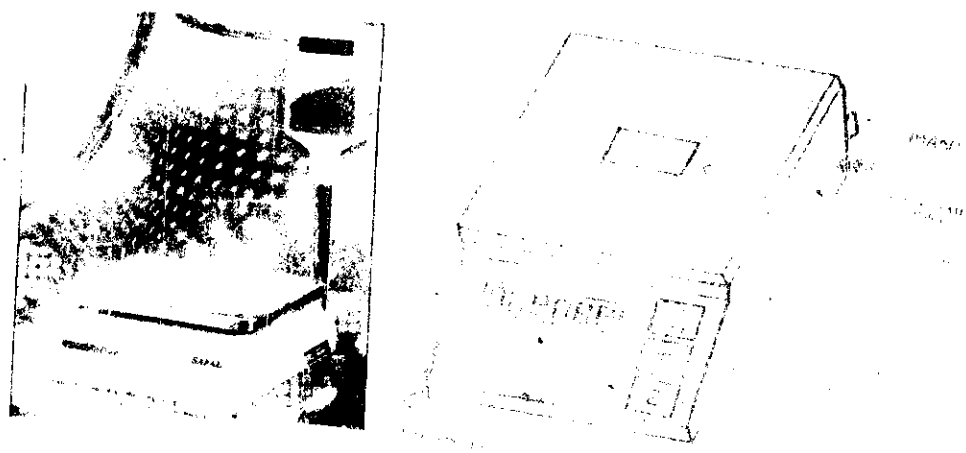

Figure-2 Schematic Diagram of sealing provision of the model

Sealing is done on the display by passing sealing wire from the body of the display. The seal is connected by hole in base plate and top cover of display, than seal wire is passed through these two holes attached with seal. A typical schematic diagram of sealing provision of the Model is given above.

The instrument has external control to calibration. A dip switch has also been provided in A/D card/mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the power conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said Model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity up to 50 kg. with verification scale interval (n) in the range of 100 to 10,000 for 'e' value of 1mg. to 2g and with verification scale interval (n) in the range of 5000 to 10,000 for 'e' value of 5g or more and with 'e' value of $1x10^k$, $2x10^k$ or $5x10^k$, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which the said approved Model has been manufactured.

[F. No.WM-21(130)/2010]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 12 सितम्बर, 2011

का.आ. 3588.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976(1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप हैं और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत: अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स सफल इंटरप्राइज 10, रूप माधुरी सोसायटी, श्यामल रॉ हाउस के सामने, पार्ट 5, मानेकबाग, अहमदाबाद-380015 द्वारा विनिर्मित उच्च यथार्थता (यथार्थता वर्ग-II) वाले "एस ई पी एल-8" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (प्लेटफार्म टाइप) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "सफल" है, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/10/202 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (प्लेटफार्म टाइप) है । इसकी अधिकतम क्षमता 600 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 2.5 कि.ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 50 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

आकृति-1

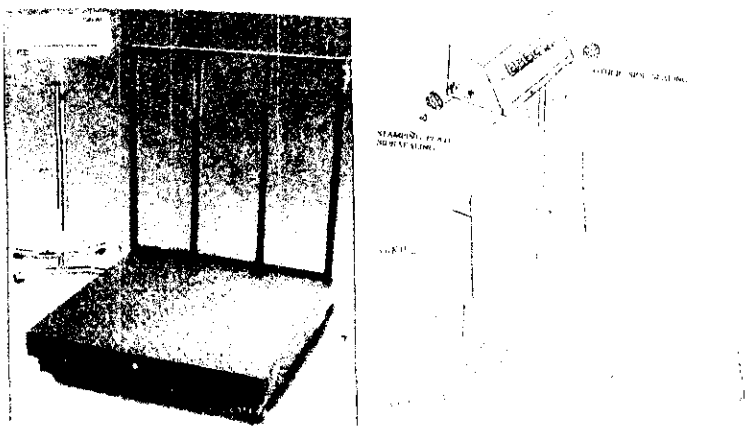

आकृति -2 मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम

डिस्प्ले की बाडी में से सीलिंग वायर निकाल कर डिस्प्ले के राइट साइड/बैक साइड में सीलिंग की गई है । डिस्प्ले की बेस प्लेट और टाप कवर के छेद से सील को जोड़ा गया है । तब सील वायर इन दोनों छेदों में से निकाल कर सील से जोड़ा गया है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

उपकरण में केलिब्रेशन के लिए बाहरी पहुंच है । बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 100,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा. से 5000 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान $1x10^{क}$, $2x10^{क}$ या $5x10^{क}$, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(130)/2010]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 12th September, 2011

S.O. 3588.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Platform type) with digital indication of High Accuracy (Accuracy class -II) of Series "SEPL-8" and with brand name "SAFAL" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. Safal Enterprise, 10, Roop Madhuri Society, Opp. Shyamal Raw House, Part 5, Manekbaug, Ahmedabad-380015 and which is assigned the approval mark IND/09/10/202;

The said Model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Platform type) with a maximum capacity of 600kg and minimum capacity of 2.5kg. The verification scale interval (e) is 50g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing results. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

Figure 1

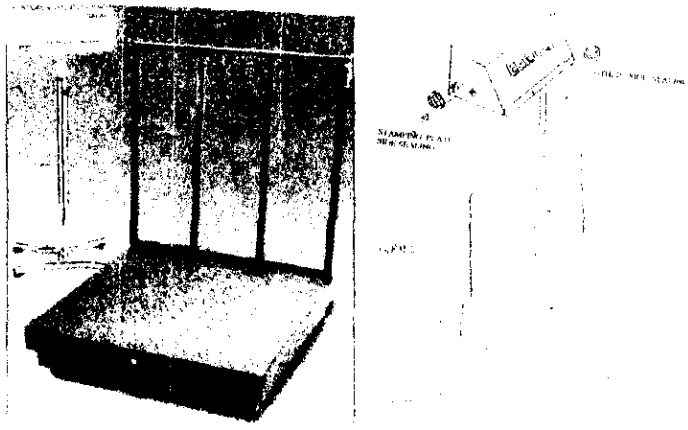

Figure-2 Schematic Diagram of sealing provision of the model

Sealing is done on the display by passing sealing wire from the body of the display. The seal is connected by hole in base plate and top cover of display, than seal wire is passed through these two holes attached with seal. A typical schematic diagram of sealing provision of the Model is given above.

The instrument has external control to calibration. A dip switch has also been provided in A/D card/mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the power conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said Model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity above 50kg and up to 5000kg with verification scale interval (n) in the range of 500 to 100,000 for 'e' value of 5g or more and with 'e' value of $1x10^k$, $2x10^k$ or $5x10^k$, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved Model has been manufactured.

[F. No.WM-21(130)/2010]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 12 सितम्बर, 2011

का.आ. 3589.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप हैं और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत: अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स सफल इंटरप्राइज 10, रूप माधुरी सोसायटी, श्यामल रॉ हाउस के सामने, पार्ट 5, मानेकबाग, अहमदाबाद-380015 द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "एस ई पी-6" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (प्लेटफार्म टाइप) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "सफल" है, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/10/203 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबल टाप टाइप) है । इसकी अधिकतम क्षमता 500 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 1 कि.ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 50 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

आकृति-1 मॉडल

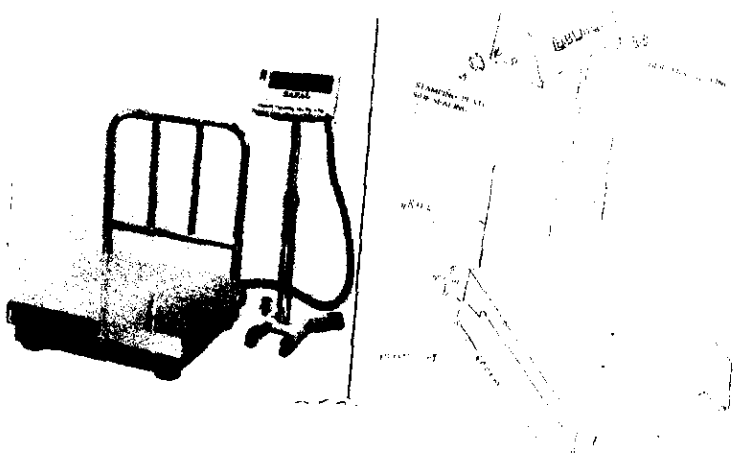

आकृति -2 : मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम ।

डिस्पले की बॉडी में से सीलिंग वायर निकाल कर डिस्पले के राइट साइड/बैक साइड में सीलिंग की गई है । डिस्पले की बेस प्लेट और टाप कवर के छेद से सील को जोड़ा गया है । तब सील वायर इन दोनों छेदों में से निकाल कर सील से जोड़ा गया है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

उपकरण में केलिब्रेशन के लिए बाहरी पहुंच है । बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा. से 5,000 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान $1x10^{k}$, $2x10^{k}$ या $5x10^{k}$, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(130)/2010]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 12th September, 2011

S.O. 3589.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Platform type) with digital indication of medium accuracy (Accuracy class -III) of Series "SEP-6" and with brand name "SAFAL" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. Safal Enterprise, 10, Roop Madhuri Society, Opp. Shyamal Raw House, Part 5, Manekbaug, Ahmedabad-380015 and which is assigned the approval mark IND/09/10/203;

The said Model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Platform type) with a maximum capacity of 500kg and minimum capacity of 1kg. The verification scale interval (e) is 50g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing results. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

Figure-1 : Model

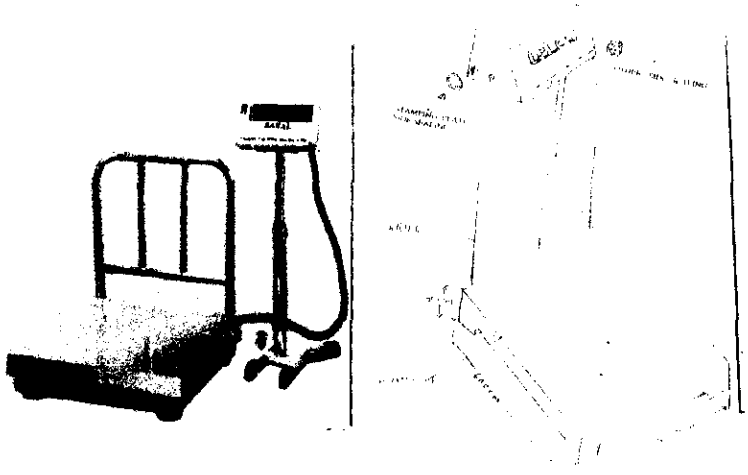

Figure-2 : Schematic Diagram of sealing provision of the model.

Sealing is done on the display by passing sealing wire from the body of the display. The seal is connected by whole in base plate and top cover of display, than seal wire is passed through these two holes attached with seal. A typical schematic diagram of sealing provision of the Model is given above.

The instrument has external control to calibration. A dip switch has also been provided in A/D card/Mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the power conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said Model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity above 50kg. and upto 5000kg. with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g or more and with 'e' value of $1x10^k$, $2x10^k$ or $5x10^k$, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved Model has been manufactured.

[F. No. WM-21(130)/2010]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 12 सितम्बर, 2011

का.आ. 3590.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976(1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप हैं और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत: अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स राज सिस्टम, महालक्ष्मी मार्केट, मार्केट यार्ड, पुणे-37, महाराष्ट्र द्वारा विनिर्मित उच्च यथार्थता (यथार्थता वर्ग-II) वाले "आई सी टी -30" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबलटाप टाइप) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "आइकॉन" है, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/10/355 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबलटाप टाइप) है । इसकी अधिकतम क्षमता 30 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 100 ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 2 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

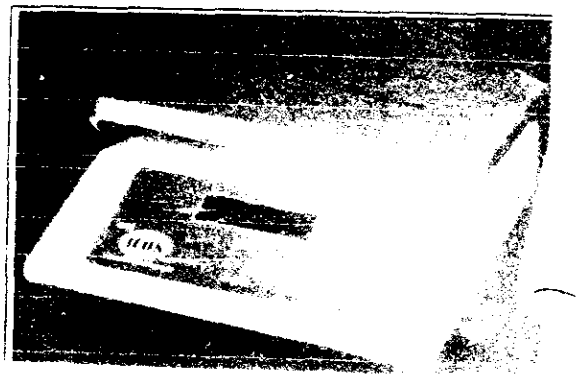

आकृति -2 उपकरण के मॉडल का सीलिंग प्रावधान ।

स्केल की बाडी के होल्स में से सीलिंग वायर निकाल कर सीलिंग की जाती है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 1 मि.ग्रा. से 50 मि.ग्रा. तक के "ई" मान के लिए 1,00 से 100,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) और 100 मि.ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 5,000 से 1,00,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान $1x10^{k}$, $2x10^{k}$ या $5x10^{k}$, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(190)/2010]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 12th September, 2011

S.O. 3590.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Tabletop type) with digital indication of High Accuracy (Accuracy Class -II) of Series "ICT-30" and with brand name "ICON" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. Raj Systems Mahalaxmi Market, Market Yard, Pune-37, Maharashtra and which is assigned the approval mark IND/09/10/355;

The said Model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Table Top type) with a maximum capacity of 30kg. and minimum capacity of 100g. The verification scale interval (e) is 2g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing results. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

Figure 1

Figure-2 Schematic Diagram of sealing provision of the model.

Sealing is done by passing the sealing wire from the body of the scale through holes. A typical schematic diagram of sealing provision of the Model is given above.

A dip switch has also been provided in A/D card/mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the power conferred by sub-section (12) of section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said Model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity up to 50 kg. with verification scale interval (n) in the range of 100 to 1,00,000 for 'e' value of 1mg to 50mg.and with verification scale interval (n) in the range of 5000 to 1,00,000 for 'e' value of 100mg. or more and with 'e' value of $1x10^k$, $2x10^k$ or $5x10^k$, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved Model has been manufactured.

[F. No.WM-21(190)/2010]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 12 सितम्बर, 2011

का.आ. 3591.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत:, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स राज सिस्टम महालक्ष्मी मार्केट, मार्केट यार्ड, पुणे-37, महाराष्ट्र द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "आई सी पी" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (कोआइन आपरेटिड परसन वेइंग मशीन टाइप) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "आइकॉन" है, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/10/443 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (कोआइन आपरेटिड परसन वेइंग मशीन टाइप) है । इसकी अधिकतम क्षमता 150 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 2 कि.ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 100 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

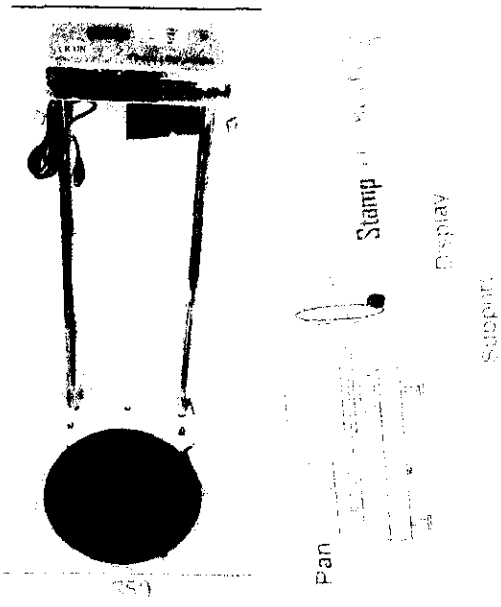

आकृति-2-उपकरण के मॉडल का सीलिंग प्रावधान ।

स्केल की बाडी के होल्स में से सीलिंग वायर निकाल कर सीलिंग की जाती है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपर दिया गया है ।

बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 200 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान $1x10^{k}$, $2x10^{k}$ या $5x10^{k}$, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(190)/2010]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 12th September, 2011

S.O. 3591.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Coin Operated Person Weighing Machine type) with digital indication of medium accuracy (Accuracy class -III) of Series "ICP" and with brand name "ICON" (hereinafter referred to as the said model), maunfactured by M/s. Raj System Mahalaxmi Market, Market Yard, Pune-37, Maharashtra and which is assigned the approval mark IND/09/10/443;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument Coin Operated Person Weighing Machine type) with a maximum capacity of 150kg. and minimum capacity of 2kg. The verification scale interval (e) is 100g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing results. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

Figure

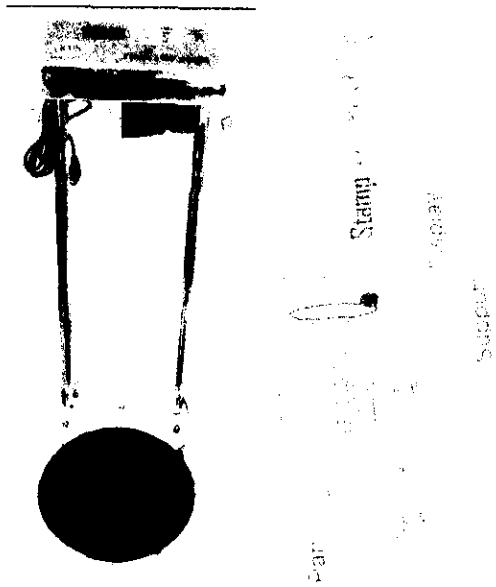

Figure-2-Schematic Diagram of sealing provision of the model.

Sealing is done by passing sealing wire from the body of the scale through holes. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

The instrument has external control to calibration. A dip switch has also been provided in A/D card/mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity up to 200kg. with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g. or more and with 'e' value of $1x10^k$, $2x10^k$ or $5x10^k$, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21(190)/2010]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 12 सितम्बर, 2011

का.आ. 3592.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत: अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स राज सिस्टम महालक्ष्मी मार्केट, मार्केट यार्ड, पुणे-37, महाराष्ट्र द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "आई सी डब्ल्यू-60" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (इलेक्ट्रोनिक वेब्रिज) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "आइकॉन" है, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/10/444 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (इलेक्ट्रोनिक वेब्रिज) है । इसकी अधिकतम क्षमता 60 टन और न्यूनतम क्षमता 200 कि.ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 10 कि.ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

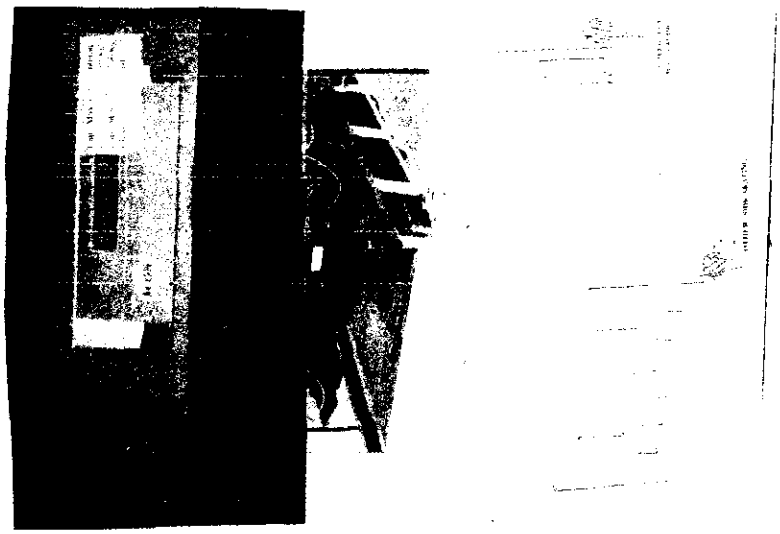

आकृति-2-उपकरण के मॉडल का सीलिंग प्रावधान ।

स्केल की बाडी के होल्स में से सीलिंग वायर निकाल कर सीलिंग की जाती है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपर दिया गया है ।

बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 5 टन से 200 टन तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान $1\times10^{\text{क}}$, $2\times10^{\text{क}}$ या $5\times10^{\text{क}}$, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(190)/2010]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 12th September, 2011

S.O. 3592.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Electronic Weighbridge) with digital indication of Medium Accuracy (Accuracy class -III) of Series "ICW-60" and with brand name "ICON" (hereinafter referred to as the said model), maunfactured by M/s. Raj System Mahalaxmi Market, Market Yard, Pune-37 Maharashtra and which is assigned the approval mark IND/09/10/444;

The said Model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Electronic Weighbridge) with a maximum capacity of 60tonne and minimum capacity of 200kg. The verification scale interval (e) is 10kg. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing results. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

Figure 1

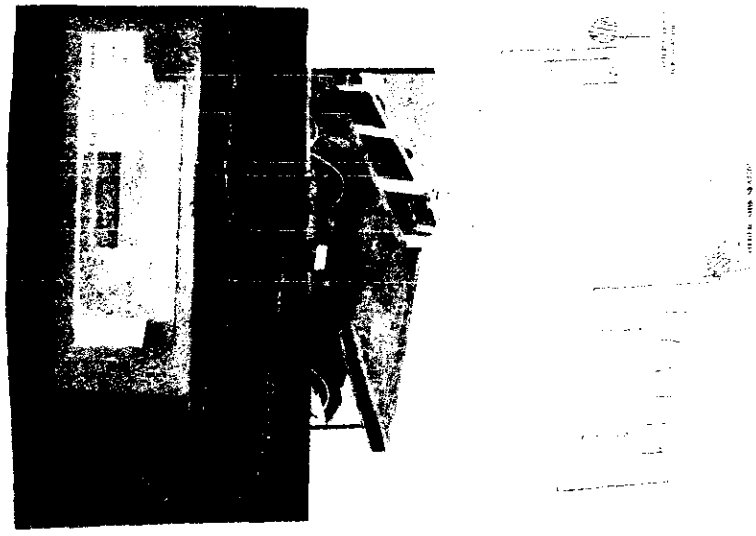

Figure-2 Schematic Diagram of sealing provision of the model

Sealing is done by passing the sealing wire from the body of the indicator through holes. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

A dip switch has also been provided in A/D card/mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the power conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said Model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity above 5tonne and up to 200tonne with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g. or more and with 'e' value of $1x10^k$, $2x10^k$ or $5x10^k$, where k being the positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the approved Model has been manufactured.

[F. No.WM-21(190)/2010]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 14 सितम्बर, 2011

का.आ. 3593.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत: अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स सलसन सेल्स एंड सर्विसिज, प्लाट नं. 11, बापूनगर, उमरेद रोड, भंडे प्लाट इस्कवेयर, नागपुर-440009 द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "एस एस टी-11" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबलटाप टाइप) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "सनसुई स्टार" है, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/10/239 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबलटाप टाइप) है । इसकी अधिकतम क्षमता 30 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 100 ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 5 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

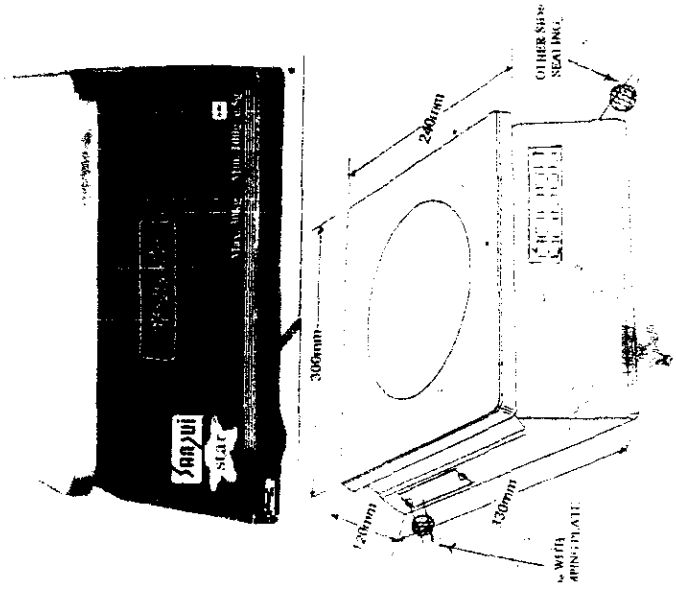

आकृति-2 मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम

स्केल की बाडी के दो होल्स, जो बाटम प्लेट और टॉप कवर में हैं, से सीलिंग वायर निकाल कर सीलिंग की जाती है । स्टाम्पिंग के लिए स्टाम्पित के लिए स्केल की बाडी में से लीड के साथ सीलिंग वायर निकालकर स्टापिंग प्लेट को जोड़ा गया है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

उपकरण में बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच की सुविधा है । बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 100 मि.ग्रा. से 2 ग्रा. तक के "ई" मान के लिए 100 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) और 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान $1x10^{k}$, $2x10^{k}$, $5x10^{k}$, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(154)/2010]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 14th September, 2011

S.O. 3593.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Table Top type) with digital indication of medium accuracy (Accuracy Class -III) of Series "SST-11" and with brand name "SANSUI STAR" manufactured by M/s. Salsun Sales and Services, Plot No. 11, Bapunagar, Umred Road, Bhande Plot Square, Nagpur-440009 and which is assigned the approval mark IND/09/10/239;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Table top type) with a maximum capacity of 30 kg. and minimum capacity of 100g. The verification scale interval (e) is 5g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing results. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

Figure-1 Model

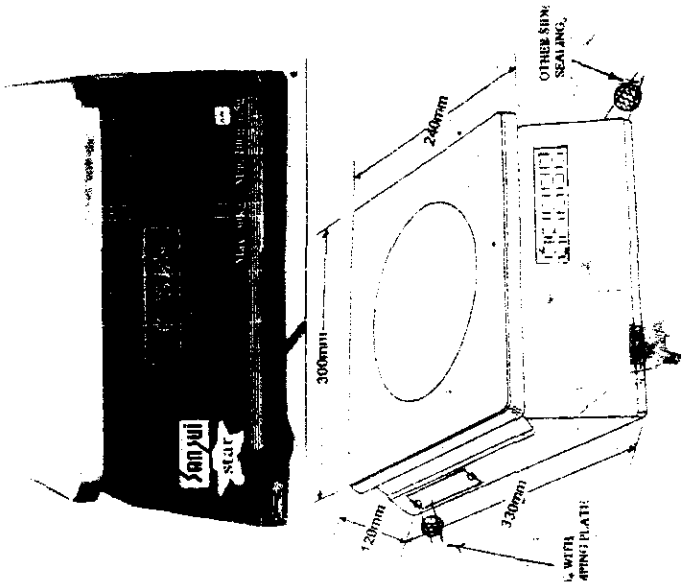

Figure-2 Schematic diagram of sealing provision of the model.

The sealing is done through the hole, made in the bottom plate and Top cover of the scale, then sealing wire is passed through these two holes. Stamping plate is connected through the sealing wire passing from the body of scale with the lead seal, to get the stamping. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

The instrument has external control to calibration. A dip switch has also been provided in A/D card/mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said Model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity up to 50 kg. with verification scale interval (n) in the range of 100 to 10,000 for 'e' value of 100 mg. to 2g. and with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g. or more and with 'e' value of $1x10^k$, $2x10^k$ or $5x10^k$, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No.WM-21(154)/2010]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 14 सितम्बर, 2011

का.आ. 3594.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976(1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत: अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स सलसन सेल्स एंड सर्विसिज, प्लाट नं. 11, बापूनगर, उमरेद रोड, भंडे प्लाट इस्कवेयर, नागपुर-440009 द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "एस एस पी-6" श्रृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (प्लेटफार्म टाइप) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "सनसुई स्टार" है, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/10/240 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (प्लेटफार्म टाइप) है । इसकी अधिकतम क्षमता 500 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 1 कि.ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 50 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

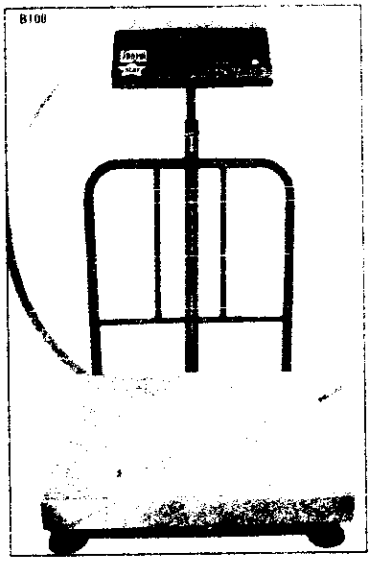

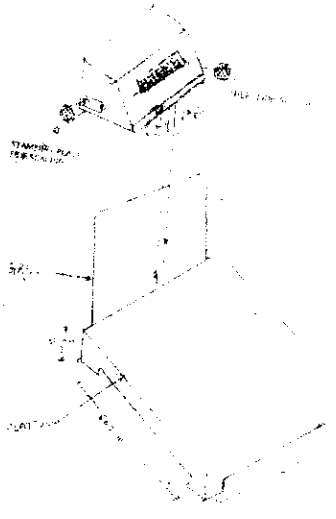

आकृति-2 मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम

स्केल की बाटम प्लेट और टॉप कवर में बनाए गए छेद में से सीलिंग की जाती है । तब सीलिंग वायर इन दो छेदों में से निकाला जाता है । स्केल की बाडी में से लीड सील के साथ सीलिंग वायर लीड सील के साथ स्टाम्पिंग के लिए स्टाम्पिंग प्लेट से जोड़ा गया है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

उपकरण में बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच की सुविधा है । बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी श्रृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 100 मि.ग्रा. से 2 ग्रा. तक के "ई" मान के लिए 100 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) और 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा. से 5000 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान $1x10^{k}$, $2x10^{k}$, $5x10^{k}$, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(154)/2010]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 14th September, 2011

S.O. 3594.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Platform type) with digital indication of "SSP-6" series of medium accuracy (Accuracy class -III) and with brand name "SANSUI STAR" (hereinafter referred to as the said model), maunfactured by M/s. Salsun Sales and Services, Plot No. 11, Bapunagar, Umred Raod, Bhande Plot Square, Nagpur-440009 and which is assigned the approval mark IND/09/10/240;

The said model is a Strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Platform type) with a maximum capacity of 500kg. and minimum capacity of 1kg. The verification scale interval (e) is 50g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing results. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

Figure-1 Model

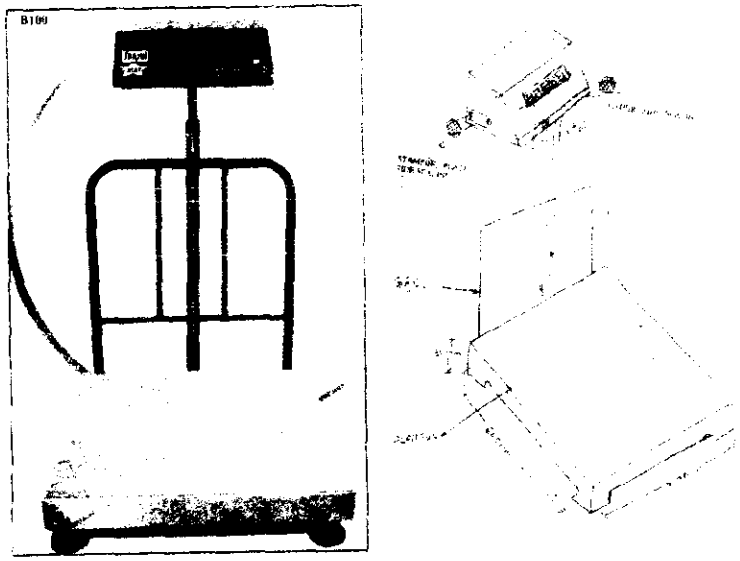

Figure-2 Schematic diagram of sealing provision of the model

Sealing can be done by applying lead & seal wire through the holes provided on the body of the instrument. The weighing scale can not be opened without tampering the seal. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

The instrument has external control to calibration. A dip switch has also been provided in A/D card/mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said Model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity above 50kg. and up to 5000kg. with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g. or more and with 'e' value of $1x10^k$, $2x10^k$ or $5x10^k$, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved Model has been manufactured.

[F. No.WM-21(154)/2010]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 14 सितम्बर, 2011

का.आ. 3595.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976(1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप हैं और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत: अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स अमर स्प्रिंग बैलेंस वर्क्स, शॉप नं. 3723, काली बाडी मंदिर के सामने, अम्बाला केंट-133001 साधारण यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "एटीबी" श्रृंखला के अस्वचालित तोलन उपकरण (टबलर तुला-मैकेनीकल टाइप) जिसके ब्राण्ड का नाम "अमर" है, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/10/602समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक स्प्रिंग आधारित सिद्धांत पर अस्वचालित तोलन उपकरण (टबलर तुला-मैकेनीकल टाइप) है । जिसकी अधिकतम क्षमता 50 कि.ग्रा. और न्यूतम क्षमता 5 कि.ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 500 ग्रा. है । डायल के प्वांटर पर एनालाग प्रकार का सूचन है जो मापमान परिणाम को सूचित करता है ।

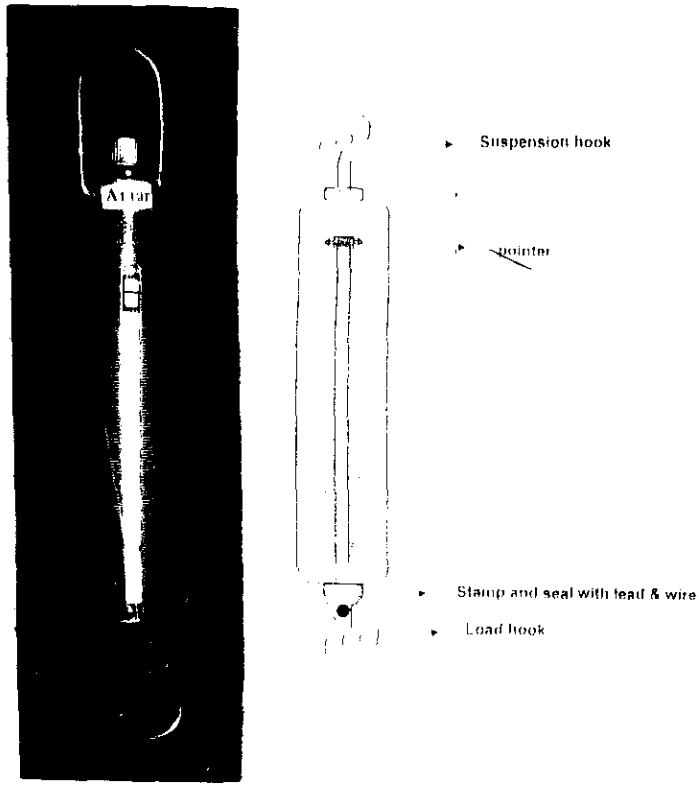

आकृति -2 मॉडल के इंडीकेटर का सीलिंग प्रावधान

उपकरण की बाडी पर दिए गए होल्स में से लीड और सील वायर के प्रयोग के साथ सीलिंग की जाती है । कपटपूर्ण व्यवहार को रोकने के लिए वेइंग मशीन को खोले जाने से रोकने के लिए सीलिंग लगाई जाती है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी श्रृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 100 से 1,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 100 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान $1x10^{k}$, $2x10^{k}$, $5x10^{k}$, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(229)/2010]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 14th September, 2011

S.O. 3595.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Tubular Balance-Mechanical Type) of Ordinary accuracy (Accuracy class -IIII) of Series "ATB" and with brand name "AMAR" (hereinafter referred to as the said model), maunfactured by M/s. Amar Spring Balance Works. Shop No. 3723, Opp. Kali Bari Mandir. Ambala Cantt-133001 and which is assigned the approval mark IND/09/10/602;

The said model is the principal of spring based non-automatic weighing instrument (Tubular Balance-Mechanical Type) with a maximum capacity of 50kg. and minimum capacity of 5kg. The verification scale interval (e) is 500g. The indication is of analogue type with a pointer on a dial which indicates the results of measurement.

Figure-1 Model

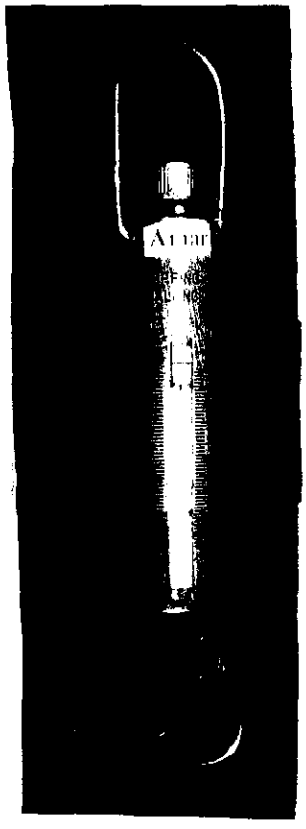

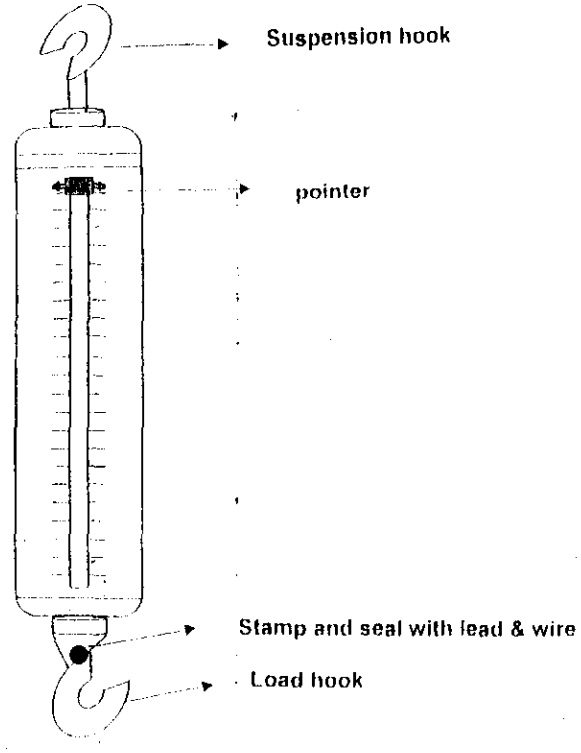

Figure-2 Schematic diagram of sealing provision of the model

Sealing can be done by applying lead & seal wire through the holes provided on the body of the instruments. Sealing shall be done to prevent opening of the weighing machine for fraudulent practice. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

Further, in exercise of the power conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said Model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity up to 100kg. with verification scale interval (n) in the range of 100 to 1,000 for 'e' value of 5g. or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved Model has been manufactured.

[F. No.WM-21(229)/2010]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 14 सितम्बर, 2011

का.आ. 3596.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976(1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत: अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स डा. मोरपेन लेब्रोटरिज लि., 508, अंतरिक्ष भवन, 22 के. जी. मार्ग, नई दिल्ली-110001 द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले ''डी एस'' श्रृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (इलेक्ट्रोनिक व्यक्ति तोलन मशीन) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम ''डा. मोरपेन वेट एंड वाच'' है, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/10/112 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (इलेक्ट्रोनिक व्यक्ति तोलन मशीन) है । इसकी अधिकतम क्षमता 150 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 2 कि.ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 100 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । एल सी डी प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 3वी डायरेक्ट विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

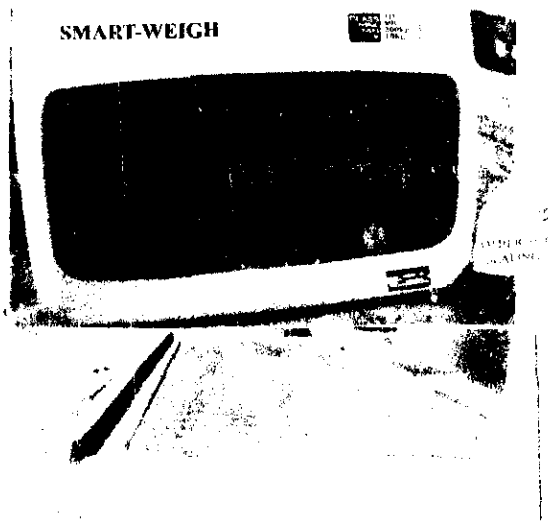

आकृति -2 इंडीकेटर के मॉडल का सीलिंग प्रावधान

स्केल के पिछली तरफ स्क्रू में से स्पेशल क्वालिटी सीलिंग वायर निकाल कर सीलिंग की जाती है । वेइंग मशीन को कपटपूर्ण व्यवहार के लिए खोले जाने से रोकने के लिए सीलिंग किया जाता है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी श्रृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्रा. या उससे अधिक के ''ई'' मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 150 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^{k}, 2×10^{k}, 5×10^{k}, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(94)/2010]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 14th September, 2011

S.O. 3596.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Electronic Person Weighing Machine) with digital indication of medium accuracy (Accuracy class -III) of Series "DS" and with brand name "Dr. Morepen Weight & Watch" (hereinafter referred to as the said model), maunfactured by M/s. Dr. Morepen Laboratories Ltd. 508, Antriksh Bhawan, 22 K.G. Marg, New Delhi-110001 and which is assigned the approval mark IND/09/10/112;

The said model is a Strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Electronic Person Weighing Machine) with a maximum capacity of 150kg. and minimum capacity of 2kg. The verification scale interval (e) is 100g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The LCD display indicates the weighing results. The instrument operates on 3V direct current power supply.

Figure-1 Model

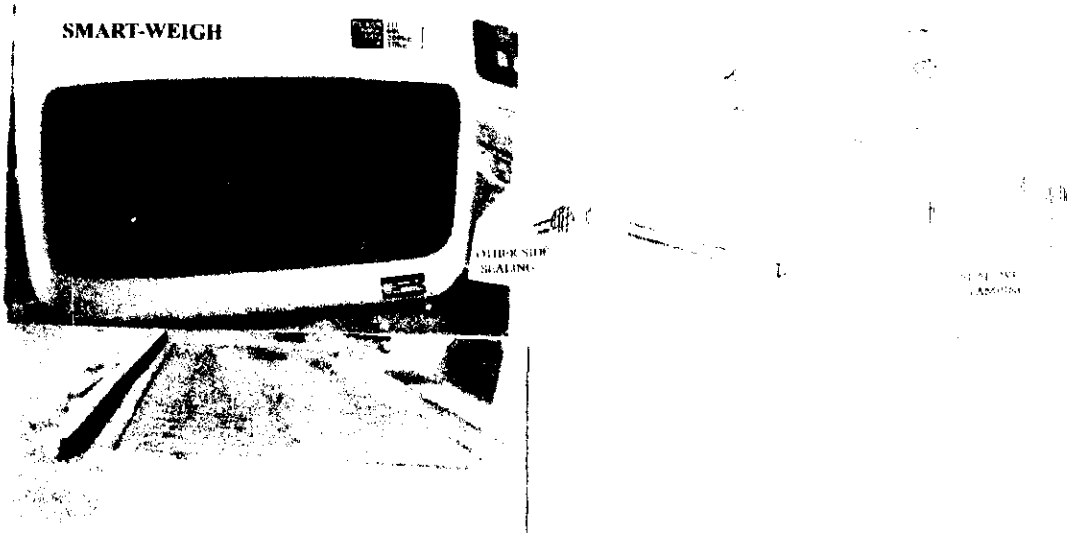

Figure-2 Sealing provision of the indicator of model

Sealing is done by special quality sealing wire through the screws on the rear side of the scale. Sealing shall be done to prevent opening of the weighing machine for fraudulent practice. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

Further, in exercise of the power conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said Model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity up to 150kg. with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g. or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and materials with which, the said approved Model has been manufactured.

[F. No.WM-21(94)/2010]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 15 सितम्बर, 2011

का.आ. 3597.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत: अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स शुभम वेइंग एंड इंजीनियरिंग कंसलटेंट, 9/16, न्यू मार्केट, प्रजापति भवन, मेन रोड, राउरकेला-769001 उड़ीसा द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "एस डब्ल्यू ई सी" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (इलेक्ट्रोनिक वेब्रिज) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "स्मार्ट वे" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/10/346 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (इलेक्ट्रोनिक वेब्रिज) है । इसकी अधिकतम क्षमता 60 टन और न्यूनतम क्षमता 200 कि.ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 10 कि.ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

आकृति-1

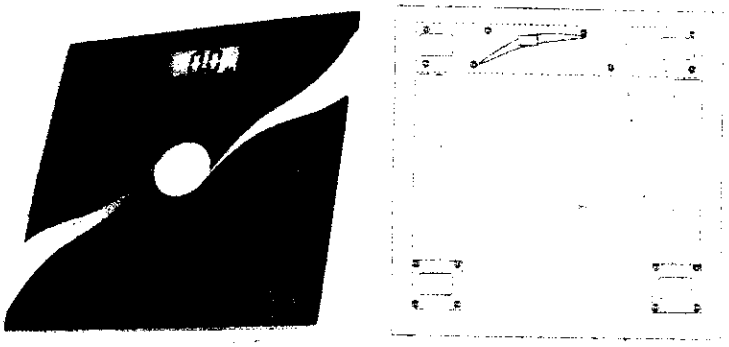

आकृति-2 मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम

स्केल की बाडी के छेदों में से सीलिंग वायर निकालकर सीलिंग की जाती है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम ऊपर दिया गया है ।

बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 1 मि.ग्रा. से 2 ग्रा. तक के "ई" मान के लिए 100 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) और 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 5 टन से 200 टन तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^{k}, 2×10^{k} या 5×10^{k}, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(183)/2010]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 15th September, 2011

S.O. 3597.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Electronic Weighbridge) with digital indication of Medium Accuracy (Accuracy class -III) of Series "SWEC" and with brand name "SMART-WEIGH" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. Subham Weighing & Engineering Consultants, 9/16, New Market, Prajapati Bhawan, Main Road, Rourkela-769001, Orissa and which is assigned the approval mark IND/09/10/346;

The said Model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Electronic Weighbridge) with a maximum capacity of 60 tonne and minimum capacity of 200 kg. The verification scale interval (e) is 10 kg. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

Figure 1

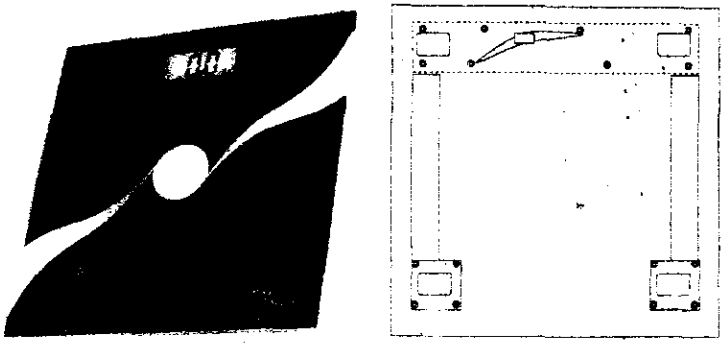

Figure-2 Schematic Diagram of sealing provision of the model

Sealing is done by passing the sealing wire from the body of the indicator through holes. A typical schematic diagram of sealing provision of the Model is given above.

A dip switch has also been provided in A/D card/mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the power conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said Model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity above 5 tonne and up to 200 tonne with verification scale interval (n) in the range of 100 to 10,000 for 'e' value of 1mg. to 2g and with number of verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g or more and with 'e' value 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, k being the positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the approved Model has been manufactured.

[F. No.WM-21(183)/2010]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 15 सितम्बर, 2011

का.आ. 3598.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत: अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स निर्मल स्केल्ज (इंडिया), 161, एच एस आई डी सी इंडस्ट्रियल एरिया, नमस्ते चौक के पास, जी टी रोड, करनाल-132001 द्वारा विनिर्मित उच्च यथार्थता (यथार्थता वर्ग-II) वाले "एन एस टी" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबलटॉप टाइप) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "निर्मल" है, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/10/285 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबलटॉप टाइप) है । इसकी अधिकतम क्षमता 30 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 100 ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 2 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

आकृति-1

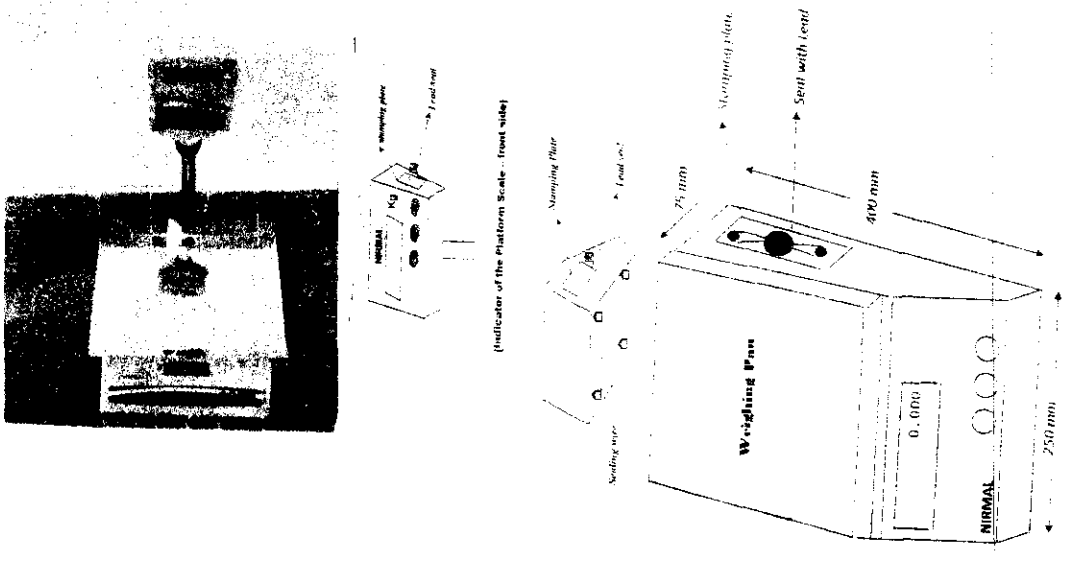

आकृति-2 मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम ।

स्केल की बाडी में दिए गए छेदों में से सीलिंग वायर निकाल कर सीलिंग की जाती है । मॉडल का सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

उपकरण में केलिब्रेशन के लिए बाहरी पहुंच है । बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 1 मि.ग्रा. से 50 मि.ग्रा. तक के "ई" मान के लिए 100 से 100,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) और 100 मि. ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 5000 से 100,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^{k}, 2×10^{k}, 5×10^{k}, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(197)/2010]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 15th September, 2011

S.O. 3598.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby approves and issues the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Tabletop type) with digital indication, belonging to High Accuracy (Accuracy class -II) of Series "NST" and with brand name "NIRMAL" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. Nirmal Scales (India)], 161, H.S.I.D.C Industrial Area, Near Namestey Chowk, G.T. Road, Karnal-132001 which is assigned the approval mark IND/09/10/285;

The said Model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Tabletop type) with a maximum capacity of 30kg and minimum capacity of 100g. The verification scale interval (e) is 2g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

Figure-1 Model

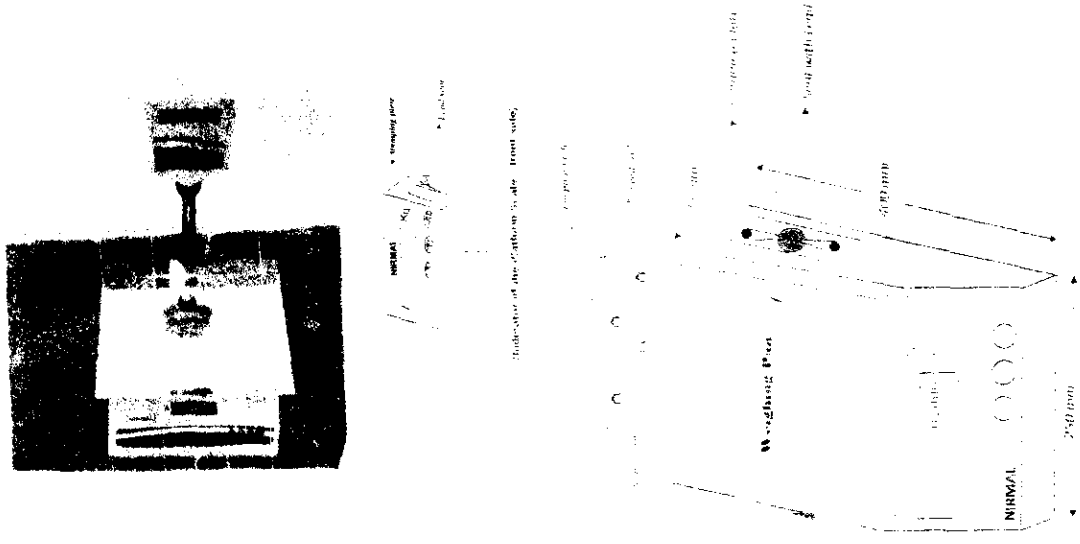

Figure-2 Schematic diagram of sealing of the model

Sealing is done by passing the sealing wire from the body of the scale through holes. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

The instrument has external control to calibration. A dip switch has been provided in A/D card/mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said Model shall also cover the weighing instrument of similar make, accuracy, performance and of the same series with maximum capacity up to 50kg and with number of verification scale interval (n) in the range of 100 to 100,000 for 'e' value of 1mg. to 50mg.and with number of verification scale interval (n) in the range of 5000 to 100,000 for 'e' value of 100mg or more and with 'e' value of $1x10^k$, $2x10^k$ or $5x10^k$, k being the positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the said manufacturer in accordance with the same principle, design and materials with which, the approved Model has been manufactured.

[F. No.WM-21(197)/2010]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 15 सितम्बर, 2011

का.आ. 3599.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976(1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स निर्मल स्केल्ज (इंडिया), 161, एच एस आई डी सी इंडस्ट्रियल एरिया, नमस्ते चौक के पास, जी टी रोड, करनाल-132001 द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "एन एस पी" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (प्लेटफार्म टाइप) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "निर्मल" है, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/10/286 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (प्लेटफार्म टाइप) है । इसकी अधिकतम क्षमता 500 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 2 कि.ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 100 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत-प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

आकृति-1

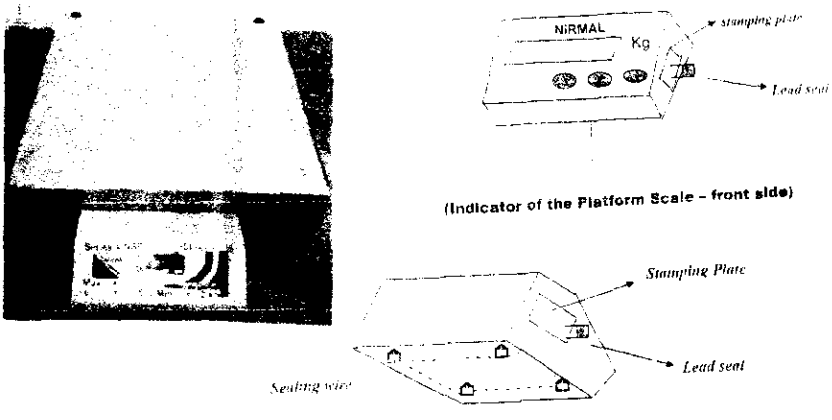

आकृति-2 मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम

स्केल की बॉडी में दिए गए छेदों में से सीलिंग वायर निकालकर सीलिंग की जाती है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

उपकरण में केलिब्रेशन के लिए बाहरी पहुंच है । बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 100 मि.ग्रा. से 2 ग्रा. तक के "ई" मान के लिए 100 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) और 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा. से 5000 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान $1x10^{क}$, $2x10^{क}$ या $5x10^{क}$, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(197)/2010]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 15th September, 2011

S.O. 3599.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Platform type) with digital indication of medium accuracy (Accuracy class -III) of Series "NSP" and with brand name "NIRMAL" (hereinafter referred to as the said model), maunfactured by M/s. Nirmal Scales (India)] 161, H.S.I.D.C Industrial Area, Near Namestey Chowk, G.T. Road, Karnal-32001and which is assigned the approval mark IND/09/10/286;

The said Model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Platform type) with a maximum capacity of 500kg and minimum capacity of 2kg. The verification scale interval (e) is 100g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing results. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

Figure-1 Model

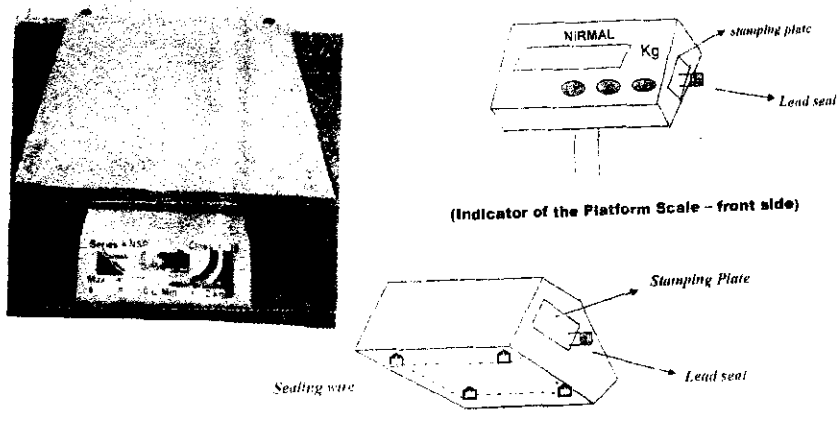

Figure-2 Schematic diagram of sealing provision of the model

Sealing is done by passing the sealing wire from the body of the scale through holes. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

The instrument has external control to calibration. A dip switch has also been provided in A/D card/mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the power conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said Model shall also cover the weighing instrument of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity above 50kg up to 5000kg with number of verification scale interval (n) in the range of 100 to 10,000 for 'e' value of 100mg. to 2g.and with number of verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g or more and with 'e' value of $1x10^k$, $2x10^k$ or $5x10^k$, k beeing the positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the said manufacturer in accordance with the same principle, design and materials with which, the said approved Model has been manufactured.

[F. No.WM-21(197)/2010]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 15 सितम्बर, 2011

का.आ. 3600.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976(1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स कुमार सिस्टम, प्लाट नं. 2284, जयदेव विहार स्क्वेयर, भुवनेश्वर-751013 द्वारा विनिर्मित विशेष यथार्थता (यथार्थता वर्ग-I) वाले "ईटीए" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबलटाप टाइप) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "युरोटैक" है, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/10/517 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक इलैक्ट्रो मैगनेटिक फोर्स कम्पेनसेशन प्रिंसिपल पर आधारित अस्वचालित (टेबलटाप प्रकार) तोलन उपकरण है । इसकी अधिकतम क्षमता 1000 ग्रा. है और न्यूनतम क्षमता 1 ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 10 मि.ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । लिक्विड क्रिस्टल डायोड प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

आकृति-1

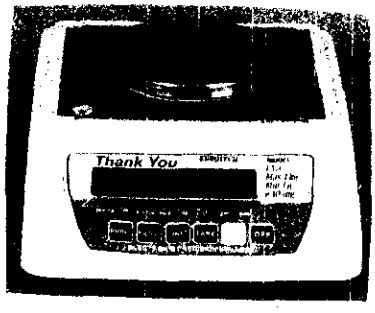

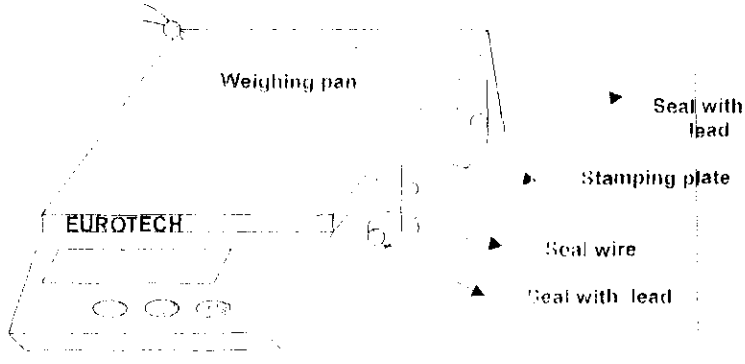

आकृति -2: मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम ।

डिस्प्ले की बॉडी में से सीलिंग वायर निकाल कर सीलिंग की गई है । डिस्प्ले की बेस प्लेट और टाप कवर के छेद से सील को जोड़ा गया है, तब सील वायर इन दोनों छेदों में से निकाल कर सील से जोड़ा गया है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

उपकरण में केलिब्रेशन के लिए बाहरी पहुंच है । बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 1 मि.ग्रा. या इससे अधिक के "ई" मान के लिए 50,000 या इससे अधिक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान $1x10^{k}$, $2x10^{k}$, $5x10^{k}$, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं।

[फा. सं. डब्ल्यू एम 21(311)/2010]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 15th September, 2011

S.O. 3600.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Tabletop type) with digital indication of Special Accuracy (Accuracy class -I) of Series "ETA" and with brand name "EUROTECH" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. Kumar Systems, Plot No. 2284, Jaydev Vihar Square, Bhubaneshwar-751013 and which is assigned the approval mark IND/09/10/517;

The said Model is a Electro Magnetic Force Compensation Principle based non-automatic weighing instrument (Table Top Type) with a maximum capacity of 1000g. and minimum capacity of 1g. The verification scale interval (e) is 10mg. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) Display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

Figure-1

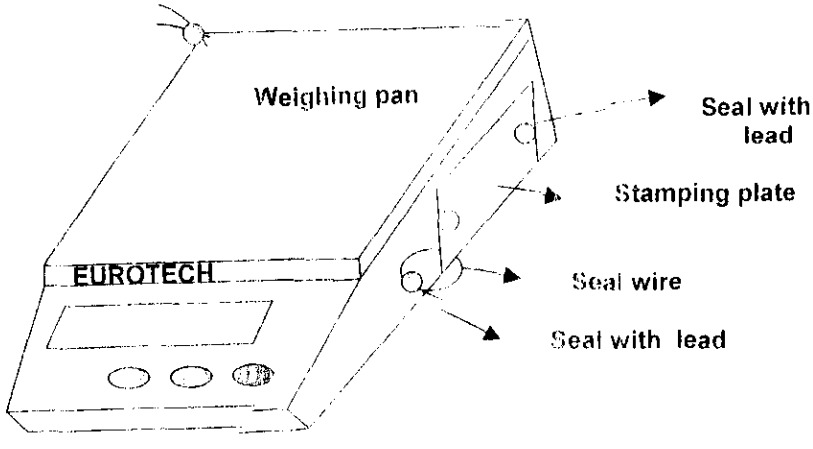

Figure-2 Schematic diagram of sealing provision of the model.

Sealing is done on the display by passing the sealing wire from the body of the display. The seal is connected by whole is base plate & top cover of display, than seal wire is passed through these two holes attached with seal. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

The instrument has external control to calibration. A dip switch has been provided in A/D card/mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the power conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said Model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity up to 50kg. with verification scale interval (n) in the range of 50,000 or more for 'e' value of 1mg. or more and with 'e' value of $1x10^k$, $2x10^k$ or $5x10^k$, where k is a positive or negative whole number or equal to zero manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved Model has been manufactured.

[F. No.WM-21(31)/2010]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 15 सितम्बर, 2011

का.आ. 3601.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976(1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत:, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स कुमार सिस्टम्स, प्लाट नं. 2284, जयदेव विहार स्क्वेयर, भुवनेश्वर-7751013 द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले ''ईटीसीडब्ल्यू'' शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (इलेक्ट्रोनिक कंवर्सन किट टाइप वेब्रिज) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम ''यूरोटैक'' है, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/10/518 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (इलेक्ट्रोनिक कंवर्सन किट टाइप वेब्रिज) है । इसकी अधिकतम क्षमता 50 टन और न्यूनतम क्षमता 200 कि.ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 10 कि.ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

आकृति

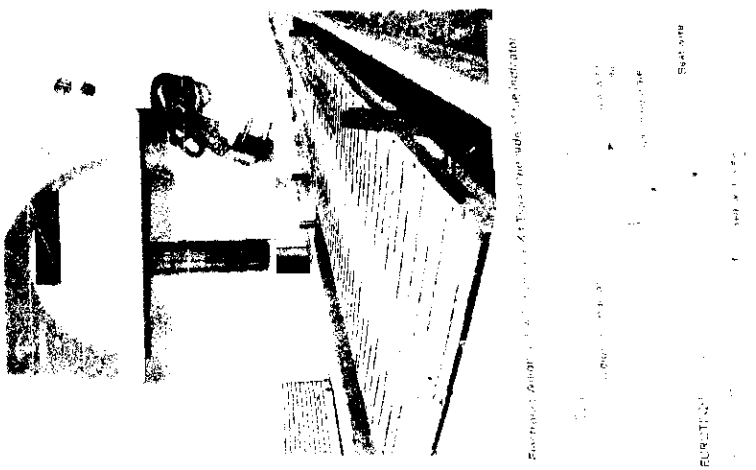

आकृति -2 मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम

स्केल की बाडी में से सीलिंग वायर निकाल कर स्केल के राइट साइड/लेफ्ट साइड में सीलिंग की जाती है । सील के साथ जुडे हुए डिस्प्ले के बेस प्लेट और टाप कवर में बने दो छेदों में से सीलिंग वायर निकाल कर सील से जोडा गया है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

उपकरण में बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच की सुविधा है । बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड म डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्रा. या इससे अधिक के ''ई'' मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 5 टन से 200 टन तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान $1x10^{k}$, $2x10^{k}$ या $5x10^{k}$, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(311)/2010]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 15th September, 2011

S.O. 3601.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Electronic Conversion Kit Weighbridge) with digital indication of Medium Accuracy (Accuracy class -III) of Series "ETCW" and with brand name "EUROTECH" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. Kumar Systems, Plot No. 2284, Jaydev Vihar Square, Bhubaneshwar-751013 and which is assigned the approval mark IND/09/10/518;

The said Model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Electronic Conversion Kit Weighbridge) with a maximum capacity of 50 tonne and minimum capacity of 200 kg. The verification scale interval (e) is 10kg. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) Display indicates the weighing results. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

Figure-1

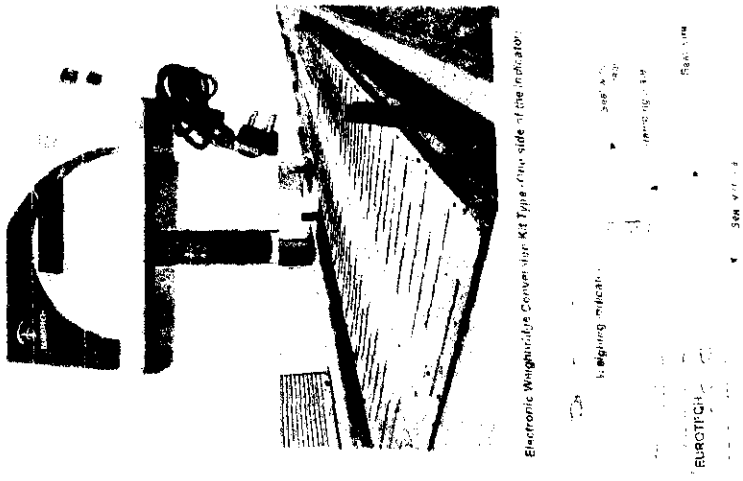

Figure-2 Sealing diagram of sealing provision of the model

Sealing is done on the right side/back side of the display by passing the sealing wire from the body of the display. The seal is connected by whole in base plate & top cover of display, than seal wire is passed through these two holes attached with seal. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

The instrument has external control to calibration. A dip switch has also been provided in A/D card/mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said Model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity above 5tonne and upto 200tonne with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g or above and with 'e' value of $1x10^k$, $2x10^k$ or $5x10^k$, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No.WM-21(311)/2010]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 15 सितम्बर, 2011

का.आ. 3602.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976(1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स एमटैक इंटरप्राइजिज़, पीबी-14-बी, प्रथम तल मेट्रो स्टेशन शॉपिंग काम्पलैक्स, रोशन आरा रोड, पुलबंगश, दिल्ली-7 (भारत) द्वारा विनिर्मित उच्च यथार्थता (यथार्थता वर्ग-II) वाले 'एईटी' शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबलटॉप टाइप) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "एमटैक" है, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/10/580 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबलटॉप प्रकार) है । इसकी अधिकतम क्षमता 30 कि. ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 100 ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 2 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

आकृति-1

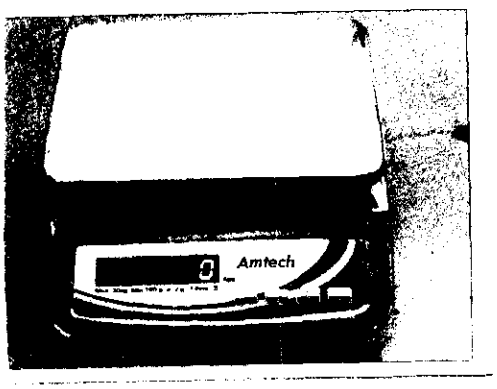

आकृति -2: मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम

डिस्प्ले की बॉडी में से सीलिंग वायर निकाल कर डिस्प्ले पर सीलिंग की जाती है । सील के साथ जुड़े जुए डिस्प्ले के बेस प्लेट और टॉप कवर में बने दो छेदों में से सीलिंग वायर निकाल कर सील से जोड़ा गया है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

उपकरण में बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच की सुविधा है । बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिज़ाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 1 मि.ग्रा. से 50 मि.ग्रा. तक के "ई" मान के लिए 100 से 100,000 तक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) और 100 मि.ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 5000 से 100,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि. ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^{k}, 2×10^{k} या 5×10^{k}, के हैं, जो धनात्मक, ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम 21(342)/2010]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 15th September, 2011

S.O. 3602.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Table top type) with digital indication of High Accuracy (Accuracy class-II) of Series "AET" and with brand name "AMTECH" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. Amtech Enterprises, PB-14-B, 1st Floor Metro Station Shopping Complex, Roshan Ara Road, Pulbangash, Delhi-7 (India) and which is assigned the approval mark IND/09/10/580;

The said Model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Table top type) with a maximum capacity of 30 kg. and minimum capacity of 100g. The verification scale interval (e) is 2g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing results. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

Figure-1

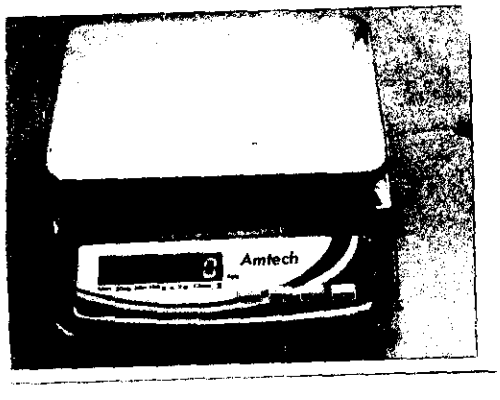

Figure-2 Schematic diagram of sealing provision of the model

Sealing is done on the display by passing sealing wire from the body of the display. The seal is connected by whole in base plate & top cover of display, than seal wire is passed through these two holes attached with seal. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

The instrument has external control to calibration. A dip switch has also been provided in A/D card/mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the power conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity upto 50kg. with verification scale interval (n) in the range of 100 to 100,000 for 'e' value of 1mg. to 50mg. and with verification scale interval (n) in the range of 5000 to 100,000 for 'e' value of 100 mg. or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No.WM-21(342)/2010]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 15 सितम्बर, 2011

का.आ. 3603.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976(1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप हैं और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत: अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स एमटैक इंटरप्राइजिज़, पीबी-14-बी, प्रथम तल मेट्रो स्टेशन शॉपिंग काम्पलैक्स, रोशन आरा रोड, पुलबंगश, दिल्ली-7 (भारत) द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग III) वाले 'एईपी' शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (प्लेटफार्म टाइप) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "एमटैक" है, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/10/581 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (प्लेटफार्म टाइप) है । इसकी अधिकतम क्षमता 1000 कि. ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 2 कि. ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 100 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत-प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

आकृति-1

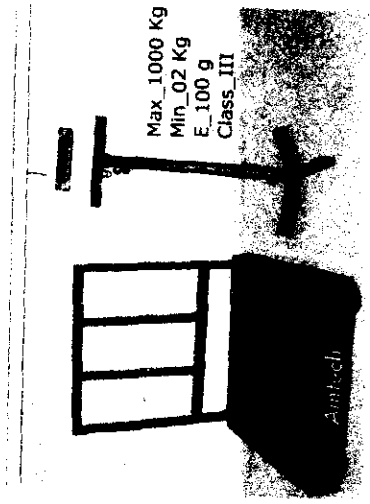

आकृति -2: मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम ।

डिस्प्ले की बाडी में से सीलिंग वायर निकालकर डिस्प्ले पर सीलिंग की जाती है । सील के साथ जुड़े जुए डिस्प्ले के बेस प्लेट और टॉप कवर में बने दो छेदों में से सीलिंग वायर निकालकर सील से जोड़ा गया है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

उपकरण में बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच की सुविधा है । बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा. से 5000 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^{k}, 2×10^{k} या 5×10^{k}, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(342)/2010]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 15th September, 2011

S.O. 3603.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Platform type) with digital indication of medium Accuracy (Accuracy class -III) of Series "AEP" and with brand name "AMTECH" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. Amtech Enterprises, PB-14-B, 1st Floor Metro Station Shopping Complex, Roshan Ara Road, Pulbangash, Delhi-7 (India) and which is assigned the approval mark IND/09/10/581;

The said Model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Platform type) with a maximum capacity of 1000 kg. and minimum capacity of 2kg. The verification scale interval (e) is 100g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) Display indicates the weighing results. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

Figure-1

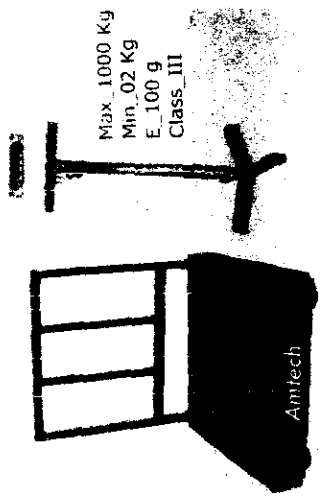

Figure-2 Schematic diagram of sealing provision of the model

Sealing is done on the display by passing sealing wire from the body of the display. The seal is connected by hole in base plate & top cover of display, then seal wire is passed through these two holes attached with seal. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

The instrument has external control to calibration. A dip switch has also been provided in A/D card/mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the power conferred by sub-section (12) of section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity above 50kg. and up to 5000kg. with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g. or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No.WM-21(342)/2010]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 15 सितम्बर, 2011

का.आ. 3604.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत: अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स एम जी वेइंग सिस्टम, शॉप नं. ई-32, श्री वेंकटेश्वर सेंट्रल मार्किट, आर टी सी कॉम्प्लैक्स के सामने, राजामुन्दरी-533 103 (आंध्र प्रदेश) द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग III) वाले 'डब्ल्यू बी' शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (इलेक्ट्रोनिक वेब्रिज) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "एमजीडब्ल्यूएस" है, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/10/147 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (इलेक्ट्रोनिक वेब्रिज) है । इसकी अधिकतम क्षमता 40 टन और न्यूनतम क्षमता 200 कि. ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 10 कि. ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत-प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

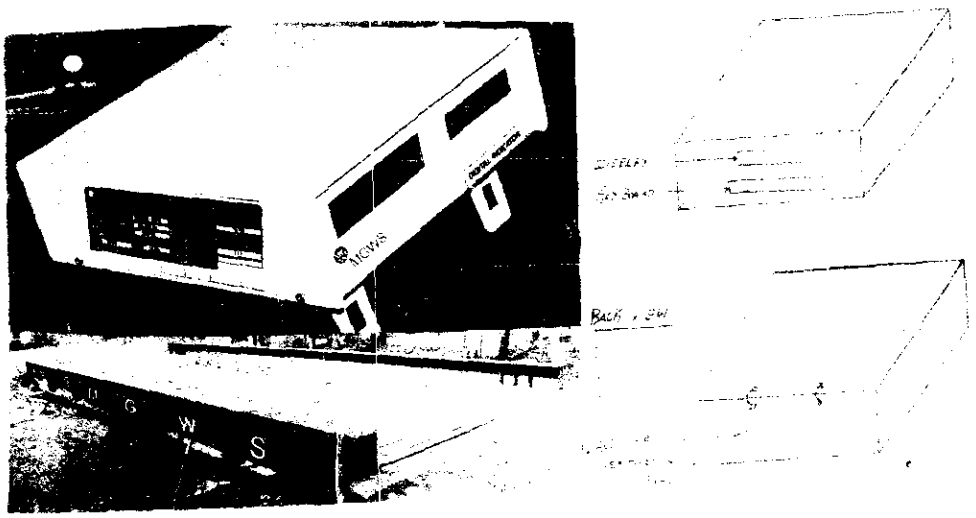

आकृति-2—मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम ।

इंडीकेटर की बॉडी में से और रियर साइड के होल में से और सीलिंग वायर निकाल कर सीलिंग की जाती है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 5 टन से 200 टन तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^{k}, 2×10^{k} या 5×10^{k}, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(108)/2010]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 15th September, 2011

S.O. 3604.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Electronic Weighbridge) with digital indication of Medium Accuracy (Accuracy class -III) of Series "WB" and with brand name"MGWS" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. M.G. Weighing Systems, Shop No. E-32, Sri Venkateswara Central Market, Opp. RTC Complex, Rajamundhry-533 103 (A.P.) and which is assigned the approval mark IND/09/10/147;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Electronic Weighbridge) with a maximum capacity of 40 tonne and minimum capacity of 200kg. The verification scale interval (e) is 10kg. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The LED Display indicates the weighing results. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

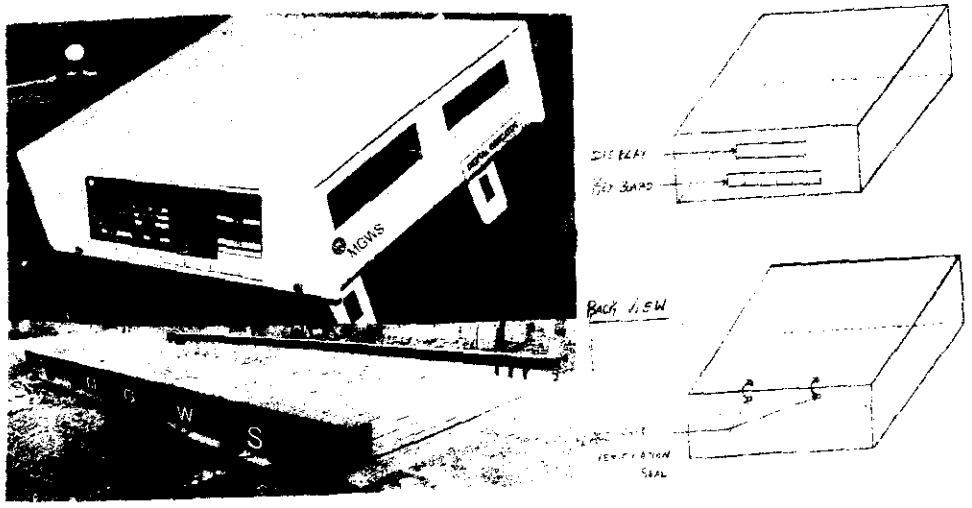

Figure-2—Sealing provision of the indicator of the model.

Sealing is done by passing the sealing wire from the body of the indicator through holes on the rear side of the indicator. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity above 5 tonne and up to 200 tonne with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g. or above and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No.WM-21(108)/2010]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 15 सितम्बर, 2011

का.आ. 3605.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976(1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप हैं और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत: अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स शयोना स्केल 208, बी.बी.सी. टावर, सयाजीगंज, वडोदरा, गुजरात-390005 द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "एसएचसी-6" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (इलेक्ट्रोनिक कंवर्सन किट प्लेटफार्म टाइप) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "श्योना" है, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/10/148 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (इलेक्ट्रोनिक कंवर्सन किट प्लेटफार्म टाइप) है । इसकी अधिकतम क्षमता 1000 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 2 कि. ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 100 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

आकृति -1

आकृति –2 मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम

स्केल की बाडी के होल्स में से सीलिंग वायर निकाल कर सीलिंग की जाती है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम ऊपर दिया गया है ।

उपकरण में बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच की सुविधा है । बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा. से 5000 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान $1x10^{k}$, $2x10^{k}$ या $5x10^{k}$, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम 21(107)/2010]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 15th September, 2011

S.O. 3605.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Electonic Conversion Kit Platform type) with digital indication of Medium Accuracy (Accuracy class -III) of Series "SHC-6" and with brand name "SHAYONA" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. Shayona Scale 208, B.B.C. Tower, Sayajiganj, Vadodara, Gujarat-390005 which is assigned the approval mark IND/09/10/148;

The said Model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Electonic Conversion Kit type) with a maximum capacity of 1000kg. and minimum capacity of 2kg. The verification scale interval (e) is 100g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing results. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

Figure-1 Model

Figure-2 Schematic diagram of sealing provision of the model.

Sealing is done by passing the sealing wire from the body of the scale through holes. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

The instrument has external control to calibration. A dip switch has been provided in A/D card/mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the power conferred by sub-section (12) of section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said Model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity above 50kg. up to 5000kg. with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g. or more and with 'e' value of $1x10^k$, $2x10^k$ or $5x10^k$, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved Model has been manufactured.

[F. No.WM-21(107)/2010]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 15 सितम्बर, 2011

का.आ. 3606.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976(1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप हैं और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स एकेएस सोफ्टवेयर लि., ए-1/169, सफदरजंग एन्कलेव, नई दिल्ली-110029 द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "एकेएसएच" श्रृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (क्रेन टाइप) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "एकेएस" है, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/10/62 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (क्रेन टाइप) है । इसकी अधिकतम क्षमता 300 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 1 कि.ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 50 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

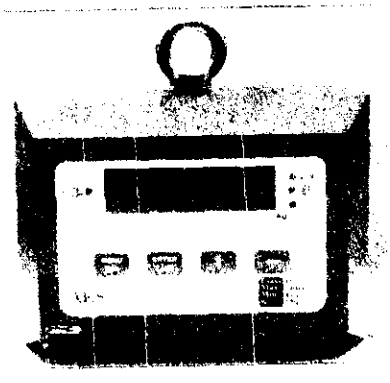

आकृति -2 मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम ।

डिस्प्ले की बाड़ी में से सीलिंग वायर निकाल कर डिस्प्ले के बाटम साइड/टाप साइड में सीलिंग की गई है । डिस्प्ले की बेस प्लेट और टाप कवर के छेद से सील को जोड़ा गया है, तब सील वायर इन दोनों छेदों में से निकाल कर सील से जोड़ा गया है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

उपकरण में कैलिब्रेशन के लिए बाहरी पहुंच है । बाहरी कैलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी श्रृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा. से 5000 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान $1x10^{k}$, $2x10^{k}$ या $5x10^{k}$, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(62)/2010]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 15th September, 2011

S.O. 3606.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Crane Type) with digital indication of medium accuracy (Accuracy class -III) of Series "AKSH" and with brand name "AKS" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. AKS Software Ltd., A-1/169, Safdarjung Enclave, New Delhi-110029 and which is assigned the approval mark IND/09/10/62;

The said Model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Crane Type) with a maximum capacity of 300kg. and minimum capacity of 1kg. The verification scale interval (e) is 50g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing results. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

Figure-1 Model

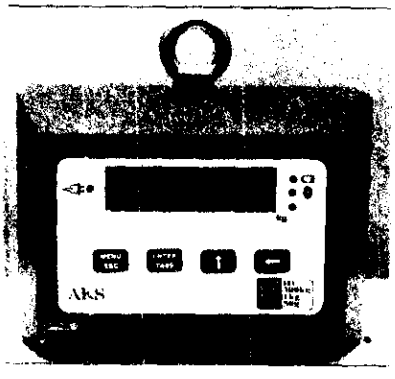

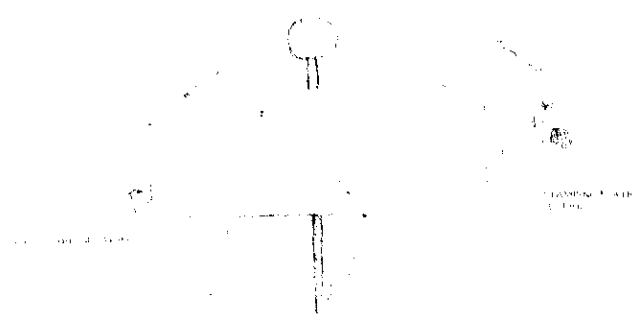

Figure-2 Sealing arrangement

Sealing is done on the bottom side/top side of the display by passing sealing wire from the body of the display. The seal is connected by hole in base plate & top cover of display, then seal wire is passed through these two holes attached with seal. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

The instrument has external control to calibration. A dip switch has been provided in A/D card/mother board to disable access to external calibration.

The Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said Model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity range from 50kg. and up to 5000kg. with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g. or more and with 'e' value of $1x10^k$, $2x10^k$ or $5x10^k$, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved Model has been manufactured.

[F. No.WM-21(62)/2010]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 15 सितम्बर, 2011

का.आ. 3607.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976(1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स एवरेस्ट इंस्ट्रूमेंटस प्रा. लि., चंदन पार्क के पास, स्टेशन रोड, विसनगर-384315 (गुजरात) द्वारा विनिर्मित विशेष यथार्थता (यथार्थता वर्ग-I) वाले "ईडीए" श्रृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबलटाप टाइप) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "एवरेस्ट" है, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/10/287 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक इलैक्ट्रो मैगनेटिक फोर्स कम्पेनसेशन प्रिंसिपल पर आधारित अस्वचालित (टेबलटाप प्रकार) तोलन उपकरण है । इसकी अधिकतम क्षमता 1000 ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 1 ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 10 मि.ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । लिक्विड क्रिस्टल डायोड प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

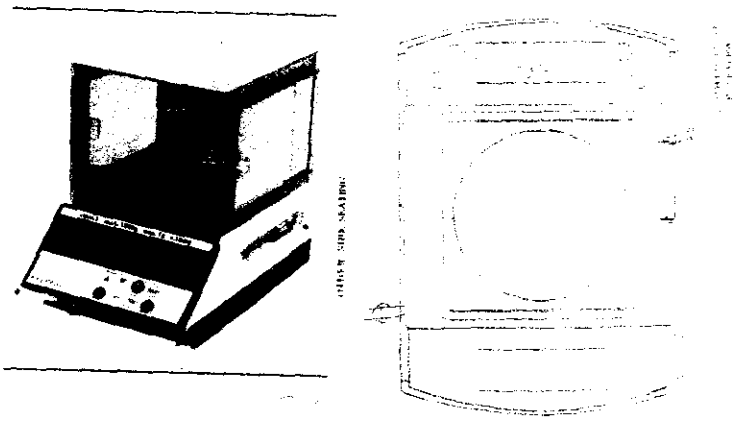

आकृति -2: मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम ।

इंडीकेटर की बॉडी में बनाए गए होल्स में से सीलिंग वायर निकाल कर सीलिंग की जाती है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी श्रृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 1 मि.ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 50,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान $1x10^{k}$, $2x10^{k}$ या $5x10^{k}$, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(192)/2010]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 15th September, 2011

S.O. 3607.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Tabletop type) with digital indication of special accuracy (Accuracy class -I) of Series "EDA" and with brand name "EVEREST" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. Everest Instruments, Pvt. Ltd., Nr. Chandan Park, Station Road, Visnagar-384315 (Gujarat) and which is assigned the approval mark IND/09/10/287;

The said model is an electro magnetic force compensation principle non-automatic weighing instrument with a maximum capacity of 1000g. and minimum capacity of 1g. The verification scale interval (e) is 10mg. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

Figure-1 Model

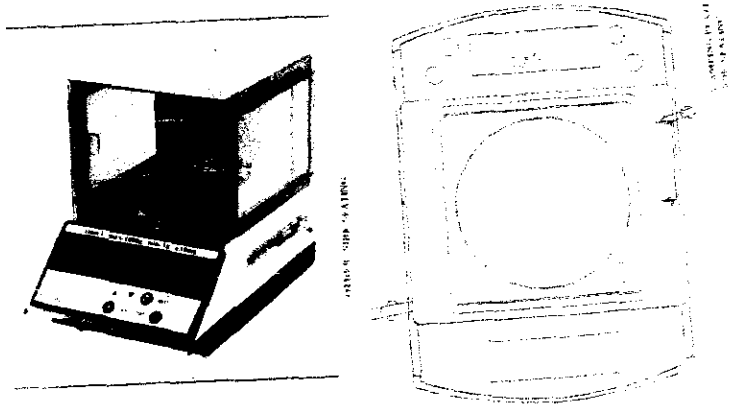

Figure-2 Schematic diagram of sealing of the model

Sealing is done by passing the sealing wire from the body of the indicator through holes. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

Further, in exercise of the power conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said Model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity up to 50kg. with verification scale interval (n) in the range of 50,000 or above for 'e' value of 1mg. or more and with 'e' value of $1x10^k$, $2x10^k$ or $5x10^k$, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved Model has been manufactured.

[F. No.WM-21(192)/2010]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 15 सितम्बर, 2011

का.आ. 3608.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976(1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स एवरेस्ट इंस्ट्रूमेंटस प्रा. लि., चंदन पार्क के पास, स्टेशन रोड, विसनगर-384315 (गुजरात) द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "ईटी" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (टैंक वेइंग टाइप) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "एवरेस्ट" है, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/10/288 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (टैंक वेइंग टाइप) है । इसकी अधिकतम क्षमता 1000 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 4 कि.ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 200 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत-प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

आकृति-1

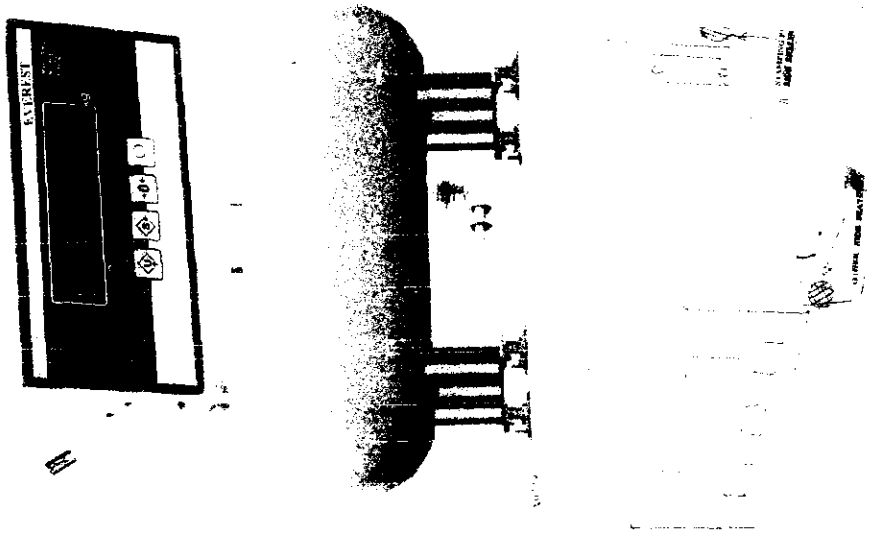

आकृति -2: मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम

इंडीकेटर की बॉडी में बनाए गए होल्स में से सीलिंग वायर निकाल कर सीलिंग की जाती है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 100 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 1 टन से 100 टन तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान $1x10^{k}$, $2x10^{k}$ या $5x10^{k}$, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(192)/2010]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 15th September, 2011

S.O. 3608.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Tank Weighing type) with digital indication of medium accuracy (Accuracy class -III) of Series "ET" and with brand name "EVEREST" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. Everest Instruments, Pvt. Ltd., Nr. Chandan Park, Station Road, Visnagar-384315 (Gujarat) which is assigned the approval mark IND/09/10/288;

The said Model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Tank Weighing type) with a maximum capacity of 1000kg. and minimum capacity of 4kg. The verification scale interval (e) is 200g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) indicates the weighing results. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

Figure-1: Model

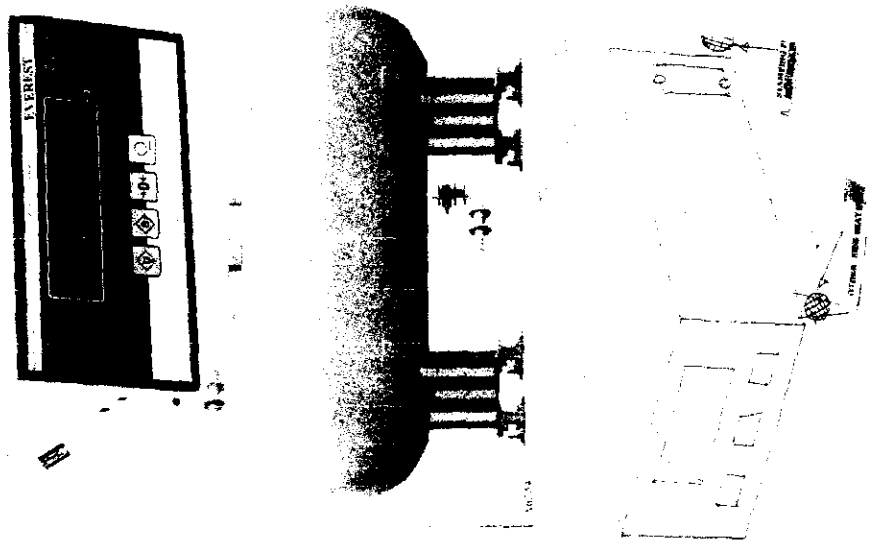

Figure-2 Schematic diagram of the sealing provision of the model

Sealing is done by passing the sealing wire from the body of the indicator through holes. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

Further, in exercise of the power conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said Model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacities in the range of 1tonne to 100 tonne with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 100g. or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved Model has been manufactured.

[F. No.WM-21(192)/2010]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 15 सितम्बर, 2011

का.आ. 3609.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स एवरेस्ट इंस्ट्रूमेंट्स प्रा. लि., चंदन पार्क के पास, स्टेशन रोड, विसनगर-384315 (गुजरात) द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "ईडब्ल्यूबी" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (इलेक्ट्रोनिक वेब्रिज) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "एवरेस्ट" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/10/289 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (इलेक्ट्रोनिक वेब्रिज) है । इसकी अधिकतम क्षमता 50 टन और न्यूनतम क्षमता 100 कि.ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 5 कि.ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

आकृति-1

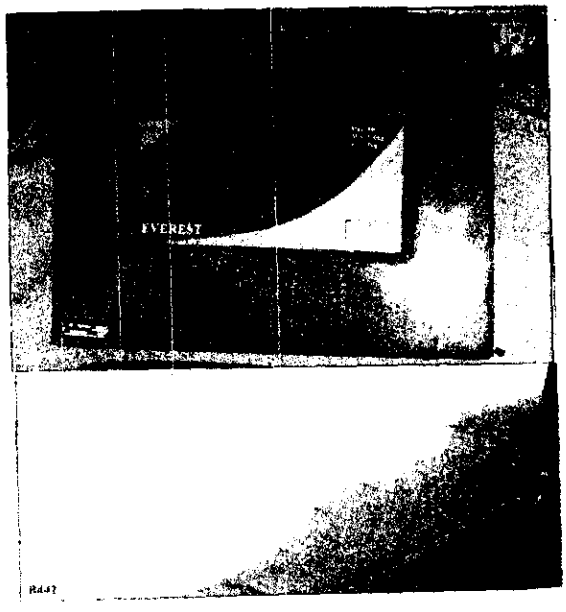

आकृति-2—मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम ।

इंडीकेटर की बॉडी में बनाए गए होल्स में से सीलिंग वायर निकाल कर सीलिंग की जाती है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम ऊपर दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिज़ाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 5 टन से 200 टन तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^{k}, 2×10^{k} या 5×10^{k}, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(192)/2010]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 15th September, 2011

S.O. 3609.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Electronic Weighbridge) with digital indication of medium accuracy (Accuracy class -III) of Series "EWB" and with brand name "EVEREST" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. Everest Instruments Pvt. Ltd., Near Chandan Park, Station Road, Visnagar-384315 (Gujarat) and which is assigned the approval mark IND/09/10/289;

The said Model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Electronic Weighbridge) with a maximum capacity of 50 tonne and minimum capacity of 100 kg. The verification scale interval (e) is 5kg. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing results. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

Figure-1 Model (Weghbridge)

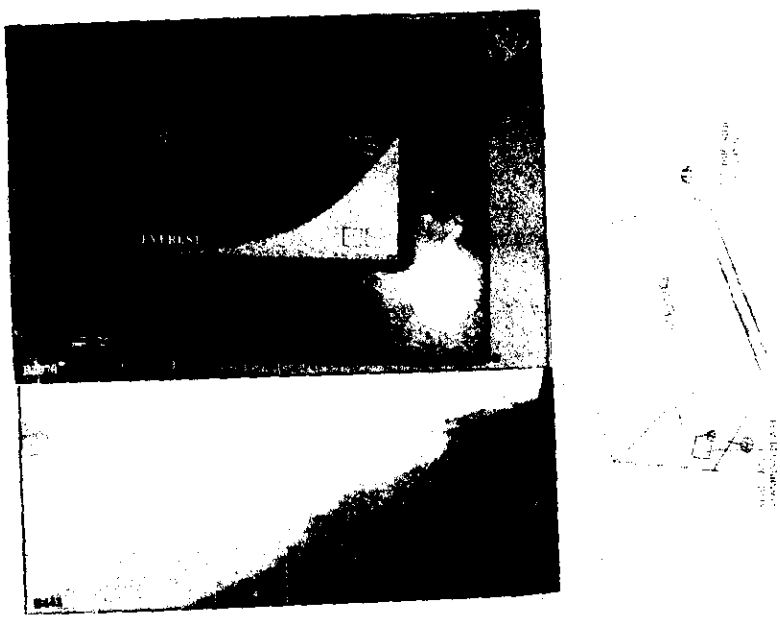

Figure-2—Sealing provision of the indicator of the model.

Sealing is done by passing the sealing wire from the body of the indicator through holes. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said Model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity above 5 tonne and up to 200 tonne with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g or above and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved Model has been manufactured.

[F. No.WM-21(192)/2010]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 15 सितम्बर, 2011

का.आ. 3610.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स श्री वेंकटेश्वर स्केल, 445, प्रथम तल, अग्रवाल काम्पलेक्स के पास, लोहौली, इतवारी, नागपुर (महराष्ट्र) द्वारा विनिर्मित उच्च यथार्थता (यथार्थता वर्ग-II) वाले "केटीटी-II" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबलटॉप टाइप) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "केआईटीईएस" है, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/11/09 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण है । इसकी अधिकतम क्षमता 20 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 50 ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 1 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

आकृति-1

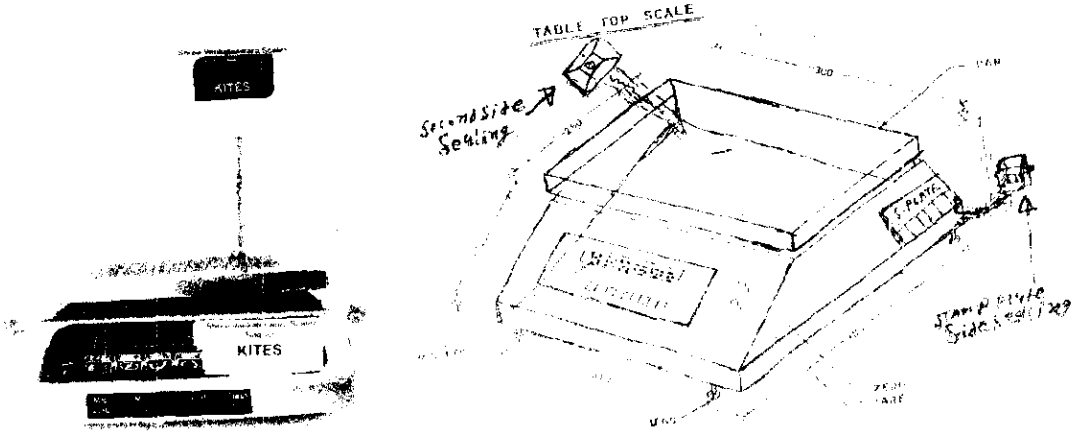

आकृति-2—मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम ।

स्केल की बाटम प्लेट और टाप कवर में बनाए गए छेद में से सीलिंग की जाती है, तब सीलिंग वायर इन दो छेदों में से निकाला जाता है । स्केल की बाडी में से लीड सील के साथ सीलिंग वायर लीड सील के साथ स्टाम्पिंग के लिए स्टाम्पिंग प्लेट से जोड़ा गया है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

उपकरण में बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच की सुविधा है । बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 1 मि.ग्रा. से 50 मि.ग्रा. तक के "ई" मान के लिए 100 से 100,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) और 100 मि.ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 5000 से 100,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^{k}, 2×10^{k} या 5×10^{k}, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(165)/2010]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 15th September, 2011

S.O. 3610.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Table top type) with digital indication of high accuracy (Accuracy Class -II) of series "KTT-II" and with brand name "KITES" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. Shree Venkateswara Scale, 445, First Floor, Near Aggarwal Complex, Lohaoli, Itwari, Nagpur (Maharastra) and which is assigned the approval mark IND/09/11/09;

The said Model is a Strain Gauge type load cell based non-automatic weighing instrument with a maximum capacity of 20 kg and minimum capacity of 50 g. The verification scale interval (e) is 1g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

Figure-1 Model

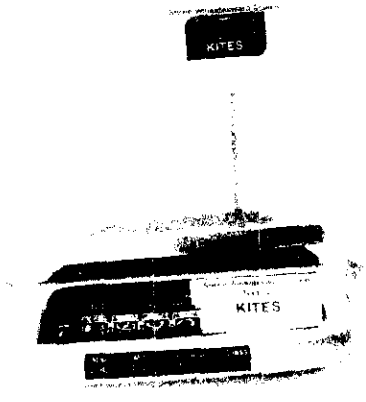

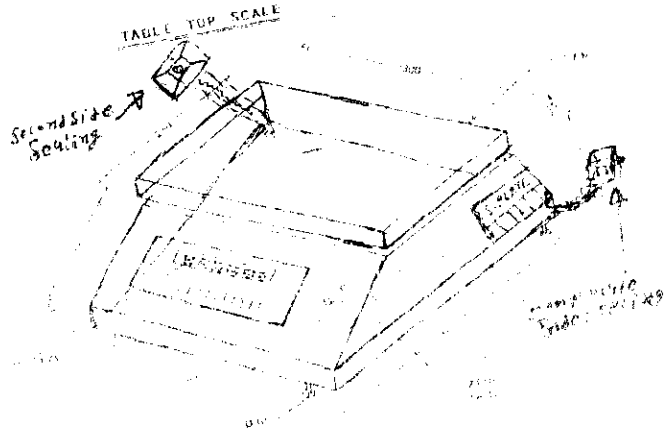

Figure-2—Schematic diagram of the model.

The sealing is done through the hole, made in the bottam plate and Top cover of the scale, then sealing wire is passed through these two holes. Stamping plate is connected through the sealing wire passing from the body of scale with the lead seal, to get the stamping. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

The instrument has external control to calibration. A dip switch has also been provided in A/D card/mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the power conferred by sub-section (12) of section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said Model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum up to 50 kg with verification scale interval (n) in the range of 100 to 100,000 for 'e' value of 1mg to 50 mg and with verification scale interval (n) in the range of 5000 to 100,000 for 'e' value of 100 mg or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved Model has been manufactured.

[F. No. WM-21(165)/2010]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 15 सितम्बर, 2011

का.आ. 3611.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत: अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स श्री वेंकटेश्वर स्केल, 445, प्रथम तल, अग्रवाल काम्पलेक्स के पास, लोहौली, इतवारी, नागपुर (महाराष्ट्र) द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "केटीटी-03" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबल टाप टाइप) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "केआईटीईएस" है, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/11/10 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबल टाप टाइप) है । इसकी अधिकतम क्षमता 30 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 100 ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 5 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

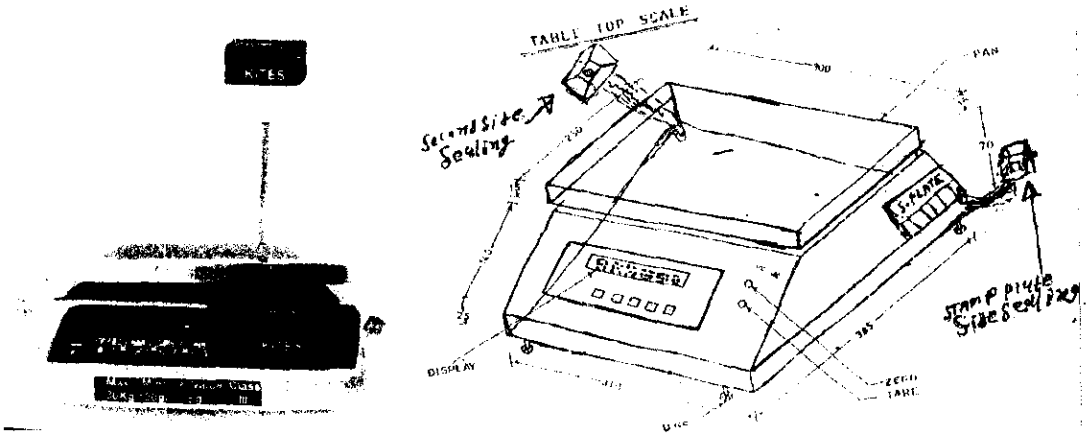

आकृति-2—मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम ।

स्केल की बाटम प्लेट और टाप कवर में बनाए गए छेद में से सीलिंग की जाती है, तब सीलिंग वायर इन दो छेदों में से निकाला जाता है । स्केल की बाडी में से लीड सील के साथ सीलिंग वायर लीड सील के साथ स्टाम्पिंग के लिए स्टाम्पिंग प्लेट से जोड़ा गया है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

उपकरण में बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच की सुविधा है । बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 100 मि.ग्रा. से 2 ग्रा. तक के "ई" मान के लिए 100 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) और 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^{k}, 2×10^{k}, 5×10^{k}, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(165)/2010]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 15th September, 2011

S.O. 3611.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Table Top Type) with digital indication of medium accuracy (Accuracy class -III) of Series "KTT-03" and with brand name "KITES" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. Shree Venkateswara Scale, 445, First Floor, Near Aggarwal Complex, Loholi, Itwari, Nagpur (Maharastra) and which is assigned the approval mark IND/09/11/10;

The said Model is a Strain Gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Table top type) with a maximum capacity of 30 kg. and minimum capacity of 100 g. The verification scale interval (e) is 5 g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) indicates the weighing results. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

Figure-1 Model

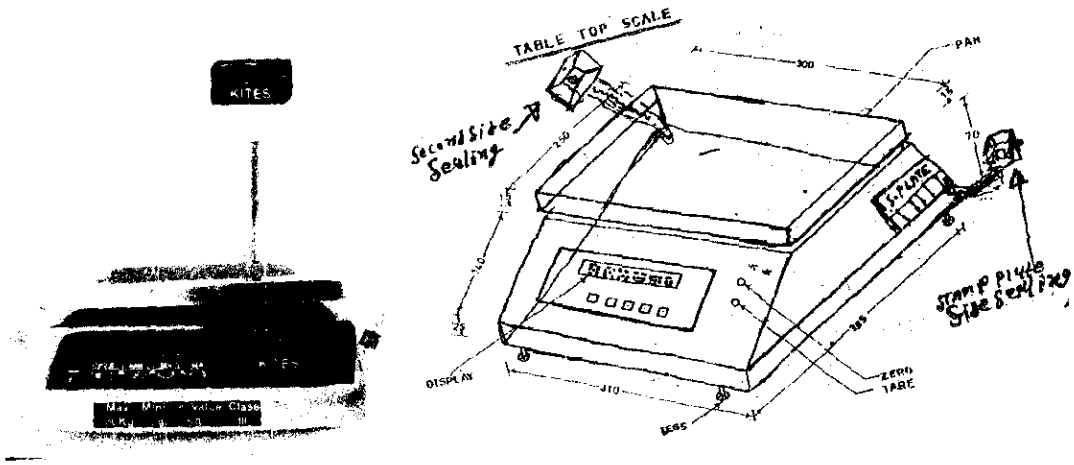

Figure-2—Schematic diagram of sealing provision of the model.

The Sealing is done through the hole, made in the bottam plate and Top cover of the scale, than sealing wire is passed through these two holes Stamping plate is connected through the sealing wire passing from the body of scale with the lead seal, to get the stamping. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

The instrument has external control to calibration. A dip switch has been provided in A/D card/mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said Model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity up to 50kg. with verification scale interval (n) in the range of 100 to 10,000 for 'e' value of 100mg to 2g. and with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g. or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved Model has been manufactured.

[F. No. WM-21(165)/2010]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 15 सितम्बर, 2011

का.आ. 3612.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स श्री वेंकटेश्वर स्केल, 445, प्रथम तल, अग्रवाल काम्पलेक्स के पास, लोहॉली, इतवारी, नागपुर (महाराष्ट्र) द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "केपीएफ-02" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (प्लेटफार्म टाइप) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "केआईटीईएस" है, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/11/11 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (प्लेटफार्म टाइप) है । इसकी अधिकतम क्षमता 1000 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 2 कि.ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 100 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

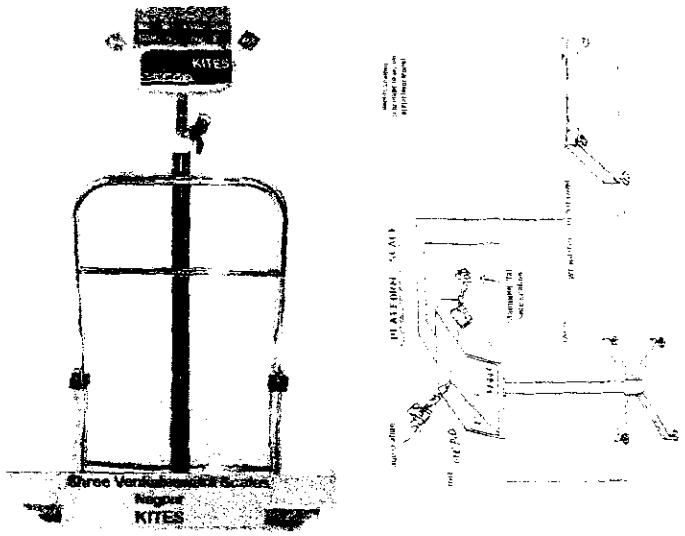

आकृति-2—मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम ।

स्केल की बाटम प्लेट और टाप कवर में बनाए गए छेद में से सीलिंग की जाती है, तब सीलिंग वायर इन दो छेदों में से निकाला जाता है । स्केल की बाडी में से लीड सील के साथ सीलिंग वायर लीड सील के साथ स्टाम्पिंग के लिए स्टाम्पिंग प्लेट से जोड़ा गया है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

उपकरण में बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच की सुविधा है । बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा. से 5000 कि. ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान $1x10^{k}$, $2x10^{k}$ या $5x10^{k}$, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(165)/2010]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 15th September, 2011

S.O. 3612.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Platform Type) with digital indication of "KPF-02" series of medium accuracy (accuracy class -III) and with brand name "KITES" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. Shree Venkateswara Scales, 445, First Floor, Near Agarwal Complex, Lohali, Itwari, Nagpur (Maharastra) and which is assigned the approval mark IND/09/11/11;

The said Model is a Strain Gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Platform type) with a maximum capacity of 1000kg. and minimum capacity of 2kg. The verification scale interval (e) is 100g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing results. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

Figure-1 Model

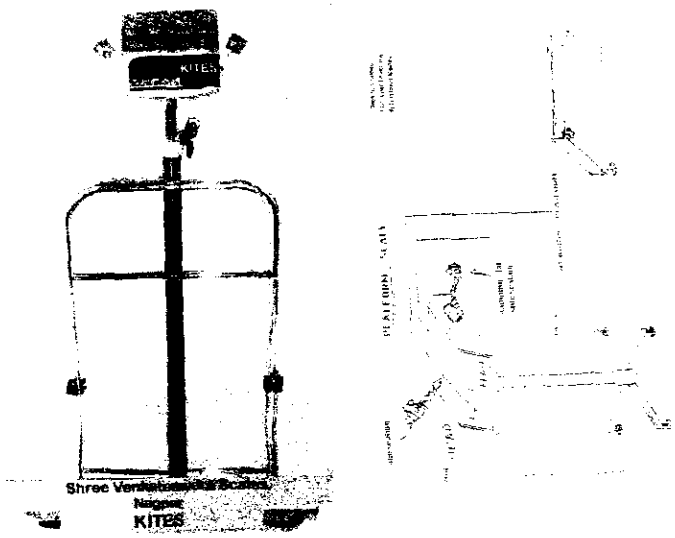

Figure-2—Schematic diagram of sealing provision of the model.

Sealing can be done by applying lead & seal wire through the holes provided on the body of the instrument. The weighing scale can not be opened without tampering the seal. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

The instrument has external control to calibration. A dip switch has also been provided in A/D card/mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said Model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity above 50kg and up to 5000kg. with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g. or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved Model has been manufactured.

[F. No.WM-21(165)/2010]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 15 सितम्बर, 2011

का.आ. 3613.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स ई जी कांटावाला प्रा. लि., सर्वे नं. 28/1, दामोदर नगर, ओल्ड नगर मुंधवा रोड, काहारदी पूणे, महाराष्ट्र द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "ईसीआर" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबलटाप टाइप) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "ईगल" है, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/10/119 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबलटाप टाइप) है । इसकी अधिकतम क्षमता 30 कि.ग्रा. है और न्यूनतम क्षमता 100 ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 5 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत-प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । लिक्वड् क्रिस्टल प्रदर्श (एल सी डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

आकृति-1 : मॉडल

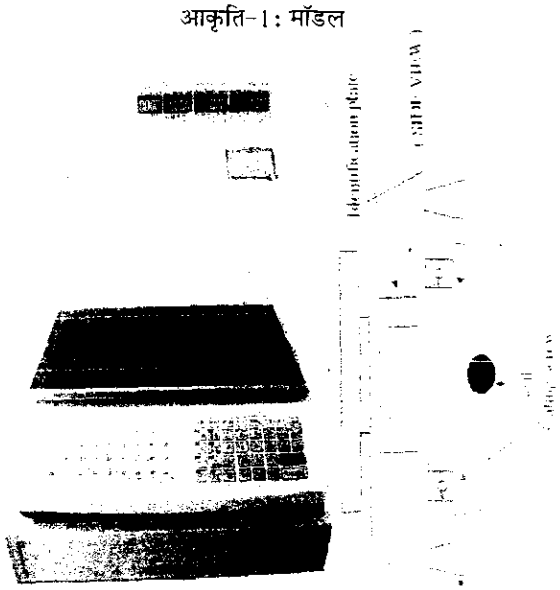

आकृति-2 : मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम ।

दो बॉडी फिटिंग स्क्रूज़ में से सीलिंग वायर निकालकर वेइंग उपकरण के लिए मशीन की सीलिंग की जाती है । कपटपूर्ण व्यवहार के लिए मशीन को खोले जाने से रोकने के लिए सीलिंग की जाती है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

उपकरण में बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच की सुविधा है । बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिज़ाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 100 मि. ग्रा. से 2 ग्रा. तक के "ई" मान के लिए 100 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^{क}, 2×10^{क} , 5×10^{क}, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(38)/2010]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 15th September, 2011

S.O. 3613.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby approves and issues the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Tablelop type) with digital indication belonging to Medium Accuracy (Accuracy class -III) of series 'ECR" and with brand name "EAGLE" (hereinafter referred to as the said Model), manufactured by M/s. E. G. Kantawalla Pvt. Ltd., Survey No. 28/1 Damodar Nagar, Old Nagar Mundhwa Road, Kaharadi Pune, Maharashtra which is assigned the approval mark IND/09/10/119;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Tabletop type) with a maximum capacity of 30 k.g. and minimum capacity of 100 g . The verification scale interval (e) is 5g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Liquid Crystal Diode (LCD) display indicates the weighing results. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

Figure-1 Moded

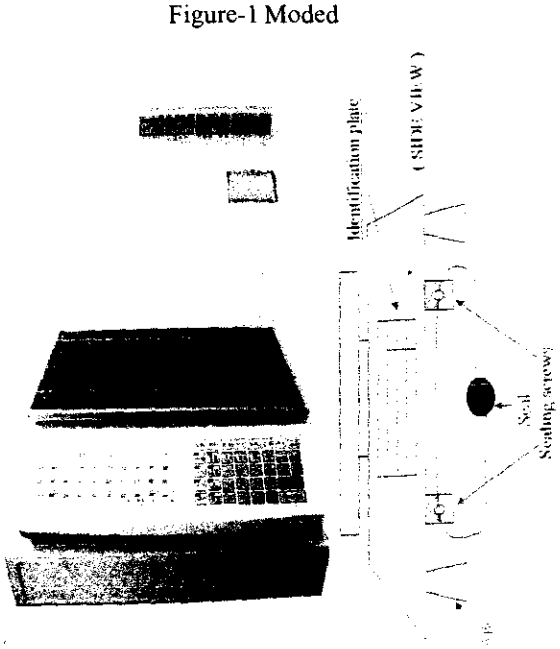

Figure-2 Schematic diagram of Sealing provision of the model.

The sealing of the machine is done on the weighing instrument by passing the sealing wire through the two body fitting screw. Sealing shall be done to prevent opening of the weighing machine for fraudulent practice. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

The instrument has external control to calibration. A dip switch has also been provided in A/D card/mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said Model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity up to 50kg. and with number of verification scale interval (n) in the range of 100 to10,000 for 'e' value of 100 mg. to 2g and with number of verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for'e' value of 5g. or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, k being the positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the said manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved Model has been manufactured.

[F. No.WM-21(38)/2010]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 15 सितम्बर, 2011

का.आ. 3614.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976(1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत:, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स ई जी कांटावाला प्रा. लि. सर्वे नं. 28/1, दामोदर नगर, ओल्ड नगर मुंधवा रोड, काहारदी, पुणे, महाराष्ट्र द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "टीएम" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबलटाप टाइप) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "ईगल" है, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/10/120 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबलटाप टाइप) है । इसकी अधिकतम क्षमता 30 कि.ग्रा. है और न्यूनतम क्षमता 40 ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 2 ग्रा. से 20 कि. ग्रा. तक और 5 ग्रा. 20 कि.ग्रा. से अधिक और 30 कि.ग्रा. तक है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत-प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

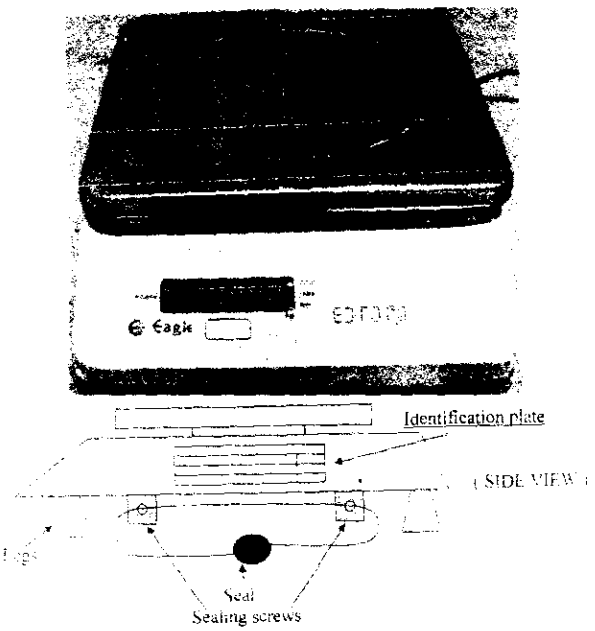

आकृति-2 : मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम

दो बॉडी फिटिंग स्क्रूज में से सीलिंग वायर निकाल कर वेइंग उपकरण के लिए मशीन की सीलिंग की जाती है कपटपूर्ण व्यवहार के लिए मशीन को खोले जाने से रोकने के लिए सीलिंग की जाती है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

उपकरण में बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच की सुविधा है । बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 1 मि. ग्रा. से 2 ग्रा. तक के "ई" मान के लिए 100 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) और 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^{k}, 2×10^{k} , 5×10^{k}, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(38)/2010]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 15th September, 2011

S.O. 3614.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Table top type) with digital indication of Medium Accuracy (Accuracy class -III) of Series "TM" and with brand name "EAGLE" (hereinafter referred to as the said Model), manufactured by M/s. E. G. Kantawalla Pvt. Ltd., Survey No. 28/1 Damodar Nagar, Old Nagar Mundhwa Road Kaharadi Pune, Maharashtra which is assigned the approval mark IND/09/10/120;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Tabletop type) with a maximum capacity of 30 kg and minimum capacity of 40g. The verification scale interval (e) is 2g. upto 20kg. and 5g. above 20kg and upto 30kg. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing results. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

Figure-1: Model

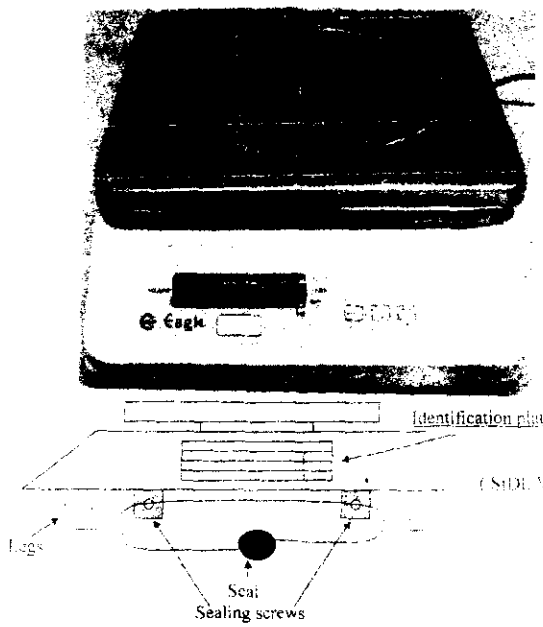

Figure-2 Schematic diagram of sealing provision of the model

The sealing or the machine is done for the weighing instrument by passing the sealing wire through the two body fitting screws. Sealing shall be done to prevent opening of the weighing machine for fraudulent practice. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

The instrument has external control to calibration. A dip switch has also been provided in A/D card/mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said Model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity up to 50kg and with number of verification scale interval (n) in the range of 100 to 10,000 for 'e' value of 1mg. to 2g. and with number of verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g. or more and with 'e' value 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, k being the positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved Model has been manufactured.

[F. No.WM-21(38)/2010]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 15 सितम्बर, 2011

का.आ. 3615.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976(1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत:, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स ई जी कांटावाला प्रा. लि., सर्वे नं. 28/1, दामोदर नगर, ओल्ड नगर मुंधवा रोड काहारदी पुणे, महाराष्ट्र द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "सीआरएन" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (क्रेन टाइप) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "ईगल" है, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/10/121 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (क्रेन टाइप) है । इसकी अधिकतम क्षमता 2000 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 20 कि. ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 1 कि.ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत-प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

आकृति-1 मॉडल

आकृति-2: मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम ।

दो बॉडी फिटिंग स्क्रूज में से सीलिंग वायर निकाल कर वेइंग उपकरण के लिए मशीन की सीलिंग की जाती है । कपटपूर्ण व्यवहार के लिए मशीन को खोले जाने से रोकने के लिए सीलिंग की जाती है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

उपकरण में बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच की सुविधा है । बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा. से 10000 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^{k}, 2×10^{k}, 5×10^{k}, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम 21(38)/2010]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 15th September, 2011

S.O. 3615.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Crane type) with digital indication of Medium Accuracy (Accuracy class -III) of Series "CRN" and with brand name "EAGLE" (hereinafter referred to as the said Model), manufactured by M/s. E. G. Kantawalla PVT Ltd., Survey No. 28/1 Damodar Nagar, Old Nagar Mundhwa Road Kaharadi Pune, Maharashtra and which is assigned the approval mark IND/09/10/121;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Crane type) with a maximum capacity of 2000 kg. and minimum capacity of 20kg. The verification scale interval (e) is 1kg. It has a tare device with a 100 percent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) indicates the weighing results. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

Figure-1: Model

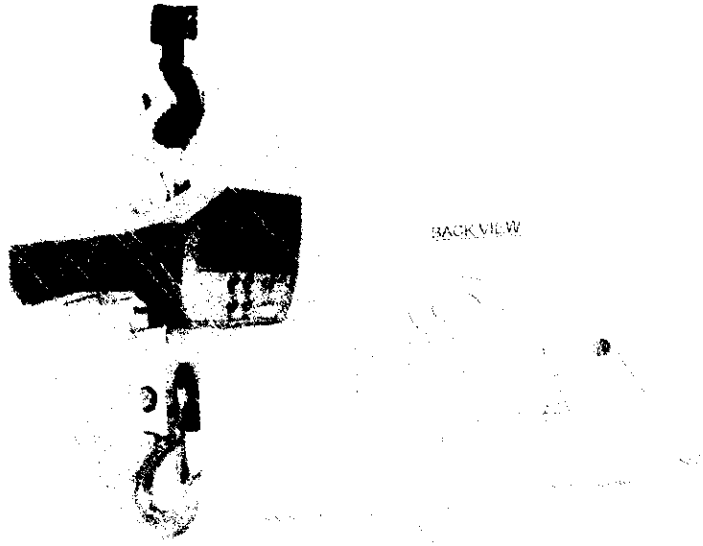

Figure-2 : Sealing arrangement.

The Sealing of the machine is donefor the weighing instrument by passing the sealing wire through the two body fitting screws. Sealing shall be done to prevent opening of the weighing machine for fraudulent practice. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above,

The instrument has external control to calibration. A dip switch has also been provided in A/D card/mother board to disable access to external calibration.

The Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said Model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity range from upto 50 kg. and up to 10,000 kg. with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g. or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufa ctured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved Model has been manufactured.

[F. No.WM-21(38)/2010]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 15 सितम्बर, 2011

का.आ. 3616.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स ई जी कांटावाला प्रा. लि., सर्वे नं. 28/1, दामोदर नगर, ओल्ड नगर मुंधवा रोड, काहारदी पुणे, महाराष्ट्र द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "पीआरएस" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (इलेक्ट्रोनिक व्यक्ति तोलन मशीन) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "ईगल" है, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/10/122 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (इलेक्ट्रोनिक व्यक्ति तोलन मशीन) है । इसकी अधिकतम क्षमता 150 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 2 कि. ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 100 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत-प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

आकृति-2 : मॉडल

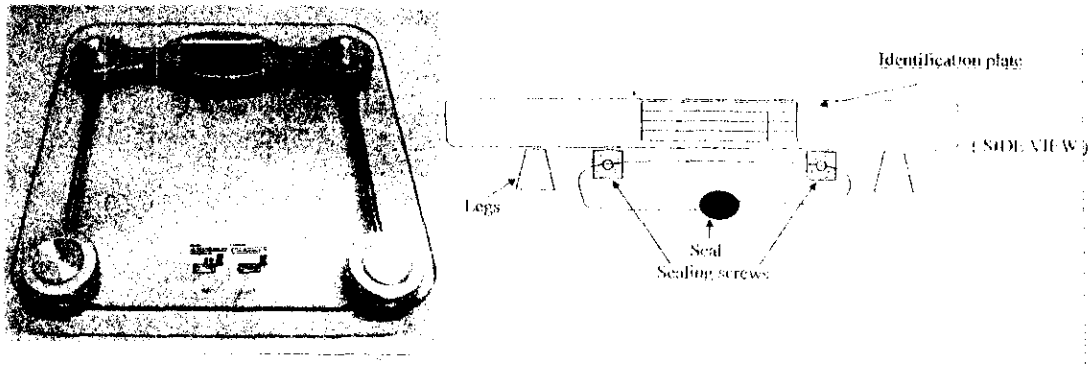

आकृति-2 : मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम ।

दो बाडीफिटिंग स्क्रूज में से सीलिंग वायर निकाल कर वेइंग उपकरण के लिए मशीन की सीलिंग की जाती है । कपटपूर्ण व्यवहार के लिए मशीन को खोले जाने से रोकने के लिए सीलिंग की जाती है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के इस अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 200 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^{क}, 2×10^{क} और 5×10^{क}, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(38)/2010]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 15th September, 2011

S.O. 3616.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Electronic Person Weighing Machine) with digital indication of Medium Accuracy (Accuracy class -III) of Series "PRS" and with brand name "EAGLE" (hereinafter referred to as the said Model), manufactured by M/s. E. G. Kantawalla Pvt. Ltd., Survey No. 28/1 Damodar Nagar, Old Nagar Mundhwa Road Kaharadi Pune, Maharashtra and which is assigned the approval mark IND/09/10/122;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Electronic Person Weighing Machine) with a maximum capacity of 150 kg. and minimum capacity of 2kg. The verification scale interval (e) is 100g. It has a tare device with a 100 percent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) indicates the weighing results. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

Figure-1 Model

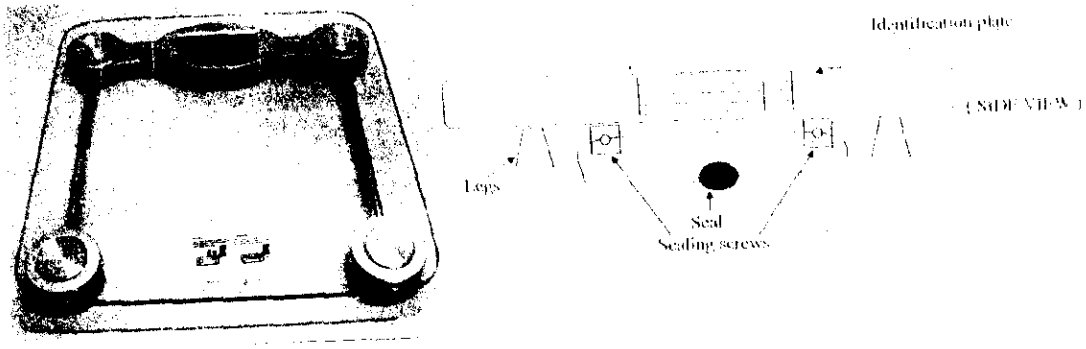

Figure-2 Sealing provisions

The Sealing of the machine is done for the weighing instrument by passing the sealing wire through the two body fitting screws. Sealing shall be done to prevent opening of the weighing machine for fraudulent practice. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above,

Further, in exercise of the power conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said Model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity upto 200kg. with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g. or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved Model has been manufactured.

[F. No.WM-21(38)/2010]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 15 सितम्बर, 2011

का.आ. 3617.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स यूनिटैक सिस्टम एंड आटोमेशन, 62, महादेव नगर, गीतांजलि पेट्रोल पंप के पीछे, वराच्चा रोड, सूरत, गुजरात द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "यूएसएटीटी" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबलटॉप टाइप) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "यूनिटैक" है, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/10/541 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबलटॉप प्रकार) है । इसकी अधिकतम क्षमता 30 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 100 ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 5 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत-प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

आकृति -1

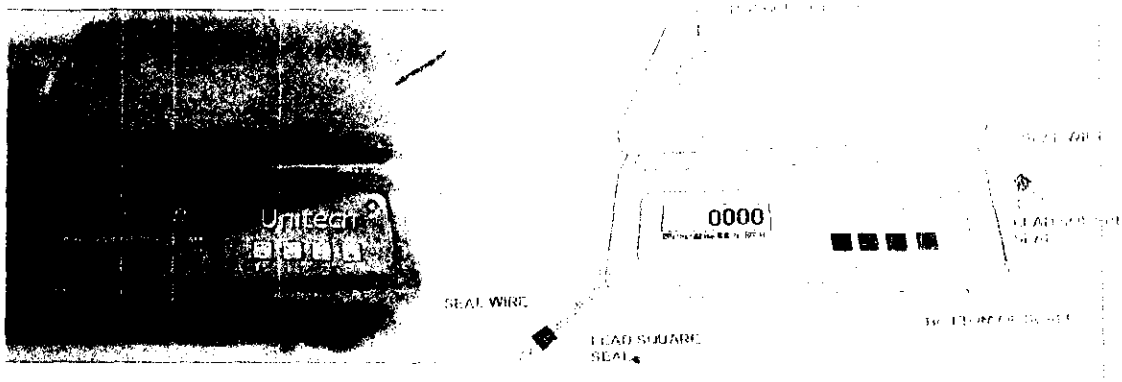

आकृति-2 : मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम ।

डिस्पले की बॉडी में से सीलिंग वायर निकालकर डिस्पले के राइट साइड/बैक साइड में सीलिंग की जाती है । सील के साथ जुड़े हुए डिस्पले के बेस प्लेट और टॉप कवर में बने दो छेदों में से सीलिंग वायर निकाल कर सील से जोड़ा गया है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

उपकरण में बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच की सुविधा है । बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिज़ाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 1 मि. ग्रा. से 2 ग्रा. तक के "ई" मान के लिए 100 से 10,000 तक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) और 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 से तक रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (अन) सहित 50 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^{k}, 2×10^{k}, 5×10^{k}, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम 21(325)/2010]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 15th September, 2011

S.O. 3617.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Table top type) with digital indication of Medium Accuracy (Accuracy class -III) of Series "USATT" and with brand name "UNITECH" (hereinafter referred to as the said Model), manufactured by M/s. Unitech System & Automation, 62, Mahadev Nagar, B/h Gitanjali Petrol Pump, Varachha Road, Surat, Gujarat and which is assigned the approval mark IND/09/10/541;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Table Top Type) with a maximum capacity of 30 kg. and minimum capacity of 100g. The verification scale interval (e) is 5 g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) Display indicates the weighing results. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

Figure-1

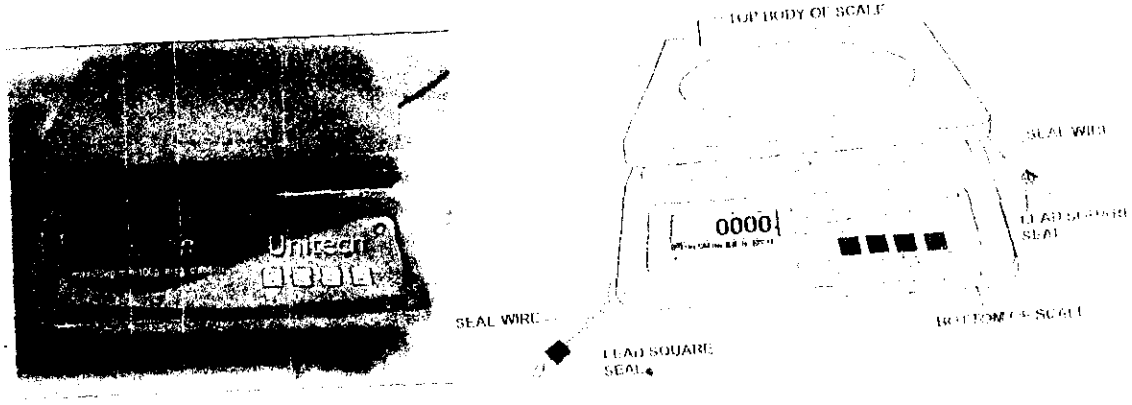

Figure-2—Schematic diagram of sealing provision of the model.

Sealing is done on the display by passing sealing wire from the body of the display. The seal is connected by hole in base plate & top cover of display, than seal wire is passed through these two holes attached with seal. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

The instrument has external control to calibration. A dip switch has also been provided in A/D card/mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity upto 50 kg. with verification scale interval (n) in the range of 100 to 10,000 for 'e' value of 1mg. to 2g and with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g. or more and with 'e' value of $1x10^k$, $2x10^k$ or $5x10^k$, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which the said approved model has been manufactured.

[F. No.WM-21(325)/2010]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 15 सितम्बर, 2011

का.आ. 3618.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स यूनिटैक सिस्टम एंड आटोमेशन, 62, महादेव नगर, गीतांजलि पेट्रोल पंप की पीछे, वराच्चा रोड, सूरत, गुजरात द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "यूएसएपीएफ" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (प्लेटफार्म टाइप) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "यूनिटैक" है, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/10/542 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (प्लेटफार्म प्रकार) है । इसकी अधिकतम क्षमता 1000 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 2 कि. ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 100 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत-प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

आकृति

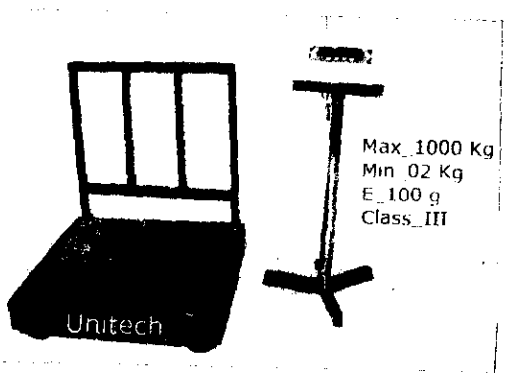

आकृति-2—मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम ।

डिस्प्ले की बाडी में से सीलिंग वायर निकालकर डिस्प्ले पर सीलिंग की जाती है । सील के साथ जुड़े हुए डिस्प्ले के बेस प्लेट और टॉप कवर में बने दो छेदों में से सलिंग वायर निकाल कर सील से जोड़ा गया है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

उपकरण में बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच की सुविधा है । बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा. से 5000 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^{क}, 2×10^{क} , 5×10^{क}, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(325)/2010]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 15th September, 2011

S.O. 3618.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Platform type) with digital indication of medium Accuracy (Accuracy class -III) of Series "USAPF" and with brand name "UNITECH" (hereinafter referred to as the said Model), manufactured by M/s. Unitech System & Automation, 62, Mahadev Nagar, B/h Gitanjali Petrol Pump, Varachha Road, Surat, Gujarat and which is assigned the approval mark IND/09/10/542;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Platform Type) with a maximum capacity of 1000 kg. and minimum capacity of 2 kg. The verification scale interval (e) is 100 g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) indicates the weighing results. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

Figure

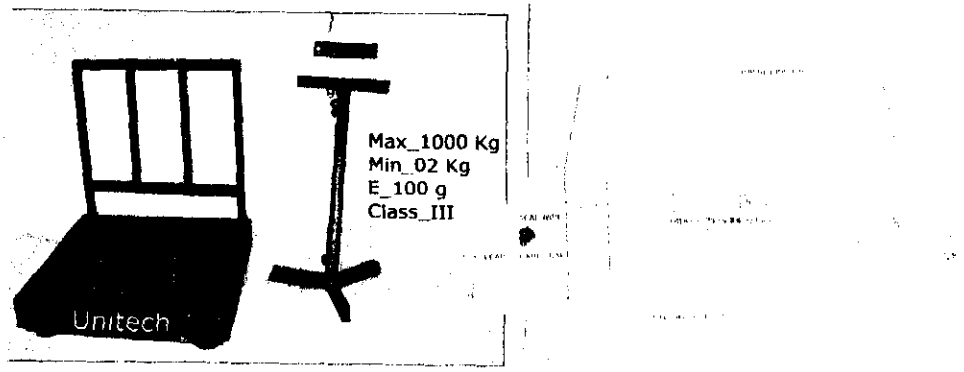

Figure-2— Schematic diagram of sealing provision of the model.

Sealing is done on the display by passing sealing wire from the body of the display. The seal is connected by whole in base plate & top cover of display, than seal wire is passed through these two holes attached with seal. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above,

The instrument has external control to calibration. A dip switch has also been provided in A D card/mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity above 50kg. and up to 5000 kg. with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g. or more and with 'e' value of $1x10^k$, $2x10^k$ or $5x10^k$, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21(325)/2010]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 15 सितम्बर, 2011

का.आ. 3619.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976(1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स यूनिटैक सिस्टम एंड आटोमेशन, 62, महादेव नगर, गीतांजलि पेट्रोल पंप की पीछे, वराच्चा रोड, सूरत, गुजरात द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "यूएसएएफडब्ल्यू" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (इलेक्ट्रॉनिक वेब्रिज) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "यूनिटैक" है, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/10/543 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (इलेक्ट्रॉनिक वेब्रिज) है । इसकी अधिकतम क्षमता 40 टन है और न्यूनतम क्षमता 100 कि.ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 5 कि. ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत-प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

आकृति-1 : मॉडल

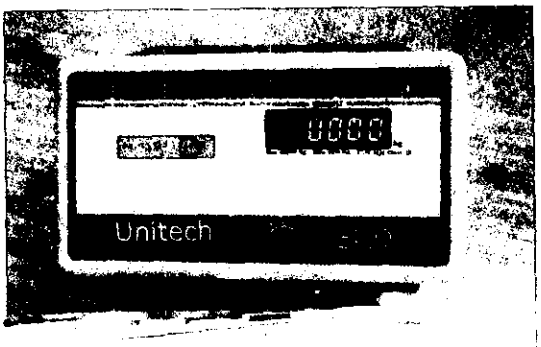

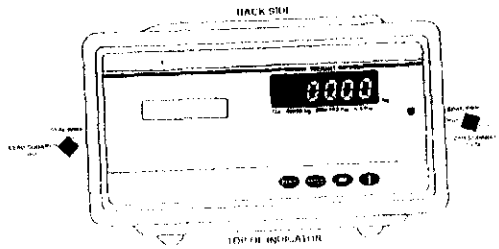

आकृति-2 : मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम ।

डिस्प्ले की बॉडी में से सीलिंग वायर निकालकर डिस्प्ले के राइट साइड/बैक साइड में सीलिंग की जाती है । शील के साथ जुड़े हुए डिस्प्ले के बेस प्लेट और टॉप कवर में बने दो छेदों में से सलिंग वायर निकालकर सील से जोड़ा गया है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

उपकरण में बाहरी कलिब्रेशन तक पहुंच की सुविधा है । बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 कि.ग्रा. तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 5 टन से 200 टन तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^{k}, 2×10^{k} या 5×10^{k}, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(325)/2010]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 15th September, 2011

S.O. 3619.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Electronic Weighbridge) with digital indication of Medium Accuracy (Accuracy class -III) of Series "USAFW" and with brand name "UNITECH" (hereinafter referred to as the said Model), manufactured by M/s. Unitech System & Automation, 62, Mahadev Nagar, B/h Gitanjali Petrol Pump, Varachha Road, Surat, Gujarat and which is assigned the approval mark IND/09/10/543;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Electronic Weighbridge) with a maximum capacity of 40 tonne and minimum capacity of 100 kg. The verification scale interval (e) is 5 kg. It has a tare device with a 100 percent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) Display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

Figure-1 Model

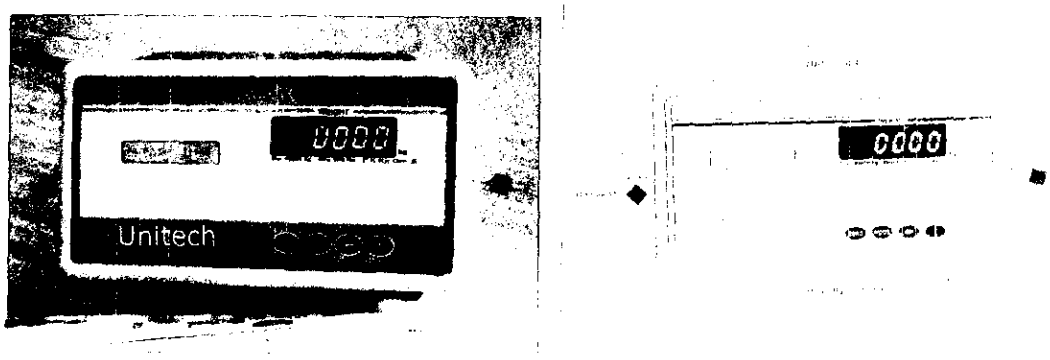

Figure-2 : Schematic diagram of sealing provision of the model.

Sealing is done on the right side/back side of the display by passing sealing wire from the body of the display, The seal is connected by hole in base plate & top cover of display, than seal wire is passed through these two holes attached with seal. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above,

The instrument has external control to calibration. A dip switch has also been provided in A/D card/Mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the power conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said Model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity above 5tonne and up to 200 tonne with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g. or above and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved Model has been manufactured.

[F. No.WM-21(325)/2010]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 16 सितम्बर, 2011

का.आ. 3620.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976(1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स डेलमेर प्रोड्क्ट्स लि., बी-4/1, बी आई डी सी, गोर्वा, वडोदरा द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "डब्ल्यू डी-40टी" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (इलेक्ट्रानिक वेब्रिज) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "डेलमेर" है, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/10/583 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (इलेक्ट्रानिक वेब्रिज) है । इसकी अधिकतम क्षमता 40 टन है और न्यूनतम क्षमता 100 कि.ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 5 कि. ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत-प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

आकृति-1 : मॉडल

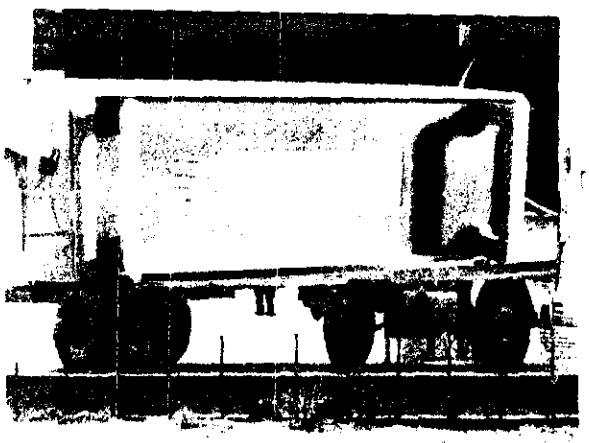

आकृति-2 : मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम ।

डिस्प्ले की बाडी में से सीलिंग वायर निकालकर डिस्प्ले के राइट साइड/बैक साइड में सीलिंग की जाती है । शील के साथ जुड़े हुए डिस्प्ले के बेस प्लेट और टॉप कवर में बने दो छेदों में से सलिंग वायर निकालकर सील से जोड़ा गया है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

उपकरण में बाहरी कलिब्रेशन तक पहुंच की सुविधा है । बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 5 टन से 200 टन तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^{k}, 2×10^{k} या 5×10^{k}, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(346)/2010]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 16th September, 2011

S.O. 3620.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Electronic Weighbridge) with digital indication of Medium Accuracy (Accuracy class -III) of Series "WD-40T" and with brand name "DELMER" (hereinafter referred to as the said Model), manufactured by M/s. Delmer Products Ltd. B-4/1, B.I.D.C, Gorwa, Vadodara and which is assigned the approval mark IND/09/10/583;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Electronic Weighbridge) with a maximum capacity of 40 tonne and minimum capacity of 100kg. The verification scale interval (e) is 5 kg. It has a tare device with a 100 percent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) Display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

Figure-1 Model

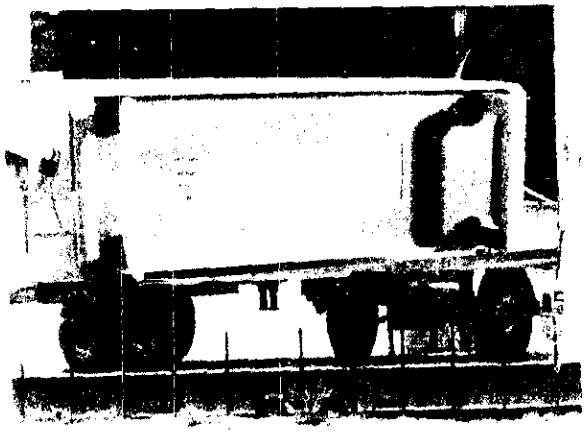

Figure-2 : Schematic diagram of sealing provision of the model.

Sealing is done on the right side/back side of the display by passing sealing wire from the body of the display. The seal is connected by hole in base plate & top cover of display, than seal wire is passed through these two holes attached with seal. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

The instrument has external control to calibration. A dip switch has also been provided in A/D card/mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the power conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said Model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity above 5tonne and up to 200 tonne with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g. or above and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved Model has been manufactured.

[F. No.WM-21(346)/2010]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 16 सितम्बर, 2011

का.आ. 3621.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत:, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स विनस, नन्दन विहार, प्लाट नं. 304, केआईआईटी, भुवनेश्वर (उड़ीसा) द्वारा विनिर्मित उच्च यथार्थता (यथार्थता वर्ग-II) वाले "एटीजे" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबलटाप टाइप) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "एप-टैक" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/10/99 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबलटाप प्रकार) है । इसकी अधिकतम क्षमता 30 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 100 ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 2 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत-प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

आकृति-1 : मॉडल

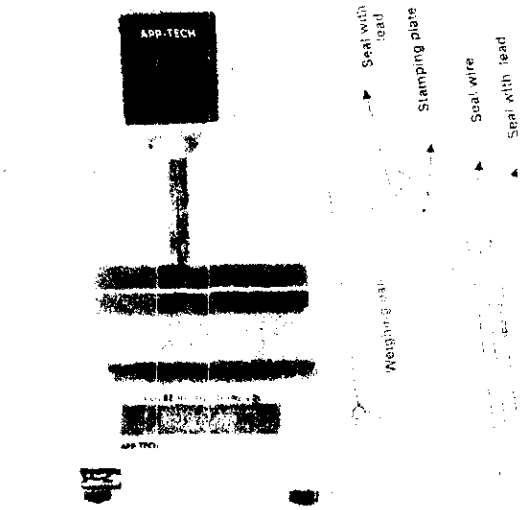

आकृति-2--मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम

स्केल की बाडी होल्स में से सीलिंग वायर निकालकर सीलिंग की जाती है । माडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

उपकरण में बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच की सुविधा है । बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 1 मि.ग्रा. से 50 मि.ग्रा. तक के "ई" मान के लिए 100 से 50,000 तक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) और 100 मि.ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 5000 से 50,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^{क}, 2×10^{क}, 5×10^{क}, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(86)/2010]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 16th September, 2011

S.O. 3621.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Table top type) with digital indication of High Accuracy (Accuracy class -II) of Series "ATT" and with brand name "APP-TECH" (hereinafter referred to as the said Model), maunfactured by M/s.Venus, Nandan Vihar, Plot No.-304, KIIT, Bhubaneswar (Orissa) which is assigned the approval mark IND/09/10/99;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Table top type) with a maximum capacity of 30 kg. and minimum capacity of 100g. The verification scale interval (e) is 2 g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing results. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

Figure-1 Model

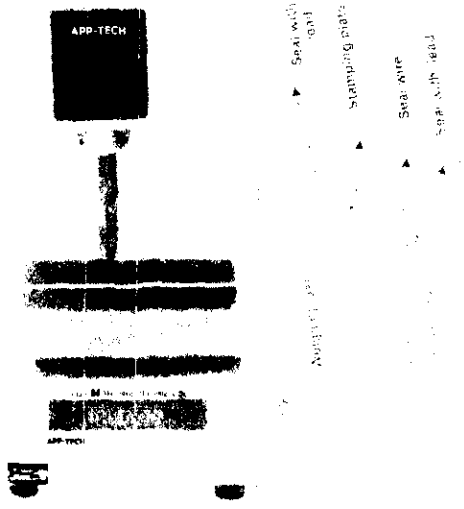

Figure-2 Schemiatie diagram of sealing provision of the model

Sealing is done by passing sealing wire from the body of the scale through holes. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

The instrument has external control to calibration. A dip switch has also been provided in A/D card mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said Model shall also cover the weighing instrument of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity up to 50 kg. and with number of verification scale interval (n) in the range of 100 to 50,000 for 'e' value of 1mg. to 50mg. and with number of verification scale interval (n) in the range of 5000 to 50,000 for 'e' value of 100mg. or more and with 'e' value 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, k being the positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved Model has been manufactured.

[F. No.WM-21(86) 2010]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 16 सितम्बर, 2011

का.आ. 3622.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स विनस, नन्दन विहार, प्लाट नं. 304, केआईआईटी, भुवनेश्वर (उड़ीसा) द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "एटीटी" श्रृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबलटाप टाइप) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "एप-टैक" है, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/10/100 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबलटाप प्रकार) है । इसकी अधिकतम क्षमता 30 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 100 ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 5 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत-प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

आकृति-1 : मॉडल

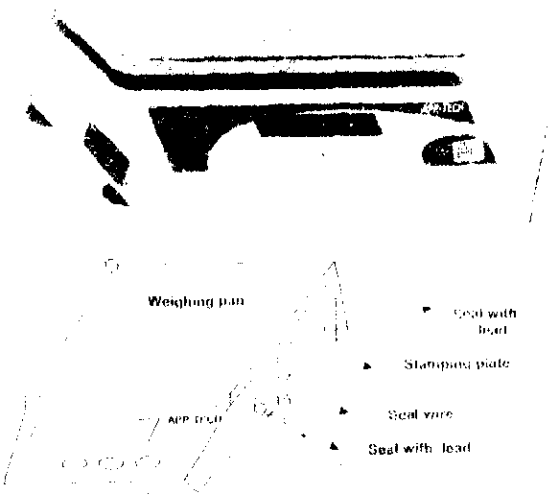

आकृति-2—मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम

स्केल की बाडी होल्स में से सीलिंग वायर निकालकर सीलिंग की जाती है । माडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

उपकरण में बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच की सुविधा है । बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी श्रृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 100 मि.ग्रा. से 2 ग्रा. तक के "ई" मान के लिए 100 से 10,000 तक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) और 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^{k}, 2×10^{k}, 5×10^{k}, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(86)/2010]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 16th September, 2011

S.O. 3622.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby approves and issues the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Table top type) with digital indication of Medium Accuracy (Accuracy class -III) of Series "ATT" and with brand name "APP-TECH" (hereinafter referred to as the said Model), manufactured by M/s.Venus, Nandan Vihar, Plot No.-304, KIIT, Bhubaneswar (Orissa) which is assigned the approval mark IND/09/10/100;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Table top type) with a maximum capacity of 30kg. and minimum capacity of 100g. The verification scale interval (e) is 5 g. It has a tare device with a 100 percent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) Display indicates the weighing results. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

Figure-1 Model

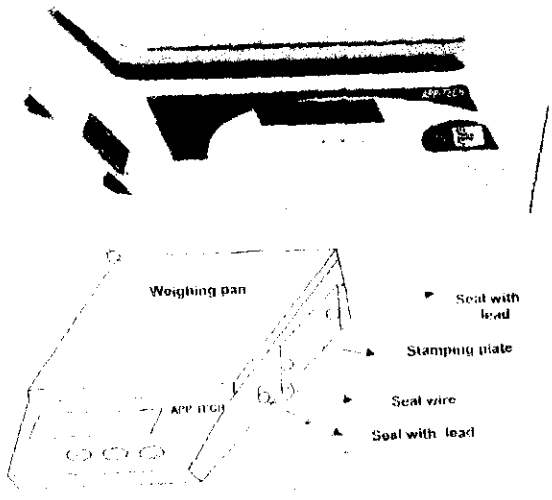

Figure-2 Schematic diagram of sealing of the model

Sealing is done by passing the sealing wire from the body of the scale through holes. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

The instrument has external control to calibration. A dip switch has also been provided in A/D card/mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said Model shall also cover the weighing instrument of similar make, accuracy, performance and of the same series with maximum capacity up to 50 kg. and with number of verification scale interval (n) in the range of 100 to 10,000 for 'e' value of 100mg. to 2 g. and with number of verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g or more and with 'e' value 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, k being the positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the said manufacturer in accordance with the same principle, design and materials with which, the approved Model has been manufactured.

[F. No.WM-21(86)/2010]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 16 सितम्बर, 2011

का.आ. 3623.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स विनस, चन्दन विहार, प्लाट नं. 304, केआईआईटी, भुवनेश्वर (उड़ीसा) द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "एटीपी" श्रृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (प्लेटफार्म टाइप) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "एप-टैक" है, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/10/101 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (प्लेटफार्म टाइप) है । इसकी अधिकतम क्षमता 500 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 1 कि. ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 50 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

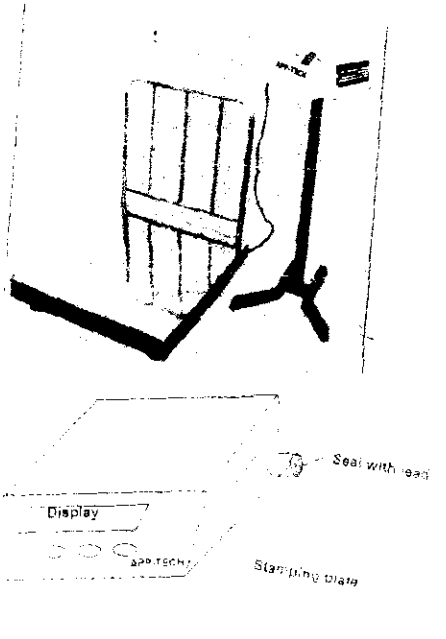

आकृति-2—मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम

स्केल की बाडी के होल्स में से सीलिंग वायर निकालकर सीलिंग की जाती है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

उपकरण में बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच की सुविधा है । बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी श्रृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा. से 5000 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^{k}, 2×10^{k}, 5×10^{k}, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य है ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(86)/2010]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 16th September, 2011

S.O. 3623.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Platform type) with digital indication of Medium Accuracy (Accuracy class -III) of Series "ATP" and with brand name "APP-TECH" (hereinafter referred to as the said Model), manufactured by M/s. Venus, Nandan Vihar, Plot No.-304 KIIT, Bhubaneswar (Orissa) which is assigned the approval mark IND/09/10/101;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Platform type) with a maximum capacity of 500 kg. and minimum capacity of 1kg. The verification scale interval (e) is 50g. It has a tare device with a 100 percent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) indicates the weighing results. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

Figure-1 Model

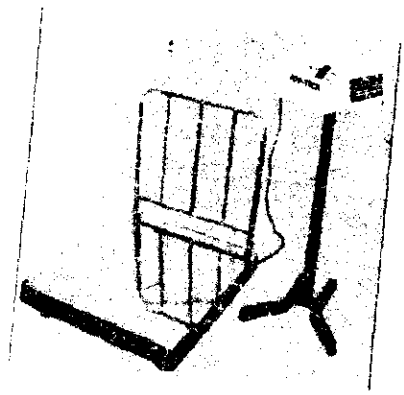

Figure-2 Schematic diagram of sealing provision of the model

Sealing is done by passing the sealing wire from the body of the display through holes. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

The instrument has external control to calibration. A dip switch has also been provided in A/D card/mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the power conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said Model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity above 50kg. up to 5000kg. with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g. or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved Model has been manufactured.

[F. No.WM-21(86)/2010]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 16 सितम्बर, 2011

का.आ. 3624.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स जलाराम स्केल इंडस्ट्रीज, जी-28, तिरूपति शॉपिंग सेंटर, एरोमा सेल्ज के सामने, दिसा-पलनपुर हाईवे, पलनपुर (गुजरात) द्वारा विनिर्मित मध्य यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "एफयूटी-11" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबलटाप टाइप) के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम "एफयूटीयूआर" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/10/539 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबलटाप प्रकार) है । इसकी अधिकतम क्षमता 30 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 100 ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 5 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

आकृति

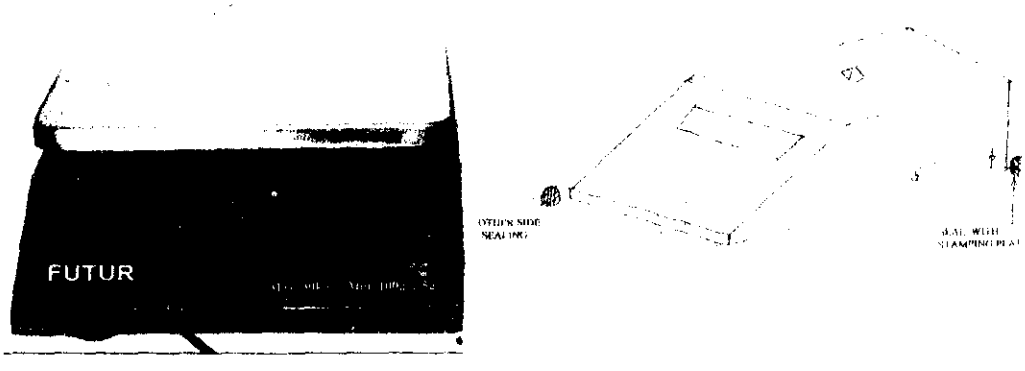

आकृति-2—मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम

डिस्प्ले की बाडी में से सीलिंग वायर निकालकर डिस्प्ले पर सीलिंग की जाती है । सील के साथ जुड़े हुए डिस्प्ले के बेस प्लेट और टॉप कवर में बने दो छेदों में से सीलिंग वायर निकाल कर सील से जोड़ा गया है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

उपकरण में बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच की सुविधा है । बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 1 मि.ग्रा. से 2 ग्रा. तक के "ई" मान के लिए 100 से 10,000 तक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) और 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^{k}, 2×10^{k} या 5×10^{k}, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(319)/2010]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 16th September, 2011

S.O. 3624.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Table top type) with digital indication of Medium Accuracy (Accuracy Class-III) of Series "FUT-11" and with brand name "FUTUR" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. Jalaram Scale Industries, G-28, Tirupati Shopping Centre, Opp. Aeroma Sales, Disa- Palanpur Highway, Palanpur (Gujarat) and which is assigned the approval mark IND/09/10/539,

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Table Top Type) with a maximum capacity of 30 kg. and minimum capacity of 100g. The verification scale interval (e) is 5g. It has a tare device with a 100 percent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) Display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 Volts and 50 Hertz alternative current power supply.

Figure-1

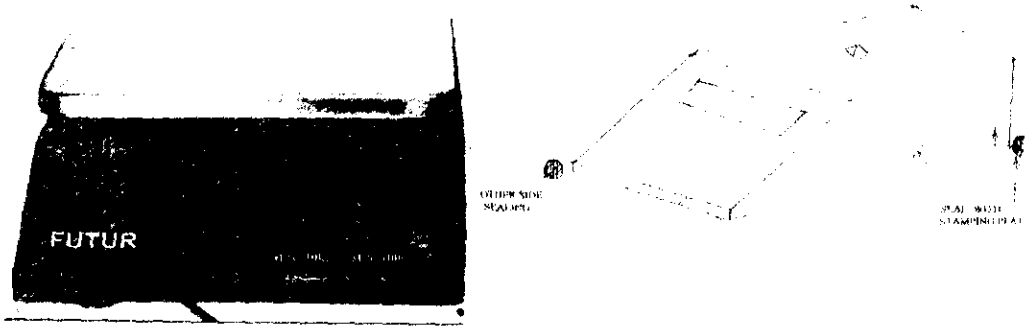

Figure-2—Schematic Diagram of sealing provision of the model.

Sealing is done on the display by passing sealing wire from the body of the display. The seal is connected by whole in base plate and top cover of display, than seal wire is passed through these two holes attached with seal . A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

The instrument has external control to calibration. A dip switch has also been provided in A/D card/mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the power conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity up to 50 kg. with verification scale interval (n) in the range of 100 to 10,000 for 'e' value of 1mg. to 2g. and with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g. or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No.WM-21 (319)/2010]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 16 सितम्बर, 2011

का.आ. 3625.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा शक्तियों को प्रयोग करते हुए मैसर्स जलाराम स्केल इंडस्ट्रीज, जी-28, तिरूपति शॉपिंग सेंटर, एरोमा सेल्ज के सामने, दिसा-पलनपुर हाईवे, पलनपुर (गुजरात) द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "एफयूपी-7" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (प्लेटफार्म टाइप) के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम "एफयूटीयूआर" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/10/540 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी करती है ;

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (प्लेटफार्म टाइप) है । इसकी अधिकतम क्षमता 1000 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 2 कि. ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (इ) 100 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

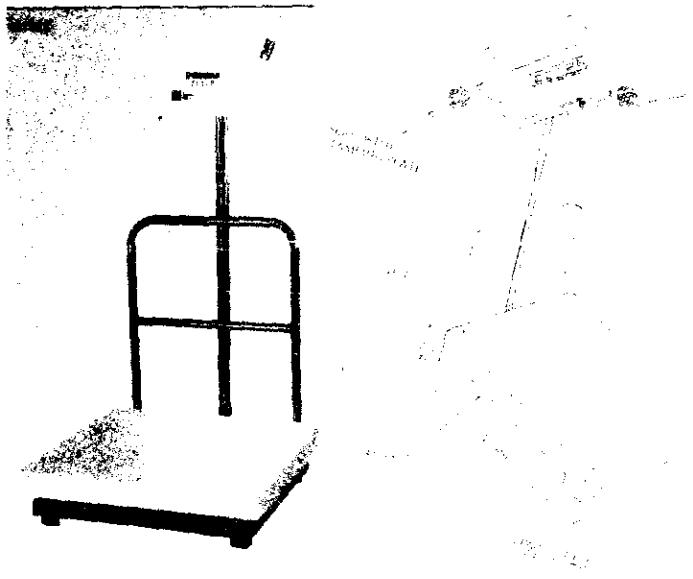

आकृति-2—मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम ।

डिस्प्ले की बाडी में से सीलिंग वायर निकालकर डिस्प्ले पर सीलिंग की जाती है । सील के साथ जुड़े हुए डिस्प्ले के बेस प्लेट और टॉप कवर में बने दो छेदों में से सीलिंग वायर निकाल कर सील से जोड़ा गया है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

उपकरण में बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच की सुविधा है । बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा. से 5000 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^{k}, 2×10^{k}, 5×10^{k}, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम- 21(319)/2010]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 16th September, 2011

S.O. 3625.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Platform type) with digital indication of Medium Accuracy (Accuracy Class-III) of series "FUP-7" and with brand name "FUTUR" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. Jalaram Scale Industries, G-28, Tirupati Shopping Centre, Opp. Aeroma Sales, Disa- Palanpur Highway, Palanpur (Gujarat) and which is assigned the approval mark IND/09/10/540;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Platform type) with a maximum capa city of 1000 kg. and minimum capacity of 2kg. The verification scale interval (e) is 100g. It has a tare device with a 100 percent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

Figure-1

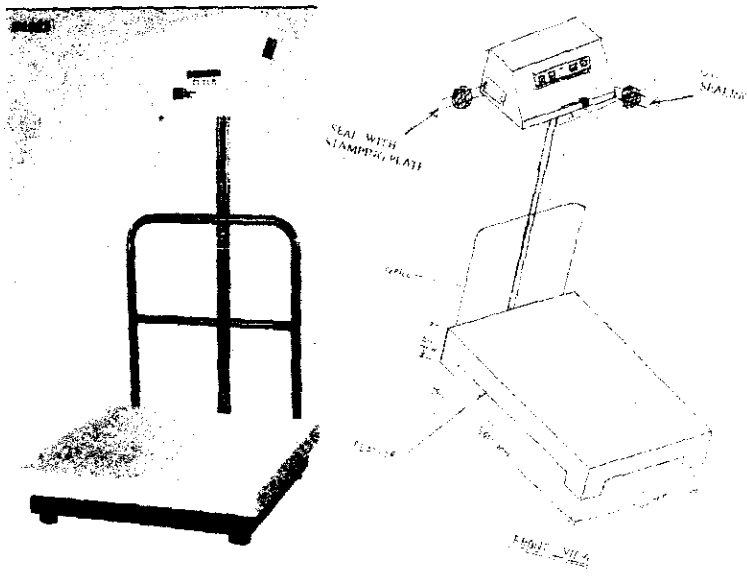

Figure-2—Schematic Diagram of the sealing provision of the model.

Sealing is done on the display by passing sealing wire from the body of the display. The seal is connected by whole in base plate and top cover of display, than seal wire is passed through these two holes attached with seal. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

The instrument has external control to calibration. A dip switch has also been provided in A/D card/mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the power conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity above 50kg. and up to 5000kg. with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g. or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No.WM-21 (319)/2010]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 16 सितम्बर, 2011

का.आ. 3626.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी एन एम आई नीदरलैंढ द्वारा जारी मॉडल अनुमोदन प्रमाण-पत्र के साथ उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (3) और उप-धारा (7) और (8) के तीसरे परन्तुक द्वारा शक्तियों को प्रयोग करते हुए मैसर्स करोहने लिमिटिड, रूद्रफोर्ड ड्राइव, पार्क फार्म इंडस्ट्रीयल एस्टेट, विर्लिंगबर्ग, एनएन 8 /6 एई, यूनाइटिड किंगडम द्वारा विनिर्मित यथार्थता वर्ग 0.3 वाले "ऑप्टीमास-7000" श्रृंखला का फ्लो मीटर, जो कि पानी के अलावा अन्य द्रव्यों के मापन प्रणाली का एक भाग है, जिसके ब्रांड का नाम "करोहने" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे भारत में मैसर्स करोहने मार्शल प्रा.लि., ए 34/35, एम आई डी सी इंडस्ट्रियल एरिया, एच ब्लाक, पिम्परी, पुणे-411018 द्वारा विपणीत किया गया है और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/13/10/510 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक कोरिओलिस फ्लो मीटर है जो 'पानी के अलावा अन्य द्रव्यों को मापने की प्रणाली' का भाग है, तेल और तेल के उत्पाद, रसायन, पेय तरल पदार्थ को मापने में प्रयोग किया जाता है । मीटर को विशेषकर पाइप लाइन के प्रचालन के लिए डिजाइन किया गया है । ओआईएमएल आर 117-1 के अनुसार परीक्षण किया गया है । मॉडल की विशेषताएं निम्न प्रकार हैं-

मीटर साइज

OPTIMASS 7000

	Meter Size				
	DN 15	DN25	DN 40	DN 50	DN 80
Qmas (t/h)	11,25	34,5	91,5	180	430
Qmin (t/h)	1,125	1,725	9,15	13	30
Minimum Measured Quantity Sensor [kg.]	1	5	100	100	500
Diameter in and outlet (mm)	15	25	40	50	80
Max Pressure	100 bar (g)				
Allowable Liquid Temperature	-25° C to + 100 ° C				

मीटर की बाडी के होल्स में से सीलिंग वायर निकाल कर सीलिंग की जाती है । मॉडल के सीलिंग प्रावधान का एक प्रतिकात्मक स्कीमवार डायाग्राम ऊपर दिया गया है ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(64)/2010]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 16th September, 2011

S.O. 3626.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, along with the Model approval certificate issued by the NM1 Netherlands, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights andMeasures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the third proviso to sub-section (3) and sub-sections (7) and (8) of section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of model of flow meter as a part of Measuring System for liquids other than water of accuracy class 0.3 and of series "OPTIMASS 7000" and brand 'KROHNE' (hereinafter referred to as the model), manufactured by M/s. Krohne Limited, Rutherford Drive, Park Farm Industrial Estate, Welling borough, NN8 6AE, United Kingdom , and marketed in India by M/s. Krohne Marshall Pvt. Ltd. A 34/35, MIDC Industrial Area, H Block, Pimpri Pune 411018 and which is assigned the approval mark IND/13/10/510

The said model is a Coriolis Flow Meter which is part of the "Measuring System for liquids other than water" used for measurement of oil and oil products, chemicals, potable liquids. The meter has been specifically design for pipe line operation. The test has been conducted according to OIML R 117-1. The characteristics of the models are as follows:

OPTIMASS 7000

	Meter Size				
	DN 15	DN25	DN 40	DN 50	DN 80
Qmas (t/h)	11,25	34,5	91,5	180	430
Qmin (t/h)	1,125	1,725	9,15	13	30
Minimum Measured Quantity Sensor [kg.]	1	5	100	100	500
Diameter in and outlet (*mm*)	15	25	40	50	80
Max Pressure	100 bar (g)				
Allowable Liquid Temperature	-25° C to + 100 ° C				

Sealing is done by passing the sealing wire from the body of the meter through holes. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

[F. No. WM-21 (64)/2010]
B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 16 सितम्बर, 2011

का.आ. 3627.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी एन एम आई नीदरलैंड, द्वारा जारी मॉडल अनुमोदन प्रमाण-पत्र के साथ उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (3) और उप-धारा (7) और उप-धारा (8) के तीसरे परन्तुक द्वारा शक्तियों को प्रयोग करते हुए मैसर्स करोहने लिमिटिड, रूद्रफोर्ड ड्राइव, पार्क फार्म इंडस्ट्रीयल एस्टेट, विलिंगबर्ग, एनएन 8 6 एई, यूनाइटिड किंगडम द्वारा विनिर्मित यथार्थता वर्ग 0.3 वाले "ऑप्टीमास-2000" शृंखला का फ्लो मीटर, जो कि पानी के अलावा अन्य द्रव्यों के मापन प्रणाली का एक भाग है, जिसके ब्रांड का नाम "करोहने" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे भारत में मैसर्स करोहने मार्शल प्रा. लि., ए 34/35, एम आई डी सी इंडस्ट्रियल एरिया, एच ब्लाक, पिम्परी, पुणे-411 018 द्वारा विपणीत किया गया है और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/13/10/511 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक कोरिओलिस फ्लो मीटर है जो 'पानी के अलावा अन्य द्रव्यों को मापने की प्रणाली' का भाग है, तेल और तेल के उत्पाद, रसायन, पेय तरल पदार्थ को मापने में प्रयोग किया जाता है । मीटर को विशेष कर पाइप लाइन के प्रचालन के लिए डिजाइन किया गया है । ओआईएमएल आर 117-1 के अनुसार परीक्षण किया गया है । मॉडल की विशेषताएं निम्न प्रकार हैं :-

मीटर साइज

OPTIMASS 2000

	Meter Size		
	DN 100	DN 150	DN 250
Qmas (t/h)	220	500	1200
Qmin (t/h)	11	25	60
Minimum Measured Quantity Sensor [kg.]	200	200	500
Diameter in and outlet (mm)	100	150	250
Max Pressure			150 bar (g)
Allowable Liquid Temperature			-40° G to + 130 ° C

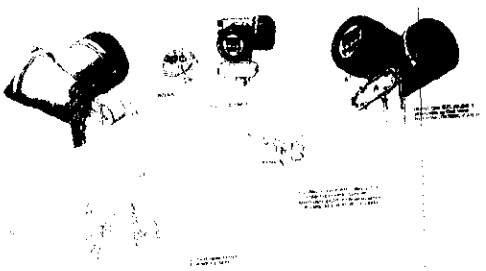

मीटर की बाडी के होल्स में से सीलिंग वायर निकाल कर सीलिंग की जाती है । मॉडल के सीलिंग प्रावधान का एक प्रतिरूपात्मक स्कीमवार डायग्राम ऊपर दिया गया है ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(64)/2010]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 16th September, 2011

S.O. 3627.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, along with the model approval certificate issued by the NMI Netherlands, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the third proviso to sub-section (3) and sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of model of flow meter as a part of Measuring System for liquids other than water of accuracy class 0.3 and of series "OPTIMASS 2000" and brand 'KROHNE' (hereinafter referred to as the model), manufactured by M/s. Krohne Limited, Rutherford Drive, Park Farm Industrial Estate, Welling borough, NN8 6AE, United Kingdom, and marketed in India by M/s. Krohne Marshall Pvt. Ltd., A 34/35, MIDC Industrial Area, H Block, Pimpri, Pune- 411 018 and which is assigned the approval mark IND/13/10/511;

The said model is a Coriolis Flow Meter which is part of the "Measuring System for liquids other than water" used for measurement of oil and oil products, chemicals, potable liquids. The meter has been specifically design for pipe line operation. The test has been conducted according to OIML R 117-1. The characteristics of the models are as follows :—

OPTIMASS 2000

	Meter Size		
	DN 100	DN 150	DN 250
Qmas (t/h)	220	500	1200
Qmin (t/h)	11	25	60
Minimum Measured Quantity Sensor [kg.]	200	200	500
Diameter in and outlet (mm)	100	150	250
Max Pressure			150 bar (g)
Allowable Liquid Temperature			-40° G to + 130 ° C

Sealing is done by passing the sealing wire from the body of the meter through holes. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

[F. No. WM-21 (64)/2010]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 16 सितम्बर, 2011

का.आ. 3628.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स एशियन वेइंग एंड इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज, शानपुर (पंचाननतला), V-रोड, दास नगर, हावड़ा-711 105 द्वारा विनिर्मित उच्च यथार्थता (यथार्थता वर्ग-II) वाले "एएसजे" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबलटाप टाइप) के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम "एशियन" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/10/290 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबलटाप टाइप) है । इसकी अधिकतम क्षमता 300 ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 200 मि. ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 10 मि. ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

आकृति

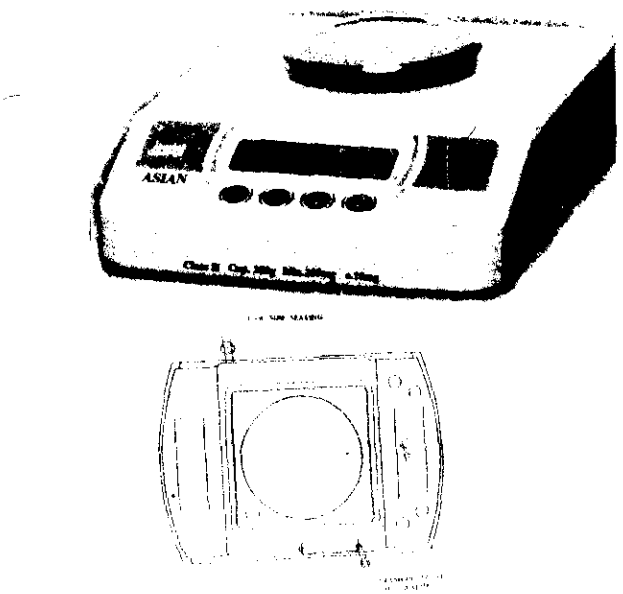

आकृति-2-उपकरण के मॉडल का सीलिंग प्रावधान ।

स्केल की बाडी के होल्स में से सीलिंग वायर निकाल कर सीलिंग की जाती है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपर दिया गया है ।

बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 1 मि. ग्रा. से 50 मि.ग्रा. तक के "ई" मान के लिए 100 से 100,000 तक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) और 100 मि.ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 5000 से 100,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^{k}, 2×10^{k} या 5×10^{k}, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(168)/2010]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 16th September, 2011

S.O. 3628.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Table top type) with digital indication of High Accuracy (Accuracy Class-II) of Series "ASJ" and with brand name "ASIAN" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. Asian Weighing & Engineering Ind., Shanpur (Panchanantala), V-Road, Das Nagar, Howrah-711 105 and which is assigned the approval mark IND/09/10/290;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Table Top Type) with a maximum capacity of 300 g. and minimum capacity of 200mg. The verification scale interval (e) is 10mg. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) Display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 Volts and 50 Hertz alternative current power supply.

Figure

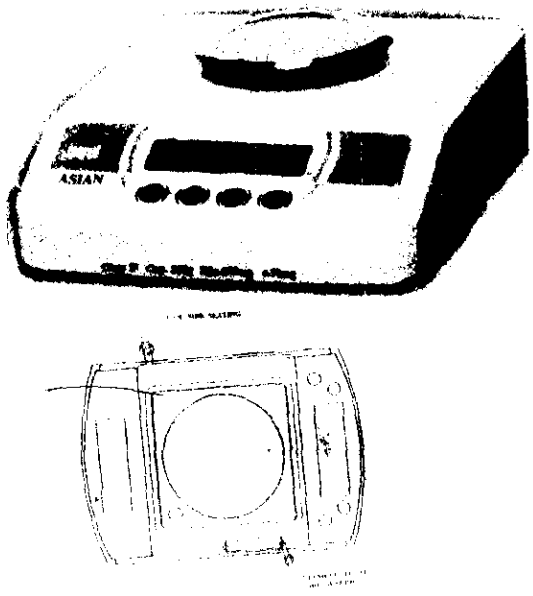

Figure-2—Schematic Diagram of the sealing provision of the model.

Sealing is done by passing sealing wire from the body of the scale through holes. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

A dip switch has also been provided in A/D card/mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity up to 50kg. with verification scale interval (n) in the range of 100 to 10,0000 for 'e' value of 1mg. to 50mg. and with verification scale intertval (n) in the range of 5000 to 1,00000 for 'e' value of 100mg. or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No.WM-21 (168)/2010]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 16 सितम्बर, 2011

का.आ. 3629.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स एशियन वेइंग एंड इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज शानपुर (पंचाननतला), 5-रोड, दास नगर, हावड़ा-711105 द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "एएसटी" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबलटाप टाइप) के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम "एशियन" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/10/291 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबलटाप टाइप) है । इसकी अधिकतम क्षमता 30 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 100 ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 5 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

आकृति 1

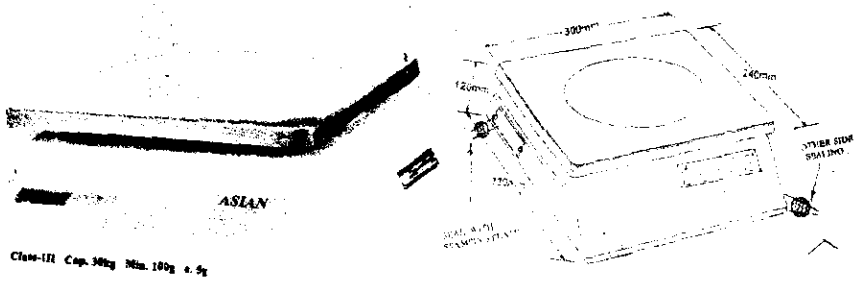

आकृति-2—उपकरण के मॉडल का सीलिंग प्रावधान

स्केल की बाडी के होल्स में से सीलिंग वायर निकाल कर सीलिंग की जाती है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपर दिया गया है ।

बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 1 मि. ग्रा. से 2 ग्रा. तक के "ई" मान के लिए 100 से 10,000 तक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) और 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^{k}, 2×10^{k} या 5×10^{k}, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(168)/2010]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 16th September, 2011

S.O. 3629.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Table top type) with digital indication of Medium Accuracy (Accuracy Class-III) of Series "AST" and with brand name "ASIAN" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. Asian Weighing & Engineering Ind., Shanpur (Panchanantala), V-Road, Das Nagar, Howrah-711105 and which is assigned the approval mark IND/09/10/291;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Table Top Type) with a maximum capacity of 30 kg. and minimum capacity of 100g. The verification scale interval (e) is 5g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) Display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 Volts and 50 Hertz alternative current power supply.

Figure-1

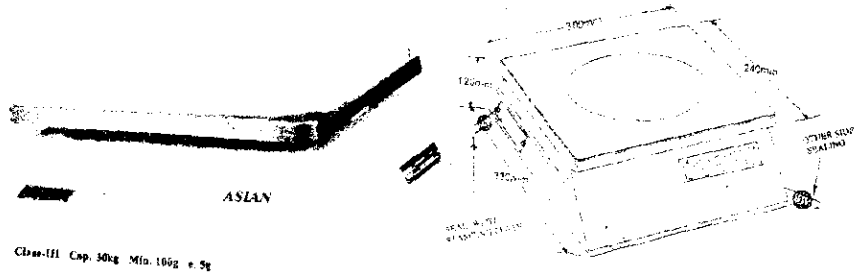

Figure-2 Schematic Diagram of sealing provision of the model.

Sealing is done by passing the sealing wire from the body of the scale through holes. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

A dip switch has also been provided in A/D card/mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the power conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity up to 50 kg. with verification scale interval (n) in the range of 100 to 10,000 for 'e' value of 1mg. to 2g. and with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g. or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No.WM-21(168)/2010]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 16 सितम्बर, 2011

का.आ. 3630.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा शक्तियों को प्रयोग करते हुए मैसर्स एशियन वेइंग एंड इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज, शानपुर (पंचाननतला), V-रोड, दास नगर, हावड़ा-711105 द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "एएसपी" श्रृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (प्लेटफार्म टाइप) के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम "एशियन" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/10/292 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (प्लेटफार्म टाइप) है । इसकी अधिकतम क्षमता 1000 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 2 कि.ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 100 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

आकृति

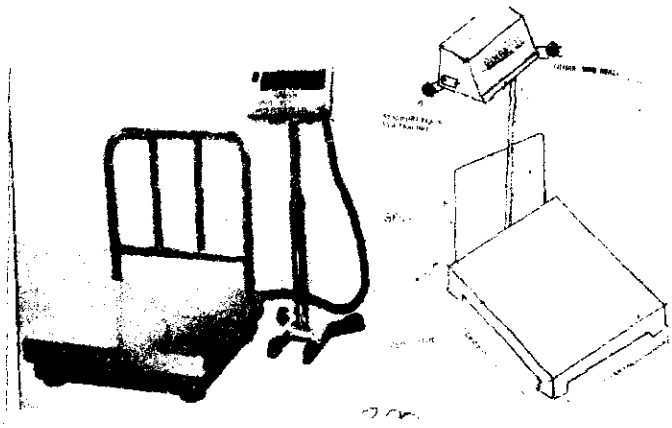

आकृति-2—मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम ।

डिस्प्ले की बाडी में से सीलिंग वायर निकालकर डिस्प्ले के राइट साइड/बैक साइड में सीलिंग की गई है । डिस्प्ले की बेस प्लेट और टॉप कवर के छेद से सील को जोड़ा गया है, तब सील वायर इन दोनों छेदों में से निकाल कर सील से जोड़ा गया है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

उपकरण में केलिब्रेशन के लिए बाहरी पहुंच है । बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी श्रृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 1 मि. ग्रा. से 2 ग्रा. तक के "ई" मान के लिए 100 से 10,000 तक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) और 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा. से 5000 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^{k}, 2×10^{k} या 5×10^{k}, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(168)/2010]

वी.एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 16th September, 2011

S.O. 3630.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Platform type) with digital indication of Medium Accuracy (Accuracy Class-III) of series "ASP" and with brand name "ASIAN" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. Asian Weighing & Engineering Ind., Shanpur (Panchanantala), V-Road, Das Nagar, Howrah-711105 and which is assigned the approval mark IND/09/10/292;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Platform Type) with a maximum capacity of 1000 kg and minimum capacity of 2 kg. The verification scale interval (e) is 100g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 Volts and 50 Hertz alternative current power supply.

Figure-1

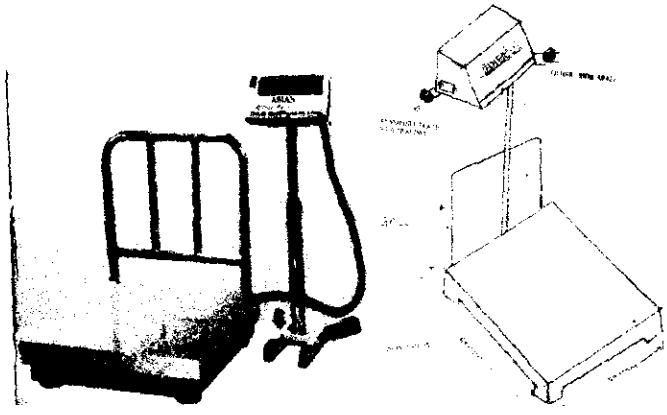

Figure-2—Schematic Diagram of sealing provision of the model.

Sealing is done on the right side/back side of the display by passing sealing wire from the body of the display. The seal is connected by whole in base plate and top cover of display, then seal wire is passed through these two holes attached with seal. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

The instrument has external control to calibration. A dip switch has also been provided in A/D card/mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the power conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity above 50 kg. and up to 5000 kg. with verification scale interval (n) in the range of 100 to 10,000 for 'e' of 1mg. to 2g. and with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g. or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No.WM-21 (168)/2010]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 16 सितम्बर, 2011

का.आ. 3631.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा शक्तियों को प्रयोग करते हुए मैसर्स एशियन वेइंग एंड इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज शानपुर (पंचाननतला), V-रोड, दास नगर, हावड़ा-711105 द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "ए एस डब्ल्यू एस" शृंखला के अस्वचालित तोलन उपकरण (मकैनिकल वेब्रिज) के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम "एशियन" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/10/293 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल मास मेजरिंग उपकरण के साथ मेकैनिकल लीवर्स आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (मकैनिकल वेब्रिज) है । इसकी अधिकतम क्षमता 60 टन और न्यूनतम क्षमता 200 कि.ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 10 कि.ग्रा. है । तोलन परिणाम स्टील यार्ड तुलादण्ड पर सूचित होता है ।

आकृति-1

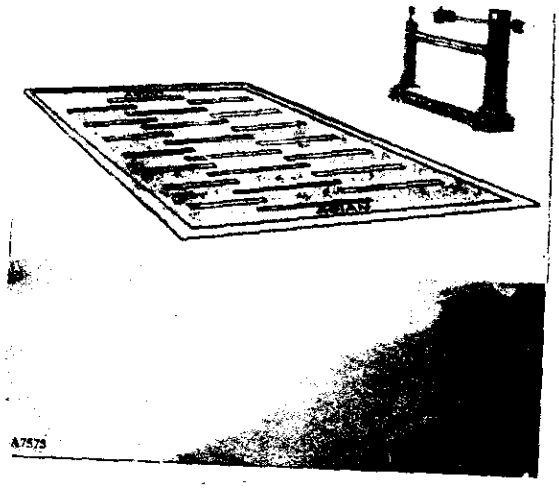

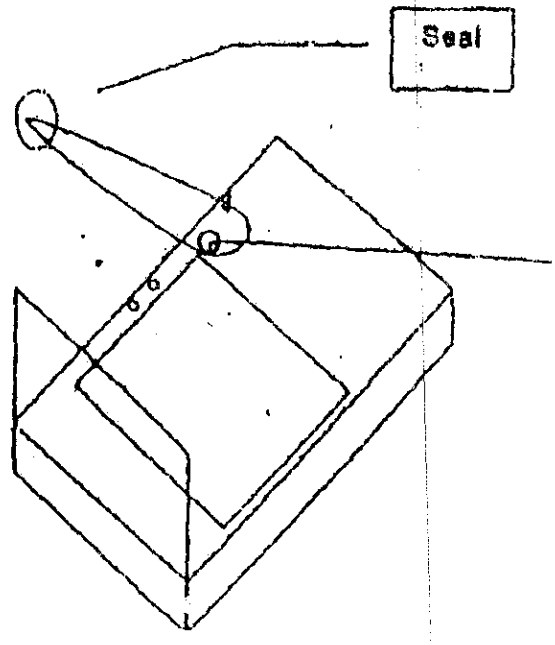

आकृति-2—मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम ।

स्टील यार्ड बीम के छेदों में से सीलिंग वायर निकालकर सीलिंग की गई है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 1 मि. ग्रा. से 2 ग्रा. तक के "ई" मान के लिए 100 से 10,000 तक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) और 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 5 टन से 200 टन तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^{k}, 2×10^{k}, 5×10^{k}, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(168)/2010]

बी एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 16th September, 2011

S.O. 3631.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Mechanical Weighbridge) of Medium Accuracy (Accuracy Class-III) of Series "ASWS" and with brand name "ASIAN" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. Asian Weighing & Engineering Ind., Shanpur (Panchanantala), V-Road, Das Nagar, Howrah-711105 and which is assigned the approval mark IND/09/10/293;

The said model is a Mass Measuring Instrument incorporated with Mechanical Levers based non-automatic weighing instrument (Mechanical Weighbridge) with a maximum capacity of 60 tonne and minimum capacity of 200kg. The verification scale interval (e) is 10 kg. The weighing results are indicated with steel yard beams.

Figure-1

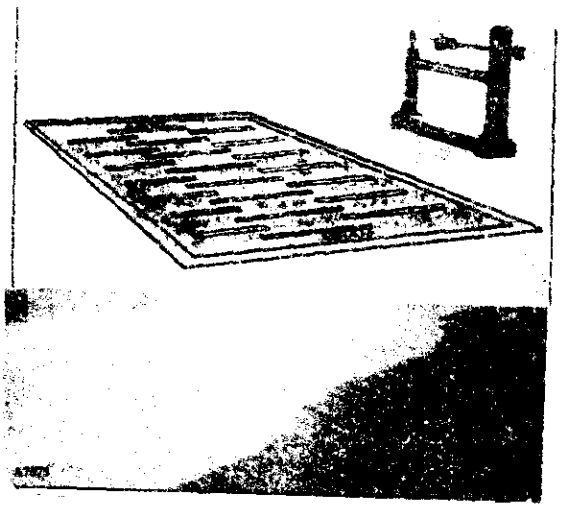

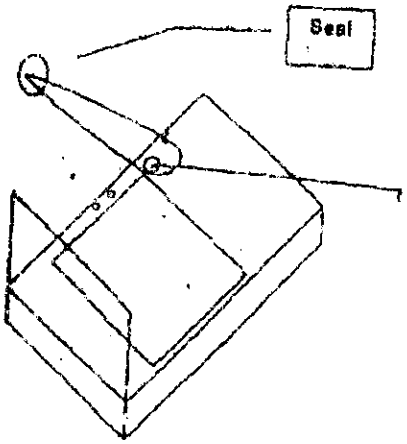

Figure-2—Schematic Diagram of sealing provision of the model.

Sealing is done by passing the sealing wire from the body of the steel yard beam through holes. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

Further, in exercise of the power conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity above 5 tonne and up to 200 tonne with verification scale interval (n) in the range of 100 to 10,000 for 'e' of 1mg. to 2g. and with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g. or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, where k is a positive or negative whole number or equal to zero manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No.WM-21 (168)/2010]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 16 सितम्बर, 2011

का.आ. 3632.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा शक्तियों को प्रयोग करते हुए मैसर्स सुपर वे सिस्टम, जी-1ए, सुखप्रभा, सी एच एस, नीलम पंजाब होटल के पीछे, नवघर, वासी (डब्ल्यू) जिला थाने-401202 द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "यूटी 55-के" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबल टाप टाइप) के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम "सुपर" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/10/423 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबल टाप प्रकार) है । इसकी अधिकतम क्षमता 30 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 100 ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 5 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

आकृति

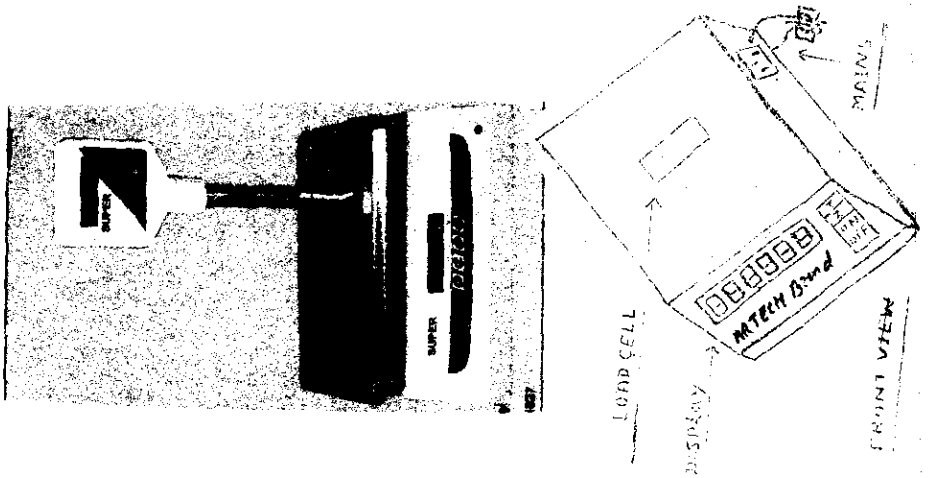

आकृति-2—मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम ।

डिस्प्ले की बाडी में से सीलिंग वायर निकालकर डिस्प्ले पर सीलिंग की जाती है । सील के साथ जुड़े हुए डिस्प्ले के बेस प्लेट और टॉप कवर में बने दो छेदों में से सीलिंग वायर निकाल कर सील से जोड़ा गया है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

उपकरण में बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच की सुविधा है । बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 1 मि. ग्रा. से 2 ग्रा. तक के "ई" मान के लिए 100 से 10,000 तक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) और 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^{k}, 2×10^{k}, 5×10^{k}, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(251)/2010]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 16th September, 2011

S.O. 3632 .—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Table top type) with digital indication of Medium Accuracy (Accuracy Class-III) of Series "UT55-K" and with brand name "SUPER" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. Super Weigh System, G-1A, Sukhmani C.H.S., Behind Nilam Punjab Hotel, Navghar, Vasai (W), Dist, Thane-401202 and which is assigned the approval mark IND/09/10/423;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Table top Type) with a maximum capacity of 30 kg. and minimum capacity of 100g. The verification scale interval (e) is 5g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 Volts and 50 Hertz alternative current power supply.

Figure-1

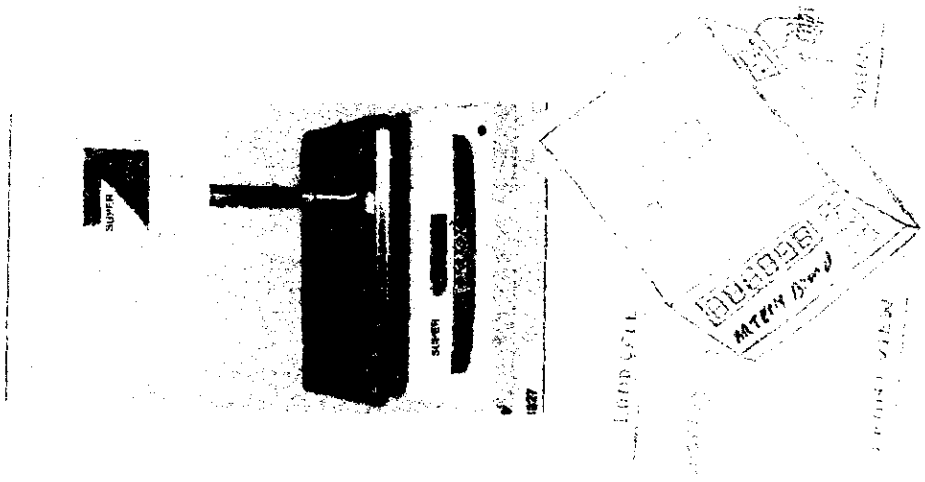

Figure-2—Schematic Diagram of sealing provision of the model.

Sealing is done on the display by passing sealing wire from the body of the display. The seal is connected by whole in base plate and top cover of display, than seal wire is passed through these two holes attached with seal. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

The instrument has external control to calibration. A dip switch has also been provided in A/D card/mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the power conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity up to 50kg. with verification scale interval (n) in the range of 100 to 10,000 for 'e' of 1mg. to 2g. and with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g. or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21 (251)/2010]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 16 सितम्बर, 2011

का.आ. 3633.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स सुपर वे सिस्टम, जी-1ए, सुखमनी, सी एच एस, नीलम पंजाब होटल के पीछे, नवघर, वासी (डब्ल्यू) जिला थाने-401202 द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "यूपीएफ 555-यू" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (प्लेटफार्म टाइप) के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम "सुपर" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/10/424 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (प्लेटफार्म टाइप) है । इसकी अधिकतम क्षमता 1000 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 2 कि.ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 100 ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

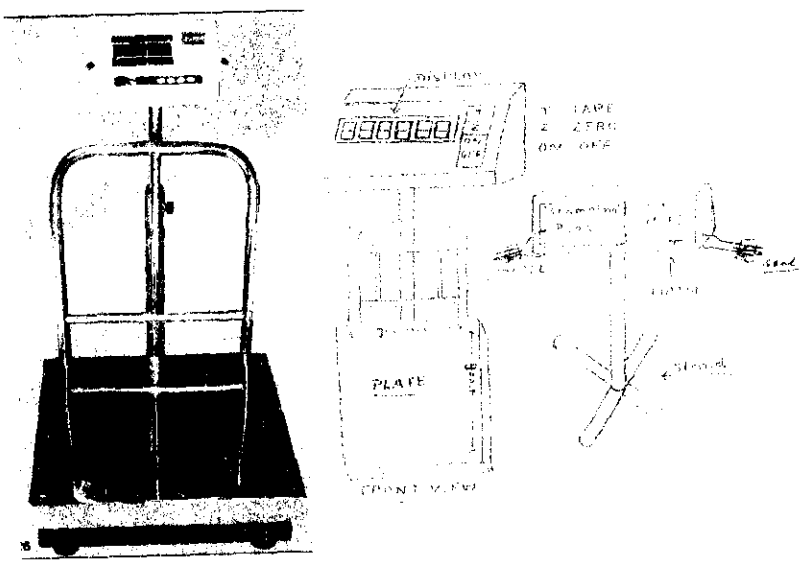

आकृति-2—मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम ।

डिस्प्ले की बाडी में से सीलिंग वायर निकाल कर डिस्प्ले पर सीलिंग की जाती है । सील के साथ जुड़े हुए डिस्प्ले के बेस प्लेट और टॉप कवर में बने दो छेदों में से सीलिंग वायर निकाल कर सील से जोड़ा गया है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

उपकरण में बाहरी कैलिब्रेशन तक पहुंच की सुविधा है । बाहरी कैलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा. से 5000 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^{क}, 2×10^{क} या 5×10^{क}, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(251)/2010]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 16th September, 2011

S.O. 3633.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Platform type) with digital indication of Medium Accuracy (Accuracy Class-III) of Series "UPF555-U" and with brand name "SUPER" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. Super Weigh System, G-1A, Sukhmani C.H.S., Behind Nilam Punjab Hotel, Navghar, Vasai (W), Dist, Thane-401202 and which is assigned the approval mark IND/09/10/424;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Platform Type) with a maximum capacity of 1000 kg. and minimum capacity of 2kg. The verification scale interval (e) is 100g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 Volts and 50 Hertz alternative current power supply.

Figure-1

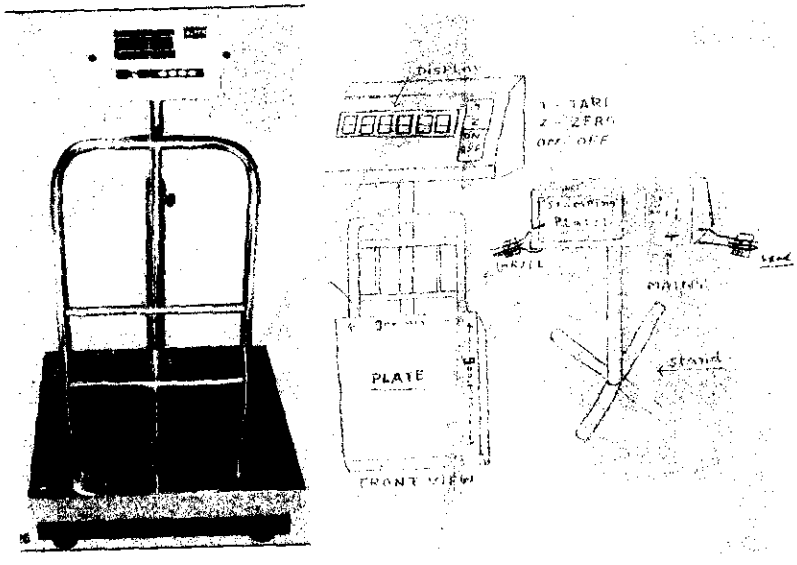

Figure-2—Schematic Diagram of the sealing provision of the model.

Sealing is done on the display by passing sealing wire from the body of the display. The seal is connected by whole in base plate and top cover of display, than seal wire is passed through these two holes attached with seal. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

The instrument has external control to calibration. A dip switch has also been provided in A/D card/mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the power conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity above 50 kg. and up to 5000 kg. with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g. or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No.WM-21 (251)/2010]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 16 सितम्बर, 2011

का.आ. 3634.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए मैसर्स सुपर वे सिस्टम, जी-1ए, सुखमनी, सी एच एस, नीलम पंजाब होटल के पीछे, नवघर, वासी (डब्ल्यू) जिला थाने-401202 द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "डब्ल्यूबी-सीएस" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (इलेक्ट्रानिक वेब्रिज टाइप) के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम "सुपर" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/10/425 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (इलेक्ट्रानिक वेब्रिज टाइप) है । इसकी अधिकतम क्षमता 30टन और न्यूनतम क्षमता 100 कि.ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 5 कि.ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रक्रम तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ;

आकृति

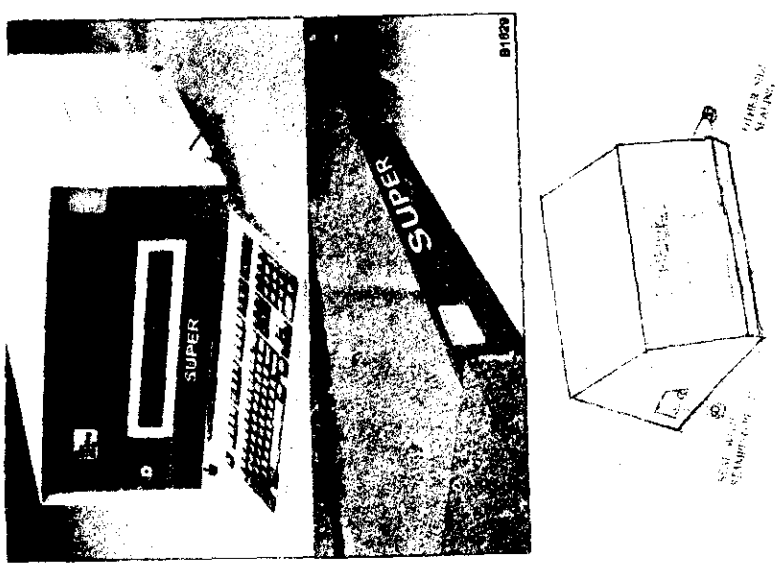

आकृति-2--मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम ।

डिस्प्ले की बाडी में से सीलिंग वायर निकाल कर डिस्प्ले पर सीलिंग की जाती है । सील के साथ जुड़े हुए डिस्प्ले के बेस प्लेट और टॉप कवर में बने दो छेदों में से सीलिंग वायर निकाल कर सील से जोड़ा गया है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

उपकरण में बाहरी कैलिब्रेशन तक पहुंच की सुविधा है । बाहरी कैलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 5 टन से 200 टन तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^{k}, 2×10^{k} या 5×10^{k}, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(251)/2010]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 16th September, 2011

S.O. 3634.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Electronic Weighbridge Type) with digital indication of Medium Accuracy (Accuracy Class-III) of Series "WB-CS" and with brand name "SUPER" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. Super Weigh System, G-1A, Sukhmani C.H.S., Behind Nilam Punjab Hotel, Navghar, Vasai (W), Dist, Thane-401202 and which is assigned the approval mark IND/09/10/425;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Electronic Weighbridge Type) with a maximum capacity of 30 tonne and minimum capacity of 100 kg. The verification scale interval (e) is 5 kg. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 Volts and 50 Hertz alternative current power supply.

Figure-1

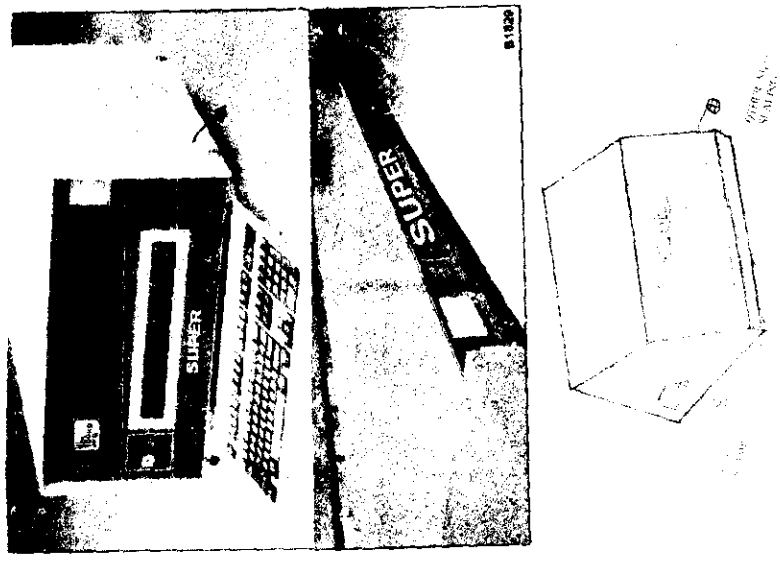

Figure-2—Schematic Diagram of the sealing provision of the model.

Sealing is done on the right side /back side of the display by passing sealing wire from the body of the display. The seal is connected by whole in base plate and top cover of display, than seal wire is passed through these two holes attached with seal. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

The instrument has external control to calibration. A dip switch has also been provided in A/D card/mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the power conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity above 5 tonne and up to 200 tonne with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g. or above and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21 (251)/2010]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 16 सितम्बर, 2011

का.आ. 3635.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976(1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत: अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स सिटिजन वेइंग सिस्टम, एफ-1-106, काशी विश्वेश्वर टावर-3-बी, जेतालपुर रोड, अलकापुरी, वडोदरा-390005 द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "सीडब्ल्यूबी-5" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (इलेक्ट्रोनिक वेब्रिज) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "स्केल-टैक" है, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/10/546 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (इलेक्ट्रोनिक वेब्रिज) है । इसकी अधिकतम क्षमता 50 टन है और न्यूनतम क्षमता 100 कि.ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 5 कि.ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

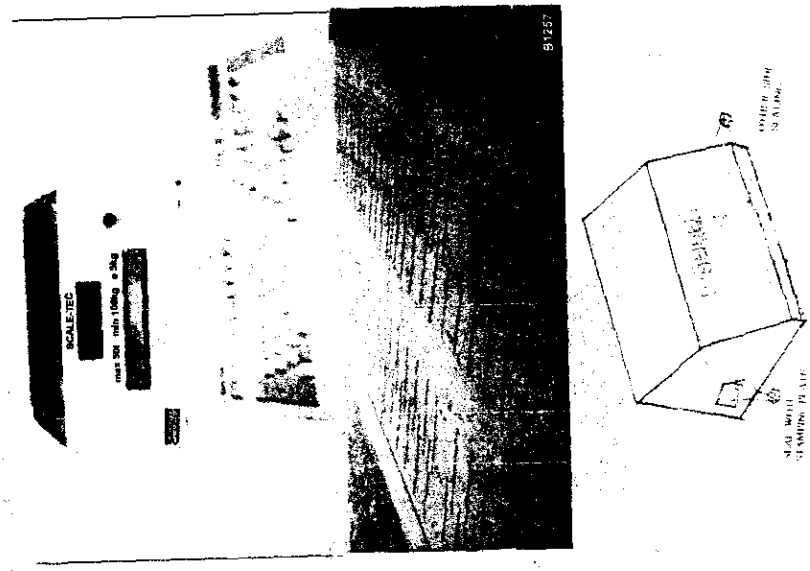

आकृति -2 मॉडल को सीलिंग करने का योजनाबद्ध डायग्राम

डिस्प्ले की बॉडी में से सीलिंग वायर निकाल कर डिस्प्ले के राइट साइड/बैक साइड में सीलिंग की जाती है । सील के साथ जुड़े हुए डिस्प्ले के बेस प्लेट और टॉप कवर में बने दो छेदों में से सीलिंग वायर निकाल कर सील से जोड़ा गया है । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

उपकरण में बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच की सुविधा है । बाहरी केलिब्रेशन तक पहुंच को रोकने के लिए ए/डी कार्ड/मदर बोर्ड में डिप स्विच भी दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिज़ाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 5 टन से 200 टन तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^{k}, 2×10^{k} या 5×10^{k}, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(322)/2010]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the, 16th September, 2011

S.O. 3635.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Electronic Weighbridge) with digital indication of Medium accuracy (Accuracy class-III) of Series "CWB-5" and with brand name "SCALE-TEC" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. Citizen Weighing System, F-1-106, Kashi Vishweswar Tower-3-B, Jetalpur Road, Alkapuri, Vadodara-390005 and which is assigned the approval mark IND/09/10/546;

The said Model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Electronic Weighbridge) with a maximum capacity of 50 tonne and minimum capacity of 100 kg. The verification scale interval (e) is 5kg. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

Figure-1

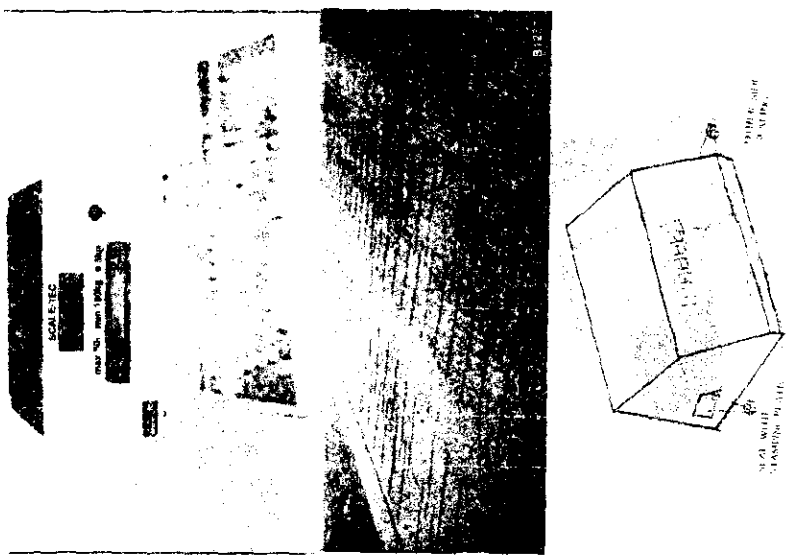

Figure-2 Schematic Diagram of Sealing provision of the model

Sealing is done on the right side/back side of the display by passing sealing wire from the body of the display. The seal is connected by hole in base plate & top cover of display, than seal wire is passed through these two holes attached with seal. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

The instrument has external control to calibration. A dip switch has also been provided in A/D card/mother board to disable access to external calibration.

Further, in exercise of the power conferred by sub-Section (12) of section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity above 5 tonne and up to 200 tonne with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g. or above and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved Model has been manufactured.

[F. No.WM-21(322)/2010]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 16 सितम्बर, 2011

का.आ. 3636.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप हैं और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत: अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और उप-धारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स सिटिजन वेइंग सिस्टम, एफ-1-106, काशी विश्वेश्वर टावर-3-बी, जेतालपुर रोड, अलकापुरी, बडोदरा-390005 द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "सीटीएस-2" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेंक वेइंग टाइप) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "स्केल-टैक" है, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/10/547 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी करती है ।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेंक वेइंग टाइप) है । इसकी अधिकतम क्षमता 10000 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 40 कि.ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 2 कि.ग्रा. है । इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है । प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) तोलन परिणाम उपदर्शित करता है । उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है ।

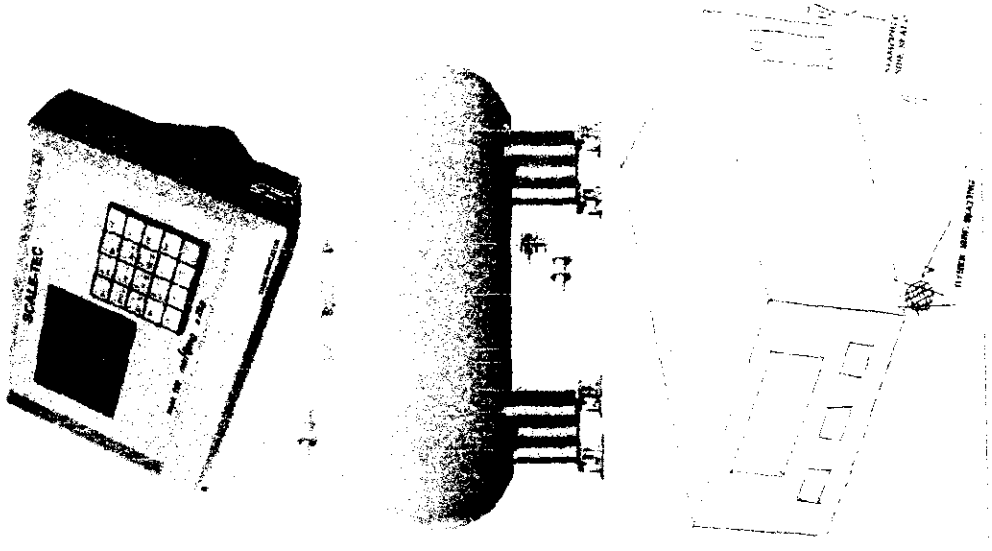

आकृति -2 सीलिंग प्रावधान का योजनाबद्ध डायग्राम

प्राधिकारियों द्वारा सत्यापन और स्टाम्पिंग के बाद इंडीकेटर की बैक साइड में बनाए गए होल्स में से लीड वायर निकाल कर सीलिंग की जाती है । सील से छेड़छाड़ किए बिना उपकरण को खोला नहीं जा सकता । मॉडल को सीलबंद करने के उपबंध का एक प्ररूपी योजनाबद्ध डायग्राम उपरोक्त दिया गया है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 1 टन से 200 टन तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^{क}, 2×10^{क} या 5×10^{क}, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं ।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(322)/2010]

बी. एन. दीक्षित, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the, 16th September, 2011

S.O. 3636.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Tank Weighing type) with digital indication of medium accuracy (Accuracy class -III) of Series "CTS-2" and with brand name "SCALE-TEC" (hereinafter referred to as the said Model), mannfactured by M/s. Citizen Weighing System, F-1-106, Kashi Vishweswar Tower-3-B, Jetalpur Road, Alkapuri, Vadodara-390005 and which is assigned the approval mark IND/09/10/547;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Tank Weighing type) with a maximum capacity of 10000 kg. and minimum capacity of 40 kg. The verification scale interval (e) is 2kg. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) indicates the weighing results. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

Figure-1 Model

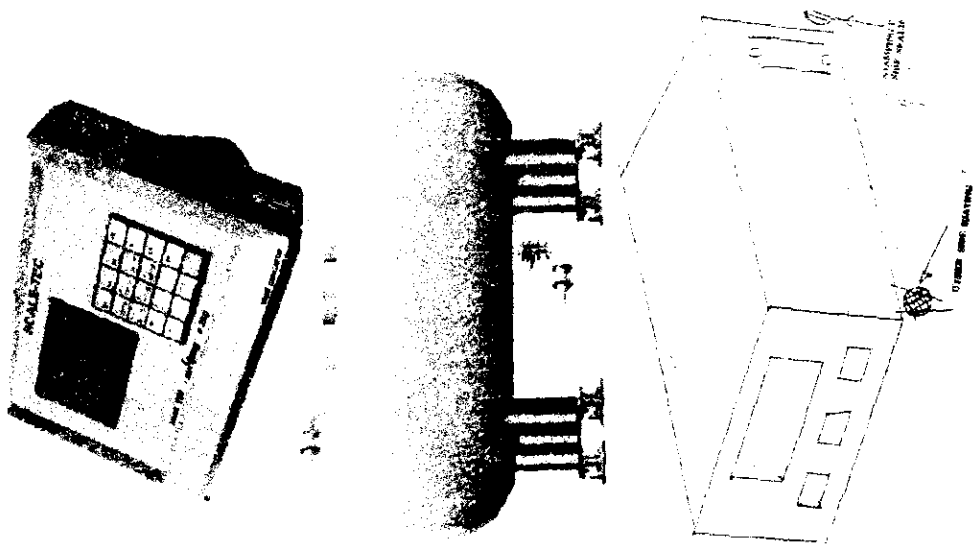

Figure-2 Sealing diagram of the Sealing provision of the model

The Sealing is done by passing a leaded wire through the holes made in the back side of the indicator after verification and stamping by the authorities. The instrument can not be opened without tampering the seal. A typical schematic diagram of sealing provision of the model is given above.

Further, in exercise of the power conferred by sub-section (12) of section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity in the range of 1 tonne to 200 tonne with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g. or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and materials with which, the said approved Model has been manufactured.

[F. No.WM-21(322)/2010]

B. N. DIXIT, Director of Legal Metrology

भारतीय मानक ब्यूरो

नई दिल्ली, 28 नवम्बर, 2011

का.आ. 3637.—भारतीय मानक ब्यूरो नियम, 1987 के नियम 7 के उप-नियम (1) के खंड (ख) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्द्वारा अधिसूचित करता है कि नीचे अनुसूची में दिए गए मानक (कों) में संशोधन किया गया/किये गये हैं :—

अनुसूची

क्रम संख्या	संशोधित भारतीय मानक (कों) की संख्या, वर्ष और शीर्षक	संशोधन की संख्या और तिथि	संशोधन लागू होने की तिथि
(1)	(2)	(3)	(4)
1	आई एस 12360 : 1988 की संशोधन संख्या 4	04 नवम्बर, 2011	30-11-2011

इन भारतीय संशोधनों की प्रतियाँ भारतीय मानक ब्यूरो, मानक भवन, 9, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110 002, क्षेत्रीय कार्यालयों: नई दिल्ली, कोलकाता, चण्डीगढ़, चेन्नई, मुम्बई तथा शाखा कार्यालयों : अहमदाबाद, बंगलौर, भोपाल, भुवनेश्वर, कोयम्बतूर, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, नागपुर, पटना, पुणे तथा तिरूवनन्तापुरम में बिक्री हेतु उपलब्ध हैं ।

[संदर्भ : ईटी 01/टी-49]

आर. के. त्रेहन, वैज्ञानिक ई एवं प्रमुख (विद्युत तकनीकी)

BUREAU OF INDIAN STANDARDS

New Delhi, the 28th November, 2011

S.O. 3637.—In pursuance of clause (b) of sub-rule (1) of Rule 7 of the Bureau of Indian Standards Rules, 1987, the Bureau of Indian Standards hereby notifies that amendment to the Indian Standards, particulars of which are given in the Schedule hereto annexed has been issued :—

SCHEDULE

Sl. No.	No. & Year of the Indian Standards	No. & year of the Amendments	Date from which the Amendments shall have effect
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	IS 12360 : 1988 Voltage bands for electrical installations including preferred voltages and frequency	04, November, 2011	30-11-2011

Copy of the Amendment is available with the Bureau of Indian Standards, Manak Bhavan, 9, Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110 002 and Regional Offices : New Delhi, Kolkata, Chandigarh, Chennai, Mumbai and also Branch Offices : Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneshwar, Coimbatore, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Nagpur, Patna, Pune, Thiruvananthapuram.

[Ref: ET 01/T-49]

R. K. TREHAN, Scientist E & Head (Electrotechnical)

नई दिल्ली, 29 नवम्बर, 2011

का.आ. 3638.—भारतीय मानक ब्यूरो नियम, 1987 के नियम 7 के उप-नियम (1) के खंड (ख) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्द्वारा अधिसूचित करता है कि जिन भारतीय मानकों के विवरण नीचे अनुसूची में दिए गए हैं वे स्थापित हो गये हैं :—

अनुसूची

क्रम संख्या	स्थापित भारतीय मानक (कों) की संख्या, वर्ष और शीर्षक	नये भारतीय मानक द्वारा अतिक्रमित भारतीय मानक अथवा मानकों, यदि कोई हो, की संख्या और वर्ष	स्थापित तिथि
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	आई एस/आई एस ओ 6722 : 2006 सड़क वाहन–60 वोल्ट और 600 वोल्ट एकल-कोर की तारें–आयाम, परीक्षण पद्धतियों एवं आवश्यकताएं	--	31 अगस्त, 2011
2.	आई एस 9081: 2011 स्वचल वाहन–हवा भरे टायरों के लिए वाल्व एवं वाल्व सहायक अंग–विशिष्टि (चौथा पुनरीक्षण)	आई एस 90 : 2001	30 सितम्बर, 2011
3.	आई एस/आई एस ओ 9943: 2009 पोत निर्माण खाना पकाने के साधनों सहित रसोई तथा पेन्ट्री के लिए संगत और वायु संशोधन	(अतिक्रमित आई एस 1408 : 1999)	31 अगस्त, 2011

इस भारतीय मानक की प्रतियां भारतीय मानक ब्यूरो, मानक भवन, 9, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002, क्षेत्रीय कार्यालयों: नई दिल्ली, कोलकाता, चण्डीगढ़, चेन्नई, मुम्बई तथा शाखा कार्यालयों : अहमदाबाद, बंगलौर, भोपाल, भुवनेश्वर, कोयम्बतूर, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, नागपुर, पटना, पूणे तथा तिरूवनन्तापुरम में बिक्री हेतु उपलब्ध हैं ।

[संदर्भ : टी ई डी/जी-16]

टी. वी. सिंह, वैज्ञानिक एफ एवं प्रमुख (टी ई डी)

New Delhi, the 29th November, 2011

S. O. 3638.—In pursuance of clause (b) of sub-rule (1) of Rule 7 of the Bureau of Indian Standards Rules, 1987, the Bureau of Indian Standards hereby notifies that the Indian Standards, particulars of which are given in the Schedule hereto annexed has been established on the date indicated against each :

SCHEDULE

Sl. No.	No. & Year and title of the Indian Standards Established	No. & year of the Indian Standards, if any, superseded by the New Indian Standard	Date of Establishment
(1)	(2)	(3)	(4)
1	IS/ISO 6722 : 2006 Road vehicles—60 V and 600 V singale-core cable—Dimensions, test methods and requirements	—	31 August, 2011
2	IS 9081: 2011 Automotive vehicles—Valves and and valve accessories for pneumatic tyres—Specification (fourth revision)	IS 9081 : 2001	30 September, 2011
3	IS /ISO 9943 : 2009 Shipbuilding—Ventilation and air-treatment of galleys and pantries with cooking appliances	Superseding IS 14608 : 1999	31 August, 2011

Copy of this standard is available for sale with the Bureau of Indian Standards, Manak Bhavan, 9, Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110 002 and Regional Offices : New Delhi, Kolkata, Chandigarh, Chennai, Mumbai and also Branch Offices : Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneshwar, Coimbatore, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Nagpur, Patna, Pune, Thiruvananthapuram.

[Re : TED/G-16]

T. V. SINGH, Scientist F & Head (Transport Engg.)

नई दिल्ली, 30 नवम्बर, 2011

का.आ. 3639.—भारतीय मानक ब्यूरो नियम, 1987 के नियम 7 के उप-नियम (1) के खंड (ख) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्द्वारा अधिसूचित करता है कि जिस भारतीय मानक का विवरण नीचे अनुसूची में दिया गया है वह स्थापित हो गया है :—

अनुसूची

क्रम संख्या	स्थापित भारतीय मानक (कों) की संख्या, वर्ष और शीर्षक	नये भारतीय मानक द्वारा अतिक्रमित भारतीय मानक अथवा मानकों, यदि कोई हो, की संख्या और वर्ष	स्थापित तिथि
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	आई एस 13703 (भाग 0/अनुभाग 2) : 2011 विशेष प्रकार की कुंडलण तारों की विशिष्टि भाग 0 सामान्य अपेक्षाएँ अनुभाग 2 अनेमलित आयताकार कॉपर की तार (पहला पुनरीक्षण)	--	30 नवम्बर, 2011
2.	आई एस 13703 (भाग 0/अनुभाग 2) : 2011 विशेष प्रकार की कुंडलण तारों की विशिष्टि भाग 0 सामान्य अपेक्षाएँ अनुभाग 4 काँच-तन्तु की क्षत रेजिन अथवा वार्निश संसेचित, नंगी अथवा अनेमलित आयताकार कॉपर की तार (पहला पुनरीक्षण)	--	30 नवम्बर, 2011

इस भारतीय मानक की एक प्रति भारतीय मानक ब्यूरो, मानक भवन, 9, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110 002, क्षेत्रीय कार्यालयों: नई दिल्ली, कोलकाता, चण्डीगढ़, चेन्नई, मुम्बई तथा शाखा कार्यालयों : अहमदाबाद, बंगलौर, भोपाल, भुवनेश्वर, कोयम्बतूर, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, नागपुर, पटना, पूणे तथा तिरुवनन्तापुरम में बिक्री हेतु उपलब्ध हैं ।

[संदर्भ : ईटी 33/टी-111, टी-112]

आर. के. त्रेहन, वैज्ञानिक ई एवं प्रमुख (विद्युत तकनीकी)

New Delhi, the 30th November, 2011

S.O. 3939.—In pursuance of clause (b) of sub-rule (1) of Rules (1) of Rule 7 of the Bureau of Indian Standards Rules, 1987, the Bureau of Indian Standards hereby notifies the Indian Standards to the Indian Standards, particulars of which is given in the Schedule hereto annexed has been issued :

SCHEDULE

Sl. No.	No. & Year of the Indian Standards	No. & year of the Indian Standards, if any, Superseded by the New Indian Standard	Date of Establishment
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	IS 13730 : (Part 0/Sec. 2) : 2011 Specifications for particulars types of winding wires Part 0 General requirements Sec. 2 Enamelled rectangular copper wire (First Revision)	--	30 November, 2011
2.	IS 13730 : (Part 0/Sec. 4) : 2011 Specifications for particulars types of winding wires Part 0 General requirements Sec. 4 Glass-firbre wound resin or varnish impregnated bare or enamelled rectangular copper wire (First Revision)	—	30 November, 2011

Copy of this Standard is available for sale with the Bureau of Indian Standards, Manak Bhavan, 9, Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110 002 and Regional Offices : New Delhi, Kolkata, Chandigarh, Chennai, Mumbai and also

Branch Offices : Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneshwar, Coimbatore, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Nagpur, Patna, Pune, Thiruvananthapuram.

[Ref : ET 33/T-111, T-112]

R. K. TREHAN, Scientist E & Head (Electrotechnical)

नई दिल्ली, 5 दिसम्बर, 2011

का.आ. 3640.—भारतीय मानक ब्यूरो नियम, 1987 के नियम 7 के उपनियम (1) के खंड (ख) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्द्वारा अधिसूचित करता है कि जिन भारतीय मानकों के विवरण नीचे अनुसूची में दिए गए हैं वे स्थापित हो गए हैं :—

अनुसूची

क्रम संख्या	स्थापित भारतीय मानक (कों) की संख्या वर्ष और शीर्षक	नये भारतीय मानक द्वारा अतिक्रमित भारतीय मानक अथवा मानकों, यदि कोई हो, की संख्या और वर्ष	स्थापित तिथि
(1)	(2)	(3)	(4)
1	आई एस 15939 : 2011 कीटनाशक—बाईफेन्थरीन आर्द्रकरणीय पाऊडर—विशिष्टि	—	30 नवम्बर 2011

इन भारतीय मानक(कों) की प्रतियाँ भारतीय मानक ब्यूरो, मानक भवन, 9, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002, क्षेत्रीय कार्यालयों: नई दिल्ली, कोलकाता, चेन्नई, मुम्बई, चण्डीगढ़ तथा शाखा कार्यालयों : अहमदाबाद, बंगलौर, भोपाल, भुवनेश्वर, कोयम्बतूर, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर,नागपुर, पटना, पुणे तथा तिरूवनन्तापुरम में बिक्री हेतु उपलब्ध हैं ।

[संदर्भ : एफएडी/जी-128]

डा. आर. के. बजाज, वैज्ञानिक 'एफ' एवं प्रमुख (खाद्य एवं कृषि)

New Delhi, the 5th December, 2011

S.O. 3640.—In pursuance of clause (b) of sub-rule (1) of Rules 7 of the Bureau of Indian Standards Rules, 1987, the Bureau of Indian Standards hereby notifies that the Indian Standards, particulars of which are given in the Schedule hereto annexed have been established on the date indicated against each :

SCHEDULE

Sl. No.	No. & Year of the Indian Standards Established	No. & year of Indian Standards, if any, Superseded by the New Indian Standard	Date of Established
(1)	(2)	(3)	(4)
	IS 15939 : 2011 Pesticide—Bifenthrin Wettable Power—Specification	—	30 November 2011

Copy of these standards are available for sale with the Bureau of Indian Standards, Manak Bhavan, 9, Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110 002 and Regional Offices : New Delhi, Kolkata, Chandigarh, Chennai, Mumbai and also Branch Offices : Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneshwar, Coimbatore, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Nagpur, Patna, Pune, Thiruvananthapuram.

[Ref : FAD/G-128]

Dr. R. K. BAJAJ, Scientist 'F' and Head (Food & Agri.)

नई दिल्ली, 7 दिसम्बर, 2011

का.आ. 3641.—भारतीय मानक ब्यूरो नियम, 1987 के नियम 7 के उपनियम (1) के खंड (ख) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्द्वारा अधिसूचित करता है कि जिस भारतीय मानकों के विवरण नीचे अनुसूची में दिए गये हैं वे स्थापित हो गए हैं :—

अनुसूची

क्रम संख्या	स्थापित भारतीय मानक(कों) की संख्या वर्ष और शीर्षक	नये भारतीय मानक द्वारा अतिक्रमित भारतीय मानक अथवा मानकों, यदि कोई हो, की संख्या और वर्ष	स्थापित तिथि
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	आई एस 11300 : 2011 मिर्च एवं मसाले--शिया जीरा—विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	आई एस 11300 : 1985	31 अक्तूबर 2011
2.	आई एस 13474 : 2011 मिर्च एवं मसाले—हरी काली मिर्च लवण घोल में डिब्बा बंद— विशिष्टि(पहला पुनरीक्षण)	आई एस 13474 : 1992	31 अक्तूबर 2011

इन भारतीय मानकों की प्रतियाँ भारतीय मानक ब्यूरो, मानक भवन, 9, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002, क्षेत्रीय कार्यालयों: नई दिल्ली, कोलकाता, चण्डीगढ़, चेन्नई, मुम्बई तथा शाखा कार्यालयों : अहमदाबाद, बंगलौर, भोपाल, भुवनेश्वर, कोयम्बतूर, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, नागपुर पटना, पूणे तथा तिरूवनन्तापुरम में बिक्री हेतु उपलब्ध हैं ।

[संदर्भ : एफएडी/जी-128]

डा. आर. के. बजाज, वैज्ञानिक 'एफ' एवं प्रमुख (खाद्य एवं कृषि)

New Delhi, the 7th December, 2011

S.O. 3641.—In pursuance of clause (b) of sub-rule (1) of Rule 7 of the Bureau of Indian Standards Rules, 1987, the Bureau of Indian Standards hereby notifies that the Indian Standards, particulars of which are given in the Schedule hereto annexed has been established on the date indicated against it :

SCHEDULE

Sl. No.	No. & Year of the Indian Standards Established	No. & year of the Indian Standards, if any, Superseded by the New Indian Standard	Date of Established
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	IS 11300 : 2011 Spices and Condiments—Caraway seeds—Specification (first revision)	IS 11300 : 1985	31 October 2011
2.	IS 13474 : 2011 Spices and Condiments—Green pepper canned in brine—Specification (first revision)	IS 13474 : 1992	31 October 2011

Copies of this Standards are available for sale with the Bureau of Indian Standards, Manak Bhavan, 9, Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110 002 and Regional Offices : New Delhi, Kolkata, Chandigarh, Chennai, Mumbai and also Branch Offices : Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneshwar, Coimbatore, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Nagpur, Patna, Pune, Thiruvananthapuram.

[Ref: FAD/G-128]

Dr. R. K. BAJAJ, Scientist 'F' and Head (Food & Agri)

नई दिल्ली, 8 दिसम्बर, 2011

का.आ. 3642.—भारतीय मानक ब्यूरो नियम, 1987 के नियम 7 के उपनियम (1) के खंड (ख) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्द्वारा अधिसूचित करता है कि जिने भारतीय मानकों के विवरण नीचे अनुसूची में दिए गए हैं वे स्थापित हो गए हैं :—

अनुसूची

क्रम संख्या	स्थापित भारतीय मानक(कों) की संख्या वर्ष और शीर्षक	नये भारतीय मानक द्वारा अतिक्रमित भारतीय मानक अथवा मानकों, यदि कोई हो, की संख्या और वर्ष	स्थापित तिथि
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	आई एस 10971 (भाग 1) : 2011 वस्त्रादि-कपड़े की सतह पर रोएँ उठने और रोंओं की गाँठें बनने की प्रवृत्ति का निर्धारण भाग 1--पिलिंग बाक्स पद्धति (पहला पुनरीक्षण)	—	31-10- 2011

(1)	(2)	(3)	(4)
2.	आई एस 10971 (भाग 2) : 2011 वस्त्रादि-कपडे की सतह पर रोएँ उठने और रोओं की गाँठें बनने की प्रवृत्ति का निर्धारण भाग 2--संशोधित मार्टिनडोल पद्धति (पहला पुनरीक्षण)	—	31-10- 2011
3.	आई एस 11205 : 2011 वस्त्रादि-वस्त्रादि फर्श आवरण शब्दावली (पहला पुनरीक्षण)	—	31-10- 2011

इन भारतीय मानकों की प्रतियाँ भारतीय मानक ब्यूरो, मानक भवन, 9, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002, क्षेत्रीय कार्यालयों: नई दिल्ली, कोलकाता, चण्डीगढ़, चेन्नई, मुम्बई तथा शाखा कार्यालयों : अहमदाबाद, बंगलौर, भोपाल, भुवनेश्वर, कोयम्बतूर, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर,नागपुर पटना, पूणे तथा तिरूवनन्तापुरम में बिक्री हेतु उपलब्ध हैं ।

[संदर्भ : टी एक्स डी/जी-25]

अनिल कुमार, वैज्ञानिक ई एवं प्रमुख (टी एक्स डी)

New Delhi, the 8th December, 2011

S.O. 3642.—In pursuance of clause (b) of sub-rule (1) of Rule 7 of the Bureau of Indian Standards Rules, 1987, the Bureau of Indian Standards hereby notifies that the Indian Standards, particulars of which are given in the Schedule hereto annexed has been established on the date indicated against it :

SCHEDULE

Sl. No.	No. & Year of the Indian Standards Established	No. & year of the Indian Standards, if any, Superseded by the New Indian Standard	Date of Established.
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	IS 10971 (Part 1) : 2011/ ISO 12945-1 : 2000 Textiles—Determination of Fabric Propensity to Surface Fuzzing and to Pilling Part 1 Pilling Box Method (first revision)	Nil	October 2011
2.	IS 10971 (Part 2) : 2011/ ISO 12945-2 : 2000 Textiles—Determination of Fabric Propensity to Surface Fuzzing and to Pilling Part 2 Modified Martindale method (First Revision.)	Nil	October 2011
3.	IS 11205 : 2011/ ISO 2424 : 2007 Textile Floor Coverings —Vocabulary (First Revision)	Nil	October 2011

Henceforth, these standards will be available for sale.

Copy of these Standard is available for sale with HQ the Bureau of Indian Standards, Manak Bhavan, 9, Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110 002 and Regional Offices : New Delhi, Kolkata, Chandigarh, Chennai, Mumbai and also Branch Offices : Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneshwar, Coimbatore, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Nagpur, Patna, Pune, Thiruvananthapuram.

[Ref : TXD/G-25]

ANIL KUMAR, Sc. 'E' & Head (Textiles)

नई दिल्ली 8 दिसम्बर, 2011

का.आ. 3643.--भारतीय मानक ब्यूरो (प्रमाणन) विनियम, 1988 के विनियम 4 के उपविनियम 5 के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्द्वारा अधिसूचित करता है कि जिनके विवरण नीचे अनुसूची में दिए गए हैं को लाइसेंस प्रदान किए गए हैं :

अनुसूची

क्रम सं.	लाइसेंस संख्या	स्वीकृत करने की तिथि, वर्ष/माह	लाइसेंसधारी का नाम एवं पता	भारतीय मानक का शीर्षक	भा मा संख्या	भाग	अनु.	वर्ष
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
01.	3771167	01-11-2011	केटीमी पम्प्स प्रा. लि., प्लॉट नं. जी 1890, के. रोड, जे.के. पैंट के सामने, किशान गेट, मेन रोड, जीआईडीसी, मेटोदा, लोधिका, जिला-राजकोट, गुजरात-360024	सबमर्सिबल पम्पसेट्स	आईएस 8034	–	–	2002
02.	3771369	02-11-2011	पॉपुलर फाउंडरी स्ट्रीट नं. 9, सोरठियावाडी, राजकोट-360002	सबमर्सिबल पम्पसेट्स	आईएस 8034	–	–	2002
03.	3771470	02-11-2011	एस.के. ज्वेलर्स शराफ बाजार, भुज, जिला-कच्छ, गुजरात-370001	स्वर्ण एवं स्वर्ण मिश्रधातुएं, आभूषण/शिल्पकारी शुद्धता एवं मुहरांकन-विशिष्टि	आईएस 1417	–	–	1999
04.	3772068	04-11-2011	कृष इलेक्ट्रिक कॉ. 12, आजी वसाहाट, के.एस. डीजल के पीछे, दीनदयाल इंडस्ट्रियल एस्टेट, 80 फीट रोड़ राजकोट-360003	सबमर्सिबल पम्पसेट्स	आईएस 8034	–	–	2002
05.	3772169	04-11-2011	अजंता लि., अजंता इंडस्ट्रियल एस्टेट, मोरबी, राजकोट हाईवे रोड, जिला-राजकोट, गुजरात-363641	घरेलू और समान विद्युत साधित्रों की सुरक्षा भाग 2 विवरणात्मक अपेक्षाएँ अनुभाग 30 रूम हीटर	आईएस 302	2	30	2007
06.	3772674	11-11-2011	रैनबो लेमीनेट प्रा.लि., 8-ए, नेशनल हाईवे, ग्राम-लालपुर, तालुका मोरबी, जिला-राजकोट, गुजरात-363642	सजावटी ताप स्थिरण संश्लिष्ट रेजिनबद्ध परतदार चद्दर	आईएस 2046			1995
07.	3772775	11-11-2011	वीजन लेमीनेट्स प्रा.लि. प्लॉट नं. 8, सर्वे नं. 234/1, एन.एच. 8-बी, सहयोग कॉटन के सामने, ग्राम शापर(वेरावल), तालुका कोटदा, संगानी, जिला-राजकोट, गुजरात-360024	सजावटी ताप स्थिरण संश्लिष्ट रेजिनबद्ध परतदार चद्दर	आईएस 2046			1995

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
08.	3773272	15-11-2011	वन टेन इंडिया प्रा.लि., प्लॉट नं. 3004, जीआईडीसी, एस्टेट, फेज़-4, वधवान, जिला-सुरेन्द्रनगर, गुजरात-363530	विद्युत प्रयोजनों के लिए दाब संवेदी आसंजी टेप भाग 3 अलग-अलग सामग्रियों की अपेक्षाएं खंड 1 बिना थर्मोसेटिंग आसंजी वाली प्लास्टिक-युक्त पॉलीविनाइल क्लोराइड टेप	आईएस 7809	3 1		1986
09.	3773171	15-11-2011	श्रीजी बिवरेज्स सिधि कालोनी मेन रोड, क्वार्टर नं.90, खुशबु मेडिकल, राजकोट गुजरात	बोतल बंद पानी (प्राकृतिक) पदार्थ के अतिरिक्त जल)	आईएस 14543			2004
10.	3774274	17-11-2011	प्रगति पाईप इंडस्ट्रीज़ सर्वे नं. 217, ट्रांसग्लोब फूड, वेरावल (शापर), तालुका कोडदा संगानी, जिला -राजकोट, गुजरात-360030	पेय जल आपूर्ति हेतु उच्च घनत्व पॉलीइथालीन पाइप	आईएस 4984			1995
11.	3773979	17-11-2011	श्रीजी ज्वेलर्स मेन बाज़ार, गंगा तालुका कालावाड, जिला-जामनगर, गुजराज-361013	स्वर्ण एवं स्वर्ण मिश्रधातुएं, आभूषण/शिल्पकारी शुद्धता एवं मुहरांकन-विशिष्टि	आईएस 1417	–	–	1999
12.	3774880	18-11-2011	अजंता मैन्यूफैक्चरिंग लि., ओरपाट नगर, 8ए,-एन.एच., पोस्ट सामखियारी, तालुका बचाउ, जिला-कच्छ, गुजरात-370150	घरेलू और समान कार्यों के लिए स्विच-विशिष्टि	आईएस 3854			1997
13.	3775276	21-11-2011	कैप्टन पॉलीप्लास्ट लि., सर्वे नं. 267, प्लॉट नं. 10ए, एवं 11, जैन मनु के पीछे, एनएच-8बी, शापर (वेरावल), तालुका कोटदा संगानी, जिला -राजकोट, गुजरात	सिंचाई उपस्कर-- उत्सर्जक-विशिष्टि	आईएस 13487			1992
14.	3776177	22-11-2011	रिलिफ पम्प इंडस्ट्रीज, सोमनाथ इंडस्ट्रियल एरिया, प्लॉट, नं. 15, सर्वे नं. 224, शिव चौक, कृष्णा पार्क के सामने, कोठारिया रेलवे क्रासिंग के समीप, गोंडल हाईवे, कोठारिया जिला -राजकोट, गुजरात-360005	साफ ठंडे पानी के लिए उर्ध्व टर्बाइन मिश्रित और अक्षीय प्रवाह पंपों की विशिष्टि	आईएस 1710			1989

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
15.	3775882	22-11-2011	मुरलीधर बिवरेज्स ग्राम कुकमा, माधापर अंजार रोड, तालुका भुज, जिला-कच्छ, गुजरात	बोतल बंद पानी (प्राकृतिक पदार्थ के अतिरिक्त जल)	आईएस 14543			2004
16.	3776076	22-11-2011	दर्शन बिवरेज्स हरिमाधव टाउन शिप, रूद्रभूमि सोसायटी के समीप, थान रोड, तालुका चोटिला, जिला-सुरेन्द्रनगर, गुजरात-363520	बोतल बंद पानी (प्राकृतिक) पदार्थ के अतिरिक्त जल)	आईएस 14543			2004
17.	3776480	23-11-2011	ऊमा मिनरल वाटर नीलकंठ पार्क, गींगानी रोड, ग्राम जामजोधपुर, जिला-जामनगर, गुजरात-360530	बोतल बंद पानी (प्राकृतिक पदार्थ के अतिरिक्त जल)	आईएस 14543			2004
18.	3776985	24-11-2011	हिरो पम्प्स 16, सम्राट इंडस्ट्रियल एरिया, एस.टी. वर्कशॉप के पीछे, गोण्डल रोड, राजकोट, गुजरात-360004	खुले कुए के लिए सबमर्सीबल पम्पसेट्स	आईएस 14220			1994
19.	3777381	24-11-2011	दर्शना बिवरेज्स वैभव इंडस्ट्रियल एस्टेट, ग्राम मलियासन, अहमदाबाद, एनएच, राजकोट, गुजरात-360007	बोतल बंद पानी (प्राकृतिक) पदार्थ के अतिरिक्त जल)	आईएस 14543			2004
20.	3777482	25-11-2011	श्री केमफूड प्रा.लि. आफिस नं. 104, ऋषि कॉर्नर, प्लॉट नं. 20, वार्ड नं. 12/ए, गांधीधाम,, जिला-कच्छ गुजरात-370201	आयोडीन युक्त नमक की विशिष्टि	आईएस 7224			2006
21.	3777987	28-11-2011	अवनी इंडस्ट्रीज महादेव वॉडी मेन रोड, श्री राम एस्टेट, लक्ष्मीनगर, राजकोट, गुजरात-360002	Horizontal centrifugal pumps for clear, cold water—part 1 : agri-cultural and rural water supply purposes	आईएस 6595	1		2006
22.	3778585	29-11-2011	सीएलएस इंडस्ट्रीज प्रा.लि. प्लॉट नं. 38, 43, 44, 45, सर्वे नं. 89, ग्राम मेघपर (बोरीची) तालुका अंजार, जिला-कच्छ, गुजरात-370110	लकड़ी के सपाट दरवाज़े के शटर (ठोस कोर टाइप) भाग-1 प्लाईवुड के सतह युक्त पल्ले	आईएस 2202	1		1999
23.	3778484	29-11-2011	सीएलएस इंडस्ट्रीज प्रा.लि. प्लॉट नं. 38, 43, 44, 45, सर्वे नं. 89, ग्राम मेघपर (बोरीची) तालुका अंजार, जिला-कच्छ, गुजरात-370110	ब्लॉक बोर्ड	आईएस 1659			2004

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
24.	3778383	29-11-2011	सीएलएस इंडस्ट्रीज प्रा.लि. प्लॉट नं. 38, 43, 44, 45, सर्वे नं. 89, ग्राम मेघपर (बोरीची) तालुका अंजार, जिला-कच्छ, गुजरात-370110	सामान्य प्रयोजनों के लिए प्लाईवुड	आईएस 303			1989
25.	3778282	29-11-2011	माराज फूड एण्ड बिवरेजिस दालतुंगी, तालुका लतीपुर, जिला जामनगर, गुजरात-361280	बोतल बंद पानी (प्राकृतिक पदार्थ के अतिरिक्त जल)	आईएस 14543			2004
26.	3778686	29-11-2011	घनश्याम ज्वेलर्स मेन बाज़ार, पानसुरिया स्ट्रीट, मेंदरदा, जिला-जूनागढ़, गुजराज-362260	स्वर्ण एवं स्वर्ण मिश्रधातुएं, आभूषण/शिल्पकारी शुद्धता एवं मुहरांकन-विशिष्टि	आईएस 1417			1999
27.	3779587	30-11-2011	विशाल केमफूड इंडस्ट्रीज टी-सी-एक्स-दक्षिण-23, चावला चौक के समीप, गांधीधाम, भुज, जिला-कच्छ, गुजरात-370201	आयोडीन युक्त नमक की विशिष्टि	आईएस 7224			2006
28.	3779486	30-11-2011	अम्बिका मिनरल्स मार्केटिंग यार्ड के सामने, सोम प्लास्ट इंडस्ट्रीज के पीछे, दौलतपारा, जिला-जूनागढ़, गुजरात-362001	बोतल बंद पानी (प्राकृतिक पदार्थ के अतिरिक्त जल)	आईएस 14543			2004

[सं. के. प्र. वि./13 : 11]

एम. राधाकृष्ण, वैज्ञानिक 'एफ' एवं प्रमुख

New Delhi, the 8th December, 2011

S. O. 3643.—In pursuance of sub-regulation (5) of regulation 4 of the Bureau of Indian Standards (Certification) Regulations, 1988, the Bureau of Indian Standards, hereby notifies the grant of licences particulars of which are given below in the following schedule :

Sl. No.	Licence No.	Grant Date	Name and address of the party	Title of the Standard	IS No.	Part.	Sec.	Year
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
1.	3771167	01-11-2011	KTC Pumps Pvt. Ltd. Plot No. G 1890, K-Road, Opp. J. K. Paint, Kishan Gate, Main Road, GIDC Metoda, Lodhika, District Rajkot, Gujarat-360024	Submersible pump sets-	IS 8034			2002
2.	3771369	02-11-2011	Popular Foundary Street No. 9 Sorathiawadi Rajkot-360002	Submersible pump sets-	IS 8034			2002
3.	3771470	02-11-2011	S. K. Jewellers Sharaf Bazar, Bhuj, District Kachchh, Gujarat-370001	Gold and gold alloys, jewellery/artefacts-fineness and marking-	IS 1417			1999

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
4.	3772068	04-11-2011	Krish Electric Co. 12, Aji Vasahat, B/H K.S. Diesal, Dindayal Ind. Estate, 80 Feet Road, Rajkot-360003	Submersible pumps sets-	IS 8034			2002
5.	3772169	04-11-2011	Ajanta Ltd. Ajanta Industrial Estate, Morbi-Rajkot Highway Road, Morbi, District Rajkot, Gujarat-363641	Safety of household and similar electrical appliances : Part 2 particular requirements, section 30 electric radiators	IS 302	2	30	2007
6.	3772674	11-11-2011	Rainbow Laminate Pvt. Ltd. 8-A, National Highways, Village Lalpur, Taluka Morbi District Rajkot, Gujarat-363642	Decorative thermosetting synthetic resin bonded laminated sheets	IS 2046			1995
7.	3772775	11-11-2011	Vision Laminates Pvt. Ltd. Plot No. 8, Survey No. 234/1, N. H. 8-B, Opp. Sahyog Cotton, Village Shapar (Veraval), Taluka Kotda Sangani, District Rajkot, Gujarat-360024	Decorative thermosetting synthetic resin bonded laminated sheets	IS 2046			1995
8.	3773272	15-11-2011	One Tape India Pvt. Ltd. Plot No. 3004, GIDC Estate, Phase 4, Wadhwan, District Surendra Nagar, Gujarat-363530	Pressure sensitive adhesive insulating tapes for electrical purposes–Part 3 : requirement for individual materials-Section 1 : plasticized polyvinylchloride tapes with non-thermosetting adhesive	IS 7809	3	1	1986
9.	3773171	15-11-2011	Shreeji Beverages Sindhi Colony Main Road, Quarter No. 90, Khushbu Medical, Rajkot, Gujarat	Packaged drinking water (other than packaged natural mineral water)-	IS 14543			2004
10.	3774274	17-11-2011	Pragati Pipe Industries Survey No. 217, Opp. Trans-Globe Food, Veraval (Shapar), Taluka Kotda Sangani District Rajkot, Gujarat-360030	High density polyethylene pipes for potable water supplies	IS 4984			1995
11.	3773979	17-11-2011	Shreeji Jewellers Main Bazar, Banga, Taluka Kalawad, District Jamnagar, Gujarat-361013	Gold and gold alloys Jewellery/artefacts-fineness and marking-	IS 1417			1999
12.	3774880	18-11-2011	Ajanta Manufacturing Ltd. Orpatnagar, 8A National Highway, Post Samkhiyari, Taluka Bhachau, District Kachchh, Gujarat-370150	Switches for domestic and similar purposes	IS 3854			1997

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
13.	3775276	21-11-2011	Captain Polyplast Ltd. Survey No. 267, Plot No. 10A & 11, Behind Jain Manu, NH-8B, Hapar (Veraval), Taluka Kotda Sangani, District Rajkot, Gujarat	Irrigation equipment-emitters-	IS 13487			1992
14.	3776177	22-11-2011	Relief Pump Industries Somnath Industrial Area, Plot No. 15, Survey No. 224, Shiv Chowk, Opp. Krishna Park, Near Kothariya Railway Crossing, Gondal Highway, Kothariya, Rajkot-360005	Pumps-vertical turbine mixed and axial flow, for clear cold water	IS 1710			1989
15.	3775882	22-11-2011	M/s. Murlidhar Beverages Village Kukma, Madhapar Anjar Road, Taluka Bhuj, District Kachchh, Gujarat	Packaged drinking water (other than packaged natural mineral water)-	IS 14543			2004
16.	3776076	22-11-2011	Darshan Beverages Harimadhav Township, Near Rudrabhumi Society, Than Road, Taluka Chotila, District Surendra Nagar Gujarat-363520	Packaged drinking water (other than packaged natural mineral water)-	IS 14543			2004
17.	3776480	23-11-2011	Uma Mineral Water Nilkanth Park, Gingani Road, Village Jamjodhpur, District Jamnagar, Gujarat-360530	Packaged drinking water (other than packaged natural mineral water)-	IS 14543			2004
18.	3776985	24-11-2011	Hero Pumps 16 Samrat Industrial Area, B/H S.T. Workshop, Gondal Road, Rajkot, Gujarat-360004	Openwell submersible pumpsets	IS 14220			1994
19.	3777381	24-11-2011	Darshana Beverages Vaibhav Industrial Estate, At Village Maliyasan, Ahmedabad Highway, District Rajkot, Gujarat-360007	Packaged drinking water (other than packaged natural mineral water)-	IS 14543			2004
20.	3777482	25-11-2011	Shree Chemfood Private Ltd. Office No. 104, Rishi Corner, Plot No. 20, Ward No. 12/A, Gandhidham, District Kachchh, Gujarat-370201	Iodized salt	IS 7224			2006

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
21.	3777987	28-11-2011	Avni Industries Mahadev Wadi Main Road, Near Shri Ram Estate, Laxminagar, Rajkot-360002	Horizontal centrifugal pumps for clear, cold water—part 1 : agri-cultural and rural water supply purposes		IS 6595	1	2004
22.	3778585	29-11-2011	CLS Industries Private Ltd. Plot No. 38, 43, 44, 45, Survey No. 89, Village Meghpar (Borichi), Taluka Anjar, Distric Kachchh, Gujarat	Wooden flush door shutters (solid core type) : part 1 plywood face panels		IS 2202	1	1999
23.	3778484	29-11-2011	CLS Industries Private Ltd. Plot No. 38, 43, 44, 45, Survey No. 89, Village Meghpar (Borichi), Taluka Anjar, Distric Kachchh, Gujarat	Block boards		IS 1659		2004
24.	3778383	29-11-2011	CLS Industries Private Ltd. Plot No. 38, 43, 44, 45, Survey No. 89, Village Meghpar (Borichi), Taluka Anjar, Distric Kachchh, Gujarat-370110	Plywood for general purposes		IS 503		1989
25.	3778282	29-11-2011	Maraj Food & Beverages to Daltungi, Taluka Lalpur, District Jamnagar Gujarat-361280	Packaged drinking water (other than packaged natural mineral water)		IS 14543		2004
26.	3778686	29-11-2011	Ghanshyam Jewellers Main Bazar, Pansuriya Street, Mendarda, District Junagadh Gujarat-362260	Gold and gold alloys Jewellery/artefacts-fineness and marking		IS 1417		1999
27.	3779587	30-11-2011	Vishal Chemfood Industries T-C-X-South-23, Near Chavla Chowk, Gandhidham, Bhuj District, Kachchh, Gujarat-370201	Iodized salt		IS 7224		2006
28.	3779486	30-11-2011	Ambica Minerals Opp. Marketing Yard, B/H Som Plast Industries, Dolatpara, District Junagadh, Gujarat-362001	Packaged drinking water (other than packaged natural mineral water)-		IS 14543		2004

[No. CMD/13 : 11]
M. RADHAKRISHNA, Sc 'F' & Head

नई दिल्ली, 8 दिसम्बर, 2011

का.आ. 3644.—भारतीय मानक ब्यूरो नियम, 1987 के नियम 7 के उप-नियम (1) के खंड (ख) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्द्वारा अधिसूचित करता है कि जिन भारतीय मानकों का विवरण नीचे अनुसूची में दिया गया गया है वे स्थापित हो गए हैं :—

अनुसूची

क्रम संख्या	स्थापित भारतीय मानक(कों) की संख्या, वर्ष और शीर्षक	नये भारतीय मानक द्वारा अतिक्रमित भारतीय मानक अथवा मानकों, यदि कोई हो, की संख्या और वर्ष	स्थापित तिथि
(1)	(2)	(3)	(4)
1	आई एस/आई एस ओ 7998 : 2005 ओप्थेलमिक ओपटिक्स—चश्मों के फ्रेम—समतुल्य शब्द एवं पारिभाषिक शब्दावली की सूची	आई एस 8260 (भाग 2) : 1976	अगस्त 2011
2	आई एस/आई एस ओ 9170-1 : 2008 चिकित्सा गैस पाइपलाइन तंत्र के लिए टर्मिनल इकाइयाँ भाग 1 संपीडित चिकित्सा गैस और निर्वात में प्रयोग के लिए टर्मिनल इकाइयाँ	—	अगस्त 2011
3	आई एस/आई एस ओ 11979-4 : 2008 नेत्र रोग संबंधी रोपण--इंट्राऑक्यूलर लैंस भाग 4 लेबलिंग एवं सूचना	आई एस 14323 : 1996	जून 2011
4	आई एस/आई एस ओ 11979-8 : 2008 नेत्र रोग संबंधी रोपण--इंट्राऑक्यूलर लैंस भाग 8 मौलिक अपेक्षाएँ	आई एस 14323 : 1996	जून 2011

इन मानकों की प्रतियाँ भारतीय मानक ब्यूरो, मानक भवन, 9, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002, क्षेत्रीय कार्यालयों, नई दिल्ली, कोलकाता, चण्डीगढ़, चेन्नई, मुम्बई तथा शाखा कार्यालयों : अहमदाबाद, बंगलौर, भोपाल, भुवनेश्वर, कोयम्बतूर, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, नागपुर, पटना, पूणे तथा तिरूवनन्तापुरम में बिक्री हेतु उपलब्ध हैं ।

[संदर्भ : एम एच डी/जी-3.5]

राकेश कुमार, वैज्ञानिक 'एफ' एवं प्रमुख (एम एच डी)

New Delhi, the 8th December, 2011

S.O. 3644.—In pursuance of clause (b) of sub-rule (1) of Rule 7 of the Bureau of Indian Standards Rules, 1987, the Bureau of Indian Standards hereby notifies that the Indian Standards, particulars of which are given in the Schedule hereto annexed have been established on the date indicated against each.

SCHEDULE

Sl. No.	No. and Year of the Indian Standards Established	No. and year of the Indian Standards, if any, superseded by the New Indian Standard	Date of establishment
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	IS/ISO 7998 : 2005 Opthalmic optics—Spectacle Frames—Lists of equivalent terms and Vocabulary	IS 8260 (Part 2) : 1976	August 2011
2.	IS/ISO 9170-1 : 2008 Terminals units for medical gas pipeline systems Part 1 Terminal units for use with compressed medical gases and vacuum	—	August 2011
3.	IS/ISO 11979-4 : 2008 Ophthalmic implants—Intraocular lenses Part 4 Labelling and information	IS 14323 : 1996	June 2011
4.	IS/ISO 11979-8 : 2006 Ophthalmic implants—Intraocular lenses Part 8 Fundamental requirements	IS 14323 : 1996	June 2011

Copy of these Standard is available for sale with the Bureau of Indian Standards, Manak Bhavan, 9, Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110 002 and Regional Offices : New Delhi, Kolkata, Chandigarh, Chennai, Mumbai and also Branch Offices : Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneshwar, Coimbatore, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Nagpur, Patna, Pune, Thiruvananthapuram.

[Ref : MHD/G-3.5]

RAKESH KUMAR, Scientist 'F' & Head (MHD)

नई दिल्ली, 9 दिसम्बर, 2011

का.आ. 3645.—भारतीय मानक ब्यूरो नियम, 1987 के नियम 7 के उपनियम (1) के खंड (ख) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्द्वारा अधिसूचित करता है कि जिन भारतीय मानकों के संशोधन के विवरण नीचे अनुसूची में दिए गए हैं वह स्थापित हो गया है :—

अनुसूची

क्रम संख्या	संशोधित भारतीय मानक की संख्या, वर्ष और शीर्षक	संशोधन संख्या और वर्ष	संशोधन लागू होने की तिथि
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	आई एस 5346 : 1994 संश्लिष्ट खाद्य रंग-निमित्तियाँ और मिश्रण-विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	संशोधन संख्या 4 वर्ष 2011	31 नवम्बर 2011
2.	आई एस 5982 : 2003 रोपित श्वेत चीनी-विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	संशोधन संख्या 2 वर्ष 2011	31अगस्त 2011

इन संशोधनों की प्रतियाँ भारतीय मानक ब्यूरो, मानक भवन, 9, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002, क्षेत्रीय कार्यालयों : नई दिल्ली, कोलकाता, चेन्नई, मुम्बई, चण्डीगढ़ तथा शाखा कार्यालयों : अहमदाबाद, बंगलौर, भोपाल, भुवनेश्वर, कोयम्बतूर, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, नागपुर, पटना, पुणे तथा तिरूवनन्तापुरम में बिक्री हेतु उपलब्ध हैं ।

[संदर्भ : एफएडी/जी-128]

डॉ. आर. के. बजाज, वैज्ञानिक 'एफ' एवं प्रमुख (खाद्य एवं कृषि)

New Delhi, the 9th December, 2011

S.O. 3645.—In pursuance of clause (b) of sub-rule (1) of Rule 7 of the Bureau of Indian Standards Rules, 1987, the Bureau of that Indian Standards hereby notifies that the amendment to the Indian Standards, particulars of which are given in the Schedule hereto annexed have been established on the date indicated against each :

SCHEDULE

Sl. No.	No. and Year of the Indian Standards	No. and Year of the Amendment	Date of which the Amendment shall have effect.
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	IS 5346 : 1994 Synthetic Food Colour—Preparations and Mixtures—Specification (Second revision)	Amendment No. 4 Year 2011	30th November 2011
2.	IS 5982 : 2003 Plantation white sugar—Specification (First revision)	Amendment No. 2 Year 2011	31st August 2011

Copy of this Standards are available for sale with the Bureau of Indian Standards, Manak Bhavan, 9, Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110 002 and Regional Offices : New Delhi, Kolkata, Chandigarh, Chennai, Mumbai and also Branch Offices : Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneshwar, Coimbatore, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Nagpur, Patna, Pune, Thiruvananthapuram.

[Ref: FAD/G-128]

Dr. R. K. BAJAJ, Scientist 'F' and Head (Food & Agri.)

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

नई दिल्ली, 12 दिसम्बर, 2011

का. आ. 3646.—भारत सरकार ने पैट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उप-धारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. आ. 3067, तारीख 13 दिसम्बर, 2010 द्वारा उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में, तमिलनाडु में तिरुतन्नी के पास विजयवाड़ा-नेल्लोर-चेन्नई पाइपलाइन के टर्मिनल प्वाइंट से देश के विभिन्न हिस्सों में उपभोक्ताओं तक प्राकृतिक गैस के परिवहन के लिए मैसर्स रिलोजिस्टिक्स इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड द्वारा चेन्नई-टयूटीकोरिन पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन के लिए अपने आशय की घोषणा की थी;

और, उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियां जनता को तारीख 28 जून, 2011 को अथवा उससे पूर्व उपलब्ध करा दी गई थीं;

और, पाइपलाइन बिछाने के संबंध में जनता की ओर से कोई आक्षेप प्राप्त नहीं हुआ है;

और, सक्षम प्राधिकारी ने, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) के अधीन भारत सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है;

और, भारत सरकार ने, उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात्, और यह समाधान हो जाने पर कि उक्त भूमि पाइपलाइन बिछाने के लिए अपेक्षित है, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन का विनिश्चय किया है;

अत:, अब, भारत सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में पाइपलाइन बिछाने के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाता है;

और, भारत सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार इस घोषणा के प्रकाशन की तारीख से भारत सरकार में निहित होने के बजाए, सभी विल्लंगमों से मुक्त, मैसर्स रिलोजिस्टिक्स इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड, में निहित होगा

अनुसूची

तालुक : निलकोट्टय	जिला :डिन्डिगल	राज्य :तमिलनाडु		
गाँव का नाम	सर्वे सं/सब डिविजन सं·	आर· ओ· यू· अर्जित करने के लिए क्षेत्रफल		
		हेक्टेयर	एयर	सि· एयर
1	2	3	4	5
1) ईट्टिलोड्डु	364/2ए	00	00	10
	364/1	00	04	21
	364/2सी	00	02	99
	364/2डी	00	03	31
	364/2ई	00	04	41
	364/2जी	00	11	09
	364/3	00	00	49
	364/2एफ	00	06	17
	365/1डी	00	01	05
	365/1सी	00	16	94
	365/1ए	00	00	59
	365/1बी	00	00	48
	365/2डी	00	03	12
	365/3ए	00	03	80
	365/2एफ	00	04	49
	365/2ई	00	05	99
	365/2सी	00	03	04
	369/1एच	00	00	42
	369/1डी	00	02	79
	369/1जी	00	17	10
	369/1ई	00	00	14
	369/1एफ	00	15	08
	369/2	00	07	85
	377/3	00	04	85
	377/4	00	05	29
	377/6ए	00	04	40
	377/6सी	00	00	40
	371/3ए	00	15	01
	384/1एफ	00	05	14
	384/1जी	00	04	80
	384/1एच	00	04	65
	384/1आइ	00	01	75
	384/1जे	00	01	73
	384/3ए	00	04	69
	384/3बी	00	09	65
	384/7	00	06	41
	384/10	00	06	10
	399/1सी	00	16	71
	399/1इ	00	00	10
	399/3बी	00	03	33
	399/4बी1	00	03	49
	399/4बी2	00	03	97
	399/5	00	02	24
	400/1	00	03	23

1	2	3	4	5
1) ईट्टिलोडु (निरंतर)	400/2	00	00	47
	400/10	00	04	34
	400/11	00	04	67
	400/12	00	01	30
	400/13	00	01	52
	401/8	00	05	95
	400/14	00	03	05
	400/15	00	02	44
	400/16	00	00	17
	401/9	00	08	49
	401/10	00	08	13
	401/11	00	03	37
	401/12	00	03	30
	401/13	00	11	62
	401/14	00	04	27
	401/17	00	05	17
	409/1वी	00	05	26
	371/5वी	00	01	11
	376/1वी	00	00	27
	376/1सी	00	18	08
	376/2ए	00	01	50
	376/2वी	00	02	63
	376/2डी	00	04	80
	376/2ई	00	02	73
	376/2एफ	00	00	10

[फा सं. एल.-14014/97/2010-जी.पी.]

ए. गोस्वामी, अवर सचिव

MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS

New Delhi, the 12th December, 2011

S. O. 3646.— Whereas by notification of Government of India in Ministry of Petroleum and Natural Gas, number S.O. 3067 dated 13th December,2010 , issued under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), Government of India declared its intention to acquire the Right of User in the land, specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying Chennai – Tuticorin gas pipeline for transportation of natural gas from terminal point of Vijayawada – Nellore - Chennai pipeline near Tiruttani in Tamil Nadu by M/s Relogistics Infrastructure Limited to consumers in various parts of the country ;

And whereas, the copies of the said Gazette notification were made available to the public on or before 28th June, 2011;

And whereas, no objections were received from the public to the laying of the pipeline;

And whereas, the Competent Authority has, under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government of India;

And whereas, Government of India, after considering the said report and on being satisfied that the said land is required for laying the pipeline, has decided to acquire the Right of User therein:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, Government of India hereby declares that the Right of User in the land, specified in the Schedule, appended to this notification, is hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 6 of the said Act, Government of India hereby directs that the Right of User in the said land for laying the pipeline shall, instead of vesting in Government of India, vest on the date of publication of the declaration, in M/s Relogistics Infrastructure Limited, free from all encumbrances

Schedule

Taluk:Nilakottai	District:Dindigul	State:Tamil Nadu		
Village	Survey No./Sub-Division No.	Area to be acquired for RoU		
		Hec	Are	C-Are
1	2	3	4	5
1) Ettilodu	364/2A	00	00	10
	364/1	00	04	21
	364/2C	00	02	99
	364/2D	00	03	31
	364/2E	00	04	41
	364/2G	00	11	09
	364/3	00	00	49
	364/2F	00	06	17
	365/1D	00	01	05
	365/1C	00	16	94
	365/1A	00	00	59
	365/1B	00	00	48
	365/2D	00	03	12
	365/3A	00	03	80
	365/2F	00	04	49
	365/2E	00	05	99
	365/2C	00	03	04
	369/1H	00	00	42
	369/1D	00	02	79
	369/1G	00	17	10
	369/1E	00	00	14
	369/1F	00	15	08
	369/2	00	07	85
	377/3	00	04	85
	377/4	00	05	29
	377/6A	00	04	40
	377/6C	00	00	40
	371/3A	00	15	01
	384/1F	00	05	14
	384/1G	00	04	80
	384/1H	00	04	65
	384/1I	00	01	75
	384/1J	00	01	73
	384/3A	00	04	69
	384/3B	00	09	65
	384/7	00	06	41
	384/10	00	06	10

1	2	3	4	5
) Ettilodu (Contd)	399/1C	00	16	71
	399/1D	00	00	10
	399/3B	00	03	33
	399/4B1	00	03	49
	399/4B2	00	03	97
	399/5	00	02	24
	400/1	00	03	23
	400/2	00	00	47
	400/10	00	04	34
	400/11	00	04	67
	400/12	00	01	30
	400/13	00	01	52
	401/8	00	05	95
	400/14	00	03	05
	400/15	00	02	44
	400/16	00	00	17
	401/9	00	08	49
	401/10	00	08	13
	401/11	00	03	37
	401/12	00	03	30
	401/13	00	11	62
	401/14	00	04	27
	401/17	00	05	17
	409/1B	00	05	26
	371/5B	00	01	11
	376/1B	00	00	27
	376/1C	00	18	08
	376/2A	00	01	50
	376/2B	00	02	63
	376/2D	00	04	80
	376/2E	00	02	73
	376/2F	00	00	10

[F. No. L-14014/97/2010-G.P.]

A. GOSWAMI, Under Secy.

नई दिल्ली, 12 दिसम्बर, 2011

का. आ. 3647.—भारत सरकार को लोकहित में यह आवश्यक प्रतीत होता है कि तमिलनाडु में तिरूत्तन्नी के पास विजयवाडा-नैल्लोर-चैन्नई पाइपलाइन के टर्मिनल प्वाइंट से देश के विभिन्न हिस्सों में उपभोक्ताओं तक प्राकृतिक गैस के परिवहन के लिए मैसर्स रिलोजिसटिक्स इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड द्वारा चैन्नई-टयूटीकोरिन पाइपलाइन विछाई जानी चाहिए;

और, भारत सरकार को उक्त पाइपलाइन विछाने के प्रयोजन के लिए यह आवश्यक प्रतीत होता है कि उस भूमि में, जिसके भीतर उक्त पाइपलाइन विछाई जाने का प्रस्ताव है और जो इस अधिसूचना से उपावद्ध अनुसूची में वर्णित है, उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए;

अतः, अव, भारत सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उनमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है;

कोई व्यक्ति, जो उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितवद्ध है, उस तारीख से जिसको उक्त अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई अधिसूचना की प्रतियां साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं, इक्कीस दिन के भीतर भूमि के नीचे पाइपलाइन विछाई जाने के लिए उपयोग के अधिकार के अर्जन के संबंध में श्री वी. वेंकटसुब्बु, सक्षम प्राधिकारी, रिलोजिसटिक्स इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड, नं. 89, डॉ. राधाकृष्णन सलाई, छठवीं मंजिल, मैलापुर, चैन्नई - 600004, तमिलनाडु राज्य को लिखित रुप में आक्षेप भेज सकेगा।

अनुसूची

तालुक : अरक्कोणम	जिला : वेल्लोर	राज्य : तमिलनाडु		
गाँव का नाम	सर्वे सं./ सब डिविजन सं.	आर.ओ.यू. अर्जित करने के लिए क्षेत्रफल		
		हेक्टेयर	एयर	सि.एयर
1	2	3	4	5
1) पेरून्गलातुर	613	00	24	70
	612	00	31	58
	605	00	03	78
	603	00	31	07
	606	00	05	78
	602	00	29	60
	601	00	01	02
	600	00	35	53
	598	00	02	37
	577	00	10	04
	576	00	46	06
	552	00	01	29
	553	00	15	37
	554	01	04	95
	556	00	53	38
	सर्वे न. 541 में रास्ता	00	09	83
	538	00	30	88
	537	00	07	84
	531	00	50	79
	532	00	03	93
	529	00	34	13
	198/5डी	00	16	01
	198/5ई	00	06	38
	197	00	08	92
	196	00	82	02
	201/3बी	00	00	46
	195	00	37	52
	202	00	07	36
	203/1	00	10	12
	203/2	00	00	44
	230	00	11	11
	204	00	00	36
	222	00	52	11
	220	00	54	78
	219	00	06	36
	218	00	55	81
	214	00	42	32

1	2	3	4	5
1) पेरून्नालात्तुर (निरंतर)	212	00	56	19
	101/5	00	19	62
	101/10	00	00	94
	95/3	00	06	43
	96/1	00	02	76
	96/2	00	19	41
	96/3ए	00	04	92
	96/3वी	00	22	53
	96/3सी	00	04	34
	96/4वी	00	05	41
	96/4सी	00	14	48
	96/4डी	00	00	30
	96/4ई	00	10	51
	96/4एफ	00	05	72
	96/4जी	00	22	51
	96/5	00	09	60
	89/1ए	00	04	31
	89/1सी	00	02	38
	93/2	00	12	81
	92	00	29	25
	91	00	16	05
2) किलन्दुर	2	00	31	95
	4	00	21	85
	3	00	26	81
	सर्वे न. 11 में नदी	00	39	35
	37	00	02	08
	36/1	00	17	14
	36/2	00	00	78
	36/3ए	00	03	82
	34/1	00	00	10
	34/2ए	00	06	54
	34/3	00	09	59
	34/6	00	02	21
	33	00	16	24
	50/3	00	02	95
	50/2वी	00	13	10
	50/5ए	00	00	10
	50/5वी	00	01	13
	50/5सी	00	01	61
	50/5डी	00	03	35
	51/1	00	02	45

1	2	3	4	5
2) किलन्दुर (निरंतर)	51/2	00	01	38
	51/3	00	08	55
	55	00	16	55
	सर्वे न. 181 में चैनल	00	05	61
	180	00	02	62
	179	00	06	99
	182	00	00	16
	178	00	18	15
	177	00	64	94
	186	00	42	34
	208	00	19	11
	209	00	28	24
	226	00	25	12
	225	00	09	78
	227	00	01	30
	239	00	30	24
	228	00	01	98
	238	00	06	47
	237	00	18	58
	264	00	33	70
	262	00	26	69
	263	00	00	67
	261	00	24	77
	259	00	17	14
	255	00	10	82
	302	00	43	37
	317	00	18	05
	316	00	02	68
	318	00	52	99
	319	00	68	14
	320	00	07	24
तालुक : तिरूक्कोयलुर	जिला : विल्लुपुरम	राज्य :तमिलनाडु		
1) कांगियानुर	3	00	01	41
तालुक : तिरूतनी	जिला : तिरूवल्लुर	राज्य : तमिलनाडु		
1) अरूणगोलम	378/2बी	00	02	15
	378/2सी	00	03	87
	378/2ए	00	29	69
	378/3	00	25	58
	378/2एफ	00	27	89
	379/1ए	00	20	89
	379/1बी	00	20	01
	379/2	00	09	48
	379/3	00	27	46

1	2	3	4	5
1) अरूणगोलम (निरंतर)	379/4	00	10	16
	380/2	00	02	57
	380/3	00	14	75
	12/1	00	14	86
	380/6	00	10	04
	12/2	00	00	89
	12/10	00	19	27
	12/11	00	06	46
	12/13	00	02	60
	17/3	00	00	93
	12/14	00	05	62
	12/15	00	11	58
	421/2	00	00	10
	421/3	00	04	54
	421/4	00	13	66
	421/5	00	13	54
	421/6वी	00	09	13
	421/9ए	00	00	26
	421/8	00	15	87
	421/7	00	00	99
	421/9वी	00	13	36
	421/10	00	02	44
	423/3ए	00	11	76
	423/3वी	00	05	49
	423/10ए	00	08	15
	423/4	00	00	75
	423/10वी	00	03	25
	423/9	00	14	87
	423/11	00	06	07
	423/12	00	10	94
	85/8	00	12	04
	424/2	00	16	59
	424/1	00	10	94
	424/4	00	04	65
	424/5	00	13	88
	438/1	00	12	22
	438/3	00	00	15
	438/8	00	07	65
	439/3	00	04	26
	439/4	00	12	08
	439/5	00	11	30
	सर्वे न. 19 में रास्ता	00	08	27
	409/1	00	31	12
	409/6	00	24	70
	409/5	00	20	02
	410/7	00	00	29

1	2	3	4	5
1) अरूणगोलम (निरंतर)	410/6	00	50	70
	410/5ए	00	00	24
	410/5बी	00	14	12
	408	00	10	80
	411/5	00	30	20
	411/6	00	30	89
	33/2ए	00	05	31
	33/2बी	00	19	59
	33/2ई	00	00	22
	33/7	00	09	62
	412	00	12	42
	413/4	00	01	00
	413/3	00	27	54
	413/6	00	03	29
	413/7	00	16	18
	414	00	62	48
	30/3बी	00	15	61
	30/4	00	05	88
2) तलावेडु	249/1	00	07	42
	249/10	00	19	41
	260/2सी	00	02	74
	260/2एफ	00	01	91
	260/2जी	00	01	31
	260/2जे	00	01	29

[फा सं. एल.-14014/52/2011-जी.पी.]

ए. गोस्वामी, अवर सचिव

New Delhi, the 12th December, 2011

S. O. 3647.— Whereas it appears to Government of India that it is necessary in public interest that for transportation of natural gas from terminal point of Vijayawada – Nellore – Chennai pipeline near Tiruttani in TamilNadu to consumers in various parts of the country, Chennai - Tuticorin pipeline should be laid by M/s Relogistics Infrastructure Limited;

And, whereas, it appears to Government of India that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the Right of User in land under which the said pipeline is proposed to be laid and which are described in the Schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), Government of India hereby declares its intention to acquire the Right of User therein;

Any person interested in the land described in the said Schedule may, within twenty-one days from the date on which the copies of this notification as published in the Gazette of India under sub-section (1) of Section 3 of the said Act, are made available to the general public, object in writing to the acquisition of the Right of User therein for laying the pipeline under the land to Shri V.Venkatasubbu, Competent Authority, Relogistics Infrastructure Limited, No. 89, Dr. RadhaKrishnan Salai, 6th Floor, Mylapore, Chennai - 600004, Tamil Nadu State.

Schedule

Taluk: Arakkonam	District: Vellore	State: Tamil Nadu		
Village	Survey No./Sub-Division No.	Area to be acquired for RoU		
		Hec.	Are	C-Are
1	2	3	4	5
i) Perungalathur	613	00	24	70
	612	00	31	58
	605	00	03	78
	603	00	31	07
	606	00	05	78
	602	00	29	60
	601	00	01	02
	600	00	35	53
	598	00	02	37
	577	00	10	04
	576	00	46	06
	552	00	01	29
	553	00	15	37
	554	01	04	95
	556	00	53	38
	Road in Survey No.541	00	09	83
	538	00	30	88
	537	00	07	84
	531	00	50	79
	532	00	03	93
	529	00	34	13
	198/5D	00	16	01
	198/5E	00	06	38
	197	00	08	92
	196	00	82	02
	201/3B	00	00	46
	195	00	37	52
	202	00	07	36
	203/1	00	10	12
	203/2	00	00	44
	230	00	11	11
	204	00	00	36
	222	00	52	11
	220	00	54	78
	219	00	06	36
	218	00	55	81
	214	00	42	32

1	2	3	4	5
1) Perungalathur (Contd)	212	00	56	19
	101/5	00	19	62
	101/10	00	00	94
	95/3	00	06	43
	96/1	00	02	76
	96/2	00	19	41
	96/3A	00	04	92
	96/3B	00	22	53
	96/3C	00	04	34
	96/4B	00	05	41
	96/4C	00	14	48
	96/4D	00	00	30
	96/4E	00	10	51
	96/4F	00	05	72
	96/4G	00	22	51
	96/5	00	09	60
	89/1A	00	04	31
	89/1C	00	02	38
	93/2	00	12	81
	92	00	29	25
	91	00	16	05
2) Kilandur	2	00	31	95
	4	00	21	85
	3	00	26	81
	River in Survey No.11	00	39	35
	37	00	02	08
	36/1	00	17	14
	36/2	00	00	78
	36/3A	00	03	82
	34/1	00	00	10
	34/2A	00	06	54
	34/3	00	09	59
	34/6	00	02	21
	33	00	16	24
	50/3	00	02	95
	50/2B	00	13	10
	50/5A	00	00	10
	50/5B	00	01	13
	50/5C	00	01	61
	50/5D	00	03	35
	51/1	00	02	45

1	2	3	4	5
2) Kilandur (Contd)	51/2	00	01	38
	51/3	00	08	55
	55	00	16	55
	Channel in Survey No.181	00	05	61
	180	00	02	62
	179	00	06	99
	182	00	00	16
	178	00	18	15
	177	00	64	94
	186	00	42	34
	208	00	19	11
	209	00	28	24
	226	00	25	12
	225	00	09	78
	227	00	01	30
	239	00	30	24
	228	00	01	98
	238	00	06	47
	237	00	18	58
	264	00	33	70
	262	00	26	69
	263	00	00	67
	261	00	24	77
	259	00	17	14
	255	00	10	82
	302	00	43	37
	317	00	18	05
	316	00	02	68
	318	00	52	99
	319	00	68	14
	320	00	07	24
Taluk: Tirukkoyilur	**District: Villupuram**	**State: Tamil Nadu**		
1) Kangiyanur	3	00	01	41
Taluk: Tiruttani	**District: Thiruvallur**	**State: Tamil Nadu**		
1) Arungolam	378 2B	00	02	15
	378 2C	00	03	87
	378 2A	00	29	69
	378 3	00	25	58
	378 2F	00	27	89
	379 1A	00	20	89
	379 1B	00	20	01
	379 2	00	09	48
	379 3	00	27	46

1	2	3	4	5
1) Arungolam (Contd)	379/4	00	10	16
	380/2	00	02	57
	380/3	00	14	75
	12/1	00	14	86
	380/6	00	10	04
	12/2	00	00	89
	12/10	00	19	27
	12/11	00	06	46
	12/13	00	02	60
	17/3	00	00	93
	12/14	00	05	62
	12/15	00	11	58
	421/2	00	00	10
	421/3	00	04	54
	421/4	00	13	66
	421/5	00	13	54
	421/6B	00	09	13
	421/9A	00	00	26
	421/8	00	15	87
	421/7	00	00	99
	421/9B	00	13	36
	421/10	00	02	44
	423/3A	00	11	76
	423/3B	00	05	49
	423/10A	00	08	15
	423/4	00	00	75
	423/10B	00	03	25
	423/9	00	14	87
	423/11	00	06	07
	423/12	00	10	94
	85/8	00	12	04
	424/2	00	16	59
	424/1	00	10	94
	424/4	00	04	65
	424/5	00	13	88
	438/1	00	12	22
	438/3	00	00	15
	438/8	00	07	65
	439/3	00	04	26
	439/4	00	12	08
	439/5	00	11	30
	Road in Survey No.19	00	08	27
	409/1	00	31	12
	409/6	00	24	70
	409/5	00	20	02
	410/7	00	00	29
	410/6	00	50	70
	410/5A	00	00	24
	410/5B	00	14	12
	408	00	10	80
	411/5	00	30	20

1	2	3	4	5
1) Arungolam (Contd)	411/6	00	30	89
	33/2A	00	05	31
	33/2B	00	19	59
	33/2E	00	00	22
	33/7	00	09	62
	412	00	12	42
	413/4	00	01	00
	413/3	00	27	54
	413/6	00	03	29
	413/7	00	16	18
	414	00	62	48
	30/3B	00	15	61
	30/4	00	05	88
2) Thalavedu	249/1	00	07	42
	249/10	00	19	41
	260/2C	00	02	74
	260/2F	00	01	91
	260/2G	00	01	31
	260/2J	00	01	29

[F. No. L-14014/52/2011-GP.]

A. GOSWAMI, Under Secy.

नई दिल्ली, 13 दिसम्बर, 2011

का. आ. 3648.—भारत सरकार ने, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उप-धारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 3066 तारीख 13 दिसंबर, 2010 द्वारा उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में, तमिलनाडु में तिरुत्तनी के पास विजयवाड़ा – नेल्लुर - चेन्नई पाइपलाइन के टर्मिनल प्वाइंट से देश के विभिन्न हिस्सों में उपभोक्ताओं तक प्राकृतिक गैस के परिवहन के लिए मैसर्स रिलायंस गैस ट्रांसपोर्टेशन इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड द्वारा चेन्नई - टयूटीकोरिन पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा की थी ;

और, उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियाँ जनता को तारीख 09 जून, 2011 को अथवा उससे पूर्व उपलब्ध करा दी गई थीं ;

और, पाइपलाइन बिछाने के संबंध में, जनता की ओर से प्राप्त आक्षेपों पर सक्षम प्राधिकारी द्वारा विचार कर लिया गया है और अननुज्ञात कर दिया गया ;

और, सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) के अधीन भारत सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है ;

और, भारत सरकार ने, उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् और यह संतुष्ट हो जाने पर कि उक्त भूमि पाइपलाइन बिछाने के लिए अपेक्षित है, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने का विनिश्चय किया है ;

अतः, अब, भारत सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में पाइपलाइन बिछाने के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाता है ;

और, भारत सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार इस घोषणा के प्रकाशन की तारीख से भारत सरकार में निहित होने के बजाए, सभी विल्लंगमों से मुक्त, मैसर्स रिलोजिसटिक्स इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड में निहित होगा ।

अनुसूची

तालुक : आलुर	जिला :सेलम	राज्य :तमिलनाडु		
गाँव का नाम	सर्वे सं/सब डिविजन सं-	आर.ओ.यू.अर्जित करने के लिए क्षेत्रफल		
		हेक्टेयर	एयर	सि.एयर
1	2	3	4	5
1) मलियकगय	57/2	00	04	86
	57/1	00	00	46
	57/3	00	01	90
	58	00	40	93
	59/2	00	32	43
	302/1	00	40	02
	301/5	00	16	18
	301/4	00	07	66
	63/3	00	25	87
	63/2	00	30	30
	287/6	00	00	73
	287/5	00	26	43
	284/1	00	13	60
	89	00	02	00
	283/1	00	39	10
	283/2	00	00	13
	283/3	00	09	39
	282/3	00	07	85
	297/3	00	00	62
	286/14	00	02	88
	286/15	00	00	60
	286/16	00	01	16
	286/17	00	03	61
	285/17	00	01	97
	285/18	00	15	76

New Delhi, the 13th December, 2011

S. O. 3648.—Whereas by notification of Government of India in Ministry of Petroleum and Natural Gas, number S.O. 3066 dated 13[th] December,2010 , issued under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), Government of India declared its intention to acquire the Right of User in the land, specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying Chennai – Tuticorin gas pipeline for transportation of natural gas from terminal point of Vijayawada – Nellore - Chennai pipeline near Tiruttani in Tamil Nadu by M/s Relogistics Infrastructure Limited to consumers in various parts of the country ;

And whereas, the copies of the said Gazette notification were made available to the public on or before 09th June, 2011;

And whereas, the objections received from the public to the laying of the pipeline have been considered and disallowed by the Competent Authority;

And whereas, the Competent Authority has, under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government of India;

And whereas, Government of India, after considering the said report and on being satisfied that the said land is required for laying the pipeline, has decided to acquire the Right of User therein;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, Government of India hereby declares that the Right of User in the land, specified in the Schedule, appended to this notification, is hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 6 of the said Act, Government of India hereby directs that the Right of User in the said land for laying the pipeline shall, instead of vesting in Government of India, vest on the date of publication of the declaration, in M/s Relogistics Infrastructure Limited, free from all encumbrances

Schedule

Taluk:Attur	District:Salem	State:Tamil Nadu		
Village	Survey No./Sub-Division No.	Area to be acquired for RoU		
		Hec	Are	C-Are
1	2	3	4	5
(1) Malliyakarai	57/2	00	04	86
	57/1	00	00	46
	57/3	00	01	90
	58	00	40	93
	59/2	00	32	43
	302/1	00	40	02
	301/5	00	16	18
	301/4	00	07	66
	63/3	00	25	87
	63/2	00	30	30
	287/6	00	00	73
	287/5	00	26	43
	284/1	00	13	60
	89	00	02	00

1	2	3	4	5
	283/1	00	39	10
	283/2	00	00	13
	283/3	00	09	39
	282/3	00	07	85
	297/3	00	00	62
	286/14	00	02	88
	286/15	00	00	60
	286/16	00	01	16
	286/17	00	03	61
	285/17	00	01	97
	285/18	00	15	76

[F. No. L-14014/91/2010-GP.]

A. GOSWAMI, Under Secy.

नई दिल्ली, 13 दिसम्बर, 2011

का. आ. 3649.—भारत सरकार ने, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उप-धारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 3066 तारीख 13 दिसंबर, 2010 द्वारा उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में, तमिलनाडु में तिरूतन्नी के पास विजयवाडा – नैलुर - चैन्नई पाइपलाइन के टर्मिनल प्वाइंट से देश के विभिन्न हिस्सों में उपभोक्ताओं तक प्राकतिक गैस के परिवहन के लिए मैसर्स रिलोजिसटिक्स इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड द्वारा चैन्नई - टयूटीकोरिन पाइपलाइन विछाने के प्रयोजन के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा की थीं ;

और, उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियाँ जनता को तारीख 25 मई, 2011 को अथवा उससे पूर्व उपलब्ध करा दी गई थीं ;

और, पाइपलाइन बिछाने के संबंध में, जनता की ओर से प्राप्त आक्षेपों पर सक्षम प्राधिकारी द्वारा विचार कर लिया गया है और अनुज्ञात कर दिया गया ;

और, सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) के अधीन भारत सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है ;

और, भारत सरकार ने, उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् और यह संतुष्ट हो जाने पर कि उक्त भूमि पाइपलाइन विछाने के लिए अपेक्षित है, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने का विनिश्चिय किया है ;

अतः, अब, भारत सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में पाइपलाइन विछाने के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाता है ;

और, भारत सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार इस घोषणा के प्रकाशन की तारीख से भारत सरकार में निहित होने के बजाए, सभी विल्लंगमों से मुक्त, मैसर्स रिलोजिसटिक्स इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड में निहित होगा ।

अनुसूची

तालुक : रासिपुरम	जिला : नमक्कल	राज्य : तमिलनाडु		
गाँव का नाम	सर्वे सं/सब डिविजन सं.	आर.ओ.यू. अर्जित करने के लिए क्षेत्रफल		
		हेक्टेयर	एयर	सि.एयर
1	2	3	4	5
1) मुलापल्लिपटी	127/2ए	00	65	73
	127/2बी	00	01	74
	125/2ए1	00	05	34
	125/3	00	18	38
	125/2ए2	00	00	74
2) नामगिरिपेटय	252/2ए	00	02	31
	252/2बी	00	40	12
	305	00	02	46
	250/4	00	37	25
	250/3	00	31	08
	303/2	00	01	38
	298/2ए	00	05	06
	298/3ए	00	00	10
	249/3	00	35	92
	248/1ए1	00	19	06
	248/1ए2	00	29	30
	247/2	00	06	80
	248/1बी	00	16	85
	247/2ए8	00	01	69
	248/2	00	07	60
	247/2सी	00	14	88
	245/1सी	00	17	01
	245/2सी	00	12	02
	245/3बी	00	10	16
	256/1बी	00	40	99
	256/1ए	00	18	06
	256/2	00	01	54
	256/3	00	00	32
	255/2ए	00	00	10
	255/2डी	00	24	19
	255/2सी	00	23	19
	289/3	00	20	52
	289/7	00	00	48
	289/6	00	10	98
	289/8	00	28	19
	289/12ए	00	02	72
	289/11	00	03	72

1	2	3	4	5
2) [illegible] (निरंतर)	275/6डी	00	03	40
	275/6सी	00	02	50
	275/6ए	00	17	81
	275/5	00	29	59
	267/2इ	00	18	72
	267/2डी	00	42	53
	267/2सी	00	13	65
	276/1ए2	00	10	82
	276/1ए1	00	02	06
	273/3इ	00	01	21
	273/2	00	43	96
	271/1बी2	00	24	67
	271/1बी4	00	33	83
	273/3ए	00	07	38
	273/3बी	00	02	03
	2761बी1	00	00	10

[फा सं. एल.-14014/91/2010-जी.पी.]

ए. गोस्वामी, अवर सचिव

New Delhi, the 13th December, 2011

S. O. 3649.—Whereas by notification of Government of India in Ministry of Petroleum and Natural Gas, number S.O. 3066 dated 13th December,2010 , issued under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), Government of India declared its intention to acquire the Right of User in the land, specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying Chennai – Tuticorin gas pipeline for transportation of natural gas from terminal point of Vijayawada – Nellore - Chennai pipeline near Tiruttani in Tamil Nadu by M/s Relogistics Infrastructure Limited to consumers in various parts of the country ;

And whereas, the copies of the said Gazette notification were made available to the public on or before 25th May, 2011;

And whereas, the objections received from the public to the laying of the pipeline have been considered and disallowed by the Competent Authority;

And whereas, the Competent Authority has, under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government of India;

And whereas, Government of India, after considering the said report and on being satisfied that the said land is required for laying the pipeline, has decided to acquire the Right of User therein;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, Government of India hereby declares that the Right of User in the land, specified in the Schedule, appended to this notification, is hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 6 of the said Act, Government of India hereby directs that the Right of User in the said land for laying the pipeline shall, instead of vesting in Government of India, vest on the date of publication of the declaration, in M/s Relogistics Infrastructure Limited, free from all encumbrances

Schedule

Taluk:Rasipuram	District:Namakkal	State:Tamil Nadu		
Village	Survey No./Sub-Division No.	Area to be acquired for ROU		
		Hec	Are	C-Are
1	2	3	4	5
1) Mulaipallipatti	127/2A	00	65	73
	127/2B	00	01	74
	125/2A1	00	05	34
	125/3	00	18	38
	125/2A2	00	00	74
2) Namagiripettai	252/2A	00	02	31
	252/2B	00	40	12
	305	00	02	46
	250/4	00	37	25
	250/3	00	31	08
	303/2	00	01	38
	298/2A	00	05	06
	298/3A	00	00	10
	249/3	00	35	92
	248/1A1	00	19	06
	248/1A2	00	29	30
	247/2	00	06	80
	248/1B	00	16	85
	247/2A8	00	01	69
	248/2	00	07	60
	247/2C	00	14	88
	245/1C	00	17	01
	245/2C	00	12	02
	245/3B	00	10	16
	256/1B	00	40	99
	256/1A	00	18	06
	256/2	00	01	54
	256/3	00	00	32
	255/2A	00	00	10
	255/2D	00	24	19
	255/2C	00	23	19
	289/3	00	20	52
	289/7	00	00	48
	289/6	00	10	98
	289/8	00	28	19
	289/12A	00	02	72
	289/11	00	03	72

1	2	3	4	5
2) Namagiripettai (Contd)	275/6D	00	03	40
	275/6C	00	02	50
	275/6A	00	17	81
	275/5	00	29	59
	267/2E	00	18	72
	267/2D	00	42	53
	267/2C	00	13	65
	276/1A2	00	10	82
	276/1A1	00	02	06
	273/3E	00	01	21
	273/2	00	43	96
	271/1B2	00	24	67
	271/1B4	00	33	83
	273/3A	00	07	38
	273/3B	00	02	03
	276/1B1	00	00	10

[F. No. L-14014/91/2010-G.P.]

A. GOSWAMI, Under Secy.

नई दिल्ली, 15 दिसम्बर, 2011

का. आ. 3650.—भारत सरकार ने, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उप-धारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 3068 तारीख 13 दिसम्बर, 2010 द्वारा उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में, तमिलनाडु में तिरूवन्नी के पास विजयवाडा – नैलुर - चैन्नई पाइपलाइन के टर्मिनल प्वाइंट से देश के विभिन्न हिस्सों में उपभोक्ताओं तक प्राकृतिक गैस के परिवहन के लिए मैसर्स रिलोजिसटिक्स इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड द्वारा चैन्नई - टयूटीकोरिन पाइपलाइन बिछाने के प्रायोजन के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा की थीं ;

और, उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियॉं जनता को तारीख 15 सितम्बर, 2011 को अथवा उससे पूर्व उपलब्ध करा दी गई थीं ;

और, पाइपलाइन बिछाने के संबंध में जनता की ओर से कोई आक्षेप प्राप्त नहीं हुआ है ;

और, सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) के अधीन भारत सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है;

अत:, भारत सरकार ने, उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् और यह संतुष्ट हो जाने पर कि उक्त भूमि पाइपलाइन बिछाने के लिए अपेक्षित है, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने का विनिश्चिय किया है ;

अत:, अब, भारत सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए , यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में पाइपलाइन बिछाने के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाता है ;

और, भारत सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार इस घोषणा के प्रकाशन की तारीख से भारत सरकार में निहित होने के बजाए, सभी विल्लंगमों से मुक्त, मैसर्स रिलोजिसटिक्स इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड में निहित होगा ।

अनुसूची

तालुक : तिरूमंगलम	जिला :मदुरै	राज्य :तमिलनाडु		
गाँव का नाम	सर्वे सं/सब डिविजन सं·	आर-ओ·यू·अर्जित करने के लिए क्षेत्रफल		
		हेक्टेयर	एयर	सि·एयर
1	2	3	4	5
1) जोस्याग आलन्गुलम	56/2ए	00	01	09
	56/2बी	00	25	29
	56/6	00	07	84
	56/10	00	11	60
	56/11	00	16	38
	57/15	00	20	67
	57/14	00	00	10
	57/16ए	00	17	92
	57/16बी	00	04	12
	59/1	00	12	65
	59/2	00	30	47
	45/7	00	01	83
	59/3ए	00	04	03
	59/3बी	00	02	58
	59/3सी	00	03	67
	64/6ए	00	04	12
	64/4	00	29	96
	64/3ए	00	00	83
	64/3बी	00	02	71
	64/3सी	00	04	98
	69/1	00	08	96
	44	00	00	64
	69/14ए	00	13	61
	69/14बी	00	11	25
	69/12ए	00	08	62
	69/12सी	00	14	68
	41/5	00	08	94
	41/4सी	00	13	48
	41/4डी	00	08	13
	40/11	00	25	51
	70/1ए	00	05	33
2) कन्नुकुलम	72/1सी	00	50	13
	71/8सी1	00	18	68
	84/2ए3	00	02	26
	71/1ए	00	00	70

[फा सं. एल.-14014/98/2010-जी.पी.]

ए. गोस्वामी, अवर सचिव

New Delhi, the 15th December, 2011

S. O. 3650.—Whereas by notification of Government of India in Ministry of Petroleum and Natural Gas, number S.O. 3068 dated 13th December,2010 , issued under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), Government of India declared its intention to acquire the Right of User in the land, specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying Chennai – Tuticorin gas pipeline for transportation of natural gas from terminal point of Vijayawada – Nellore - Chennai pipeline near Tiruttani in Tamil Nadu by M/s Relogistics Infrastructure Limited to consumers in various parts of the country ;

And whereas, the copies of the said Gazette notification were made available to the public on or before 15th September, 2011;

And whereas, no objections were received from the public to the laying of the pipeline;

And whereas, the Competent Authority has, under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government of India;

And whereas, Government of India, after considering the said report and on being satisfied that the said land is required for laying the pipeline, has decided to acquire the Right of User therein;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, Government of India hereby declares that the Right of User in the land, specified in the Schedule, appended to this notification, is hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 6 of the said Act, Government of India hereby directs that the Right of User in the said land for laying the pipeline shall, instead of vesting in Government of India, vest on the date of publication of the declaration, in M/s Relogistics Infrastructure Limited, free from all encumbrances.

Schedule

Taluk:Tirumangalam	District:Madurai	State:Tamil Nadu		
Village	Survey No./Sub-Division No.	Area to be acquired for RoU		
		Hec	Are	C-Are
1	2	3	4	5
1) Josyar Alangulam	56/2A	00	01	09
	56/2B	00	25	29
	56/6	00	07	84
	56/10	00	11	60
	56/11	00	16	38
	57/15	00	20	67
	57/14	00	00	10
	57/16A	00	17	92
	57/16B	00	04	12
	59/1	00	12	65
	59/2	00	30	47
	45/7	00	01	83
	59/3A	00	04	03
	59/3B	00	02	58
	59/3C	00	03	67
	64/6A	00	04	12

1	2	3	4	5
1) Josyula Alangulam (contd.)	64/4	00	29	96
	64/3A	00	00	83
	64/3B	00	02	71
	64/3C	00	04	98
	69/1	00	08	96
	44	00	00	64
	69/14A	00	13	61
	69/14F	00	11	25
	69/12A	00	08	62
	69/12C	00	14	68
	41/5	00	08	94
	41/4C	00	13	48
	41/4D	00	08	13
	40/11	00	25	51
	70/1A	00	05	33
2) Kannukulam	72/1C	00	50	13
	71/8C1	00	18	68
2) Kannukulam (Contd)	84/2A3	00	02	26
	71/1A	00	00	30

[F. No. L-14014/98/2010-GP.]

A. GOSWAMI, Under Secy.

नई दिल्ली, 15 दिसम्बर, 2011

का. आ. 3651.—भारत सरकार ने, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उप-धारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 3069 तारीख 13 दिसंबर, 2010 द्वारा उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में, तमिलनाडु में तिरूतन्नी के पास विजयवाडा – नैलुर - चैन्नई पाइपलाइन के टर्मिनल प्वाइंट से देश के विभिन्न हिस्सों में उपभोक्ताओं तक प्राकृतिक गैस के परिवहन के लिए मैसर्स रिलायंस गैस ट्रांसपोर्टेशन इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड द्वारा चैन्नई - टयूटीकोरिन पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा की थी ;

और, उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियाँ जनता को तारीख 30 मई, 2011 को अथवा उससे पूर्व उपलब्ध करा दी गई थीं ;

और, पाइपलाइन बिछाने के संबंध में जनता की ओर से कोई आक्षेप प्राप्त नहीं हुआ है ;

और, सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) के अधीन भारत सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है ;

और, भारत सरकार ने, उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् और यह संतुष्ट हो जाने पर कि उक्त भूमि पाइपलाइन बिछाने के लिए अपेक्षित है, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने का विनिश्चिय किया है ;

अतः, अब, भारत सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में पाइपलाइन बिछाने के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाता है ;

और, भारत सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार इस घोषणा के प्रकाशन की तारीख से भारत सरकार में निहित होने के बजाए, सभी विल्लंगमों से मुक्त, मैसर्स रिलायंस गैस ट्रांसपोर्टेशन इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड में निहित होगा ।

अनुसूची

तालुक : करूर	जिला :करूर	राज्य :तमिलनाडु		
गाँव का नाम	सर्वे सं/सब डिविजन सं.	आर.ओ.यू. अर्जित करने के लिए क्षेत्रफल		
		हेक्टेयर्	एयर	सि.एयर
1	2	3	4	5
1) पुलियुर	1894	00	00	15
	1857/1	00	13	63
	1857/2	00	07	23
	1858/3	00	04	96
	1858/5	00	15	94

[फा सं. एल.-14014/98/2010-जी.पी.]

ए. गोस्वामी, अवर सचिव

New Delhi, the 15th December, 2011

S. O. 3651.—Whereas by notification of Government of India in Ministry of Petroleum and Natural Gas, number S.O. 3069 dated 13th December,2010 , issued under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), Government of India declared its intention to acquire the Right of User in the land, specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying Chennai – Tuticorin gas pipeline for transportation of natural gas from terminal point of Vijayawada – Nellore - Chennai pipeline near Tiruttani in Tamil Nadu by M/s Relogistics Infrastructure Limited to consumers in various parts of the country ;

And whereas, the copies of the said Gazette notification were made available to the public on or before 30th May, 2011;

And whereas, no objections were received from the public to the laying of the pipeline;

And whereas, the Competent Authority has, under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government of India;

And whereas, Government of India, after considering the said report and on being satisfied that the said land is required for laying the pipeline, has decided to acquire the Right of User therein;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, Government of India hereby declares that the Right of User in the land, specified in the Schedule, appended to this notification, is hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 6 of the said Act, Government of India hereby directs that the Right of User in the said land for laying the pipeline shall, instead of vesting in Government of India, vest on the date of publication of the declaration, in M/s Relogistics Infrastructure Limited, free from all encumbrances

Schedule

Taluk:Karur	District:Karur	State:Tamil Nadu		
Village	Survey No./Sub-Division No.	Area to be acquired for RoU		
		Hec	Are	C-Are
1	2	3	4	5
1) Puliyur	1894	00	00	15
	1857/1	00	13	63
	1857/2	00	07	23
	1858/3	00	04	96
	1858/5	00	15	94

[F. No. L-14014/98/2010-GP.]

A. GOSWAMI, Under Secy.

श्रम एवं रोज़गार मंत्रालय

नई दिल्ली, 18 नवम्बर, 2011

का॰ आ॰ 3652.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार डेल्टा एयरलाईन्स एवं के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में ***केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण सं॰-1,*** मुम्बई -के पंचाट [***संदर्भ संख्या 01/09/2007***] को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 18/11/2011 को प्राप्त हुआ था।

[सं॰ एल-11012/05/2007-आई आर(सी-I)]
डी॰एस॰एस॰ श्रीनिवास राव, डेस्क अधिकारी

MINISTRY OF LABOUR AND EMPLOYMENT

New Delhi, the18th November, 2011

S.O. 3652.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award ***(Ref. No. 10-09-2007)*** of the ***Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court-1, Mumbai,*** as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of ***M/s. Delta Airlines,*** and their workman, which was received by the Central Government on 18.11.2011.

[No. L-11012/05/2007-IR(C-I)]
D.S.S. SRINIVASA RAO, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1

MUMBAI

JUSTICE G.S. SARRAF

Presiding Officer

REFERENCE NO. CGIT-1/9 OF 2007

Parties: Employers in relation to the management of

Delta Airlines

And

Their Workman (Vinita A. Fernandes)

Appearances:

For the Management	:	Shri Sharoff, Adv.
For the Workman	:	Shri Mohan Bir Singh, Adv.
State	:	Maharashtra

Mumbai, dated the 20th day of October 2011.

AWARD

1. In exercise of powers conferred under clause (d) of sub section (1) and sub-section (2A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act 1947 the Central Government has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal.

> Whether the action of the management of Delta Airlines Inc. Mumbai in separating Ms. Vinita Alvares Fernandes from the service w.e.f. 31.5.2006 is due to resignation or illegal termination, and if the services were terminated, is it justified and legal? If not, to (what) relief is the workman entitled?

2. According to the statement of claim submitted by the second party workman she joined Pan American World Airways (PANAM) as an Air Hostess in or around December 1985 and after completion of the initial training she was employed as such from 1.4.1986. In or about 1991 PANAM was taken over by Delta Airlines and all the employees of PANAM based at Mumbai were transferred to Delta Airlines on the same terms and conditions as were applicable to them at the time of take over of PANAM by Delta Airlines. The applicant was in continuous service of Delta Airlines as an Air Hostess till her illegal removal. The terms and conditions of service of an Air Hostess of Delta Airlines based in Mumbai were governed by the settlement and Model Standing Orders framed under the Industrial Employment (Standing Orders) Act 1946. The workman served the employer with loyalty and dedication. The workman received various letters of commendation and appreciation from the employer. On or about 1.6.2006 the workman submitted letter of resignation addressed to Hemant Sheth who was Manager Inflight Services of the employer at Mumbai. The said letter was handed over by the workman to Sunita Seema Vazir in the night of 31.5.2006 to be delivered to Hemant Sheth. Hemant Sheth was on leave and out of Mumbai till about 5.6.2006. As per the terms and conditions of service and the Standing Orders a permanent employee was to give a notice of 30 days for the resignation to the effective and the employer could waive the requirement of notice only on the request of the workman. The workman made no such request nor offered to pay wages in lieu of notice. The workman did not seek any waiver/reduction of the notice period. On or about 16.6.2006 the workman received a letter from the employer together with a tax computation for full and final settlement and a statement titled "full and final settlement" and a cheque of Rs. 7,75,038/-. The workman was asked to convey her acceptance of the full and final settlement. The workman did not accept the full and final settlement. On or about 20.6.2006 the workman spoke to Hemant Sheth and conveyed to him that she was withdrawing her resignation. On the same date she submitted a letter addressed to Hemant Sheth withdrawing her resignation. Instead of permitting the workman to resume duties Hemant Sheth

advised the workman to meet Ila Gandhi. General Manager HR of the employer who was at that time visiting Mumbai. The workman accordingly had a meeting with Ila Gandhi on 20.6.2006 followed by conversation on 21.6.2006. The workman also submitted legal opinion as asked by Ila Gandhi. The workman by letters dt. 29.6.2006 and 7.7.2006 sought directions to resume duties. But the workman did not receive any response. According to the statement of claim the workman had every right to withdraw the resignation tendered by her prior to the expiry of the notice period. The refusal by the employer to permit the workman to continue in service amounts to her removal and this act of the employer is illegal. The workman is, therefore, entitled to the relief of reinstatement with full back wages and consequential benefits. In the alternative, the workman has claimed compensation @ 3 months wages for every completed year of service and 3 months wages for every remaining year of service in addition to gratuity, PF dues with full interest till date of payment, leave encashment and travel benefits and other retiral benefits which have been made available to the other Cabin crew who were in service of Delta Airlines till about October 2006 and who were made to quit under the scheme of voluntary retirement.

3. According to the written statement filed by the first party, the second party workman voluntarily resigned from the service of the first party and the resignation letter was duly accepted by the management and a cheque of Rs. 7,75,038 being amount of legal dues payable to her was sent to her. The first party introduced Voluntary Separation Scheme (VSS) for all its employees working in Mumbai on 19.6.2006 and the second party withdrew her resignation in order to obtain the benefits of VSS and raised false bogey of alleged illegal discharge/termination. The demand raised by the workman is wholly misconceived, false, frivolous and it has been raised with *malafide* intention to get VSS benefits declared by the first party after her resignation and after settlement of her legal dues in full and final. According to the written statement this is a case of resignation and not termination and, therefore, the dispute raised by the workman for reinstatement is wholly misconceived and untenable and the same deserves to be rejected. It has also been stated in the written statement that the first party discontinued operational base establishment from India and, therefore, there is no work which could be provided to the second party workman after 1.11.2006. The first party has, therefore, prayed that the reference be rejected.

4. The second party workman has filed rejoinder wherein she has reiterated her stand taken in the statement of claim.

5. The second party workman Vinita Alvares Fernandes has filed her affidavit and she has also filed affidavits of Sunita Seema Vazir and Hemant Sheth who have been cross-examined by learned counsel for the first party. The first party has filed affidavit of Ashok Peshwaria and he has been cross-examined by learned counsel for the second party workman.

6. Heard Shri M.B. Singh, learned counsel for the second party workman and Shri Shroff learned counsel for the first party.

7. Irrespective of what has been stated in the written statement it is not disputed that the letter of resignation dt. 1.6.2006 is Ex. W-1 and the second party workman handed over this letter to Sunita Seema Vazir in the night of 31.5.2006 to be delivered to Hemant Sheth who was Manager Inflight Services, Department of Delta Airlines, Mumbai at the relevant time and Sunita Seema Vazir delivered the aforesaid letter to Hemant Sheth on 5.6.2006. It is also not disputed that the second party workman withdrew her resignation by letter dt. 20.6.2006 which is Ex. W-3 and a reminder dt. 29.6.2006 is Ex. W-5. It is also not disputed that neither the first party conveyed to the second party workman till today about the acceptance of the resignation letter nor the first party ever prepared a note or order in its record accepting the aforementioned resignation letter. It is also not disputed that the letter of withdrawal of resignation has been addressed to Hemant Sheth who was the authority to accept the resignation of the workman and the management never replied to the above letter. It is also not disputed that the cheque of Rs. 7,75,038 sent by the first party to the second party workman together with the statement of full and final settlement has not been encashed by the second party workman.

8. It is also not in dispute that notice period for reignation is one month and the second party workman never made any request for waiving or reducing the notice period and the second party workman withdrew her resignation letter dt. 1.6.2006 by letter dt. 20.6.2006 well before the notice period was over.

9. One of the ways of terminating the contract of employment is resignation. If an employee makes his intention to resign his job known to the employer and the latter accepts the resignation the contract of employment comes to an end and with it stands severed the employer-employee relationship. However, the resignation is not complete until it is accepted by the proper authority and before such acceptance an employee can change his mind and withdraw the resignation. Unless the employee is relieved of the duty after acceptance of the offer of resignation jural relationship of the employee and the employer does not come to an end. In this case since the resignation letter was withdrawn before the resignation was accepted and became effective and resignation of the workman stands withdrawn with the result that the second party workman continues to be in service of the first party.

10. Moreover, in this matter the notice period for resignation is one month and, therefore, the resignation

can be withdrawn at any time before the expiry of one month. The workman withdrew her resignation dt. 1.6.2006 by letter dt. 20.6.2006 and thus the withdrawal of resignation was well before the expiry of the notice period. In this view of the matter also the resignation stands withdrawn.

11. It is clear from the above discussion that the action of the management of Delta Airlines in separating Vinita Alvares Fernandes from the service w.e.f. 31.5.2006 amounts to her illegal termination and, therefore, she is entitled to reinstatement.

12. We may now examine the question of back wages.

13. The witness of the management Ashok Peshwaria has stated in his affidavit that the second party workman is a professional etiquette consultant and her services are engaged by Event Management Consultants and she is also training Femina Miss India International Pageants. The workman Vinita Alvaris Fernandes has stated in her cross-examination:

"This is correct that presently I am working as etiquette Consultant for Miss Feimna contest. I had this assignment for a period of two months only".

14. Considering all the facts and circumstance of the matter and after perusing the evidence available on the record, I am of the opinion that ends of justice will meet if the workman is given 70% of the back wages.

15. Consequently, the first party is directed to reinstate the second party workman Vinita Alvaris Fernandes within a period of two months from today with 70% of back wages and all consequential benefits.

An award is made accordingly.

JUSTICE G. S. SARRAF, Presiding Officer

नई दिल्ली, 22 नवम्बर, 2011

का॰आ॰3653.— औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार **बंगाल इंजीनियरिंग ग्रुप एवं सेन्टर** के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण सं-2, दिल्ली के पंचाट (**संदर्भ संख्या 32/2008**) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 22-11-2011 को प्राप्त हुआ था।

[सं॰ एल-14012/3/2008-आई॰आर॰ (डी॰यू॰)]

जोहन तोपनो, अवर सचिव

New Delhi, the 22nd November, 2011

S.O. 3653.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. **32/2008**) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court No. II, Delhi as shown in the Annexure, in the Industrial dispute between the employers in relation to the management of **Bengal Engineering Group & Centre, Roorkee** and their workman, which was received by the Central Government on **22.11.2011.**

[No. L-14012/3/2008-IR (DU)]
JOHAN TOPNO, Under Secy.

ANNEXURE

GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-II, DELHI

I.D. NO. 32/2008

In the matter of dispute between: Dated: 07.09.2011

Shri Harpal Singh S/o Late Parsanda Singh

Village Thaska, PO-Mangalore,

Haridwar

...Workman

VERSUS

The Commandant,
Bengal Engineering Group & Centre,
Roorkee

...Management

AWARD

The Central Government, Ministry of Labour *Vide* order No. L-14012/3/2008/IR(DU) dated 11.06.2008 has referred the following Industrial dispute to this Tribunal For adjudication:

> "Whether the action of the Commandant, Bengal Engineering Group Centre, Roorkee in terminating the services of their workman Shri Harpal Singh w.e.f. 15.05.2007 is legal and Justified? If not, to what relief the workman is entitled to ?"

Statement of claim was filed by the workman and the Management also filed Reply/Written Statement. Since 03.12.2010 the workman is not attending the proceedings in this case. It is therefore, evident that he is not interested in the outcome of this reference. In these circumstances there is no way out except to pass a no dispute award which is passed accordingly. The reference stands disposed of accordingly.

Dated: 07.09.2011

SATNAM SINGH, Presiding Officer

नई दिल्ली, दिनांक 22 नवम्बर, 2011

का॰आ॰3654.— औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार पश्चिम रेलवे प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण कोटा के पंचाट (संदर्भ संख्या 19/2000) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 22 11 2011 प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-41012/13-2000-आई॰आर॰(बी-I)]

रमेश सिंह, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 22nd November, 2011

S.O.3654.—In pusuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award Ref. *19/2000 of the Industrial Tribunal, KOTA* as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the management of *W. Rly, Kota* and their workmen, received by the Central Government on *22/11/2011.*

[No. L-41012/13/2000-IR(B-I)]

RAMESH SINGH, Desk Officer

अनुबंध

न्यायाधीश, औद्योगिक न्यायाधिकरण, कोटा/केन्द्रीय/कोटा/राज॰

पीठासीन अधिकारी-श्री प्रकाश चन्द्र पगारीया,
आर॰एल॰के॰एस॰ निर्देश प्रकरण क्रमांक:
औ॰न्या॰/केन्द्रीय/-19/2000

दिनांक स्थापित : 31/7/2000

प्रसंग: भारत सरकार, श्रम मंत्रालय, नई दिल्ली के आदेश सं॰ एल-41012/13/2000/आईआर(बी-I) दिनांक 30/5/2000

***

निर्देश/विवाद अन्तर्गत धारा 10 (1) (घ)

औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947

मध्य

मथुरीबाई पत्नी श्रमिक स्व॰ सोहनलाल

निवासी ग्राम खेजड़ा की चौकी तह॰ लाडपुरा, कोटा

प्रार्थीया

एवं

डिप्टी चीफ सिगनल एण्ड टैलीकॉम इंजीनियर (सी) वैस्टर्न रेलवे, कोटा।

अप्रार्थी

उपस्थित

प्रार्थीया की ओर से प्रतिनिधि: श्री एस॰एल॰ शर्मा

अप्रार्थी की ओर से प्रतिनिधि: श्री नरेश शर्मा

अधिनिर्णय दिनांक: 21/9/2011

अधिनिर्णय

भारत सरकार, श्रम मंत्रालय, नई दिल्ली, द्वारा अपने प्रासंगिक आदेश दि॰ 30/5/2000 के जरिये निम्न निर्देश/विवाद, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (जिसे तदुपरान्त "अधिनियम" से सम्बोधित किया जावेगा) की धारा 10 (1) (घ) के अंतर्गत इस न्यायाधिकरण को अधिनिर्णयार्थ सम्प्रेषित किया गया है:—

"Whether the action of the managment of Western Railway, Kota in termination the services of Shri Sohan Lal S/o Shri Makhan Lal is justified and legal? If not to what relief the workman is entitled and from which date?"

2॰ निर्देश/विवाद, न्यायाधिकरण में प्राप्त होने पर पंजीबद्ध उपरान्त पक्षकारों को सूचना/नोटिस जारी कर विधिवत अवगत करवाया गया।

3॰ प्रार्थी सोहनलाल की ओर से क्लेम स्टेटमेन्ट पेश होने से पूर्व ही उसकी मृत्यु हो गयी, उसकी विधवा पत्नी मथुरीबाई को कायममुकाम बनाया गया जिसने अपना क्लेम स्टेटमेन्ट पेश किया जिसमें यह वर्णित किया कि प्रार्थीया के पति सोहनलाल की दि॰ 21/9/2000 को मृत्यु हो गयी है। आगे प्रार्थीया ने अपने क्लेम स्टेटमेन्ट में अपने पति को कब रेलवे द्वारा नियुक्त किया गया, किस पद पर नियुक्त किया गया, कौनसी जांच की गयी, कब हटाया गया, ऐसा कहीं कोई उल्लेख नहीं किया है, केवल मात्र रेलवे प्रशासन, सहायक श्रम आयुक्त व रेलवे कर्मचारी परिषद, कोटा व अन्य विभागीय पत्रों की प्रतिलिपियों का ही उल्लेख किया है व अन्त में कथन किया है कि प्रार्थीया, सोहनलाल की पत्नी होने से सोहनलाल को 10/7/84 से डयूटी पर मानते हुए उसको समस्त देय वेतन राशि का भुगतान प्रार्थीया को कराया जावे।

4॰ इसके पश्चात अप्रार्थी रेलवे की ओर से जवाब पेश किया गया जिसमें कथन किया गया कि सोहनलाल को अपने साथी कर्मचारियों के साथ झगड़ा व दुर्व्यवहार किये जाने के कारण इस सम्बन्ध में जांच की गयी और जांच में दोषी पाये जाने पर सक्षम अधिकारी के आदेश से सोहनलाल को नौकरी से निकाला गया तथा उसको नियमानुसार एक माह के नोटिस के स्थान पर मुआवजा राशि व एक माह के वेतन राशि के रूप में 2027 80 पै॰ के भुगतान का आदेश दिया गया। सोहनलाल रेलवे

में एक आकस्मिक श्रमिक के रूप में कार्यरत था। पूर्व में भी इस बाबत वाद उठाया गया था एवं भारत सरकार के श्रम मंत्रालय ने अपने पत्र दिनांक 24/1/86 के द्वारा उक्त मामला न्याय-निर्णयन हेतु भेजना उचित नहीं समझा। सोहनलाल के विरूद्ध कई प्रकार की शिकायतें थीं, वह शराब पीकर ड्यूटी पर आने का भी आदी था इसलिए उसे दि॰ 9/7/84 को सेवा से पृथक किये जाने का आदेश दिया गया एवं क्षतिपूर्ति की राशि श्रमिक/कर्मकार ने 20/3/87 को प्राप्त भी कर ली, अत: अब कोई अनुतोष प्रार्थीया प्राप्त करने की अधिकारिणी नहीं है अत: क्लेम स्टेटमेन्ट खारिज किया जावे।

5॰ इसके पश्चात साक्ष्य प्रार्थीया में डब्ल्यू॰डब्ल्यू॰ 1 प्रार्थीया मथुरीबाई का शपथ-पत्र पेश किया गया जिससे अप्रार्थी द्वारा जिरह की गयी। एक और अन्य गवाह दिनेशचन्द शर्मा का शपथ-पत्र भी पेश हुआ, इससे भी जिरह हुई। अप्रार्थी की ओर से एम॰डब्ल्यू॰ 1 उमाकान्त का शपथ-पत्र पेश हुआ जिससे प्रार्थीया की ओर से जिरह की गयी। प्रलेखीय साक्ष्य में उभयपक्ष द्वारा कर्मकार से सम्बन्धित विभिन्न प्रकार के कागजात जो रेलवे तथा श्रम मंत्रालय द्वारा जारी किये गये थे, उनको प्रदर्शित करवाया गया।

6॰ इसके पश्चात बहस अन्तिम सुनी गयी, पत्रावली का अवलोकन किया गया। विचारणीय बिन्दु हमारे समक्ष यह है कि क्या हस्तगत निर्देश (रेफेन्स) में प्रार्थीया कोई अनुतोष प्राप्त करने की अधिकारिणी है या नहीं?

7॰ इस सम्बन्ध में बहस के दौरान प्रार्थीया की ओर से यह अभिकथन किया गया कि मृतक सोहनलाल को रेलवे द्वारा सर्वप्रथम 23/8/79 को खल्लासी के पद पर नियोजित किया गया एवं 9/7/84 को उसे सेवा से पृथक किया गया। दि॰ 1/1/83 से कर्मकार को अस्थायी दर्जा प्रदान किया गया। पूर्व में श्रम मंत्रालय ने दि॰ 24/1/86 को मामला न्यायाधिकरण को निर्देशित करने से इन्कार कर दिया था। फिर बाद में 30/5/2000 के आदेश द्वारा यह मामला निर्देशित किया गया। कर्मकार सोहनलाल की दि॰ 21/9/2000 को मृत्यु हो चुकी है। कर्मकार को गलत प्रकार से बिना कोई नोटिस या नोटिस वेतन दिये सेवा से हटा दिया गया था तथा विभाग द्वारा जो जांच की गयी वह भी न्याय के नैसर्गिक सिद्धातों के अनुरूप नहीं की गयी क्योंकि 28/6/84 को जांच कार्यवाही में गवाहों के बयान लेखबद्ध किये गये एवं उसके बाद में 9/7/84 को उसे सेवा से पृथक कर दिया गया। अत: कर्मकार को अपना पक्ष रखने का कोई अवसर नहीं दिया गया। उसकी सेवा मुक्ति अवैध थी। अत: उससे सम्बन्धित समस्त प्रकार के परिलाभ नियमानुसार उसकी पत्नी प्रार्थीया को दिलवाये जावे। इस सम्बन्ध में उनकी ओर से ''कृष्णाबहादुर बनाम मैं॰ पूर्णा थियेटर व अन्य-2004 डीएनजे (एससी) 775 का न्यायनिर्णय उदृत किया गया। इस न्यायनिर्णय में प्रतिपादित किया गया कि जहां धारा 25-एफ(बी) के आज्ञपक प्रावधान की पालना नहीं की गयी है, वहां छंटनी उचित नहीं मानी गयी एवं कर्मकार को पुन: सेवा में बहाल किये जाने का आदेश दिया गया। एक अन्य न्यायनिर्णय ''बरफी (श्रीमती) बनाम राज॰राज्य-2005 (3) डीएनजे(राज॰) 1282 का उदृत किया गया। इसमें यह प्रतिपादित किया गया कि श्रमिक की मृत्यु के उपरान्त उसकी पत्नी भी नियोजन हेतु विचार करने की हकदार है। एक अन्य न्यायनिर्णय ''पप्पूराम बनाम श्रम न्यायालय, जोधपुर-2005(3) डब्ल्यूएलसी(राज॰)616'' का उदृत किया गया। इस न्यायनिर्णय में प्रतिपादित किया गया कि कर्मकार की मृत्यु के पश्चात भी मामला गुणावगुण के आधार पर विहित प्रक्रिया के अनुसार निर्णित किया जायेगा। एक और न्यायनिर्णय ''राज॰ ललित कला एकेडमी बनाम राधेश्याम-2008 (3) सीसीसी 420(एस॰सी॰)'' का उदृत किया गया जिसमें यह प्रतिपादित किया गया कि जहां प्रबंधन धारा 25/एफ की पालना में देय भुगतान को अदा करने के तथ्य को साबित करने में विफल रहा है, वहां आज्ञपक प्रावधान की पालना नहीं मानी जायेगी। एक और न्यायानिर्णय ''अश्वीन एन॰ पारीख बनाम यूनियन ऑफ इण्डिया-II एल॰एल॰जे॰ (गुजरात)304'' का उदृत किया गया। इस मामले में यह प्रतिपादित किया गया कि जहां खल्लासी को अस्थायी दर्जा प्रदान कर दिया गया है तो उसे भी हटाने से पहले विहित जांच की प्रक्रिया अपनानी पड़ेगी एवं यदि बिना जांच की प्रक्रिया अपनाये उसे हटाया जाता है तो कर्मकार समस्त लाभ प्राप्त करने का अधिकारी है। एक और न्यायनिर्णय ''मैनेजमेंट आफ कोडमुडई ग्रोवर्स को-आप॰ बैंक लि॰, कोडमुडई बनाम पीठासीन अधिकारी, श्रम न्यायालय, कोयम्बटूर व अन्य-1999(II) एल॰एल॰जे॰ (मद्रास ऊ न्या॰) 497 का उदृत किया गया। इस मामले में यह प्रतिपादित किया गया कि किसी मामले में छंटनी का मुआवजा कर्मचारी को उसकी सेवामुक्ति के आदेश के साथ ही दिया जाना चाहिए, ऐसा नहीं हो सकता कि कर्मचारी को कहा जाये कि वह कार्यालय में आकर उक्त अवधि का मुआवजा ले जाये।

8॰ अत: उक्त न्यायनिर्णय उदृत करते हुए प्रार्थीया प्रतिनिधि की ओर से समस्त परिलाभ दिलाये जाने का निवेदन किया गया है।

9॰ इसके विपरीत अप्रार्थी की ओर से दलील दी गयी कि सर्वप्रथम तो इस मामले में कर्मकार के इस विवाद को श्रम मंत्रालय ने अपने पत्र दि॰ 24/1/86 के द्वारा इस आधार पर भेजने से मना कर दिया कि कर्मकार को नोटिस अवधि का वेतन एवं छंटनी की क्षतिपूर्ति के लिए छंटनी प्रतिकर राशि दिये जाने का अभिकथन होने से

केन्द्रीय सरकार इस विवाद को निर्णय हेतु भेजना उचित नहीं समझती है। अतः जब एक बार श्रम मंत्रालय ने सभी प्रकार के प्रावधान की पालना मान ली तो फिर यह विवाद अब नये सिरे से नहीं चल सकता। इसके अलावा कर्मकार स्वयं ने अपने हस्ताक्षर से प्रार्थी कर्मकार को छंटनी के समय जो देय राशि थी वह प्राप्त कर ली है, उस पर प्रार्थी के हस्ताक्षर भी हैं एवं जो प्रदर्श एन०ए०डब्ल्यू० 7 व एन०ए०डब्ल्यू०2 के रूप में प्रदर्शित हुए हैं, उनसे भी इसी दलील की पुष्टि होती है कि कर्मकार को सेवामुक्ति के साथ ही उक्त राशि अदा कर दी गयी थी एवं कर्मकार ने भी यह राशि प्राप्त करली है, अतः अब कोई विवाद नहीं रहता है। इसके अलावा जहां तक कर्मकार के विरूद्ध जांच का सवाल है, कर्मकार के विरूद्ध लिखित में कई शिकायतें भी सहकार्मियों ने पेश की थीं जो प्रदर्श एन०ए०डब्ल्यू० 4, 5, 6, 7, 9, 10 व 11 के रूप में प्रदर्शित करवायी गयी हैं। इन सभी में कर्मचारी/कर्मकार द्वारा किस प्रकार से शराब पीकर अपने साथियों के साथ झगड़ा-फसाद व दुर्व्यवहार किया गया, इस तथ्य का प्रकटीकरण हो जाता है तथा स्वयं कर्मकार सोहनलाल ने विभागीय जांच में बयान प्रदर्श डब्ल्यू०8 में स्वयं द्वारा शराब पीकर नशे में स्टाफ को गालियां देने व एक कर्मचारी का कॉलर पकड़ने तथा स्वयं के पास चाकू होने के तथ्य को स्वीकार किया है। इसके अतिरिक्त प्रदर्श डब्ल्यू० 3 में भी कर्मचारी/कर्मकार ने लिखित में अपनी गलती को स्वीकार किया है तथा छुट्टी में होने से शराब पी लिये जाने व साथी श्रमिक के साथ बदतमीजी किये जाने के कारण माफ किये जाने का उल्लेख किया है। अतः ऐसी परिस्थिति में विभाग द्वारा जांच एकपक्षीय रूप से नहीं की गयी है, श्रमिक/कर्मकार को पूरा अवसर दिया गया है एवं जब श्रमिक ही उस जांच में अपने ऊपर लगाये गये आरोपों को स्वीकार कर रहा है तो फिर बिना किसी कारण के जाँच और आगे बढ़ाये जाने का कोई औचित्य नहीं था एवं उन आरोपों को श्रमिक द्वारा स्वीकार कर लिये जाने से उसी अनुरूप जांच निस्तारित की गयी, कहीं कोई श्रमिक के विरुद्ध दुर्भावना नहीं रखी गयी। अतः कहीं यह प्रकट नही होता है कि न्याय के नैसर्गिक सिद्धांतों की पालना नहीं की गयी। अतः कर्मकार को समुचित रूप से सेवा से मुक्त किया गया है, कर्मकार की मृत्यु भी हो गयी है, ऐसी स्थिति में कर्मकार किसी प्रकार का कोई अनुतोष प्राप्त करने का अधिकार नहीं है।

10० हमने इन दलीलों पर मनन किया। जहां तक पूर्व में भारत सरकार के श्रम मंत्रालय द्वारा अपने पत्र दि० 24/1/86 के द्वारा मामला निर्देश अधिनिर्णयार्थ हेतु नहीं भेजने का सवाल है, एवं बाद में यह निर्देश (रेफ्रन्स) किया गया है तो क्या पहले पत्र से निर्देश भेजने से इन्कार करना पूर्व न्याय की श्रेणी में आता है? इस सम्बन्ध में इस न्यायाधिकरण का उत्तर नकारात्मक रूप में है क्योंकि पूर्व में जब न्यायाधिकरण से कोई अधिनिर्णय ही नहीं हुआ तो फिर उस पत्र को न्यायाधिकरण का अधिनिर्णय नहीं माना जा सकता है। अतः अप्रार्थी की इस दलील में कोई बल नहीं है कि पूर्व में सरकार द्वारा निर्देश (रेफ्रन्स) करने से मना करना, पूर्व न्याय की श्रेणी में आता है। मामले में यह भी विवादित नहीं है कि कर्मकार को आदेश दि० 9/7/84 के द्वारा सेवा से हटाया गया है। सेवा से हटाने से पहले कर्मकार को नोटिस अवधि का वेतन व धारा 25-एफ के अनुसार छंटनी के फलस्वरूप देय होने वाले मुआवजे का भुगतान भी किया जाना प्रकट होता है एवं उस सम्बन्ध में जो राशि आदि बनती थी, उसी का भुगतान नियमानुसार किया जाना श्रम मंत्रालय के पत्र दिनांक 24/1/86 प्रदर्श डब्ल्यू० 1 से प्रकट होता है।

11० मामले में प्रार्थीया की ओर से जो क्लेम स्टेटमेन्ट पेश किया गया उसमें कहीं पर भी यह उल्लेख नहीं किया गया कि उसके पति कर्मकार सोहनलाल को रेलवे में किस तारीख को किस पद पर आकस्मिक श्रमिक के रूप में नियोजित किया गया था, उसे क्या वेतन दिया जा रहा था तथा कब उसे अस्थायी दर्जा दिया गया, कब उसके विरुद्ध जांच की गयी एवं कब उसे सेवा से हटाया गया? अर्थात् इस प्रकार से मुख्य तथ्यों बाबत अभिवचनों में कोई कथन नहीं कर केवल मात्र सम्बन्धित विभाग के पत्रों आदि का उल्लेख करना यह प्रकट करता है कि इस मामले में अभिवचनों की अभिव्यक्ति जिस रूप में होनी चाहिए थी उस अनुरूप नहीं हुई है एवं ऐसे कमजोर अभिवचनों से तो न्यायाधिकरण को भी मामले के निस्तारण में कोई मदद नहीं मिलती है क्योंकि अभिवचनों के आधार पर ही साक्ष्य आती है। प्रार्थीया डब्ल्यू० डब्ल्यू० 1 मथुरीबाई ने अपने शपथ-पत्र में कथन किया कि उसके पति को खल्लासी के पद पर दि० 23/8/79 को अप्रार्थी रेलवे में नियुक्त किया गया था एवं 9/7/84 तक उनके द्वारा नियमित रूप से इस पद पर कार्य किया गया एवं 1/1/83 से उन्हें अस्थायी दर्जा दिया गया। जिरह में कथन किया कि मैं पढ़ी-लिखी नहीं हूं तथा मुझे यह भी पता नहीं कि मेरे पति का झगड़ा हुआ इस कारण उन्हें नौकरी से निकाला गया। मुझे पता नहीं कि झबोली नामक कर्मचारी ने मेरे पति के खिलाफ लिखित शिकायत की हो। मुझे यह भी पता नहीं कि नौकरी से निकालने के 3-4 साल बाद बकाया राशि का भुगतान किया गया था या नहीं। मेरी उम्र अभी कितनी है, यह मुझे पता नहीं।

12० इस प्रकार से प्रार्थीया अपनी जिरह में अधिकांश कथनों बाबत कोई जानकारी नहीं होने का कथन करती है। अन्य गवाह दिनेशचन्द शर्मा ने भी अपनी जिरह में कहा

है कि सोहनलाल से मेरा ओफिशियली कोई लेना-देना नहीं था। यह मुझे मालूम नहीं कि सोहनलाल पर अभ्रदता व डयूटी में लापरवाही का आरोप हो। प्रदर्श डब्ल्यू० 2 प्रार्थी द्वारा प्रस्तुत किया गया है व प्रदर्श डब्ल्यू० 3 प्रार्थी सोहनलाल का स्पष्टीकरण है।

13० इसके विपरीत अप्रार्थी के गवाह उमाकान्त ने अपने शपथ-पत्र में कथन किया है कि 9/7/84 को कर्मचारी सोहनलाल को नोटिस दिया गया जिसमें सुपरवाईजर का आदेश नहीं मानने व अपने साथी कर्मचारी के साथ झगड़ा एवं दुर्व्यवहार करने के कारण दिया गया जो प्रदर्श एन०ए०डब्ल्यू० है। कर्मचारी के विरुद्ध पूर्व में भी अन्य सहकर्मियों ने शिकायतें की थी तथा झमोली नामक व्यक्ति द्वारा दि० 27/6/84 को लिखित में शिकायत पेश की गयी थी जो प्रदर्श एन०ए०डब्ल्यू० 4 लगा० एन०ए०डब्ल्यू० 6 है। फिर बाद में कर्मचारी द्वारा उसे देय राशि का भुगतान प्राप्त कर लिया गया जो आदेश/रसीद एन०ए०डब्ल्यू० 2 है तथा जांच से सम्बन्धित रेकार्ड प्रदर्श एन०ए०डब्ल्यू० 7 लगा० 11 हैं। गवाह ने जिरह में कथन किया कि यह सही है कि झमोली ने शिकायत दि० 27/6/84 को की थी तथा सोहनलाल का बयान 28/6/84 का है। शेष गवाह किशनचन्द, महेश कुमार व चमेली के बयान भी 28/6/84 के हैं। कर्मचारी आकस्मिक प्रकृति का था, अत: प्राथमिक जांच के आधार पर ही अन्तिम निर्णय ले लिया जाता है, आरोप-पत्र नहीं दिया जाता एवं इस मामले में भी पी०ई० के बाद कोई आरोप-पत्र नहीं दिया गया था। यह भी सही है कि कर्मचारी को 1/1/83 से अस्थायी दर्जा दिया गया था।

14० इस प्रकार से उभयपक्ष की मौखिक व दस्तावेजी साक्ष्य का विवेचन किया जावे तो यह प्रकट होता है कि कर्मचारी/कर्मकार को 23/8/79 से खल्लासी के रूप में दैनिक वेतन भोगी या आकस्मिक श्रमिक के रूप में कार्यरत था, उसे 1/1/83 से अस्थायी दर्जा प्रदान किया गया एवं बाद में 9/7/84 को उसे सेवा से हटा दिया गया।

15० जहां तक विभागीय जांच की वैधता का सवाल है, चूंकि श्रमिक कर्मचारी ने स्वयं ने अपने ऊपर लगाये गये आरोपों के सम्बन्ध में जो तथ्य वर्णित किये हैं, उनसे यह प्रकट होता है कि कर्मचारी/श्रमिक ने उन आरोपों को स्वीकार कर लिया था एवं जब विभागीय जांच में आरोप ही स्वीकार कर लिये हैं तो आगे जांच की प्रक्रिया को जारी रखने का कोई औचित्य नहीं रहता है एवं उस स्वीकारोक्ति के आधार पर ही लगाये गये आरोपों के सम्बन्ध में दण्ड दिये जाने की कार्यवाही की जा सकती है एवं हस्तगत मामले में भी यही स्थिति रही है। अत: इस जांच को अवैध या अनुचित नहीं ठहराया जा सकता।

16० अब जहां तक कर्मकार/कर्मचारी के मामले में धारा 25-एफ अधिनियम की पालना का सवाल है, कर्मकार को प्रदर्श एन०ए०डब्ल्यू० 2 के अनुसार कुल 2027 रु० 80 पै० का भुगतान किया गया है, परन्तु यह भुगतान किस हिसाब से किया गया, कर्मचारी का वेतन कितना था, एक माह का वेतन तथा जितने वर्ष को नौकरी की गयी है, उसका 15 दिन प्रतिवर्ष के हिसाब से छंटनी का मुआवजा देय होता है। अत: जब तक यह तथ्य प्रकट नहीं हो जाता कि कर्मचारी/कर्मकार को कितना वेतन मिलता था, तब तक एक माह के नोटिस अवधि का वेतन तथा मुआवजा अवधि ा के प्रतिकर के भुगतान का भी विनिश्चय सही रूप से किया जाना नहीं हो पाता। परन्तु बड़े खेद का विषय है कि किसी भी पक्ष ने कर्मकार को कितने रुपये मासिक वेतन मिलता था, ऐसा कोई तथ्य इस न्यायाधिकरण के समक्ष पेश नहीं किया है एवं जब अप्रार्थी का यह कथन है कि उन्होंने नियमानुसार कर्मचारी को ध ारा 25-एफ के प्रावधान की पालना करते हुए प्रतिकर आदि की राशि दे दी है तो उसका खुलासा करने का दायित्व भी अप्रार्थी पर था, जो यह प्रकट करता है कि कितनी राशि एक माह के वेतन के बराबर होती थी और कितनी राशि छंटनी के लिये प्रतिकर के रूप में बनती थी एवं दोनों ही मिलाकर कुल कितनी राशि बनती थी।

17० धारा 25-एफ अधिनियम के प्रावधान की पालना के अनुसार एक माह के नोटिस अवधि का वेतन दिया जाना होता है तथा जितने वर्ष की नौकरी या किसी वर्ष में 6 माह से अधिक की नौकरी पूरी कर ली जाती है तो ऐसे प्रत्येक वर्ष के लिए 15 दिवस के वेतन के बराबर मुआवजा दिये जाने का प्रावधान है। इस मामले में भी कर्मकार ने करीबन 5 वर्ष तक की सेवा अवधि पूरी की है। हालांकि पूरे 5 वर्ष नहीं हुए हैं परन्तु 6 माह से अधिक अवधि होने से उसे प्रतिकर की गणना के लिए पूरा वर्ष ही माना जायेगा। अत: कर्मकार/कर्मचारी को इस हिसाब से $2^{1}/_{2}$ माह के वेतन के बराबर छंटनी का मुआवजा व एक माह का नोटिस वेतन दिये जाने का प्रावधान है। अब इस 2027 रु० 80 पै० की राशि में कितने महीने की छंटनी मुआवजे की राशि शामिल है व कितनी राशि नोटिस अवधि के वेतन की शामिल है, इसका खुलासा नहीं हुआ है। अप्रार्थी का यह दायित्व था कि वह यह स्पष्ट करता कि एक माह के नोटिस वेतन की राशि तो इतने रुपये बनती थी एवं प्रत्येक वर्ष के 15 दिन के हिसाब से 5 वर्ष के लिए $2^{1}/_{2}$ माह के प्रतिकर (छंटनी मुआवजे) की राशि इतने रुपये बनती थी एवं कुल इतने रुपये की राशि दोनों शीर्षकों में बनती थी जोकि कर्मकार/कर्मचारी को अदा कर दी गयी, परन्तु इस तथ्य का पूर्ण रूप से साक्ष्य

में या अभिवचनों में अप्रार्थी द्वारा साबित किये जाने या प्रकट किये जाने का अभाव रहा है एवं जब यह तथ्य साबित करने का भार अप्रार्थी पर ही था क्योंकि प्रार्थी/कर्मकार ने तो धारा 25-एफ की पालना नहीं किये जाने का अभिकथन किया है एवं अप्रार्थी उसका खण्डन कर रहा है तो अप्रार्थी को ही यह साबित करना था। वेतन से सम्बन्धित समस्त अभिलेख/प्रलेख भी अप्रार्थी के पास थे, परन्तु अप्रार्थी ने उन प्रलेखों को भी पेश नहीं किया एवं ना ही कोई संतोषजनक साक्ष्य या स्थिति इस न्यायाधिकरण के समक्ष पेश की। इस सम्बन्ध में अप्रार्थी के गवाह उमाकान्त ने जिरह में यह स्वीकार किया कि प्रार्थी को एक माह के वेतन का भुगतान किया गया था एवं यह भी सही है कि हमने हर वर्ष की सेवा के लिए 15 दिन का वेतन मुआवजे के रूप में प्रार्थी को नहीं दिया। अतः इस अभिकथन से यह स्पष्ट हो जाता है कि अप्रार्थी द्वारा धारा 25-एफ के प्रावधानों के अनुरूप प्रत्येक वर्ष की सेवा पूर्ण करने के अनुरूप 15 दिन का जो प्रतिकर दिया जाना चाहिए था वह नहीं दिया। अतः ऐसी परिस्थिति में उक्त छंटनी को विधि सम्मत नहीं कहा जा सकता।

18 अब जहां तक अनुतोष का सवाल है, श्रमिक/कर्मकार सोहनलाल की मृत्यु हो चुकी है, उसके द्वारा करीबन 5 वर्ष तक काम किया गया तथा अस्थायी दर्जे का श्रमिक था तथा उसे सेवा मुक्त किये जाने की अवधि को भी करीबन 27 वर्ष हो चुके हैं, अतः अब श्रमिक/कर्मकार की मृत्यु के फलस्वरूप पुनः नियोजन का आदेश दिये जाने का तो कोई औचित्य नहीं है, परन्तु उसकी विधवा पत्नी प्रार्थीया को एकमुश्त प्रतिकर के रूप में श्रमिक/कर्मकार की अस्थायी श्रेणी, उसके मासिक वेतन, सेवा अवधि आदि को देखते हुए 15,000/- रु की राशि दिलाया जाना उचित होगा क्योंकि उस समय श्रमिक/कर्मकार का मासिक वेतन 1000-1500 रुपये किसी भी रूप में ज्यादा नहीं रहा होगा। इस प्रकार निर्देश (रैफ्रन्स) इसी अनुरूप उत्तरित होने योग्य है।

परिणामस्वरूप भारत सरकार, श्रम मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा सम्प्रेषित निर्देश (रेफ्रेन्स) आदेश सं० एल-41012/13/2000/आईआर(बी I) दिनांक 30-5-2000 को अधिनिर्णित कर इस प्रकार उत्तरित किया जाता है कि श्रमिक/कर्मकार सोहनलाल को अप्रार्थी वेस्टर्न रेलवे, कोटा द्वारा अपने आदेश दिनांक 9 7 84 के द्वारा सेवा से समाप्त किये जाने का कृत्य उचित एवं वैध नहीं है एवं श्रमिक/कर्मकार सोहनलाल की मृत्यु हो जाने के फलस्वरूप उसकी विधवा पत्नी प्रार्थीया श्रीमती मथुरीबाई एकमुश्त प्रतिकर के रूप में 15,000/- (अक्षर पन्द्रह हजार रु) की राशि अप्रार्थी से प्राप्त करने की अधिकारिणी है।

अधिनिर्णय आज दिनांक 21-9-2011 को खुले न्यायाधिकरण में सुनाया जाकर हस्ताक्षरित किया गया जो समुचित सरकार को नियमानुसार प्रकाशनार्थ भिजवाया जावे।

प्रकाश चन्द्र पगारीया, न्यायाधीश

नई दिल्ली, 22 नवम्बर, 2011

का०आ० 3655.— औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण भीलवाड़ा के पंचाट (संदर्भ संख्या 2/09) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 22-11-2011 को प्राप्त हुआ था।

[फ० संख्या एल- 12012/53/2009-आई०आर० (बी-I)]

रमेश सिंह, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 22nd November, 2011

S.O. 3655.— In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award ***(Ref. No. 2/09)*** of the ***Industrial Tribunal BHILWARA (RAJASTHAN)*** as shown in the Annexure, in the Industrial dispute between the management of State Bank of Bikaner & Jaipur, and their workman, received by the Central Government on 22.11.2011.

[No. L-12012/53/2009-IR(B-I)]

RAMESH SINGH, Desk Officer

अनुबन्ध

श्रम न्यायालय, भीलवाड़ा (राज०)
पीठासीन अधिकारी—श्री रमेशचन्द मीणा, आर०एच०जे०एस०
श्रम विवाद प्रकरण संख्या: 2/09 (केन्द्रीय)

श्री धर्मेन्द्र कुमार खेरलिया पुत्र श्री मिठू लाल, टी 36, रेलवे कालोनी, भीलवाड़ा।

प्रार्थी/श्रमिक

बनाम

शाखा प्रबंधक, स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एंड जयपुर, इन्द्रा मार्केट, जिलाधीश कार्यालय के पास, भीलवाड़ा।

विपक्षी/नियोजक

उपस्थित:

प्रार्थी की ओर से कोई उपस्थित नहीं।

श्री आर०एस० सोडानी, अधिवक्ता विपक्षी की ओर से।

::पंचाट:: दिनांक 3-10-2011

भारत सरकार के श्रम विभाग ने इस न्यायालय को निम्न विवाद आदेश सं॰ एल-12012/53/2009 (आईआर) (बी-I) दिनांक 8 12 09 के द्वारा अधिनिर्णयार्थ प्रेषित किया:—

Whether the action of the management of State Bank of Bikaner and Jaipur, Bhilwara in terminating the services of Shri Dharmendra Kheralia is justified? If not, what relief he is entitled?

उपर्युक्तानुसार विवाद प्राप्त होने पर पक्षकारान को नोटिस जारी कर सूचित किया गया।

आज प्रार्थी या उसके अधिवक्ता उपस्थित नहीं हैं। प्रार्थी पक्ष की अनुपस्थिति से ऐसा प्रतीत होता है कि प्रार्थी की इस प्रकरण में कोई रूचि नहीं है। अत: "कोई विवाद नहीं रहा आशय का पंचाट जारी किया जाता है। पंचाट की प्रति भारत सरकार को प्रेषित की जाये।

पंचाट आज दिनांक 3-10-11 को लिखाया जाकर सुनाया गया।

रमेश चन्द्र मीणा, न्यायाधीश

नई दिल्ली, 23 नवम्बर, 2011

का॰आ॰ 3656.— औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार बी॰सी॰सी॰एल॰ एवं के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, धनबाद नं॰ 1 के पंचाट (संदर्भ संख्या 187/94) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 23-11-2011 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-20012/165/1994-आई॰आर॰ (सी-1)]

डी॰एस॰एस॰ श्रीनिवास राव, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 23rd November, 2011

S.O. 3656.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 187/1994) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court-1, DHANBAD, as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M/s. BCCL, and their workman, which was received by the Central Government on 23.11.2011.

[No. L-20012/165/1994-IR(C-I)]

D.S.S. SRINIVASA RAO, Desk Officer.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO.1 AT DHANBAD

In the matter of a reference U/s. 10(1) (d) (2A) of the Industrial Disputes Act, 1947.

Reference No. 187 of 1994

Parties: Employers in relation to the management of Keshalpur Colliery of M/s. B.C.C. Ltd.

AND

Their Workmen

PRESENT: Shri H.M. Singh,

Presiding Officer

APPEARANCES:

For the Employers : Shri H. Nath, Advocate.

For the Workman : Shri B.B. Pandey, Advocate.

State: Jharkhand : Industry: Coal.

Dated, the 9.11.2011.

AWARD

By Order No. L-20012(165)/94-IR (Coal-I) dated 27.7.1994 the Central Goverment in the Ministry of Labour has, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-sec. (1) and sub-section (2A) of Sec. 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, referred the following dispute for adjudication to this Tribunal:

> "Whether the action of the management of Keshalpur Colliery under Katras Area of M/s. BCCL in dismissing Shri Kuldeep Bhuia, Ex-Miner/Loader, from service *w.e.f.* 5/6.11.92 is justified? If not, to what relief the concerned workman is entitled?"

2. The case of the concerned workman is that Smt. Sundari Kamin was an employee of Salanpur Colliery and was working as wagon loader. Under V.R.S. (F) applicable in BCCL, Smt. Sundari Kamin had applied for employment to her son-in-law, Kuldeep Bhuia in BCCL in her place to the colliery. Kuldeep Bhuia was appointed as M/L in Keshalpur Colliery under V.R.S.(F) in place of his mother-in-law, Sundari Kamin and latter on he was engaged as General Mazdoor. Thereafter the management of Keshalpur Colliery communicated to the concerned workman by letter dated 6/8.11.1991 that through reliable source it was learnt that he was not the son-in-law of Smt. Sundari Kamin and that he had obtained employment by fraudulent means cheating the company. In reply the concerned workman denied the allegation by letter dated 11.11.91. The management found his reply not satisfactory and a charge-sheet was issued under clause 26.1.11 and 26.1.12 of the Certified Standing Order alleging fraud or dishonesty in connection with company's business and giving false information regarding his particulars for the purpose of employment. A domestic enquiry was held against him. On the basis of enquiry report submitted holding him guilty of charges, the concerned workman was dismissed *vide* letter dated 5/6.11.92. Thereafter an industrial dispute was raised before A.L.C (C), Dhanbad which ended

in failure and ultimately the present dispute has been referred to this Tribunal for adjudication.

It has been prayed that this Hon'ble Tribunal be pleased to answer the reference in favour of the workman by directing the management to re-instate the concerned workman with full back wages.

3. The case of the management is that the concerned workman managed to obtain employment as miner/loader posing himself to be the dependant son-in-law of Smt. Sundari Kamin, a wagon loader of Salanpur Colliery under the Voluntary Retirement Scheme for the female employees. He was appointed by letter dated 3/4.6.1987. A complaint was lodged by Smt. Sundari Kamin on 20.6.1991 alleging that the concerned workman, Kuldip Bhuia was not her son-in-law and he practised fraud in securing employment in her place as her son-in-law. After receipt of the complaint, the management made enquiries from different persons and learnt that he was not the son-in-law of Smt. Sundari Kamin and thereafter a charge-sheet dated 15.11.1991 was issued to the concerned workman charging him for commission of misconduct of dishonesty in connection with company's business as well as for giving false information regarding the particulars of relationship between himself and Smt. Sundari Kamin. He was charged under Clause 26.1.11 and 26.1.12 of the Certified Standing Order applicable to the Company. He submitted his reply dated 18.11.91 admitting that he was employed as dependent son-in-law of Smt. Sundari Kamin, who was working as wagon loader at Salanpur Colliery under VRS(F). He asserted that at the time of his employment he, himself and his mother-in-law, Smt. Sundari Kamin submitted certificates and documents indicating their relationship as son-in-law and mother-in-law. He asserted that he was son-in-law of Smt. Sundari Kamin and the charges levelled against him were false and baseless. The management at first appointed Shri K.S. Singh, the then Personnel Manager of Katras Area as Enquiry Officer to conduct the departmental enquiry, who conducted the enquiry in a perfunctory manner without following the proper produce. Thereafter Shri N.C. Yadav was appointed as Enquiry Officer who conducted the enquiry giving full opportunity to the concerned workman. Smt. Chinta Devi and Kunti Devi asserted that they are the only two daughters of Smt. Sundari Kamin and Shri Laxman Bhuia is their father. During the course of his cross-examination, the concerned workman accepted that he did not know the permanent address of Smt. Sundari Kamin. He also accepted that at his village generally he is called as Kuldip Beldar. Smt. Shanti Devi accepted that her name did not appear in any of the company's record as a daughter of Smt. Sundari Kamin. It is, therefore, clear that she was not the daughter of Smt. Sundari Kamin. The Enquiry Officer submitted his enquiry report dated 22.10.1992 holding the concerned guilty of the mis-conducts charged against him and accordingly he was dismissed from his service by letter dated 5/6.11.1992.

It has been submitted that the action of the management in dismissing the concerned workman from his service was legal, *bona fide* and justified and he is not entitled for any relief.

It has been prayed that the Hon'ble Tribunal be pleased to pass an award holding that the action of the management is justified and the concerned workman is not entitled to any relief.

4. Both the parties have filed their respective rejoinders admitting and denying the contents of some of the paragraphs of each of their written statement.

5. Domestic enquiry was held fair and proper *vide* order dated 31.5.2000.

6. The management produced on preliminary point, MW-1, M.C. Yadav and proved documents as Exts. M-1 to M-6. The concerned workman produced WW-1, Kuldip Bhuia and proved documents as Exts. W-1 to W-4.

On merit the management has produced MW-2, Ramjit Singh and MW-3, Shrimati Chinta Devi and proved documents as Exts. M-7 to M-9.

The concerned workman proved documents as Exts. W-1 to W-5 on preliminary point and Ext. W-6 on merit.

7. Main argument advanced on behalf of the concerned workman is that he was son-in-law of Sundari Kamin, who submitted V.R.S.(F) on which basis he got employment.

8. The management has argued that the concerned workman has got fraudulent employment showing him as son-in-law of Sundari Kamin. There is no doubt that Kuldeep Bhuia was appointed as M/L in Keshalpur Colliery under V.R.S.(F) in place of hs mother-in-law, Sundari Kamin and latter on he was engaged as General Mazdoor. In this respect the evidence of the concerned workman is important that Shanti Devi is alleged daughter of Sundari Kamin, who stated in cross-examination that it is not a fact that Kuldeep Bhuia is not husband of Kunti Dev. Moreover some documents have been filed which may show that Shnati Devi, wife of Kuldeep Bhuia, is daughter of Sundari Kamin. Documents filed are voter list, certified copy of Pariwar Register, rather document of service excerpt of Sundari Kamin which may show that Shanti Devi has been mentioned as her daughter. Enquiry has been done. It only shows that the concerned workman got fraudulent employment claiming him to be son-in-law of Sundari Kamin.

In this respect the statement of WW-1 is also important, who has stated in cross-examination at page 2 that the management produced witnesses in my presence before the Enquiry Officer. I got opportunity to cross-examine those witnesses. I had examined myself and my wife as defence witness. I had examined defence witnesses whom I intended to examine and nothing was left. In the

first enquiry also the witnesses of the management were examined in my presence and I have opportunity to cross-examine them. In the first enquiry also I examined two witnesses as defence witnesses. The same defence witnesses were examined by me in the second enquiry also. I had not made any complaint in writing that second enquiry is not being properly conducted by Mr. M.C. Yadav.

9. MW-1, M.C. Yadav, who has proved Exts. M-1 to M-6, has conducted departmental enquiry fairly and properly by giving proper opportunity in the enquiry to the concerned workman.

Another argument advanced on behalf of the concerned workman is that the second enquiry was conducted by second Enquiry Officer who stated that he had not filed any complaint for appointing Shri M.C. Yadav as Enquiry Officer.

So, no prejudice has been caused to him during enquiry by changing of Enquiry Officer.

He has not produced any of the other daughter or sister of Sundari Kamin to whom he claimed that he is son-in-law of Sundari Kamin. So, it cannot be presumed that he is the son-in-law of Sundari Kamin. Management's document has not been filed by the concerned workman which may show that Shanti Devi is daughter of Sundari Kamin.

10. Considering the above facts and circumstances, I hold that the action of the management of Keshalpur Colliery under Katras Area of M/s. BCCL in dismissing Shri Kuldeep Bhuia, ex-Miner/Loader from service w.e.f. 5/6.11.92 is justified and the concerned workman is not entitled to any relief.

This is my Award.

H.M. SINGH, Presiding Officer.

नई दिल्ली, 23 नवम्बर, 2011

का॰ आ॰ 3657.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार मैसर्स इंडियन रेयर अर्थ्स लिमिटेड मणवालकुरिचि के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय चैन्नई के पंचाट (संदर्भ संख्या 61/2011) को प्रकाशित करती है जो केन्द्रीय सरकार को 23-11-2011 को प्राप्त हुआ था।

[सं॰ एल॰-29011/23/2010-आई आर (एम)]

जोहन तोपनो, अवर सचिव

New Delhi, the 23rd November, 2011

S.O 3657.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. ..... 61/2011.....) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court Chennai..... now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Indian Rare Earths Ltd. (Manavalakurichi) and their workma n, which was received by the Central Government on 23.11.2011.

[No. L-29011/23/2010-IR(M)]

JOHAN TOPNO, Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, CHENNAI

Friday, the 14th October, 2011

Present: A.N. JANARDANAN, Presiding Officer

Industrial Dispute No. 61/2011

(In the matter of the dispute for adjudication under clause (d) of sub-section (1) and sub-section 2(A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), between the Management of Indian Rare Earths Ltd. and their Workman)

BETWEEN

The President : 1st Party/Petitioner
Anna Minerals Employees Union
C/o Indian Rare Earths Ltd.
Manavalakurichi
Kanyakumari-629252

Vs.

The General Manager : 2nd Party/Respondent
Indian Rare Earths Ltd.,
Manavalakurichi-629252

APPEARANCE:

For the 1st Party/Petitioner : Set Ex-parte
For the 2nd Party/Management :
M/s S. Ramasubramaniam & Associates, Advocates

AWARD

The Central Government, Ministry of Labour *vide* its Order No. L-29011/23/2010-IR(M), dated 29.07.2011 referred the following Industrial Dispute to this Tribunal for adjudication.

The schedule mentioned in that order is:

"Whether the action of the management of Indian Rare Earths Ltd., Manavalakurichi for not giving annual increment to Sri E. Angle Bright of Anna Minerals Employees Union in the month of September, 1999 is justified or not? To what relief the workman is entitled?"

2. After the receipt of Industrial Dispute, this Tribunal has numbered it as ID 61/2011 and issued notices to both sides. Petitioner did not enter appearance in spite of several adjournments, though served with notice. Eventually he has been called absent and set ex-parte. Second Party entered appearance. Needless to say no Claim Statement has been filed showing the bundle of facts or claims underlying the claim made under reference. The claim of the petitioner does not stand supported by any pleadings to substantiate the demand with any evidence let in by the petitioner/1st party to substain the claim, unless rebutted with due pleadings and evidence adduced by Respondent in a due process of enquiry, thereafter to have been held.

3. Therefore not giving annual increment to Sri E. Angle Bright of Anna Minerals Employees Union in the month September, 1999 is only to be held as justified and the workman is not entitled to any relief.

4. The reference is answered according ly.

(Dictated to the P.A., transcribed and typed by him, corrected and pronounced by me in the open court on this day the 14th October, 2011)

A.N. JANARDANAN, Presiding Officer

Witnesses Examined:

For the 1st Party/Petitioner : None

For the 2nd Party/Management : None

Documents Marked:

On the petitioner's side

Ex. No.	Date	Description
	No	

On the Management's side

Ex. No.	Date	Description
	No	

नई दिल्ली, 23 नवम्बर, 2011

का॰ आ॰ 3658.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार मैसर्स तेल एवं प्राकृतिक गैस कारपोरेशन लिमिटेड के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय अहमदाबाद के पंचाट (संदर्भ संख्या 1476/2004) को प्रकाशित करती है जो केन्द्रीय सरकार को 23-11-2011 को प्राप्त हुआ था।

[फा॰ सं॰ एल-30011/65/2004-आई आर (एम)]

जोहन तोपनो, अवर सचिव

New Delhi, the 23rd November, 2011

S.O. 3658.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. ..... 1476/2004.....) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court Ahmedabad..... now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of ONGC Ltd. Baroda/Mehsana/Jodhpur/Camba, and their workmen, which was received by the Central Government on 23.11.2011.

[F. No L-30011/65/2004-IR(M)]

JOHAN TOPNO, Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, AHMEDABAD

Present.....
Binay Kumar Sinha,
Presiding Officer,
CGIT-cum-Labour Court,
Ahmedabad. Dated: 8th November, 2011

Reference: CGITA of 1476 of 2004

Between employer in relation to Oil and Natural Gas Corporation Ltd.

1. Through Incharge Forward Base
ONGC Ltd., KDM Complex,
Mando Road, Jodhpur-342326.

2. Executive Director/Manager,
ONGC, WRWC Makarpura Road,
Baroda-390009.

3. The Group General Manager,
ONGC Ltd., Makarpura Road,
Baroda-390009

4. The Dy. General Manager,
HRER, ONGC Ltd.,
Regional Office, Western Region,
Makarpura Road, Baroda.

5. Executive Director,
ONGC Ltd., Mehasana Asset,

KDM Bhavan,
Palvasana (Gujarat)-384003.

6. The Incharge Fordard Base,
ONGC Ltd., Knnsary (PO)
Anand, Cambay,
Dist. Kheda. .....First Parties

V/s

1. Their workman Represented by
ONGC Employees Mazdoor Sabha,
Opp. Police Pared Ground, Raopura Road,
Baroda.

2. ONGC Employees Mazdoor Sangh,
Ankaleshwar. .....Second Parties

For the First Parties : Shri Ajay R. Mehta, Advocate
Shri K.V. Gadhia, Advocate

for the Second Party : Shri Mukul Sinha, Advocate
Shri K.G. Pillai, Advocate

Second Party No. 1: ONGC Employees Mazdoor Sabha

Second Party No. 2: ONGC Employees Mazdoor Sangh

AWARD

In view of the Industrial Dispute existing between the employers in relation to the management of ONGC Ltd., and their workman through the Union, the appropriate government/Government of India/Ministry of Labour & Employment, New Delhi by its order No. 30011/65/2004-IR (M), dated 21.12.2004 referred the dispute for adjudication by this tribunal under section 10 of sub-section (1) clause (d) and sub-section 2(A) of the Industrial Disputes Act, 1947 by formulating terms of reference as per the schedule which is as follows.

SCHEDULE

"Whether the demand of the ONGC Employees Mazdoor Sabha, Baroda to give regular appointment to 577 term base appointees (list enclosed) is proper and just? If so what relief the workman are entitled for and what direction are necessary in the matter."

2. Notices were issued to the first parties and their workmen through ONGC Employees Mazdoor Sabha. The Union ONGC Employees Mazdoor Sabha through its working President Shri K.P. Ravindranathan appeared and filed a Vakalatnama at Ext. 3 in favour of Shri Krishan G. Pillai, Advocate on 27.12.2004 and also filed statement of claim at Ext. 4, dated 27.12.2004 and another application praying for the interim relief at Ext. 5, with an affidavit of a workman namely Shri Brijesh N. Dave at Ext. 6 and affidavit of Shri Prabhbhai Shankarbhai Patel one of the workman involved in this case at Ext. 7 in support of the interim application at Ext. 5. The second Union ONGC Employees Mazdoor Sangh filed application in this case for impleading itself as second party since workman are also follower of this union. Thereafter by order passed by the tribunal at Ext. 14 ONGC Employees Mazdoor Sangh was also impleaded as second party No. 2 and thereafter ONGC Employees Mazdoor Sangh also filed separate statement of claim at Ext. 15. The Management of ONGC also appeared in this case and filed its written statement at Ext. 36 with respect to the statement of claim of the ONGC Employees Mazdoor Sabha. The first party also filed separate written statement at Ext. 38 with respect to the statement of claim of the Union (ONGC Employees Mazdoor Sangh).

3. The case of the second party No. 1 ONGC Employees Mazdoor Sabha at Ext. 4 as per its statement of claim is that the ONGC Employees Mazdoor Sabha had raised in Industrial Dispute before the conciliation officer and Regional Labour Commissioner Central on 21.8.2003 raising charter of 7 demands including demand No. 1 for rgularization of term bases appointees. The matter remained in conciliation and failure of conciliation report was sent to the appropriate Government on 13.8.2004. In the meantime the development took place that the management started issuing fresh interview letters intending to change existing condition of services of term base appointment to tenure base appointment. The management wanted to change existing condition of services in the month of December, 2004. So, writ petition being SCA No. 15495/2004 was filed before the Hon'ble High Court and the said application was disposed of on 17/18.12.2004 on the ground that highly disputed question of facts are involved in the matter on the ground that the dispute is already pending for reference before the Apporpriate Government, the relief sought for in the said petition can be pressed before the Tribunal. Since interim protection was not granted and since reference was not made and kept pending before the appropriate government, the union (ONGC Employees Mazdoor Sabha) preferred L.P.A. No. 2596/2004 with SPA No. 10096/2004. At the time of hearing of the said LPA, the Ministry of Labour referred the dispute for adjudication by the tribunal and the copy of reference order came in the hands of ONGC Employees Mazdoor Sabha at the time of hearing of the LPA, it was placed on the record of the Hon'ble Court. Since the reference was made the LPA was disposed of without expressing any opinion on the merit of the case. Out of the several demands raised by the union the Ministry referred the main demand under the schedule of reference regarding demand to give regular employment to 577 term base appointees as per terms of reference. Further case is that ONGC Ltd. had originally emanated from the Special Act of Parliament namely ONGC Commission Act, 1956. Subsequently the corporation was converted into Government Company and now the ONGC is a Government Company under the Companies Act, 1956 fully managed and controlled by the Government of India, the ONGC has mainly engaged in exploration and production and discharge very important economic function in the country. Since 1987 onward to regular recruitment

has taken placed in ONGC Ltd. in Western Region and from 1987 to 2004 about 30% Labour force are reduced by either retirement, either reaching the age of superannuation or voluntary retirement, termination of employment, leaving the employment, for individuals own reasons and since no recruitment has taken place the ONGC Ltd. started managing its affairs by deploying contractor labour in Western Region and according to information more than 5000 contract labours are working in Western Region of ONGC Ltd. on regular posts like Turner, Welder, Fitter, Watchman, Helper and even Private Secretary, Accountant and Telephone Operator are working present days as Contract Labour and they have put in more than 10 to 15 years service by this time there are several reference case of contract labour pending before this tribunal for adjudication. On the ground that the contract is bogus and shame. Further case is that out of the 577 workmen involved in this case whose list attached with schedule of reference, it includes 21 employees whose reference has already been decided by this tribunal and confirm by the High Court, the L.P.A. No. is pending being LPA No. 759/1999 no stay granted. About 313 Apprentice Trainees who were specifically trained by ONGC Ltd. in Technical Training Institute Cambay and who were required to be absorbed in the permanent service in the ONGC as per regulation 6(12) of ONGC modified R&P. Regulation 1980 are also included in 577 employees. Further case is that ONGC is maintaining its own Technical Institute and appointment orders are issued on completion of successful training. The names of 313 apprentices were sponsored from Employment Exchange and these persons were selected and they were given training at the Technical Training Institute of ONGC at Cambay, but no permanent appointment orders are issued and these 313 employees instead of getting regular/ permanent appointment order, they were given terms base appointment order and the management of ONGC has deviated from the existing custom and usage of giving regular appointment on completion of successful training period. Further case is that these 313 pesons were appointed on regular and clear vacancies. Further case is that 21 employees in respect of whom the reference has been decided and confirmed by the High Court were issued term base appointment orders and the 313 employees who completed successful training period have also been issued term base appointment order. Further case is that 47 employees who interviewed second time on 06.12.2003 for regularisation but no order for regularising them was issued and they are subjected to further interview for the reasons best known to ONGC. Further case is that the advertisement which was issued against which workman applied, did not make any stipulation that appointment was term base and no such intimation was given even to the Employment Exchange. It is only when the appointment orders were issued such stipulation was made that the appointment is for a period of 4 years. Further case is that 577 employees includes 20 who were given compassionate appointment as dependant of the deceased employees but their service were also treated as terms base appointment though compassionate appointment on the death of employees who is on regular and permanent establishment. There are about 9 to 10 employees who are physically handicapped as they are army persons returned from Kargil War they have also been issued term base appointment order and now subject to further interview and weeding. Further contention of the Union Sabha is that the action of issuing term base appointment is not only illegal, unjustified but also amounts to unfair labour practice as under the garb of fresh interview the ONGC Ltd. wants to weed out persons who they do not like. Further case is that all these employees have thoughrolly interviewed by duly constituted selection committee and they were appointed on probation and they have completed probation period also. So, the question of reinterview on completion of 4 years does not arise and the action of the ONGC Ltd. is a colourable exercise of managerial power for a ulterior motive. The service condition of the employees working in ONGC Ltd. is regulated for recruitment, permanent, regulation framed long back and amended time to time the original recruitment and permanent regulation have been framed when the ONGC functioning under the Special statute namely ONGC Corporation Act, 1956 and subsequently status of corporation changed from the autonomous body as Government Company under the Companies Act, 1956. The ONGC adopted the recruitment rules and regulation which prevailed and prior to conversion of the autonomous body into company in the year 1994. So, recruitment and permanent recruitment for a statutory force of letter and is on the same footing as a recruitment framed under Article 309 of the constitution of India. No such recruitment made with stipulation with regard to terms base appointees. Neither there is any provision under certified standing order permitting the employer to issue term base appointment even management of ONGC by malafied exercise of power issued terms base appointment. Further case is that the present dispute is referred before this tribunal so, management of ONGC is under legal obligation not to affect any change in the existing condition of service of the employees in respect of whom this tribunal is seized of the matter. So, management of ONGC is also under obligation to maintain status-quo and continuing the workman beyond 31.12.2004 as a stipulation of 31.12.2004 is illegal and amounts to unfair labour practice since the persons are appointed on clear vcancies after due process of law. Further case is that during pendency of the petition before the Hon'ble High Court the contention of management of ONGC was that it has right to manage its business and to reassess its man power on such plea that exploration activities is slowly and slowly shrinking. In this connection, the contention of the ONGC Employees Mazdoor Sabha is that 577 employees whose name are attached with this reference are not exclusively working in the exploration section of ONGC rather those employees are working in

various category *viz*-Junior Assistant, electrical, feeting, production installation, finance and accounts, personal and adminsitration, time keeper, electrification, welding and fireman, mali, motor vehicle drive and nurse, operator, pharmacists, sanitary cleaner, stone surveyor, chemist, auto, head attendant programmer and SGA exploration and geograhical. ONGC Employees Mazdoor Sabha has prepared synopsis as to how many persons out of those 577 employees belongs to which category. It is further case of the union that the categories among the 577 employees belong to the section which is exploration, employees namely General Assistant Technical (production) who are 124 in number belong to production section. After exploration the production starts and production never stops. It is not a case of appointment in a project with fixed duration. So, it cannot be assumed that on completion of project the service of employees can be terminated. Mali, Fireman, Nurses, Operators of these categories belong to the section other then the explorations. The ONGC is making a highper-technical issue of reduction in exploration which is unjustified and illegal. The plea of ONGC that there is reduction in work or there is shrinking which compeles the management to reduce the existing man power has no leg to stand. In the garb holding fresh interview the only intention of the management is to terminated the service of employees who they did not like and if this is permitted, it would amount to retrenchment of existing labour force against provision of chapter V. B particularly section 225(n) of the ID Act, 1947. Further case is that holding fresh interview after 4 years is colourable exercise of managerial power particularly when the employees have completed their one year probation period and work continuously and satisfcatorily for a period of 3 years. Further case is that the sabha (ONGC Employees Mazdoor Sabha) has filed a report prepared by the management of ONGC as to man power requirement for a assess regional office, internal audit, material management, legal security force and such report contains 9 pages as per Annexure-C to statement of claim similar report has also been filed in respect of Mehsana project through D.O. Letter dated 14.12.2008 contains in 5 pages has been marked as Annexure-D to the statement of claim. Further case is that management of ONGC has adopted pick and choose also in the matter of confirm and term base appointment since one of the term base appointee namely Shri L. Srinivasan Reddy has been issued regular appointment order without any copy of the order as to regular appointment has been marked Annexure-E with the statement of claim. Further case is that in other region like Assam, Madras, Calcutta no such term base appointment order has been issued and after interview by the duly constituted selection committee persons have been recruited on regular post on probation and on completion of probation period, they have been regularized. The management have also issued interview letters to those workers along with 577 persons who have not even completed 4 years of tenure, there are persons who are recruited in the year Aug. 2001 and their term of 4 years completing in Aug. 2005 and still have even issued interview calls. Further case is that for all practical purpose the ONGC has been treating 577 workmen as permanent regular employees and now taking advantage of the stipulation in the terms of appointment. For example certain benefits known as post retirment benefits scheme is applicable only to the permanent employees whereas 577 employees are also members of the said scheme for the benefits. A part from according to rules only permanent employees are supposed to undergo Territorial Army Training, these groups of persons are also sent for Territorial Army Training. so, it cannot be said that they are temporary or terms base appointees. The question of reducing man power will not arises as there are vacancies for absorbing 577 persons as regular employees. On these grounds prayer has been made to allow the reference and direct the management ONGC (first parties) to treat 577 employees as regular/permanent employees of ONGC Ltd. Also to hold the action of the first party employer in holding fresh interview to weed out the persons, after completion of their probation period is illegal, invalid and bad in law and the same amounts to unfair labour practice and for any other relief to which the workman are found entitled in this case.

4. Originally the demand was raised by ONGC Employees Sabha against the management of ONGC for regular appointment to 577 term base appointees and on failure of conciliation resulted in the order of the appropriate government sending for adjudication as per terms of reference. Subsequently the ONGC Employees Mazdoor Sangh, Ankleshwar also appeared in this case and files application at Ext. 13 for impleading this Sangh also as second party to this reference consequently order at Ext. 14 was passed by this tribunal on 28.12.2004 allowing the application of the union Sangh for joining as necessary party in this case. And it was ordered that ONGC Employees Mazdoor Sangh, Ankleshwar will be termed as second party No. 2 in this case, also directing the newly added second party No. 2 to file statement of claim, then the ONGC Employees Mazdoor Sangh, Ankleshwar, filed its separate statement of claim dated 28.12.2004. The case of the Sangh is almost on the same gound as that of second party No. 1 ONGC Employees Mazdoor Sabha, Baroda who took up the cause of all the 577 workmen involved in this case. The claim of second party No. 2 (Sangh) is that there are about 300 workmen out of 577 workmen who are follower of Sangh so this (Sangh) is taking up the cause of all those workmen who are follower of it. The main grounds taken by second party No. 2(Sangh) is almost as that of Sabha (Second party No.1). So there is no need for repeating the grounds taken up by Sangh in its separate statement of claim at Ext. 15.

5. The management of ONGC 1st party filed two written statements at Ext. 36 and Ext. 38. Ext. 36 relates to the written statement against the statement of claim for the

workmen represented by ONGC Employees Mazdoor Sabha, Baroda. Whereas the written statement at Ext. 38 relates to the statement of claim of the newly added second party No. 2 ONGC Employees Mazdoor Sangh, Ankleshwar. The case of the first party ONGC pleading *inter-alia* to the statement of claim of Sabha at Ext. 4 and Sangh union at Ext. 15 (for both unions) are almost same. So, there is no need for dealing separately objections taken in the two written statements against two statements of claims of the union "Sabha & Sangh" for the brevity. The contentions and objections and the case make out by the first party ONGC is dealt with combining with two statements of claims.

6. The management of ONGC first parties have pleaded *inter-alia* as per its written statement at Ext. 36 and 38 that the reference is not maintainable, this tribunal has no jurisdiction to decide the present reference, the reference is in competent and bad in law, the terms of reference are vague the workman involve in this reference case are not workman as define under section 2 (s) of the ID Act and there is no relationship of employer and workman between the first parties and second parties. The case of the first parties is that all the term base appointees were discontinued on 31.12.2004 as per the appointment order and so matter has become in fructuous and that the jurisdiction of this tribunal is limited only to the reference and not to travel beyond the terms of reference. Further case is that all the appointees have been discontinued by efflux of time as per the appointment order. So action of the corporation is exempted under sub clause (bb) of clause (oo) of section 2 of the ID Act, and so second party is not entitled to get any relief in this case. The appointees are aware that they were appointed for a specific period only and at the expiry of the said period they have accordinlgy been discontinued and that the corporation had neither retrenched them nor changed their service condition nor violated any provision of section 33 of the ID Act. Further case is that 577 listed appointees to the reference were not appointed as per the Recruitment Rules of the Corporation. And so, they have no right to claim for regularisation/ regular appointment in the corporation and that the corporation is not admitting various statement and contention made in the statement of claims and it is upon the second party to strict prove of the same accept for those contentions which are specifically admitted by the corporation. Such case has been made out by the first party that exclusive right to explore, development, and produce minerals including peteroleum products in India vest in the State. An Oil Directorate was accordingly formed by the Government of India in 1965 with a view to search for, explore and produce hydrocarbons in India. The Oil Directorate functioned as a department of the Government of India. In 1959 the Oil & Natural Gas Commission Act, 1959 was enacted with a view to form a statutory body to take over the functions of the Oil Directorate. The Oil & Natural Gas Commission was granted exclusive permits to search for, explore, development, and produce hydrocarbons in India including its economy zone on a nomination basis. Consequently the Oil & Natural Gas Commission enjoyed a virtually monopoly in searching for, exploring, developing and producing hydrocarbons in India. With liberization of the economy, the situation changed drastically and it was decided to dismantle Oil & Natural Gas Commission itself as a statutory body and to form instead a company under the Companies Act, 1956 call the Oil & Natural Gas Corporation Ltd., which would function as commercial entity acting in competition with others in searching for, exploring, developing and producing hydrocarbons. In 1993, the parliament passed the Oil & Natural Gas Commission (Transfer of undertaking) Act, 1993 transferring the undertaking of Oil & Natural Gas Commission to the Oil & Natural Gas Corporation Ltd., and repealing to the Oil and Natural Gas Commission Act, 1959. As part of the change in policy, in 1997 the Government of India decided to change its policy of granting exploration rights on nomination basis to Oil & Natural Gas Corporation Ltd, and decided instead to award exploration blocks within territory and economic zone of India on a global tender/ competitive basis. The result was that the ONGC Ltd. could thereafter obtain fresh exploration rights or licenses only on the basis of competitive bidding with other global players. It is further case of the first parties that fall out of this policy of the government of India was to restrict the licenses already granted by it to ONGC to specific exploration blocks with respect to which the license had been granted and to the period for which licenses had been granted. As a result it become necessary for ONGC to undertake and complete search and exploration activities in the specific license block within the specified time frames. So, it became a matter of urgent necessity for ONGC to undertake on a defined time basis exploration of specific exploration Block for which it has been granted exploration license within the time frame. A programme was drawn by and in around 1999 for exploration in 93 exploration blocks for the Western Region Primarily of Gujarat and Rajasthan by the end of 2004. The programme called for an additional short term Personnel requirement to implement the programme/project. Said requirement was primarily for personnel in class III and class IV. The period of exploration was Primarily reckoned as a 4 year period where after further exploration would depend upon a number uncertain and variable factors, including discovery of hydrocarbons in the first exploration cycle, the quality and quantity hydrocarbons discovered and the location and the depth of the discovery, if the exploration does not yield hydrocarbons, then other exploration in that area is abandoned. If, on the other hand the exploration yield positive result and calls for further exploration of wells in that Blocks then programme is renewed with respect to this Blocks where further exploration and development work is warranted. In this context it was no feasible to draw up or estimate requirements for more than 4 years at a time. So, in

and around 1999 on estimating Personnel requirements for exploration blocks/projects it was realized that the requirements were at best sort term requirement for next 4 years where after a fresh assessment would have to be made depending upon the factors aforesaid and additional Blocks in respect of which ONGC may be a successful bidder under the New Exploration License Policy. In the New Exploration License Policy (NELP) and in around I, II, III and IV being undertaken between 1999 and 2003. Subsequently it was recognized that any appointment against these estimated short term requirements would necessary have to be time bound tenure based appointments and that fresh estimates of the appointments would have thereafter to be made in 2004 for the next 4 years and fresh appointment may have thereafter to be made for exploration Blocks/projects. Further case is that it was decided that since fixed tenure base appointments were temporarily in nature both in advertising the post and intimation of the vacancies to the employment exchange, it should be made clear that this were strictly tenure based posts for a term of 4 years. Accordingly intimation was given to the employment exchange on the basis of the standard letters on this behalf issued by ONGC to the concern employment exchange and the said letter specifically stated—"these posts are for a term of 4 years". These letters were accompanied by requisition form to be used for inviting applications from employment exchange with respect to each of different categories of Personnel in relation to which applications were invited from the employment exchanges. The specimens of each of the letter dated 02.06.1999, letter dated 10.03.2000 and letter dated 03.07.2001 addressed by Baroda office of ONGC and of the enclosed requisition forms are attached with the written statement as Annexure—I, II, III and press advertisement as Annexure—IV. Further case is that the most of the existing exploration license awarded to ONGC would start expiring in the year 2005 onwards with almost all of them expiring by 2008. Under new exploration license policy (NEPL) ONGC exploration license only with respect to 2 applications in the cambay basin Western Region actual number of exploration application/project plan for exploration have reduced from maximum 93 in the year 1999, maximum of 56 in 2004, 53 in 2005, 48 in 2006, 43 in 2007, 32 in 2008, 6 in 2009, 3 in 2010 and o in 2011. Further case is that it was observed by the corporation that exploration activities are on downward trend during course of each period and there would be reduction between the requirement at the commencement of the periods and requirement. At the end of the period the requirement for the tenure appointment for exploration blocks/projects in the Western Region during next 4 years have been estimated at between 70% and 80% of the existing tenure appointments in class III and class IV. So taking into account these uncertainties it has been decided that the appointment for the projects shall be on a tenure basis. Further case is that it has been decided by the ONGC to call on tenure based appointees to adjudge their suitability and competence for fresh terms of 4 years and the corporation estimated 3 parameters/qualification, performance and interview, the interview letter have accordingly been sent to all the tenure base appointees whose tenure expires at 31.12.2004 as per Annexure-G. Further tenure of all tenure based employees whose tenure had expired prior to December, 31-2004 has been extended up to December, 31-2005. So, that they are not rendered unemployed pending assessment of the fresh requirements for the next 4 years and that fresh appointments proposed to made in terms of the Tenure based Employment scheme commencing from 01.01.2005. But none of the tenure base employees in the Western Region had hitherto appeared for interview on the date on which they have been called for interview. If existing tenure based employees are not interested in fresh appointments ONGC will not have alternative to invite fresh application through employment exchange and/or otherwise to meet the projected requirements between 2005-2008. The first party have denied to the allegation made in the statement of claim of the union shifting the liability upon the second party union to strict prove of those facts. However admitting such position that the corporation is engaged in exploration and production of Oil which is very important economic function qua-the country. The first party has denied para 7 of the statement of claim of the Sabha that regular recruitment has not been taken placed in the corporation since 1987. Further denial that 30% of the work force is reduced. It has also been denied that the corporation has started managing its affairs by deployment of contract labour in the Western Region also denying that 5000 contract labours are working in the Western Region on different posts like Turner, Welder, Fitter, Watchman, Helper, Private Secretary, Accountant and Telephone Operator. It has also been denied that several reference are pending for adjudication on the ground that the contract is bogus and shame or it is invoked to avoid direct relationship of Master and Servant. It has been further denied to para 8 of the statement of claim that rights of 21 appointees out 577 appointees have been decided by the tribunal and confirmed by the Hon'ble High Court and that LPA No. 759 of 1990 is pending. It has also been denied to para 9 of statement of claim that 313 apprentice trainees trained by Technical Training Institute at Cambay who were allegedly required to be absorbed in permanent service of the ONGC as per Regulation 6(12). It has been stated that though corporation maintained its Technical Institute and trains persons but this does not show any obligation on part of corporation to appoint such trained persons on a regular basis. It has been denied that any custom and usage is prevailing in the corporation for regular/permanent appointment of those persons on successful completion of training in the Training Institute at Cambay. So, there is no question of any right existing in favour of the person for a fixed tenure of appointment even if they have successfully completed their

training. Para 10 of the statement of claim have been denied by the first party and it has been stated that it is a matter of record that 21 appointees have also accepted terms base appointment and rights of 21 persons already stood determined by the corporation there is no reason as to why such persons should have accepted term base appointment. Para 11 and 12 of the statement of claim had also been denied. Para 13 of the statement of claim has also been denied that the action of issuing term base appointment are illegal, unjustified or amounts to serious unfair labour practice and that the corporation wants to weed out persons under the garb of fresh interview. It has been stated that the persons who were interviewed initially were appointed on probation is of no consequence and that probation cannot be straight Jacket manner with reference to the provision of the model standing order Act, 1946 and that the probation period of a fixed term appointees do not confirm permanent status of the basis appointment order. It has been denied that the re-interview is a colorable exercise of power of the coporation denying para 14 of the statement of claim. It has been submitted that it is a matter of record that R & P Regulation have to be modified and in consultation with all the recognized union. It has been denied that the regulation having statutory force. It has been denied that the allegation qua regulation not making any stipulation qua term base appointment. It has been denied that the allegation qua certified standing orders not permitting such appointment. It has been denied to para 13 of the statement of claim that the corporation is in any obligation not to effect any changed in the existing service condition since the tribunal seized all the matter. First party has also denied para No. 16 of the statement of claim and stated that such allegation that various appointees not being exclusively in exploration. Against this, it has been stated that the requirement of man power depend upon exploration activity which is main function of the corporation. The reference to the appointees to various kind of work as Junior Assistant in various aspects as a matter of record it has been stated that in exploration various support staff would be required it would be squarely there was exploration activity and with reduction in the exploration activity the requirement of support staff is also bound to reduce and infrastructure staff requirements would also reduce para 18, 19 and 20 of the statement of claim have been denied. Para 21 of Statement of claim has been denied. It has been stated that no any pick and choose policy is being resorted by the corporation. The allegation of statement of claim that terms base appointee Mr. L. Shinivasan Reddy was absorbed in regular appointment has been denied in this way that the case of Mr. L. Srinivasan Reddy was different to that of other terms base appointees. Other prargraph of the statement of claim have also been denied.

7. It is also pertinent to mention here that the second party No. 1 ONGC Employees Mazdoor Sabha filed application for amendment in the statement of claim by inserting two paragraphs 14-A and 14-B and this tribunal as per order passed at Ext. 74 allowed such amendment to be made in the statement of claim by inserting new sub paras 14-A and 14-B in the statement of claim of Sabha. Thereafter the second party No. 1 ONGC Employees Mazdoor Sabha, Baroda submitted fresh statement of claim mentioning the amended sub para 14- A and 14-B as per amended copy at Ext. 90. The other paragraphs of the statement of claim of Sabha have already been dealt so, now only amended para 14-A and 14-B amended *vide* order dated 04-05-2009 by this tribunal at Ext. 74 are to be dealth with. It has been pleaded by the second party No. 1 union at para 14-A of the statement of claim that the provision of Industrial Employment standing orders Act, 1946 is applicable to ONGC and therefore provisions thereof are binding on ONGC. The ONGC which is now a company under the companies Act is bound to floow the Model Standing Orders which are framed under section 2/A of the Act. In the State of Gujarat Model Standing Orders are made binding and applicable to all Industrial Establishment and therefore the Model Standing Order framed under the Industrial Employment Standing Order (Central Rules) 1946 at Schedule-1 is applicable to ONGC. Clause-2 of the standing orders classify the workman as permanent, probationers, badli, temporary, clause and apprentice and that each of the above categories are defined and there is no category like "terms base" "tenure base" in this classification and that there is neither any equivalent classification in respect of the term base or tenure base employment. So, as revealed from the facts, the nature of work given to term base/tenure base employees is not for a fixed term and the work did not come to an end at the end of the term. Infact the nature of work is permanent. Appointing the employees on a regular and permanent based and that classifying them term base/tenure base is wholy control to the Model Standing Order and therefore the employees terms cannot be truncated in the manner in which it has been done. As per the amended para 14-B further case of the second party No. 1 (Sabha) is that the manner and extent in which the Model Standing Order can be altered or changed are provided in section 10 as modified by the Government of Gujarat and that Classification given regarding the status of the workman in Model standing order cannot be unilaterally changed by ONGC and for alteration made in the classification which is in consistent with the classification provided in the Model Standing Order would become void. In that view of the matter the so called changes made by the Chairman of ONGC dated 09.02.1999 to 20.10.1999 "introducing the term base appointment" and further creation of tenure base appointment by modifying/amending the ONGC service Rule 1995 circulated by office order No. 25/2005 dated 07.07.2005, would become nonest for the reasons that such facts are made without following procedure set out under the provisions of the Industrial Employment Standing

Order Act, 1946 and further for the reasons that such classification of the workman are contrary and in consistent with Model Standing orders.

8. Consequent upon adding para 14-A and 14-B in the statement of claim of the Union Sabha, the first party ONGC Ltd. also submitted additional written statement towards reply to the amended paragraph under sub para 39-A and 39-B of the original written statement at Ext. 36. The written statement of the ONGC to the amended paragraph 14-A and 14-B of the statement of claim is at Ext. 98. *Vide* para 39-A it has been specifically denied to paragraph No. 14-A of the statement of claim that the provision of the Employment Standing Order 1946 have any bearing to the facts of the present case. It has been submitted that as far as completion with Industrial Employment Standing Order Act, 1946 is concern it is pertinent to note that fixed term employment had been added and item No. 2 (classification of worker) of schedule-I also Model Standing Order (in respect of Industrial Establishment) not being Industrial Establishment of coalmine of the Industrial Employment (Standing Order) Central Order, 1946 as a result of GSR 936E/dated 10.12.2003 with effect from said date provision of section 13 (b) of the Act are relevant with reference to ONGC Ltd. which provide that the Act will not apply to certain Industrial Establishments wherein FR, SR, etc or any other Rules or regulations that may be notified in this behalf by the Appropriate Government in the Official Gazette apply. ONGC was initially department of Government of India and FR, SR etc. apply to its employees, If ONGC Commission was form under the Regulation Governing terms of conditions of service where notified by the Government of India Gazette, thereafter under the ONGC (Transfer of undertaking and Repeal) Act, 1993 the present corporation was created as a company registgered under the Companies Act, 1956 and officers and employees were deemed to be transferred to the corporation under the same terms and conditions of the service as existed under the commission. Thereafter in terms of section 13 (B) of the said Act, the said Act still does not apply to ONGC Ltd. Reference to the Model Standing Order of the said Gazettee are irrelevant as they are not applicable to the Central Government Public Sector undertaking. It is pertinent to mention that under Industrial Dispute Act, 1947 Appropriate Government for ONGC Ltd. is the Central Government therefore, only Central Government Acts are applicable. The Gujarat State Government Model Standing Order is not applicable as alleged and are hence specifically denied. Further stated herein above the union deliberately does not referred to the above referred fixed term employment which had been added yet above referred GSR with effect from 10.12.2003 and hence the contents of para 14-A of statement of claim are specifically denied. Further contention is that the persons were engaged for a fixed tenure and he persons had applied and accordingly in light of which the entire dispute is untenable. Further the Industrial Dispute Act, 1947 was amended *w.e.f.* 18.08.1984 by amending Act of 49 of 1949 which envisaged concept of fixed term concept by introduction of section 2 (00) (bb) and that the parliament accepted of fixed term employment by legislating the termination of service of a workman as a result of none renewal of contract of employment between the employer and workman concern on its expiry or on such contract being terminated in a stipulation in that behalf contained therein would not tantamount to termination. The concept of fixed term contractual employment has also been upheld by the Hon'ble Apex Court in various judgement including Constitutional Bench Judgement in the case of Secretary State of Karnataka *V/s* Umadevi reported in 2006 (4) SCC Page 1. In reply to amended para 14-B of the statement of claim, the first party ONGC *vide* Ext. 98 at para 39 (b) further denied. It has been mentioned that the reference to modification by the Government of Gujarat are irrelevant since same would not apply as far as ONGC Ltd. with concern appropriate Government of India ONGC is Central Government Company so said legislation is not applicable. Such contention of the union Sabha qua modifying amending of ONGC service Rule circulated by office order No. 25/2005 dated 07.07.2005 became nonest are absolutely in correct and also denied.

9. It may be also pertinent to mention here that right from beginning the parties are approaching to the Hon'ble Gujarat High Court on one and other matter and on passing of any orders by the tribunal in connection with this case resulting in filing of SCA No. 22456 of 2005 and passing of the orders by the Hon'ble Court on 29.12.2005, then filing on SCA No. 1713/2004 and passing of orders by the Hon'ble Gujarat High Court on 31.12.2004, also passing of order by the Hon'ble Court in SCA No. 17161/2004 on 08.12.2005 wherein the respondent union had agreed not to press for any order, in interim application at Ext. 21 or any other application for interim relief before the Industrial Tribunal and any such application shall stand withdrawn without prejudice to the right and contention of the union in the main reference. It has also been incorporated in the order it is clarified that this withdrawal of the application will not affect the right of the individuals workman who are not reemployed. persuant to the interview held by ONGC. It will not bound to them to take recourse to the remedey available to them under the statute. The copy of this order was also sent to this tribunal which is attached with the record. In SCA No. 22456 of 2005 the Hon'ble High Court in the order dated 22.11.2008 passed order at para 8 "after hearing of both Counsel and persuing impugned order and the material placed on record *viz* written statement and claim statement this court is of the view that the following documents as stated herein below order to be produced as per the demands of the respondents, terms of reference and statement of claim and the written statement warrant such production for proper adjudication of issue befor the court (Industrial Tribunal)" the petitioner ONGC had assailed order dated 14.08.2005 at Ext. 42 passed by the

Industrial Tribunal on production of the certain documents mention there under, on the ground that the said order is amounting to permitting the farseeing and not in consonance with the law. In the order of the Hon'ble High Court on 20.11.2008 at para 10 it has been mentioned "this court is of the considered view that the production of the aforesaid 3 documents (Serial No. 3, 4 & 11 on Annexure regarding production of documents) would be absolutely relevant and germane for deciding the demand as could be seen from the terms of reference and therefore in view of this as the order of the Labour Court is modified the petition deserves to the allowed and is partly allowed and the order of the Industrial Tribunal passed at Ext. 42 is modified". Further it is pertinent to note in a affidavit the ONGC at Ext. 88 in response to the application below Ext, 43 of the ONGC employees Mazdoor Sabha at Serial No. 4 asking for the following documents man power position so sanctioned filled in and taking position in respect of clause-3 and class-4 staff in the Western Region and project-wise in respect of the project during the year 1998-1999 to 2002-2003. The first party filed a detail reply of the man power position in this affidavit at Ext. 88. At para 6 regarding production of documents at Item No. 11, it has been mentioned that copy of the proposal sent by the Regional Office to Head Quarter is produced. The total paper in 10 sheets were submitted before the Tribunal with affidavit at Ext. 88. Further it is pertinent to mention here that the ONGC also filed SCA No. 13515 of 2009 against ONGC Employees Mazdoor Sabha and one respondents challenging the order passed by the Industrial Tribunal on 03.12.2009 below Ext. 39 application where under the tribunal had issued ad interim order restraining the petitioner (ONGC) from undertaking any further procedure and in respect of the advertisement dated 12.11.2009 for making recruitment and appointment for 396 vacancies. With liberty to the petitioner corporation to approach the tribunal with a copy to other side for modification/vacation/or expeditious hereing thereof. In this SCA order was passed by the Hon'ble High Court of Gujarat dated 18.12.2009 incorporating at para-7 (X) "the order impugned has no prohibitory effect upon the recruitment procedure as could be seen from the order it self...it has been mentioned also by the Hon'ble Court in para 8 "this court is of view that petitioner was not justified in straightway approaching the court in absence of any juristically fact..." it has also been mentioned in the same para "court therefore, is not inclined elaborately dwell up on the propriety and legality of the order that is passed by the tribunal nor is the court inclined to give its opinion with regard to propriety of passing such order in view of the decision of the Apex Court in case of Secretary State of Karnatak *V/s* Umadevi (Supra). It has also been mentioned in the last para 8 of the order" the liberty is granted to the petitioner corporation for moving the tribunal for early hearing and/or modification of the order. The S.C.A. preferred by the O.N.G.C./Petitioner was rejected.

10. Upon consideration of the pleadings of the parties to this reference, the following issues are framed for discussion and consideration for answaring to the terms of reference sent for adjudication to this tribunal.

ISSUES

(I) Whether the reference is maintainable?

(II) Have the second party union got valid cause of action in this case?

(III) Whether the term based or tenure based appointment of the workman involved in this case is alike contractual job, or whether they were appointed following all the recruitment rules of the first party ONGC against vacancies?

(IV) Whether the demand of the union for giving regular appointment to the workman is like a demand raised for their back door entry in the service?

(V) Whether management of the ONGC (first party) has legal right to take such plea that since workman accepted their appointment as term base of 4 years, so they are debarred by estoppeal by conduct to claim for regular appointment?

(VI) Whether the first parties (ONGC) have given true assessment that all the workman involved were appointed for exploration project and since exploration project is shrinking so there would be no requirement of workmen for further extension of term/ tenure after 31.12.2004?

(VII) Whether the demand of union (ONGC) Employees Mazdoor Sabha) for giving regular appointment to 577 term base appointees (as per list enclosed) is proper and justified?

(VIII) What orders in this case required?

FINDINGS:—

11. **ISSUE NO. III, V, VI**

These issues are taken up together for discussion and consideration as those are interlinked. Second party have adduced both oral and documentary evidence to support the claim as per terms of reference. On the other hand first party ONGC have adduced documentary evidence as well oral evidence of one management witness Mr. Narayan in support of its case and for denying the claim of the second party in this case. It is undisputed that the management of ONGC (first party) appointed 577 workmen or fixed term basis of 4 years in the year 1999, 2000 and 2001. In the year 1999—37 workmen appointed, in the year 2000—384 workmen and in the year 2001—157 workmen were appointed total of 577. The evidence led on behalf of the second party is that regular recruitment procedure were followed in accordance with the provisions contained in ONGC Modified Recruitment and Promotion Regulations 1980 as per Ext. 68/1 filed by the first party

which is on the record. On behalf of the second party union (Sabha) the breakup of qualification required for the respective posts in respect of the concern workman involved in this reference has been submitted before this tribunal on 28.03.2011 and its copy also of furnished to the first party. As per breakup details required for the posts as mentioned in Schedule-1 of the Ext. 68/1 are as follows:— 34 workmen as per item No. 18 for the post of JR AT (Elect.) qualification Matric with Science Trade Certificate in Electrical etc., 38 were recruited for item No. 17 as JR AT (Electronics), 41 also for item No. 17 as JR AT (Instrumentation), 48 for item No. 27 for JR AT Junior (fitting), 49 also as JR AT diesel, 56 for item No. 19 as JR AT production, 63 for item No. 62 as JR AT (A/E), 64 for item No. 70 as Junior M.V. Driver, 67 for item No. 7 as junior Attendant and 68 for item No. 21 as Junior Helper all having qualification of Matric with Science and the recruitment of the driver having with driving license and for recruitment for Junior Attendant and Junior Helper qualification simple Matriculate have been appointed. Further 77 workmen were recruited for the post of item No. 17 as JTA (Chemistry) and 82 also for item No. 17 as JTA (GEOL) having with qualification with BSC (Chem/& Geol). More so, 98 were recruited for item No. 14 as JTA (survey) having qualification of Matric with science and Trade Certificate in survey. 104 appointees were also for item No. 17 recruited as Junior Assistant Accounts having with qualification B.Com with typing and 127 appointees for item No. 23 for the post of Junior Assistant (P & A) having with qualification Graduate with typing have been appointed by the first party that go to show that all the appointees were not appointed for exploration only rather majority of the appointees were appointed for other works of the ONGC in the Western Region. From Ext. 52 to 66, 15 workmen were examined in this case and at Ext. 67 the working President of the second party Sabha Shri K.P. Ravindranathan also examined himself in support of the claim Junior Assistant Technician (Auto Electrical) namely B.D. Jadeja at serial No. 39 of the list attached with the terms of reference deposed representing the workman at serial No. 1, 117, 118, 119, 338 & 369 Total 7. His evidence is at Ext. 52 Shri L.C. Desai Junior Assistant (P & A) deposed through the affidavit whose name is at serial No. 38 in the list who is representing other workmen at serial No. 8, 21, 30, 31, 32, 100, 271 to 283, 440 to 445, 518, 552 to 525 total workmen 30. His affidavited deposition is at Ext. 53. Workman Shri Suresh. Tabiar (serial No. 65 in the list) filed an affidavited deposition working as Junior Assistant Tech. (Production) representing the concern workman at serial No. 63, 64, 66 to 87, 100 to 116, 245 to 263, 348 to 356, 411 to 433, 502 to 505, 513 to 517 and 528 total 123 workmen. His affidavited deposition is at Ext. 54 At Ext. 55 the workman Shri N.V. Bhagat Junior Assistant Accounts filed his affidavited deposition his name is at serial No. 358 in the list he is representing the other workmen at serial No. 2, 3, 268, 269, 270, 438, 439, 530, 531, 532 and 577 total 12 workmen. As per Ext. 56 the workman Shri Chetan P. Bhatia whose name is at serial No. 538 in the list working as Junior AT (electronics) deposed also representing other concern workman at serial No. 534 to 544 and 576 total 12 workmen. As per Ext. 57 workman Shri D.R. Chauhan Junior Assistant Tech (fitting) has represented other workman at serial No. 6, 18, 56 to 62, 95 to 98, 104 to 109, 181 to 214, 347, 392 to 410, 500, 501, 510, 511, 512 & 574 total 79 workmen. As per Ext. 58 Shri T. Padmanathan Junior Assistant Tech (diesel) whose name is at serial No. 20 in his evidence has also represented the other concern workman at serial No. 4, 9 to 16, 20, 101, 102, 103, 120 to 136, 337, 339, 340, 370 to 380, 507, 508, 572 and 573 total 49 workmen. As per Ext, 59 Shri J.D. Chauhan posted as Fireman whose name is at serial No. 293 in the list has represented other workman at serial No. 22 to 25, 289 to 298, 360, 361, 367, 451 to 466 and 520 total 34 workmen. As per Ext, 60 the workman Shri S.V. Khuswaha Junior Assistant Tech (Fitting) whose name is mention at serial No. 501 in the list has supported in his evidence also the case of similar workman at serial No. 6 as per Ext. 57. As per Ext. 61 Shri R.V. Makwana Junior AT Production whose name is at serial No. 87 has also deposed in support of 123 workmen as per Ext. 54. As per Ext. 62 the workman whose name is at serial No. 438 namely Momin M. Javir Junior Assistant Accounts has also deposed in support of other similar workman also corroborating the evidence at Ext. 55. As per Ext. 63 the workman Shri B.R. Nai his name at serial No. 572 in the list also deposed in support of similar workman as per Ext. 58 also corroborated the evidences of the Shri T. Padmanathan at Ext. 58. As per Ext. 64 the workman Pankaj M. Patel working as Junior Assistant Tech survey his name at serial No. 559 in the list has also represented the case of the workman at serial No. 19, 36, 312, 313, 478, 479, 551 to 560 total 16 workmen. As per Ext. 65 the workman Yashwant Kumar Prajapati whose name is at serial No. 400 working as Junior Assistant Tech (Fitting) has also supported in his evidence the case of similar workman as per evidence of D.R. Chauhan at Ext. 57 As per Ext. 66 the workman Shri A.S. Solanki whose name is at serial No. 92 working as Junior Assistant Technician (Electric) as per his affidavited evidence has also supported the case of similar workman at serial No. 5, 17, 28, 29, 45 to 55, 91 to 94, 138 to 180, 334, 335, 336, 341 to 346, 381 to 391, 499 and 509 total 84 workmen. As per Ext. 67 Shri K.P. Ravindranathan working President of second party No. 1 (Sabha) has represented all the 577 workmen giving all details of their appointments and posting etc. the list of the workman working in the post as per item whereas having with qualification mention therein as per list dated 28.03.2011 submitted on behalf of the second party No. 1 Sabha is not disputed by the first party. It is also admitted position that the workman involve in this case as per list were appointed on 4 years terms base as per appointment order followed by joining by the workman's to the respective posts.

12. Now according to the second party as per argument advance by Shri Mukul Sinha and Shri. K.G. Pellai, advocate. It has been pointed out through the documents filed on behalf of the first party that the appointment were made after regular advertisement and calling for interview and after taking regular interview in accordance with Rules, the appointments were made in accordance with vacancies to the sanctioned posts and that the nature of work and responsibilities given to the workman were permanent/ perennial in nature and that rules of ONGC Ltd is governed by R & P Regulation of 1980 when the ONGC was a corporation. Subsequently the corporation was converted into a company in the year 1993. It has been argued that for recruitment of the workman involved in this case the Model Standing Order and ONGC Modified (Recruitment and Promotion) Regulation 1980 as per Ext. 68 will apply to the case of the workman wherein there is no category of workman alike term based or tenure based. It has been argued that appointment order even then was issued as term base of 4 years which has became crux of grievances to the second party union against the first party management.

13. On the other hand the first party ONGC have led evidence of one management withness namely Shri R.S. Narayan who is Manager (P & A). As per Ext. 72 the management witness has stated in his evidence that one of the work of ONGC is for exploration of Hydrocarbons. The management witness has submitted his affidavited examination-in-chief at para 5 as line by line virbatim of para 13,14, 15, 16, 18 of the written statement as per Ext. 36 of the first party. At para 13 of Affidavit the management witness stated for (NELP) 5 of 2000 onward up to 2011 trying to show that by 2011 there would be no any exploration block for the ONGC. At para 15 the management witness stated again appointees were interviewed for tenure based appointments and there was no question for regular appointment due to unnecessary burden to exchequer. The management witness in his evidence had given emphasis that the exploration blocks are falling short due government policy and ONGC has to face competition with other competitors and so short term appointment were made. Taking a serious comment on said part of evidence of the management withness at Ext. 72, it has been argued on behalf of the second party that the management witness has only tried to create misconception because exploration is a small part of the total work of ONGC. It has been argued that most of the workman were appointed on short term basis for production works which is obvious as per list attached to the terms of reference, pointing to the chief para one of the management witness vis-a-vis-cross-examination at para 4 at page 4, it has been argued that there is a complete demolish by the management withness what he stated in chief. It has been urged that the evidence of the management witness at Ext. 72 is not worthy of credence that all the appointees involved in this case were engaged for work of exploration. And more so, in this regard there is no idea of evidence to say that the workman mention in the list of terms of reference were engaged for exploration. Also pointing out towards the interview call letter of the appointees it has been submitted on behalf of the second party that the interview letter does not contain the word short term basis as per condition No. 4 in the appointment letter of workman Rameshbhai and this fact has been admitted by the management witness in his cross-examination. Pointing out towards the evidence of the management witness at para 12, it has been submitted that there were 840 vacancies of regular posts. It has been submitted on behalf of the second party that the short terms appointees were also put on probation at par with regular appointees. From going through the cross-examination of the management witness at Ext. 72 at page 2 that he has no idea regarding exploration of 93 blocks mention in the affidavit. He also stated that he has no idea on what basis man power is calculated to explore 93 blocks in 4 years, he could not say that how much existing man power requires for exploration. During cross-examination at para 4 he stated that he cannot point out any sanctioned letter produced in this case, he also deposed that on the basis of the sanction I am showing that term based employees were engaged for the work of exploration but the witness could not support such evidence by any document. At page 5 specific question was put to the management witness—By going through the list of employees can you state how many employees were appointed for the exploration work, the witness answered exploration is not an isolated activity and by reading post it is not possible to sort out that the appointees were appointed for particular work of exploration. At para 6 the management witness claim that there is a provision in the MRPR (Modified Recruitment and Promotion Regulations) in 1980 for appointment to short term base. At this stage it has been argued on behalf of the second party that as per ONGC Modified Recruitment and Promotion and Regulation 1980 at Ext. 60 there is no category of work of short term/tenure bases, the workman were appointed on short term basis as per instruction given by the Head Office. He further stated that he cannot say corporation is Head Office and Competent authority. The witness fairly admitted to the call letters shown to him of a workman at Ext. 54 that the call letter does not mention appointment is on short term basis of 4 years. The management witness has also admitted at para 8 in his cross-examination that it may be that out of 577 employees, 312 employees were appointed under rule 6 (12) of the MRPR Act, 1980. In view of the evidence of the management witness at Ext. 72, it has been argued on behalf of the second party that there were 840 regular posts of which 577 workmen were appointed on short term whereas 220 posts remained vacant. Further argued on behalf of the second party that as per the evidence of the workmen from Ext. 52 to 66 and also as per

evidence of the union (Sabha) working President at Ext. 67, the first party ONGC has produced few documents whereas as per Ext. 43, the second party union field application for production of documents by ONGC and its reply was given by the ONGC at Ext. 44. As many as 18 documents were demanded from ONGC of which at serial No. 2, 5, 6 and 11 were also demanded, document demanded at serial No. 2 of Ext. 43 was regarding proposal submitted by the Regional office to the Head Quarter for creation and filing up of the post by term based appointment in the year 1995 onward and at serial No. 5 was regarding programme Zonal in around 1999 for exploration and 93 exploration blocks in the Western Region and document at serial No. 6 was demanded regarding additional blocks allotted to ONGC Western Region in the (NELP) round 1,2,3 and 4 between the years 1999 and 2003 and (NELP) round 5 thereafter the document demanded at serial No. 11 was regarding copy of proposal sent by the Regional Office to the Head Quarter regarding regularisation/extention of the term based appointees in August, 2003 along with the details of studies conducted regarding man power requirement for the assets in Western Region. It has been argued that the first party ONGC did not produce those documents demanded for production as per Ext. 43 even at High Court when the tribunal passed order for production and against that order first party ONGC preferred SCA before the Hon'ble High Court. It has been pointed out that the tribunal passed an order at Ext. 47 for production of documents and as per final order of the High Court the ONGC was directed to produce document at serial No. 3, 4 and 11. It has been pointed out that the first party ONGC *vide* Ext. 45/2 and 45/3 filed copy of noting of Director (P) dated 09.02.1999 and 20.10.1999 but did not produce the details of documents as per serial No. 11 of Ext. 43. It has been further argued that whether noting of Director (P) dated 09.02.1999 and 20.10.1999 regarding requirement of 374 post of WRBS on term based initially for period of 4 years had been approved by the Head Quarter and that Ext. 45/2 and 45/3 are only noting of the Director (P) and not approval by the Head Quarter for creation of term base appointments in the year 1999 in the Western Region also pointing out that as per Ext. 45/5 details of term based appointees and list of 577 workers even submitted that includes 577 workmen involved in this reference case that also reveals that workmen at serial No. 362 JRTA survey was deployed for exploration and the workmen at serial No. 378 to 411 JRTA (Chemi) were also deployed for exploration but all the workmen are continuing even appointed in short term tenure by way of re-employment. On this score it has been further argued that the 577 workmen involved in this case are continuing since requirement for exploration and production and those workmen are carrying with those jobs which are perennial in nature. It has also been argued on behalf of the second party that the ONGC had taken exercise for appointment of 396 posts and for this second party by filing interim application prayed to the tribunal for interim order and as per Ext. 93 the tribunal passed interim order and the ONGC (first party) challenged the interim order before the Hon'ble High Court. It has also been pointed out that in the High Court on behalf the ONGC an affidavit was filed mentioning about 840 vacancies in 1999 of which 232 are not filled up and that 600 peoples are appointed on term basis as against the regular basis. Advancing further argument, it has been submitted on behalf of the second party that even though the appointment letter and the advertisement letters mention about term appointment of 4 years and the appointment letter also mention about term appointment of 4 years but fact is that the ONGC itself was recognizing the workman's involved as a regular appointees since they are put on one year probation and the short term appointees were also given pay scales alike regular appointees and the short term appoint were not given only consolidated pay. More so, clause 5 of the appointees letter mention, appointment in any part of the world. It was alike the clause mention in the appointment on regular basis. It has been argued that most of the workmen were also sent for training Institute at Cambay and the workman also successfully completed their training. It has been further argued that only difference is regarding age of superannuation whereas for regular appointment the workman are to be superannuated at 60 years age of superannuation whereas in case of the workman involved in this case though all the rules and regulation of regular appointment were followed but mentioning the term base appointment of 4 years. It has been pointed out to the service rules as per Ext. 42/2 service rules 1995 of the ONGC at Ext. 45/2 wherein that the rules 3 (e) defines the employees which means persons who is employed in a company in regular scale can include any such person whose services are temporary placed at the disposal of State Government or the Central Government.....Rules (4) of the service Rules 95 directs that the recruitment to the post in the company shall be subject to Recruitment and Promotion Regulations of the company. It has also been pointed out towards rule 13 regarding probation period that every person appointed to post either direct recruitment or by departmental promotion will be on probation for a period of one year. In this regard it has been argued that the workmen involved in this case have also under gone probation period of one year alike regular appointment. It has also been pointed out that the workmen involved in this case were also required to CPF subscription as per rule 1995. It has been argued that rule 26 is also applicable workmen involved in this case regarding retirement, superannuation at the age of 60 years even though their appointment letter were term based of 4 years, but since the workmen are still continuing in the job of the 1st party for the last 11-12 years they have also right for their superannuation at the age of 60 years as per rule 26 of service rule 95. In this connection it has been argued that he interview call letter did not contain the word term appointment of 4 years. In the appointment letter the term of 4 years have been mentioned and so workman

remained in dark whether the appointment will be only 4 years as per call letters. It has been further argued that in INP regulation Act there is no mentioning about appointment on term basis of 4 years. It has been further argued that demand was raised for regular appointment of the workman involved prior to the expirty of the period of 4 years and so it can not be said that the union did not take up cause in this regard of term based appointment against the management of ONGC. Further advancing argument it has been submitted on behalf of the second party that the appointment is regulated according to the rules and regulations and the management of ONGC cannot travel beyond rules. In this connection the case law Glaxo Lab India *V/s* Labour Court reported in 1984 (1) SCC (1) = AIR 1984 SC 585 have been relied upon. It has been further argued that for recruitment to the vacant post the standing order has to be followed. On the transfer of undertaking and repeal (Act 1993) Act No. 65 of 1993 under Section 12 no any rules retained of earstwhile Commission.

14. An affidavit at Ext. 94 was filed by Shri K.P. Ravindranathan, working president of (Sabha) second party stating there is that ONGC was initially created under the ONGC commission Act as Body Corporation. And under the Act, ONGC had powers to make rules to determine the service condition of different categories of employees employed by it to carry out its function and that in exercise of power the ONGC had framed the recruitment regulation 1980, which has been produced by the first party ONGC at Ext. 68. It has been further mentioned in the affidavit that so far as category of "term based or tenure based" employees are concern no rules and regulations were specifically made for appointment for such term or tenure period based employment and that no such employment was made for regular and perennial work prior to 1999. Further it has been averred at Ext. 94 that the said Act was repealed by the ONGC (transfer of undertaking and repeal) ordinance 1993 dated 02.07.1993 and from appointed date in the Repeal Act ONGC seized to be statutory Body and so converted into a company under the Companies Act, and that *w.e.f.* from the date ONGC does not have the power or any legal sanction to fix any service condition unilaterally since power to make rule ceased to exist from the date of Repeal Act and that no provision in the Repeal Act and that there were no provision to save provision of the Recruitment Rules 1980 and so said provision also ceased to exists *w.e.f.* same date. It has been further averred at para 8 that so far as the present case is concerned, the concerned workmen were appointed and from 1999 to 2001. During the period of aforesaid Model Standing Order did not make any provision to grant any legal sanctions to the employer to employ the workman on term basis or tenure basis. And so fixing a period of employment is impermissible under the Model Standing Order. It has been further stated at para 9, in the instant case retirement age of the workman in the Model Standing Order in 58 years and thus ONGC cannot terminate the services of the concerned workman till they reach the age of retirement and any action taken by the ONGC to either truncating the age of superannuation or fixing period of employment which is less than period till the age of superannuation or in any manner giving any break in service or altering service condition by re-fixing the term of employment would become void. On the basis of such affidavit of the working President of the union Sabha, it has been argued further that under Industrial Employment (Standing Orders Rules) in Schedule-I not being Industrial Establishment in coalmine there are classification of workman as I permanent, II probationers, III badli, IV temporary, V casual, VI apprentice. It has been argued by Mr. Mukul Sinha, Advocate that first party ONGC did not file any counter affidavit to the affidavit of President of the Sabha as per Ext. 94. It has been argued further that the term of the appointees involved in this case completed but nature of the work to which they were employed not completed and so ONGC of its own accord cannot resort to the temporary classification of term appointees or tenure appointees. It has been further argued that the probation period mention in the appointment letters of the workman have already completed and so now ONGC cannot allow to truncate the term employee in any manner. It has been argued that the legislature does not intend to give classification of workmen as fixed term and so it was repealed. It has been argued pointing towrds the GSR 936E dated 10.12.2003 regarding categorizing fixed tenure employment which does not go to affect any of the workman so appointed in the three phase in the year 1999, 2000, 2001. The second parties have also relied upon the case law of Western India Metal Corporation Ltd. *V/s.* workman reported in AIR 1973 SC 2650. It has been argued further that since the appointment of the workman involved in this case were made according to rules and regulation on pay scale and not on consolidated pay and also having benefit of subcribing to contributory provident fund with causal leave and earned leave to be granted as that of regular appointees and that the involved workman also under go probation period and so it cannot be said from any angle that the workman are trying for their back door entry in the service of the ONGC through the demand raised by the union. It has been emphatically argued that the case law Secretary State of Karnataka and Others *V/s.* Umadevi and others reported in 2006 (4) SCC 1 is not applicable to debar the claim of the union raising demand for regular appointment of the woman involved in this case who are continuing uninterruptedly till this date right from their appointment in the year 1999, 2000, 2001.

15. On the other hand Shri Ajay R. Mehta, Advocate for the first party argued that the demand was raised by the union for regularisation/regular appointment of the term base appointees for the first time in August-2003 in the fag end when their appointment was coming to end and that the union has adopted pressure tactics in raising such

demand. It has been argued that the all the term base appointees are educated knowing well about their fate of appointment and even then on issue of appointment letter, they accepted the terms of appointment and joined as term base appointee. It has been further argued that the term of apointee of 1999 was to expire in the year September, 2003 and of 2000 in the year 2004 itself but the corporation taking lenicency extended the period of term appointments up to 31st, December-2004. It has been argued that the term of the appointees have automatically expired after 31, December-2004 due to eflux of time and so this reference does not survive and the union has no legitimate ground to raise any demand. Pointing to Ext. 25/2 towards requisition form sent to the Employment Exchange for sponsoring the names for the post advertised there is clear mention that these posts are for a term of 4 year. Also pointing towards Ext. 25/6 the memorandum issued from the office of Group General Manager (P & A) Western Region, Makarpura, Baroda dated 06.09.1999. It has been pointed out that as per clause 3 of para 2 there is mention of the term basis for a period of 4 years. It has been argued that the appointees involved in this case have themselves chose to participate in the term appointment. And so, subsequently the appointees have no mouth to say anything contrary to terms base appointment and likewise union has also no legal right to raise demand as terms of reference for regularisation/regular appointment of those appointees. It has been argued that it is a purely creation of the union for applying pressure tactics upon the menagement of ONGC. It has been pointed out through Ext. 25/2 and 25/6 that the appointment order dated 06.09.1999 is explicitly for 4 years terms. It has been further argued that the none of the 577 appointees raised any objection with regard to such advertisement for term based appointement or even regarding memorandum of appointment at Ext. 25/6. On this score it has been argued that it is now open and shut situation for 577 appointees on term basis. It has been further argued that the terms of reference does not show about their disengagement after 31.12.2004 and so their disengagement is not an issue at all. It has been further argued that 4 year term appointment was made as per requirement for new exploration license policy (NELP) and so this cannot be said to be malafide intention or unfair labour practices on part of the management of ONGC. It has been argued that when the exploration block was shrinking and was reduced from 93 blocks to 56 in the year 2004. So, how there could be requirement of such large number of appointees for their continuance. So, union cannot dictate to the management of ONGC to run according to their grievance. It has been further argued that the action of doing social justice by the management of ONGC in appointing some war disabled cannot be challenged by the union for the cause of the 577 appointees. Pointing towards Ext. 25/4, it has been submitted that only 2 blocks were allotted to ONGC under (NELP)-V. Referring to Ext. 45 series *viz* 45/1 Modified R & P Rules 1980 particularly to item No. 2 regarding matter of filing up of posts wherein mentioned as to 4 recognized mode of filing up post. And as per Ext. 45/2 order passed on 09.02.1999 and the corporation had taken decision for appointment of persons on 4 year terms based and as per Ext. 45/3 dated 22.10.1999 decision was taken for filing up of 355 posts under clause 3 for 4 years term as per need based. Also referring to Ext. 45/9 format as to tenure engagement. On this score it has been argued that identical order were passed on appointment of term base and the appointees accepted their appointment as term basis without making any reservation. Further on behalf of the first party in such reply to the second party that the alleged appointment were made for regular posts and against the clear vacancy but the permanency was denied to them but since they were appointed to regular posts they got valid claim for permanent appointment it has been argued on behalf of the first party that the term base appointment is explicitly clear, they were appointed for a fixed term of 4 years and in this regard conscious decision was taken for term base appointment even before publication of advertisement and that the term base appointment has been accepted by the appointees without any reservation and as such they were bound by the terms and conditions of their term base appointment for 4 years and that any change in the nature of employment would tantamount to violation of right under article 14 and 16 of the constituion of India as it will amount to conversion of nature of employment without giving opportunity to all other eligible candidates who could have applied but would have not applied as the appointment were for a fixed them only. In reply to such argument on behalf of the union that Judgment of Secretary of State of Karnataka *V/s.* Umadevi case is not applicable to the present reference as it is not irregular appointment since ONGC had admitted that the appointment was a regular appointment and in line with the policy of the company passed on letter GM (P &A) of ONGC, it has been argued on behalf of the first party corporation that in view of the authoritative pronouncement of law laid dwon by the Apex Court in Umadevi case 2006 (4) S.C.C. 1 and Umarani case 2004 (7) SCC 112 the claim of the union for regularisation of term base appointees cannot be accepted, because what is material is nature of engagement and appointment on term basis is not illegal but its conversion from term/tenure to regular appointment would make it illegal and violative of the constitution of India and also the directives laid down by the Hon'ble Supreme Court in Umadevi's case. In reply to such argument of the union (second party) that recruitment was as per MRPR, and since these are all regular posts so rules are to be followed and ONGC cannot take any arbitrary decision, it has been argued on behalf of the corporation that there is no arbitrariness in the decision because the letter of GM (P & A) clearly shows that para 6 (12) will not be applicable. Advancing argument it has been submitted in this regard that para 6 (12) provide that before any regular recruitment, qualified departmental candidates

be given the first consideration and para 6 (13) also mentions that only vacancies left will be notified. In reply to such argument of union that no where authority has been given to give 4 years term appointment and since they are continuing for last 11 years, it is not a project and nature of job is permanent, it has been argued on behalf of the first party that ONGC has authority to give 4 years terms appointment and that the tenure based employment was made with the approval of the ONGC Board and the Board is competent under article 132 of Articles of associations to make byelaws for governing its officers and servants. It has been argued that merely continuance for 11 years of term appointee does not entitle them for regularisation as per judgment of Apex Court in Umadevi's case. It has been argued further that the if a person applied for a contractual term of 4 years and is selected each time that does not lie with him to allege that since they have been selected for contract terms for last 3 terms and have put in 12 years and so they may be treated as permanent. It has been argued that what is material is the nature of job for which one is considered/selected and selection again and again for a type of employment cannot change the type of employment itself. On behalf of the first party, it has been further argued that the judgment in case of Engineering Mazdoor Sangh *V/s.* ONGC as relied upon by the union has no application in the instant case because the aforesaid judgement of the Hon'ble Supreme Court in Civil Appeal No. 6607/2005 pertain to employment working in ONGC field parties which is a job of seasonal nature in the year 1985 to 1989 and the tribunal held on the presumption that said workers have completed 240 days of work they may be considered for employment as retrenchment procedure were not adopted. It has been argued that the term/tenure based appointees are squarely covered under section 2 (oo) (bb) of Industrial Dispute Act, 1947 and so the contractual fixed term employment has also been recognized under the Industrial Dispute Act, 1947, It has been further argued that even in case of term/ tenure base appointees all those who are elligible have been considered based on vacancies for regular posts as and when same arises and in the last recruitment over 65 term/tenure appointees, (35 from present reference) who were selected on merits have been appointed for regular posts and so opprtunity is available to the term base appointees involved in this case. It has been argued that terms and conditions of both jobs regular and term base appointment are different in terms of salary, promotion and period of services. It has been argued that there has been approval of the Board of making term/tenure based appointment and fixed term employment is added in item number-2 (classification) of workers of (Schedule-1) Model Standing Order in respect of Industrial establishment not being (Industrail Establishment in coalmine) of the Industrial Establishment Standing Order, Central Rules 1946 as a result of GSR 936 E dated 10.12.2003. It has been argued on behalf of the first party that out of 577 term base appointees involved in the present reference 11 persons term had not been extended in the year 2004 itself and the said persons had filed complaint in the present reference which also were not pressed and so the said persons are not entitled to any relief and that 3 persons were terminated, 6 have died, 17 have resigned of their free volition, 3 have completed tenure, 2 persons have discontinued, 2 person have been absent and 30 persons have separated and so these persons are also not entitled to relief in this case. It has also been pointed out on behalf of the first party in course of argument that 35 persons have been selected and appointed against the regular vacancies in Western Region and 13 person have been appointed against the reguar vacancies in other region, 5 Kargil War disabled persons have been also appointed against the regular vacancies and 20 filed party workers also part of the reference have been appointed as per Hon'ble Supreme Court directions and 20 dependants of deceased employees have also been appointed against the regular vacancies and in this connection a separate list of all such persons along with their names and serial numbers in the reference were filed as Annexure-I collectively. Concluding the arguments, it has been further submitted on behalf of the first party that since said persons have already been appointed against the regular vacancies of their own volition no relief can be granted to said persons. Lastly it has been submitted that remaining workman out of the 577 involved in this case are not entitled for any relief byway of their regular appointment and so the reference deserves to be dismissed.

16. After careful consideration of the pleadings of the parties and the evidence adduced both oral and documentary and also considering the arguments of both sides, I am of the considered view that 577 appointees were recruited in the year 1999, 2000, 2001 against the clear vacancy of 840 though it is said on behalf of the first parties that those 840 vacancies were for regular appointment, but the appointees were recruited on 4 year term base. A pertinent question arises that when there were 840 vacancies of regular posts for recruitment then why not management of ONGC resorted to appointment against regular vacancies in the year 1999, 2000, and 2001. The reason given on behalf of the first party does not appear to be convincing that since exploration project was shrinking and having downward tendency so, it was decided to recruit on 4 year terms base. More so, such philosophy given by the first party in its pleading W.S. at Ext. 36 that the exploration have reduced from maximum 93 having downward tendency and coming to zero in the year 2010 does not at all appear to be convincing because the management of first party has taken serious steps for recruitment on the posts of 396 vacancies as per advertisement dated 12.11.2009. More so, the term base appointees whose term was to expire were given extension by the first party facely as admitted by management witness at Ext. 72 and during the period several appointees involved in this reference case were recruited in regular appointment

and several were given further extension by way of tenure base appointment all are still continuing. Such action on part of the management of fist party go to show that they have not given true assessment that there would be no requirement of the term base appointees after end of December, 2004. But from the perusal of the evidence of the workman from Ext. 52 to 66 and also the evidence of the working president at Ext. 67 attached with the Annexure, it is evident that even in the year 2005 extension was given to the appointees of 4 years which was to be expired in the year 2009. But even thereafter the workmen involved in this case are continuing in their job right from date of their joining on the same post/rank till this date. From the evidence, it is evident that all the appointees were not recruited for exploration project exclusively rather they had been recruited for different jobs and majority of the appointees of so called term base of 4 years were working in different departments of the ONGC. It is evident that the exploration project is the small wing of the ONGC and all the appointees were not recruited exclusively for exploration project.

17. Now coming to this aspect whether the term base appointees of the year 1999, 2000, and 2001 totaling 577 had been recruited on contractual job or daily rated workers or on *ad hoc* basis or temporary basis. From the evidence discussed above in the fore going paragraphs, I am of the considered opinion that they were recruited after following all the rules and regulations of the ONGC for the recruitment against the vacancy. The appointees having requisite qualification were called for interview wherein there was no mention about their term base appointment of 4 years, the names of the appointees were sponsored by the Employment Exchanages. More so, after joining to their post the appointees were put on probation period of one year to which the appointees were successful in the probation period having got Appraisal Certificate granted by the management of ONGC. It is evident as per Annexures attached with the affidavited evidence of the workman from Ext. 52 to 66. More so, there is evidence on behalf of the second party that majority of the appointees recruited in Technical Job were sent for training at Technical Training Institute, Cambay and they successfully completed the training. This fact has also been admitted by the management witness at Ext. 72 during cross-examination. More so, the appointees involved in this case were also required to subscribe CPF and they were subscribing amount in CPF at par with regular appointee, the appointees were also undergone Territorial Army Training at par with the regular appointees. Besides this in memorandum of appointment order the appointees were provided a pay scale having with provision of Increments, D.A. and other allowances at par with the regular appointees. More so, the management of first party have continued the jobs of the appointees till this date. Only difference between the memorandum of appointment letter of the term base workman involved in this case and the regular appointees is regarding the superannuation age. That the regular appointees are to be superannuated on reaching the age of 60 whereas no such provision was incorporated in the appointment letter of the terms base appointees. But since the term base appointee have also been recruited through rules and regulations of the ONGC. So, it cannot be said that those appointees were either *ad hoc* or temporary or daily rated workers or contractual workers. This can also to be examined from other angle, in this way that in the memorandum of appointment issued to the workman Virbhadra Singh Jedeja whose name is at serial No. 39 in the list attached with the reference who submitted his affidavited evidence (examination-in-chief) at Ext. 52 attached with the Annexures, it appears that in the memorandum of his appointment dated 18.06.2001 there is endorsement in the last incorporated by the management of ONGC "with posting of this engagement, it may be insured that job contract for equal number of post is discontinued". Such endorsement has also been made in some other Annexures of the workman examined in this case. Such endorsement go to reveal that prior to recruitment of the appointees in 3 phases in the year 1999, 2000, 2001 there have been no recruitment from the year 1987 and onward. During that period the works was performed through contractual labour so, the aforesaid endorsement reveals a volume that large number of contractual workers were working in the ONGC performing different jobs and on recruitment of the appointees involved in this case, the job contract for equal number of posts had been ordered to be discontinued by the ONGC. Such endoresment is obvious that since the appointees were recruited after following all the rules and regulations and Service Rules of the ONGC and so on recruitment of such large number of appointees against the available vacancies of 840 the management of ONGC had decided to discontinue the job contract in equal number of posts which was going on in the ONGC since no regular recruitment had been made after 1987 and prior to the recruitment of the appointees involved in this case. The management witness Mr. Narayan during his cross-examination at page 15 at Ext. 72 has stated that he cannot comment whether he got sanctioned order in lot in the year 1999 to 577 posts of workmen involved in this reference. He also stated that no seniority list is maintained in respect of 577 workers. He further admitted that it is true that the 577 appointees were taken facely on extension and it is true that they are continuing since there are requirements. On questioning by the second party to the management witness as to how many are working in production as Junior Assistant, management witness shows ignorance by saying I cannot say whether 307 out of 577 had been appointed as Junior Assistant Production and join in the Production Department and 110 in the Electrical Department and 49 in Diesel Department 29 in Junior Fitting as Assistant though the management witness was required to give such

evidence in support of the first parties pleadings that all the 577 appointees were recruited for exploration job. But the management witness could not corroborate the pleadings of the first party in his evidence. Only such saying that it is not true to say that they are not concerned in exploration is not sufficient to support such pleadings of the first party that the exploration project is shrinking. The management witness at Ext. 72 fairly admitted that exploration and production are two different department but they works in coordination. The management witness cannot say whether the workmen working in production, electric, are actually working in the exploration department. He admitted that exploration is done for finding Oil and that it is seasonal work. On question of whether they are taken on seasonal base, the management witness answered they are taken on 4 year term so, it is evident that the appointees of the list attached with reference were not recruited only for exploration work rather they were recruited according to their qualifications in the different field/department of the ONGC and as per cl. V of memorandum appointment carries with the liability to serve in any part of the world. The management of ONGC is taking the works from the appointees in the different departments including exploration project and the appointees were recruited against the regular vacancies of 840 after following all the recruitment rules and regulations, so, only by giving appointment of 4 years term the management of ONGC cannot frustrate those appointees from getting regular appointments. More so, the conduct and action shown by the management of first party for the advertisement of 396 vacancies during the pendency of this reference case also speaks volume that the pick and choose method have been adopted by the first party management in order to shield the fate of most of the appointees of 1999, 2000 and 2001.

18. Such argument advanced on behalf of the first party has no leg to stand that since workman accepted their appointment as term base of 4 years in 1999, 2000 and 2011 so they are estopped by their conduct of claim for regular appointment. Instead this doctrine apply to the management of the first parties that by its conduct itself the first party are still taking works from the appointees and there is no burden of any exchequer towards making payment to them. Taking all the facts and circumstances coupled with the evidence discussed above, I am of the considered opinion that the management of ONGC has no legal right to weed out the appointees involved in this case and to resort to fresh appointment for 396 from the open market. More so, since appointees were recruited after following rules and regulations of the ONGC and had faced interview and also undergone one year probation period and also training at Technical Training Institute, Cambay etc. so, it cannot be said that now the term base appointees are stopped by their own conduct in accepting 4 year term base appointment and now to claim for regular appointment. More so, appointees were not taken as daily rated worker or on *ad hoc* basis or on temporary basis or on a contractual job. The management of ONGC provided them a pay scale on their initial appointment in the year 1999, 2000, 2001 and thereafter giving them extension facely under the modified order of tenure base appointment and introducing a consolidated pay cannot debar the appointees from claiming for their regular appointment. More so, by the conduct itself the management of first party has recruited about 93 term base appointees on regular appointment. Such plea that those workmen who had been appointed initially on term base of 4 years were provided regular appointment due to being disabled soldiers of the Kargil war or being the dependants of the deceased workman or being recruited on sportsman quota or on direction of Hon'ble Supreme Court whereas the majority of workman who have not been given regular appointment are still continuing barring the case of workman who died, terminated, resigned etc. and the vacancies are still existing for regular appointment, since 396 vacancies have been advertised, does not appear to be convincing that since they are term base appointees, so, they cannot be taken in regular appointment. Whereas the management of ONGC of its own conduct have taken 93 of the term base appointees in regular appointment as per list furnished to this tribunal on 18.07.2011 attached with the record.

19. As per discussions and considerations made above issue No. III is decided and it is held that the term base or tenure base appointment of the workman involved in this case are not like a contractual job, rather they were appointed following all the recruitment rules of the first party ONGC against the vacancies. Ext. 45/2 and 45/3 are mere proposal and not sanction order of ONGC Board for appointment on term base of 4 years Board's sanction order has not been produced by the 1st partly even directed by the tribunal and the Hon'ble High Court as per Ext. 43, the application for production of document. More so, as per affidavit at Ext. 88 dated 09.02.2009 at page 4,270 posts was to be approved immediately for Ankaleshwar assets only and if these posts are added for other blocks, the vacancies would be more then 800. I find and hold to issue No. VI that the first parties have not given true assessment that the workman involved in this case were appointed only for exploration project I further find and hold that the first party has not given correct assessment that the exploration project is shrinking or having downward tendency and having no new exploration project in the year 2010. Instead as per advertisement of 396, posts it is obvious that there are requirement for the exploration project and other department of the ONGC and there is no any sense that the tenure/term of further extension is going to expire after 31.12.2004, because appointees are still continuing to their job. So, issue No. VI is decided against the first party. Issue No. V is also decided against the first party and it is held that the management of ONGC (first party) has no legal right to take such plea that since workman had accepted their appointment as term base of 4 years, so

they are estopped by their conduct to claim for regular appointment. More so, the provision of section 2 (oo) (bb) of the ID Act is not applicable to say that the appointees were in fixed term contract or fixed term employment or as the case of non-renewal of contract. The case laws relied upon by the first parties reported in 2008 (10) SCC 1, 2005 (5) SCC 122, 2006 (1) SCC 121, 2006 (3) SCC 81, 2006 (12) SCC 482, 2007 (2) SCC 428, 2005 (3) CLR 761 (Gujarat H.C.) and Judgement dated 11.09.2009 passed by Gujrat H.C. in SCA 1159 of 2008 do not appear to be applicable in the instant reference case.

20. **ISSUE NO. IV & VII**

On behalf of the second party it has been empathetically argued that the case law of Secretary State of Karnataka and Others V/s Umadevi-AIR 2006 SC 106 = 2006 (4) Supreme Court cases page 1 is not applicable in the instant case. On the other hand on bahelf of the first party it has been argued vehemently that the case law of Umadevi shield fate of the term base appointees in claiming for regularisation through back door entry. As discussed in the fore going paragraphs, it has been found by this tribunal that the appointees involved in this case had been recruited according to rules and regulations and their appointment were not byway of daily rated wager or on contractual job or on *ad hoc* basis etc. And so, it cannot be said that the demand made through union for their regular appointment is alike demand for their back door entry in the job. It has been held by their Lordship in the Umadevi's case "merely because an employee had continued in cover of order of the court in litigious employment or had been continued beyond term of his appointment by the said or its instrumentalities, he would be entitled to any right to be absorbed or made permanent in services, merely on the strength they continued if, the original appointment was not made by following due process of selection as envisage by the relevant rules". In view of such observations of the Hon'ble Apex Court, it is evident that the appointees of this case have been recruited after following due process of selection envisage by the relevant rules and regulations of the ONGC and having requisite qualifications for the post on which they were recruited. So it is evident that the appointees are not merely continuing on the job rather they are continuing in the job after they were found eligible in the interview after following all the due process of rules and regulations of the recruitment in the ONGC. More so, the demand for their regular appointment was made through union before the expiry of the 4 years term in the month of September, 2003. More so their case are not for regularisation but for giving regular appointment since among those 577 appointees, about 93 persons have been given regular appointment as per list submitted on behalf of the first party on 18.7.2011. For the reasons assigned issue No. IV is decided accordingly that the demand of the union for giving regular appointment to the workman involved in this case is not like a demand raised for their back door entry in the service of the first party. I further find and hold that the demand of the union (ONGC employees Mazdoor Sabha) for giving regular appointment to the remaining term base appointees out of 577 except the cases of those who died, terminated, resigned, absent etc. is proper and just since by its own conduct, the management of first party have appointed 35+13+5+20+20 total 93 persons in regular appointment who had actually been appointed on term base as that of the remaining appointees involved in this case. So, issue No. IV & VII are answered accordingly that the demand of the union for regular appointment to the remaining workman involved is not like a demand for their back door entries in the service of the 1st parties rather the demand of the union is Just and proper.

21. **ISSUE NO. I & II**

In view of the findings given to issue No. III, IV, V, VI and VII. I further find and hold that the reference sent by the appropriate government for adjudication by this tribunal is maintainable and the second party union have got valid cause of action in this case to raise demand.

22. **ISSUE NO. VIII**

Upon arriving at the findings in the foregoing paragraphs to issue No. I to VII this Tribunal hereby pass the following orders:—

(i) Out of 577 term base appointees of 1999, 2000 and 2001 as per list attached to the reference, those who either expired or resigned or terminated or tenure completed or are absent are now out of the court and so those are not entitled to get any relief inspite of raising demand by the union under the reference.

(ii) Out of 577 term base appointees as per list attached to the reference those who have been selected and appointed against regular vacancies so far and those who were also appointed on regular post being dependants of deceased employees (DOD's) so far are not entitled to get any relief in this reference case.

(iii) Out of 577 term base appointees as per list attached to the reference, those who raised dispute for their regularisation also on completing 240 days of works in the preceding calendar years and the award passed in their favour and the list of such employees covered under Hon'ble Supreme Court's Judgment in Civil Application No. 6607/2005 regarding field party workman read with order dated 08.02.2008 in IA No. 10/2007 in Civil Application No. 6607/2005, selected against regular post under order of the Court are, also excluded from getting any relief in this reference, if, there has been no change in the condition of service of any of them by way of removal etc. without getting approval/permission from the tribunal and if, condition of service of any one has been changed and any complaint case is pending, then the person

if any, shall be entitled to the relief.

(iv) Out of 577 term base appointees as per list attached to the reference, those whose term had not been extended in the year 2004 and filed complaint in this reference case which are pending are entitled to get relief in this case for considering them for regular appointments by the 1st parties.

(v) Out of 577 appointees as per list attached to the reference, 30 persons who are separated as per list of Field Operator furnished by the first parties on 18.07.2011 are not entitled to get any relief.

(vi) Out of the remaining of 577 term base appointees, who are still continuing on the posts on which they were appointed and are getting extentions of term/ tenure are directed to be treated and covered within priority case of consideration zone for giving them regular appointment by the management of ONGC (1st parties). The 1st parties are directed to work out such number of appointees with intimation to the 2nd party union.

(vii) The first parties are directed to undertake exercise of giving regular appointment to the remaining term base appointees calling them for interview if, necessary, and not to import recruitment from open market inviting fresh applications for the regular posts unless term appointees are given regular appointments of class III & IV posts.

This is my award. The reference is allowed in part accordingly. No order as to cost to the 2nd party against the 1st parties.

The 1st parties are directed to implement the award within two months of the date of publication.

Let three copies of the award be sent to the appropriate Govt. for publication and for needful.

Date:— 08/11/2011 Dictated and Corrected

Place:— Ahmedabad

BINAY KUMAR SINHA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 24 नवम्बर, 2011

का॰ आ॰ 3659.— औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार जेनेरल मैनेजर, टेलीकॉम डिपार्टमेण्ट के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, लखनऊ के पंचाट (संदर्भ संख्या 158/2001) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 24-11-11 को प्राप्त हुआ था।

[सं॰ एल-40012/85/2001-आईआर (डी.यू.)]

जोहन तोपनो, अवर सचिव

New Delhi, the 24th November, 2011

S.O. 3659.— In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 158/ 2001) of the Central Government Industrial Tribunal cum Labour Court, Lucknow as shown in the Annexure, in the Industrial dispute between the employers in relation to the management of General Manager, Telecom Deptt. and their workman, which was received by the Central Government on 24/11/2011.

[No. L-40012/85/2001-IR (DU)]

JOHAN TOPNO, Under Secy.

ANNXURE

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT LUCKNOW

PRESENT

Dr. MANJU NIGAM

PRESIDING OFFICER

I.D. No. 158/2001

Ref. No. L-40012/85/2001-IR(DU) dated: 11.09.2001

BETWEEN

Shri Raja Ram S/o Sh. Nakchad Mourya
R/o Pure Murian (Majraramgarh)
P.O.-Ramgarh Jagatpur
Raebereilly

AND

1. The General Manager
Telecom Deptt.
O/o General Manager
Gandhi Bhawan
Lucknow (U.P.)-226 001

2. The Telecom District Engineer
O/o the Telecom District Manager
Raebareli (Distt.)-229 001

AWARD

1. By order No. L-40012/85/2001-IR(DU) dated: 11.09.2001 the Central Government in the Ministry of Labour, New Dehi in exercise of powers conferred by clause (d) of sub section (1) and sub section (2A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) referred this industrial dispute between Shri Raja Ram S/o Sh. Nakchad Mourya, R/o Pure Murian (Majraramgarh), PO-Ramgarh Jagatpur, Raebereily and the General Manager, Telecom Deptt., O/o General Manager, Gandhi Bhawan, Lucknow & the Telecom District Engineer, O/o the Telecom District Manager, Raebareli for adjudication.

I.D. no. 158/2001.

2. The reference under adjudication is:

"Whether the action of the Management of Telecom, Lucknow in terminating the services to Raja Ram vide ***order dated 10/30-9-99 was legal and justified? if not, what relief the workman is entitled to?"***

3. The case of the workman, Raja Ram, in brief, is that he was employed under Divisional Engineer, Telecom, Raibareli on the post of security guard on 07.02.1999 without any appointment letter and worked as such till 10/30.09.1999 when his services has been terminated without any notice or retrenchment compensation in violation to the provisions contained in Section 25 F of the Industrial Disputes Act, 1947 in spite of the fact he worked for more than 240 days, including 52 weekly and 15 national holidays, in a year. It is submitted by the workman that during his service period he put his attendance on the attendance register and was paid on Muster Roll Sheet and also that he was never given any proof regarding salary. It has been alleged by the workman that the management retained workmen junior to him as employed some other new persons also in violation to the provisions contained in Section 25 G & H of the Act. Accordingly, the workman has prayed that his termination order be set aside and he be reinstated with consequential benefits including back wages.

4. The opposite party has filed its written statement, denying the claim of the workman; wherein it has submitted that the workman was never engaged by it, as such, there arises no question of termination or violation of any of the provisions of I.D. Act. Moreover, it has submitted that the workman was the employee of M/s Security and Protection Services, Varanasi. It has been submitted by the management that the workman never recieved any payment towards salary from the department directly; rather the management, as per terms of the contract, had always paid for the watch and ward services rendered by M/s Security and Protection Services, Varanasi and in no point of time any payment was made to the workman by the management in lieu of his any services. The management has specifically submitted that the workman was admittedly deployed by the M/s Security and Protection Services, Varanasi as one of its several watchman, which did not create any lien in favour of the workman against the management, furthermore, the contract in between the management and M/s Security and Protection Services, Varanasi came to an end on 05.03.99. Accordingly, the management has prayed that the claim of the workman be rejected without any relief to him.

5. The workman has filed its rejoinder; wherein he has not brought any new fact apart from reiterating the averments already made by him in his statement of claim.

6. The parties have not filed any document in support of their respective claim.

7. After completion of pleading on behalf of the parties, following issues were framed:

1. Whether the workman, Ram Lakhan was appointed by the opposite party as alleged in para 1 of the claim?

2. Whether there was relationship of employer and employee between Ram Lakhan and the opposite party?

After framing the issues, the parties were afforded opportunity to adduce evidence in support of their claim. The workman has examined himself in support of his case and he was cross-examined by the court. On conclusion of workman's evidence 03.09.2003 was fixed for management's evidence; but the management failed to adduce any evidence, even in time span of about six year, accordingly, the case was ordered to proceed *ex-parte* against the management *vide* order dated 11.09.2009 and 13.10.2009 was fixed for arguments. The management refrained to put any argument on 13.10.2009, 16.12.2009, 19.02.2010, 23.04.2010, 11.06.2010, 25.06.2010, 11.08.2010, 23.09.2010, 16.11.2010, 24.12.2010, 14.02.2011, 31.03.2011, 30.05.2011, 07.07.2011, 05.09.2011 and 25.10.2011; whereas the authorized representative of the workman appeared on 23.04.2010 and 23.09.2010 only but he too did not bother to forward any argument in support of his case. The management did not make any effort to get the *ex-parte* order, against the workman, recalled and file its evidence. Accordingly, keeping in view long pendency of the case and reluctance of the parties the case was reserved for award.

8. The workman in his statement on oath has stated that he was engaged as security guard by SDE on 07.02.1999 and he was paid @ Rs. 50/- per month on Muster Roll and also that his attendance was marked by lineman in departmental register. He further stated that he was neither engaged by M/s N.S. Security, Varanasi nor did he receive any payment from then nor came to the department of telecom through them. He also stated that he was kept as daily wager and lineman used to take work from him at the instructions of SDO. He specifically stated that he was not given any notice or notice pay or retrenchment compensation while terminating his services on 14.09.99. In cross-examination he stated that he was neither given any appointment letter nor any termination letter. He further stated that the vacancy of security guards was not notified by the department.

The management has not come forward with any evidence in support of its case, in spite of ample opportunity was afforded to them.

9. It was the case of the workman that he has been employed as security guard on 07.02.1999 and worked as such till 10/30.09.1999 when his services has been

terminated without any notice or retrenchment compensation in violation to the provisions contained in Section 25 F of the Industrial Disputes Act, 1947 in spite of the fact he worked for more than 240 days, in a year, including weekly and national holidays. Also, he has neither been given any appointment nor any termination letter and that he put his attendance on the attendance register and was paid on Muster Roll Sheet and also that he was never given any proof regarding salary. The workman has neither filed any documentary proof in support of his contention nor has summoned the same from the management.

10. Per contra, the management of the telecom has disputed the claim of the workman and has submitted that the workman was the employee of M/s Security and Protection Services, Varanasi and as per terms of the contract, had always paid for the watch and ward services rendered by M/s Security and Protection Services, Varanasi and in no point of time any payment was made to the workman by the management in lieu of his any services. The contract between management and M/s Security and Protection Services, Varanasi expired on 05.03.1999. The management too has neither field any list of document in support of its contention nor has entered the witness box to adduce any oral evidence; rather it has filed photocopy of agreement, executed between the Director, M/s Security & Protection Services, Varanasi and General Manager, Telecom, Varanasi along with its statement of claim.

11. Admittedly no appointment letter was issued and no post was ever advertised for the appointment and also the workman was engaged as daily rated worker. There is no evidence of the workman that SDE was competent to engage daily wager. He has not produced any voucher or attendance register or any other documentary evidence to prove this fact that Rs. 50/- per day was paid to him as salary, though it was admitted by him that he was paid after putting signatures on stamp, affixed on the muster roll. The workman has not made any effort to get above documents summoned from the management to substantiate his version.

12. It is well settled that if a party challenges the legality of order the burden lies upon him to prove illegality of the order and if no evidence is produced the party, invoking jurisdiction of the court must fail. In the present case burden was on the workman to set out the grounds to challenge the validity of the termination order and to prove the termination order was illegal. It was the case of the workman that he had worked for more than 240 days in the year concerned. This claim has been denied by the management; therefore, it was for the workman to lead evidence to show that he had, in fact worked up to 240 days in the year preceding his alleged termination. In (2002) 3 SCC 25 Range Forest Officer vs S.T. Hadimani Hon'ble Apex Court has observed as under:

"It was the case of the claimant that he had so worked but this claim was denied by the appellant. It was then for the claimant to lead evidence to show that he had in fact worked for 240 days in the year preceding his termination. Filing of an affidavit is only his own statement in his favour and that can not be regarded as sufficient evidence for any court or tribunal to come to the conclusion that a workman had, in fact, worked for 240 days or order or record of appointment or engagement for that period was produced by the workman. On this ground alone, the award is liable to be set aside."

13. Analyzing its earlier decisions on the aforesaid point Hon'ble Apex Court has observed in 2006 (108) FLR R.M. Yellatti & Asstt. Executive Engineer as follow:

"It is clear that the provisions of the evidence Act in terms do not apply to the proceedings under section 10 of the Industrial Disputes Act. However, applying general principles and on reading the aforestated judgments we find that this Court has repeatedly taken the view that the burden of proof is on the claimant to show that he had worked 240 days in a given year. This burden is discharged only upon the workman stepping in the witness box. This burden is discharged upon the workman adducing cogent evidence, both oral and documentary. In cases of termination of services of daily wages earner, there will be no letter of appointment or termination. There will also be no receipt or proof of payment. Thus, in most cases, the workman (claimant) can only call upon the employer to produce before the Court the nominal muster roll for the given period, the letter of appointment or termination, if any, the wage register, the attendance register etc. Drawing of adverse inference ultimately would depend thereafter on facts of each case. The above decisions however make it clear that mere affidavits or self serving statements made by the claimant/workman will no suffice in the matter of discharge of the burden placed by law on the workman to prove that he had worked for 240 days in a given year. The above judgments further lay down that mere non production of muster rolls per se without any plea of suppression by the claimant workman will not be the ground for the tribunal to draw an adverse inference against the management."

14. In the present case the workman has stated that he has worked continuously for 240 days, but has not produced any documents in support of his oral evidence nor has summoned any document form the management to sustain his contention. The management on the other hand

has taken plea that the workman was engaged by M/s Security & Protection services, Varanasi and was paid by them. It was obligatory on the part of workman to come forward with the case that he worked for 240 days in a year preceding the date of his alleged termination i.e. from 13.09.98 to 14.09.99 and before termination of his services he was not given any notice or notice pay or any retrenchment compensation; and this act of the management was in violations of the provisions contained in Section 25 F of the I.D. Act, 1947; but he failed to forward any documentary evidence in support of his claim. Mere pleadings or statement of self serving nature is no substitute for proof. Initial burden of establishing the fact of continuous work for 240 days in a year was on the workman but he has failed to discharge the above burden. There is no reliable material for recording findings that the workman had worked more than 240 days in the preceding year from the date of his alleged termination and the alleged unjust or illegal order of termination was passed by the management.

15. Accordingly, the reference is adjudicated against the workman Raja Ram; and as such, I come to the conclusion that he is not entitled to any of the relief(s) claimed by him.

16. Award as above.

LUCKNOW. DR. MANJU NIGAM, Presiding Officer

4.11.2011

नई दिल्ली, 24 नवम्बर, 2011

का॰ आ॰ 3660.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार भारत संचार निगम लिमिटेड के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण 2, मुम्बई के पंचाट (संदर्भ संख्या 2/5 of 2007) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 24-11-2011 को प्राप्त हुआ था।

[सं॰ एल-40012/63/2006-आई॰आर॰ (डी॰यू॰)]

जोहन तोपनो, अवर सचिव

New Delhi, the 24th November, 2011

S.O. 3660.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. **2/5 of 2007**) of the Central Government Industrial Tribunal cum Labour Court-2, **Mumbai** as shown in the Annexure, in the Industrial dispute between the employers in relation to the management of **Bharat Sanchar Nigam Limited** and their workman, which was received by the Central Government on **24.11.2011.**

[No. L-40012/63/2006 IR (DU)]

Johan Topno, Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2, MUMBAI

PRESENT

K.B. KATAKE

Presiding Officer

REFERENCE NO. CGIT-2/5 of 2007

EMPLOYERS IN RELATION TO THE MANAGEMENT OF BHARAT SANCHAR NIGAM LTD.

The Executive Engineer (Civil)
Bharat Sanchar Nigam Ltd.
Civil Division No. III
Mumbai 400 054

AND

THEIR WORKMEN.
Shri Ashapogu Anand
Priyadarshini Rahiwasi Sangh
Room No. 1527,
Indira Nagar No. 2
Shell Colony
Mumbai 400 071.

APPEARANCES:

FOR THE EMPLOYER: Mr. V. Narayanan, Advocate.

FOR THE WORKMEN: Mr. J.H. Sawant, Advocate.

Mumbai, dated the 19th October 2011.

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour & Employment by its Order No. L-40012/63/2006-IR (DU), dated 12.01.2007 in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section 2 (A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 have referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication:

> ***"Whether the action of the management of Sub-Divisional Engineer (Civil) BSNL, New Panvel in not converting their workman Shri Ashapogu Anand from part time worker to full time worker and terminating his services from January 2005 is legal and justified? If not, to what relief the workman is entitled to?"***

2. After receipt of the reference, both the parties were served with the notices of the reference. The second party

workman appeared through his legal representative and filed his statement of claim at Ex-6. The management resisted the statement of claim *vide* its written statement at Ex-8.

3. My Id Predecessor has framed the issues at Ex-10. The matter was adjourned for evidence of the workman. However instead of leading evidence, the advocate for the workman has filed purshis at Ex-13. By this purshis, the second party workman submitted that he do not want to pursue the case and requested to dispose of the reference as not pressed. As the workman did not press the reference, the said is dismissed of for want of prosecution. Thus I pass the following order:

ORDER

The Reference is dismissed for want of prosecution.

Date: 19.10.2011

K.B. KATAKE, Presiding Officer

नई दिल्ली, 24 नवम्बर, 2011

का॰ आ॰ 3661.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार कमांडिंग ऑफिसर, एयरफोर्स स्टेशन के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण 2, मुम्बई के पंचाट (संदर्भ संख्या 2/108 of 2005) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 24-11-2011 को प्राप्त हुआ था।

[सं॰ एल-14012/9/2005-आई॰आर॰ (डी॰यू॰)]

जोहन तोपनो, अवर सचिव

New Delhi, the 24th November, 2011

S.O.3661.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. **2/108 of 2005**) of the Central Government Industrial Tribunal cum Labour Court-2, **Mumbai** as shown in the Annexure, in the Industrial dispute between the employers in relation to the management of **Commanding Officer, Airforce Station** and their workman, which was received by the Central Government on **24.11.2011.**

[No. L-14012/9/2005-IR (DU)]

JOHAN TOPNO, Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2, MUMBAI

PRESENT

K.B. KATAKE

Presiding Officer

REFERENCE NO. CGIT-2/108 of 2005

EMPLOYERS IN RELATION TO THE MANAGEMENT OF AIR FORCE STATION

The Commanding Officer
Airforce Station
Ministry of Defence
Sheva, Tal. Uran
Distt. Raigad
Maharashtra.

AND

THEIR WORKMEN.
Shri Nitin Atmaram Patil
At & Post Bokadvira
Tal. Uran
Distt. Raigad
Maharashtra 400 702

APPEARANCES:

FOR THE EMPLOYER : Mr. H.D. Rathod, Advocate.

FOR THE WORKMAN : Mr. J.H. Sawant, Advocate.

Mumbai, dated the 2nd September, 2011.

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour & Employment by its Order No. L-14012/9/2005-IR (DU), dated 26.09.2005 in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section 2(A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 have referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication:

"Whether the demand of Shri Nitin Atmaram Patil from the management of Commanding Officer, Airforce Station, Sheva, Distt. Raigad for reinstatement in service w.e.f. 27/05/2004 is justified? If so, to what relief the workman is entitled?"

2. After receipt of the reference from the Ministry, both the parties were served with notices. In response to the notice, the second party workman has filed his statement of claim at Ex-6. According to him, Airforce Station at Sheva, Distt. Raigad, Maharashtra has employed the workman whose name was sponsored by Employment Exchange Office. He was duly selected and appointed for a period from 22/8/2002 to 15/12/2002 and again from 15.6.2003 to 15.12.2003. He was not given any work in the intermediate period. For the above referred period, he has worked as Anti Malaria Lashkar (Class-IV). He was appointed as Seasonal Anti Malaria Lashkar. The management was liable to grant temporary status to Anti Malaria Lashkar for 165 days of work and after 150 days in the offices observing five days week for two consecutive years. The workman was entitled to the said benefit of the scheme. The

management had obtained statement of declaration from the workman on 4/5/2004 and he was also found medically fit for the temporary status of Anti Malaria Lashkar. He further submitted that he was not given employment as well as temporary status as per the scheme. He requested for his further employment. However management has given employment to some others. They told verbally that he would not be reinstated and re-employed in the services.

3. The workman claims that he was in continuous service of the management *w.e.f.* 22/8/2002. His name was also on muster roll. He was entitled to the employment atleast *w.e.f.* 15/6/2004. The management however terminated the services of the workman *w.e.f.* 15/6/2004. Therefore he could not resume his duties. The action of management in terminating his services is illegal and unjust. Therefore the workman has raised industrial dispute. The management has violated the provisions made under Seasonal Anti Malaria Lashkar. Therefore the workman approached ALC (C). As conciliation failed, ALC made report to Ministry and Ministry has sent the reference to this Tribunal. The workman therefore prays that he be reinstated in service *w.e.f.* 15/6/2004 by granting him temporary status with all consequential benefits.

4. The first party resisted the statement of claim *vide* its written statement at Ex-7. According to them, this Tribunal has no jurisdiction to entertain and try the present dispute. They contended that the first party is neither an 'industry' nor the second party is 'workman' as defined under Industrial Disputes Act. The first party management is 2226 Squadron Air Force under Ministry of Defence. It does not come under the purview of Industrial Disputes Act 1947. The said Act is not at all applicable. They denied that they have employed the second party as a Seasonal Anti Malaria Lashkar. According to them he was appointed on purely temporary basis for the season job. His job ends on completion of each season. Such persons neither can be called as a workman. His appointment was seasonal. They denied all the allegations of the workman. They further contended that the preliminary issue be framed whether the first party is an industry and the second party is workman? They also contended that the preliminary issue also be framed whether this Tribunal has jurisdiction to entertain this reference. Therefor they pray that the reference be dismissed with cost.

5. Following are the three preliminary issues framed by my Id predecessors for my determination. I record my findings thereon for the reasons to follow:

Sr. No.	Issues	Findings
1.	Whether second party is a workman?	No.
2.	Whether the first party is an industry?	No.
3.	Whether this Tribunal has jurisdiction to entertain this reference?	No.
4.	What order?	As per final order.

REASONS

Issue No. 1:—

6. In the case at hand, the workman has not led any oral evidence. The fact is not denied that the second party was given the seasonal work of Anti Malaria Lashkar. He was given the said work for about six months in the year 2000 from June to December. Again in the next year for the same period the said work was allotted to him. Fact is not disputed that, neither workman had appeared for any test nor he was appointed as a full time worker and after following the recruitment rules. In the circumstances engaging a person for such a seasonal work neither can be said appointed as a workman, nor it can be said an appointment or recruitment. Neither applications were invited nor any test or medical examination was taken. In the circumstances, a person who has performed some seasonal work cannot claim the status of workman. The claim of the second party is very weak and baseless. In this backdrop conclusion can be arrived at that the second party is not workman as contemplated under Section 2 (s) of Industrial Disputes Act 1947. thus I hold that the second party is not a workman. Accordingly I decide this Issue No. 1 in the negative.

Issue No. 2:—

7. The first party is Commanding Officer, Air Force Station, deployed at Seva for the protection of JNPT. They have their Airforce Station at Seva and they require services of Anti Malaria Lashkar to protect their staff and Officers. Therefore every year the Commanding Officer engages some seasonal workers for the purpose. Neither Airforce Station deployed at Seva is dealing with any manufacturing business nor they are doing any function like industry. In the circumstances, the Airforce unit at Seva cannot be called an industry. Accordingly I decide this issue no. 2 also in the negative.

Issue No. 3:—

8. As the second party is held not a workman and the first party is also held not an industry. Therefore the dispute herein cannot be called industrial dispute as contemplated under I.D. Act. In the circumstances, it needs no further discussion to arrive me at the conclusion that this Tribunal has no jurisdiction to entertain this dispute. Accordingly, I decide this issue no. 3 also in the negative and proceed to pass the following order.

ORDER

The reference stands rejected with no order as to costs.

Date : 02/09/2011

K.B. KATAKE, Presiding Officer.

नई दिल्ली, 24 नवम्बर, 2011

का॰ आ॰ 3662.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सेन्ट्रल वेयर हाऊस कॉरपोरेशन के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण भुवनेश्वर के पंचाट (संदर्भ संख्या 21/2001) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 24-11-2011 को प्राप्त हुआ था।

[सं॰ एल- 42012/5/2009- आई॰आर॰ (डी॰यू॰)

जोहन तोपनो, अवर सचिव

New Delhi, the 24th November, 2011

S.O. 3662.—In pursuanace of Section 17 of the Industrial Dispute Act,1947 (14 of 1947) , the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 21/2001) of the Central Government Industrial Tribunal cum Labour Court, Bhubaneswar as shown in the Annexure, in the Industrial dispute between the employers in relation to the management of Central Warehouse Corporation and their workman, which was received by the Central Government on 24.11.2001.

[No. L-42012/5/2009-IR(DU)]

JOHAN TOPNO, Under Secy.

ANNEXURE

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT BHUBANESWAR

Present:

Shri J. Srivastava,
Presiding Officer, C.G.I.T.-cum-Labour Court, Bhubaneswar.

INDUSTRIAL DISPUTE CASE NO. 21/2009

Date of Passing Award-11th November, 2011

Between:

1. The Regional Manager, Central Warehouse Corporation, RO. Indradhanu Market, Nayapalli, Bhubaneswar-15
2. The Depot Manager, Central Warehouse Corporation, Nuabazar Cuttack.

...1st Party-Managements.

AND

Their workman Smt. Kanchar Mallick
C/o. Shri Baidhar Maharana, At. Bidyadharpur, Chauliganj, Cuttack.

...2nd Party-Workman.

Appearances:

Shri K.C. Das, Supdt.& Shri B.K. Sahu, WA-1 ... For the 1st Party—Managements

Smt. Kanchan Mallick. ... For herself the 2nd Party-Workman

AWARD

The Government of India in the Ministry of Labour has referred an industrial dispute existing between the employers in relation to the management of Central Warehouse Corporation and their workman in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 vide letter No. L-42012/5/2009-IR(DU), dated 20.05.2009

2. The schedule of the letter of reference denotes the dispute in the following words:

> "Whether M/s. Central Warehouse Corporation is the employer of Smt. Kanchan Mallick and responsible for termination of service *w.e.f.* 10.02.2007? Whether the action on the part of the management of C.W.C. in terminating the service is legal & justified? If not, what relief the workman is entitled to?

3. The 2nd Party-workman Smt. Kanchan (Bala) Mallick has filed her statement of claim stating that she was engaged by the Depot Manager, Central Warehousing Corporation, Nuabazar, Cuttack in the work of sweeping, cleaning of cups and plates, godown, putting the insecticide/rat killing tablets in places, spraying the insecticides at a height of 20/30 ft., helping on sampling the rices and cleaning the outside space of the godown. Shri had been working since 02.021995 till 04.03.2005. She was never charge-sheeted during her tenure of service for any misconduct. She was receiving her wage by singing the register maintained by Depot Manager through cash voucher. She was terminated all of a sudden whimsically and with malafide intention with effect from 04.03.2005 violating all mandatory provisions of Industrial Disputes Act,1947 and without following the principles of natural justice. She had completed 240 days in each year of service. Her termination by the Depot Manager is illegal, unjustified, arbitrary and malafide. She is entitled for reinstatement with continuity of service and all back wages with consequential benefits.

4. The 1st Party-Management has denied all the allegations made in the statement of claim and stated then to be incorrect. According to the 1st Party-Management there were three number of Group -D employees in the Warehouse for sweeping and cleaning of the godown. They also used to do other miscellaneous work like cleaning of cups and plates. Spraying insecticides is done by the technically qualified regular employees.

The 2nd Party-workman was never engaged in the Central Warehousing Corporation at Nayabazar, Cuttack either by the local Manager or by the Regional Office. There

is no employer and employee relationship between the two. The 2nd Party-workman was never paid any wages by the Depot office either through cash vouchers or by signing any register. So the question of teminating her service violating the provisions of Industrial Disputes Act, 1947 does not arise and also the question of completion of 240 days of service in each year does not arise. The allegations in this regard are false, baseless and untenable. The claim of the 2nd Party-workman is without any basis and liable to be rejected. The 1st Party-Management is in no way responsible for unemployment of the 2nd Party-workman.

5. On the pleadings of the parties following issues were framed.

ISSUES

1. Whether M/s. Central Warehouse Corporation is the employer of Smt. Kanchan Mallick and responsible for termination of services w.e.f. 10.2.2007?

2. Whether the action on the part of the Management of C.W.C. in terminating the service is legal and justified?

3. If not, what relief the workman is entitled to?

6. The 2nd Party-workman Smt. Kanchan Mallick examined herself as W.W.-1 and filed two documents in support of her case.

7. The 1st Party-Management examined Shri Golak Chandra Giri as M.W.-1 and has not relied on any documentary evidence.

FINDINGS

ISSUES NO. 1 & 2

8. Since both the issues are inter-connected, they are taken up together for convenience sake.

9. The only evidence led by the 2nd Party-workman in support her claim is her oral statement in which she has stated that she was working in the Central Warehousing Corporation, Cuttack since 1995 as a casual labourer. The 1st Party-Management has refused her engagement from the month of February, 2004. She was getting her wages at the rate of Rs. 50/- per day at the end of each month. The 1st Party-Management used to deduct wages on holidays. She has given some contradictory statement controverting her oral evidence. In her examination-in-chief she has stated that she was receiving wages without putting any signature on the voucher, but in her cross examination she has stated that she was receiving wages by signing in the wage register. On the other hand, the Management Witness No. 1 Gopal Chandra Giri has stated that the 2nd party-workman was not engaged by him or by the Management but she was engaged under the 1st Party-Management as a casual labourer through the contractor. The contractor used to engage her whenever necessary and pay the wages to her. The onus to prove that the 2nd Party-workman was engaged by the 1st Party-Management lies on the workman herself, but the 2nd Party-workman, where her appointment is denied by the 1st Party-Management, has not filed any documentary evidence in support of her contention. She has stated in her cross examination that the documents relating to her appointment have been damaged in the super cyclone. But her statement cannot be relied upon without any supporting evidence. She would have summoned those documents from the 1st Party-Management, if there were any such documents regarding her appointment. But no effort in this regard has been made. Admittedly the 2nd Party-workman was engaged as a casual labourer, taken to be employed by the 1st Party-Management for the sake of argument, but in that case also she has got no statutory right for future employment under the 1st Party-Management. If she had worked for 240 days continuously within a period of 12 calendar months preceding the date of her termination she would have been entitled to the benefit of provisions of Section 25-F of the Industrial Disputes Act, but her evidence in this regard is also lacking. Mere oral statement does not suffice for grant of benefit either for reinstatement or for grant of benefit under section 25-F of the Industrial Disputes Act. The stand of the 1st Party-Management is that she was used to be engaged by the contractor. Although this stand cannot be taken as granted in absence of proper supporting evidence, yet since the burden to prove her case solely lies on the shoulders of the 2nd Party-Workman her claim does not stand proved evaluating the oral evidence adduced by her. It was for the 2nd Party-workman to prove that she was engaged by the 1st Party-Management but she has failed to establish this fact in her favour. Hence, it cannot be said that the Central Warehouse Corporation is the employer of the 2nd Party-workman Smt. Kanchan Mallick and accordingly the 1st Party-Management cannot be held responsible for termination of her service with effect from either 4.3.2005 or 10.2.2007. The action of the 1st Party-Management in disengaging her from service is consequently held to be legal and justified. Issue No. 1 is accordingly decided in the negative and Issue No. 2 is decided in the affirmative, both against the 2nd Party-workman.

ISSUE NO. 3

10. In view of the findings recorded above the 2nd Party-Workman is not entitled to any relief whatsoever claimed.

11. Reference is answered accordingly.

Dictated & Corrected by me.

J. SRIVASTAVA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 24 नवम्बर, 2011

का॰ आ॰ 3663.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार जनरल मैनेजर, टेलीकॉम डिपार्टमेंट के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, लखनऊ के पंचाट (संदर्भ संख्या 161/2001) को प्रकाशित करती है जो केन्द्रीय सरकार को 24-11-2011 को प्राप्त हुआ था।

[सं॰ एल॰-40012/87/2001-आई आर (डी यू)]

जोहन तोपनो, अवर सचिव

New Delhi, the 24th November, 2011

S.O. 3663.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. 161/2001) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Lucknow as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of General Manager, Telecom Deptt. and their workman, which was received by the Central Government on 24.11.2011.

[No. L-40012/87/2001-IR(DU)]

JOHAN TOPNO, Under Secy.

ANNEXURE

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, LUCKNOW

PRESENT

DR. MANJU NIGAM PRESIDING OFFICER

I.D. No. 161/2001
Ref. No. L-40012/87/2001-IR(DU), dated 11.9.2001

BETWEEN

Shri Ram Lakhan S/o Sh. Ayodhya
R/o Village-Balepur
PO-Sanehi
Thana-Bhadokhara
Distt.-Lucknow

AND

1. The General Manager
   Telecom Deptt.
   O/o General Manager
   Gandhi Bhawan, Lucknow-226 001 (UP)
2. The Telecom District Engineer
   O/o the Telecom District Manager
   Distt. Raebareli-229 001

AWARD

1. By order No. L-40012/87/2001-IR (DU) dated: 11.9.2001 the Central Government in the Ministry of Labour, New Delhi in exercise of powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) referred this industrial dispute between Shri Ram Lakhan S/o Sh. Ayodhya, R/o Village-Balepur, PO-Sanehi, Thana-Bhadokhara, Distt.-Lucknow and the General Manager, Telecom Deptt., O/o General Manager, Gandhi Bhawan, Lucknow & the Telecom District Engineer, O/o the Telecom District Manager, Raebareli for adjudication.

2. The reference under adjudication is:

"Whether the action of the management of Telecom, Lucknow in terminating the services to Ram Lakhan *vide* order dated 14.9.99 was legal and justified? If not, what relief the workman is entitled to?"

3. The case of the workman, Ram Lakhan, in brief, is that he was employed under Divisional Engineer, Telecom, Raibareli on the post of security guard on 7.2.1999 without any appointment letter and worked as such till 14.9.1999 when his services has been terminated without any notice or retrenchment compensation in violation to the provisions contained in Section 25 F of the Industrial Disputes Act, 1947 in spite of the fact he worked for about 200 days in total, excluding 52 weekly and 15 national holidays. It is submitted by the workman that during his service period he put his attendance on the attendance register and was paid on Muster Roll Sheet and also that he was never given any proof regarding salary. It has been alleged by the workman that the management retained workmen junior to him as employed some other new persons also in violation to the provisions contained in Section 25 G & H of the Act. Accordingly, the workman has prayed that his termination order be set aside and he be reinstated with consequential benefits including back wages.

4. The opposite party has filed its written statement, denying the claim of the workman; wherein it has submitted that the workman was never engaged by it, as such, there arises no question of termination or violation of any of the provisions of I.D. Act. Moreover, it has submitted that the workman was the employee of M/s Security and Protection Services, Varanasi. It has been submitted by the management that the workman never received any payment towards salary from the department directly; rather the management, as per terms of the contract, had always paid for the watch and ward services rendered by M/s Security and Protection Services, Varanasi and in no point of time any payment was made to the workman by the management in lieu of his any services. The management has specifically submitted that the workman was admittedly deployed by the M/s Security and Protection Services, Varanasi as one

of its several watchman, which did not create any lien in favour of the workman against the management, furthermore, the contract in between the management and M/s Security and Protection Services, Varanasi came to an end on 05.03.99. Accordingly, the managements has prayed that the claim of the workman be rejected without any relief to him.

4. The workman has filed its rejoinder; wherein he has not brought any new fact apart from reiterating the averments already made by him in his statement of claim.

5. The workman has filed photocopy of attendance register for the period of his alleged engagement; whereas the management has filed copy of letter of M/s Security and Protection Services, Varanasi and copy of contract between the management and M/s Security and Protection Services, Varanasi.

6. After completion of pleading on behlaf of the parties, following issues were framed:

1. Whether the workman, Ram Lakhan was appointed by the opposite party as alleged in para 1 of the claim?

2. Whether there was relationship of employer and employee between Ram Lakhan and the opposite party?

After framing the issues, 17.07.2003 was fixed for parties' evidence. On 17.07.2003, the parties sought time and 01.08.2003 was fixed for same purpose. When evidence could not be filed on 01.08.2003 and 03.09.2003, the case was ordered to proceed ex-parte against the management *vide* order dated 03.09.2003, which was recalled *vide* order dated 02.06.2004 and 26.07.2004 was fixed for evidence. Thereafter, numbers of dates were fixed, in time span of about five years; but the workman did not bother to adduce any evidence in support of his claim, accordingly the case was ordered to proceed ex-parte against the woman *vide* order dated 21.05.2009 and 07.08.2009 was fixed for management's evidence. The management also refrained to file any evidence on 07.08.2009 and 11.09.2009; which led to ex-parte orders *vide* dated 11.09.2009, against the management and 13.10.2009 was fixed for arguments. None turned up on 13.10.2009 to forward its arguments. The management again did not turn up on 16.12.2009, 19.02.2010, 23.04.2010, 16.06.2010, 30.07.2010, 10.09.2010, 15.10.2010, 24.11.2010 30.12.2010, 14.2.2011, 31.3.2011, 30.5.2011, 07.07.2011, 05.09.2011 and 25.10.2011; whereas the authorized representative of the workman appeared on 23.04.2010 only. The workman's representative who was present on 23.04.2010 and took part in the proceedings did not make any effort to get the ex-parte order, against the workman, recalled and file its evidence. Accordingly, keeping in view long pendency of the case and reluctance of the parties the case was reserved for award.

7. It was the case of the workman that he has been employed as security guard on 07.02.1999 and worked as such till 14.09.1999 when his services has been terminated without any notice or retrenchment compensation in violation to the provisions contained in Section 25 F of the Industrial Disputes Act, 1947 in spite of the fact he worked for more than 200 days, excluding weekly and national holidays; and for more than 240 days in the year preceding his termination. Also, he has neither been given any appointment nor any termination letter and that he put his attendance on the attendance register and was paid on Muster Roll Sheet and also that he was never given any proof regarding salary. The workman has filed photocopy of attendance register; but has neither filed its originial not has summoned the same from the management. He has also not entered the witness box to substantiate his version.

8. Per contra, the management of the telecom has disputed the claim of the workman and has submitted that the workman was the employee of M/s Security and Protection Services, Varanasi and as per terms of the contract, had always paid for the watch and ward services rendered by M/s Security and Protection Services, Varanasi and in no point of time any payment was made to the workman by the management in lieu of this any services. The contract between management and M/s Security and Protection Services, Varanasi expired on 05.03.1999. The management has field photocopy of number of documents to support its version; but has not proved them through oral evidence.

9. I have scanned entire, evidence on record. The workman *vide* para 13 of his statement of claim has prayed that his termination be set aside for non-compliance of provisions of Section 25 F of the I.D. Act; but for this, it is incumbent upon the workman to lead an evidence to the effect that he actually worked for 240 days in the year preceding his alleged termination as observed by Hon'ble Apex Court in (2002) 3 SCC 25 Range Forest Officer vs. S.T. Hadimani. Further, the workman has prayed that he be reinstated with consequential benefits, which is not permissible in light of latest pronouncements of Hon'ble High Court & Apex Court that in case it is held that the services of a workman were terminated in violation of provision of Section 25 F, the workman shall be entitled to compensation only, instead of reinstatement.

10. It is well settled that if a party challenges the legality of order, the burden lies upon him to provide illegality of the order and if no evidence is produced by the party, invoking jurisdiction of the court, must fail. In the present case burden was on the workman to set out the grounds to challenge the validity of the order dated 14.09.99 of the management; whereby the services of the workman was terminated; and to prove that the action of the

management in terminating his services was illegal. It was the case of the workman that his services have been terminated, illegally; without complying provisions of Section 25 F of the I.D. Act, 1947. This claim has been denied by the management; therefore, it was for the workman to lead evidence to show that services have been terminated, by the management; without complying mandatory provisions of the I.D. Act.

11. In 2008 (118) FLR 1164 M/s. Uptron Powertronics Employees' Union, Ghaziabad through its Secretary *vs.* Presiding Officer, Labour Court (II), Ghaziabad & others, Hon'ble High Court relied upon the law settled by the Apex Court in 1979 (39) FLR 70 (SC) Sanker Chakravarti *vs.* Britannia Biscut Co. Ltd., 1979 (39) FLR 70 (SC), V.K. Raj Industries *v.* Labour Court and others, 1984 (49) FLR 38 Airtech Private Limited *v.* State of U.P. and others and 1996 (74) FLR 2004 (Alld.) Meritech India Ltd. *v.* State of U.P. and others; wherein it was observed by the Apex Court:

> ***"that in absence of any evidence led by or on behalf of the workman the reference is bound to be answered by the Court against the workman. In such a situation it is not necessary for the employers to lead any evidence at all. The obligation of lead evidence to establish an allegation made by a party is on the party making the allegation. The test would be, who would fail if no evidence is led."***

12. In the present case the workman has not turned to substantiate his case by way of filing any oral evidence. Merely pleadings are no substitute for proof. It was obligatory on the part of workman to come forward with the case that the workman's services have been terminated, illegally; without complying provisions of Section 25 F of the I.D. Act, 1947; but the workman failed to forward any evidence in support of its claim, as it did not turn up for filing its evidence before this Tribunal. There is no reliable material for recording findings that the alleged injustice was done to the workman or the action of the management of Telecom, Lucknow in terminating the services of Ram Lakhan *vide* order dated 14.9.99 was illegal and unjustfied.

13. Accordingly, the reference is adjudicated against the workman; and as such, I come to the conclusion that the workman, Ram Lakhan is not entitled to any of the relief (s) claimed by him.

14. Award as above.

LUCKNOW, 9-11-2011 Dr. MANJU NIGAM, Presiding Officer

नई दिल्ली, 24 नवम्बर, 2011

का॰ आ॰ 3664.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार ईण्डोस रसीयन एवियेसन लिमिटेड एवं के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, मुम्बई नं॰-2 के पंचाट (संदर्भ संख्या16/2008) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 4-11-2011 को प्राप्त हुआ था।

[(सं॰ एल-11012/78/2007-आई आर (सी-I)]

डी॰एस॰एस॰ श्रीनिवास राव, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 24th November, 2011

S.O. 3664.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act 1947, the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 16/2008) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court-2, MUMBAI, as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M/s. INDO RUSSIAN AVIATION LTD. and their workman, which was received by the Central Government on 24.11.2011.

[No. L-11012/78/2007-IR (C-I)]

D.S.S. SRINIVASA RAO, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2, MUMBAI

PRESENT

K.B. KATAKE

Presiding Officer

REFERENCE NO. CGIT-2/16 OF 2008

EMPLOYERS IN RELATION TO THE MANAGEMENT OF M/S. INDO-RUSSIAN AVIATION LTD.

The Chief Executive Officer
M/s. Indo-Russian Aviation Ltd.
C/o. HAL,
Administration Building
Ojhar Township
Nashik (MS)-422 207.

AND

THEIR WORKMEN.
Shri Devdas Patnaik
Prakurti Park Housing Society
Row House No. 3
(Behind Shanthinath Marble & Granites)
Near Jatra Hotel
Adgaon Shivar
Mumbai Agra Highway
Panchavati Nashik
Nashik (MS).

APPEARANCES:

For The Employer: Mr. E. Asokan, Advocate.

For The Workmen: Mr. J.H. Sawant, Advocate.

Mumbai, dated the 18th October, 2011.

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour & Employment by its Order No. L-11012/78/2007-IR (CM-I), dated 21.02.2008 in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section 2 (A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 have referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication:

"Whether the action of the management of Indo-Russian Aviation Ltd., Nashik in dismissing the services of Shri Devdas Patnaik w.e.f. 21.06.2007 is justified and legal? If not, to what relief is the concerned workman entitled?"

2. After receipt of the reference, both the parties were served with the notices of the reference. The second party workman appeared through his legal representative and filed his statement of claim at Ex-5. The management resisted the statement of claim *vide* its written statement at Ex-7.

3. My ID Predecessor has framed the issues at Ex-10. The matter was adjourned for evidence of the workman. However instead of leading evidence, the workman has filed purshis at Ex-13 through his advocate. By this purshis, the workman submitted that he do not want to pursue the case and requested to dispose of the reference as not pressed. As the workman did not press the reference, the said is dismissed of for want of prosecution. Thus I pass the following order:

ORDER

The reference is dismissed for want of prosecution.

K.B. KATAKE, Presiding Officer

Dated 18-10-2011.

नई दिल्ली, 24, नवम्बर, 2011

का॰ आ॰3665.—औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार मैसर्स एल आई सी आंफ इंडिया अजमेर के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायलय, बंगलौर के पंचाट (संदर्भ संख्या 03/2007) को

प्रकाशित करती है जो केन्द्रीय सरकार 23-11-11 को प्राप्त हुआ था।

[फाइल सं॰ एल-17011/2/2006-आई आर (एम)]

जोहन तोपनो, अवर सचिव

New Delhi, 24th November, 2011

S.O. 3665.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947, (14 of 1947) the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. 03/07) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court, AJMER.... now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of LIC of India (Ajmer) and their workman, which was received by the Central Government on 24.11.2011.

[F. No. L-17011/2/2006-IR (M)]

JOHAN TOPNO, Under Secy.

अनुबन्ध

श्रम न्यायालय एवं औद्योगिक न्यायाधिकरण, अजमेर

पीठासीन अधिकारी—श्री मनोज कुमार व्यास, आरएचजेएस

प्रकरण संख्या —सी॰आई॰टी (आर॰) 03-07 दिनांक 1-03-2007

रेफरेंस संख्या एल 17011/2/2006-आई आर (एम) दिनांक 1-02-2007

प्रेसीडेंट, नॉदर्न जॉन इंश्योरेस एम्पलाईज एसोसिएशन द्वारा जीवन बीमा निगम इंडिया, डिवीजनल ऑफिस, पो॰ बॉक्स नं॰ 2, अजमेर

—प्रार्थी

बनाम

एलआईसी ऑफ इंडिया, दी सीनियर डिवीजनल मैनेजर, एलआईसी ऑफ इंडिया, डिवीजनल ऑफिस, जीवन प्रकाश, रानाडे मार्ग पीबी-2, अजमेर

—अप्रार्थी

उपस्थिति

प्रार्थी की ओर से : श्री शोभित पंत, अधिवक्ता।

अप्रार्थी की ओर से : श्री कृष्णावतार, अधिवक्ता।

दिनांक 14-09-2011

अवार्ड

1. श्रम विभाग, केंद्र सरकार द्वारा इस न्यायालय के अधिनिर्णयार्थ निम्न रेफरेंस प्रेषित किया गया है:—

"Whether the action of the management of LIC of India in denying regularisation of services and payment of regular wages to Shri Anil Mahendru, Compotmist, of their Divisional Office at Ajmer is just and legal, if not what relief is concerned workmen entitled to?"

2. नोटिस के उपरांत उभयपक्ष उपस्थित आये। स्टेटमेंट ऑफ क्लेम में प्रार्थी ने यह कहा है कि भारतीय जीवन बीमा निगम ने कंपटोमीटर ऑपरेटर निश्चित वेतनमान के साथ पूर्णकालिक नियमित कैडर है तथा निगम के कर्मचारियों के तृतीय संवर्ग से संबंधित है। निगम के अजमेर मंडल कार्यालय के लेखा विभाग में कंपटोमीटर ऑपरेटर के नियमित पद पर प्रार्थी को दिनांक 6-6-84 को अस्थाई तौर पर नियुक्त किया गया, तब से आज तक प्रार्थी बगैर किसी नियुक्ति पत्र के अबाध तौर पर निगम की सेवा में कार्यरत है। श्रमिक को 36/- रुपये प्रतिदिन की दर पर तथा शनिवार को 18/- रुपये की दर से वेतन दिण जाता रहा है। वेतन का भुगतान मासिक तौर पर किया जाता है। अस्थाई/बदली एवं अंशकालीन कर्मचारियों को निगम की सेवाओं में नियमित कराने के तथा उनकी अन्य सेवा शर्तों को निर्धारित करने संबंधी तत्कालीन औद्योगिक विवाद के हल हेतु भारत सरकार के श्रम मंत्रालय ने एक राष्ट्रीय औद्योगिक न्यायाधिकरण का गठन कर विवाद को न्याय निर्णयन हेतु संप्रेषित किया। उक्त पंचाट भारत सरकार के राजपत्र में 7-6-86 को प्रकाशित किया गया। यह पंचाट दिनांक 17-4-86 का है। प्रार्थी इस पंचाट के अनुसार निगम की सेवाओं में नियमित किये जाने हेतु सभी प्रकार की वांछित शर्तों की पूर्ति करता था। निगम के मंडल कार्यालय ने अपने पत्र दिनांक 9-10-86 के द्वारा प्रार्थी संगठन को सूचित किया कि श्री अनिल महेन्द्रू निगम की सेवा में नियमित होने की अधिकारी नहीं है। आवेदन को इस आधार पर नामंजूर किया कि प्रार्थी कांट्रेक्ट के आधार पर कार्य कर रहा है। प्रार्थी संघ ने 16-10-86 को पुनर्विचार हेतु प्रबंधन से आग्रह किया। मंडल कार्यालय ने पत्र दिनांक 29-10-86 के द्वारा सूचित किया कि परिपत्र के प्रावधानों के अनुसार गठित स्क्रीनिंग कमेटी का निर्णय भी यही है कि प्राथी संविदा के आधार पर कार्य कर रहा है, यह सेवा में नियमित होने का अधिकारी नहीं है। चूंकि निगम द्वारा पंचाट के क्रियान्वयन हेतु 18 9 86 के परिपत्र एवं दिशा-निर्देशों में उल्लिखित अनेक प्रावधान पंचाट के प्रावधानों के अनुरूप नही थे, अतः भारत सरकार के श्रम मंत्रालय ने पंचाट के प्रावधानों की विधि-सम्मत् व्याख्या के लिए एक राष्ट्रीय औद्योगिक न्यायाधिकरण गठित कर उक्त विवाद को संप्रेषित किया। जस्टिस एम॰एस॰ जामदार की अध्यक्षता में गठित उक्त न्यायाधिकरण ने अपना पंचाट दिनांक 26-8-88 को दिया जिनका गजट में प्रकाशन 1-10-88 को हुआ। इसके अतिरिक्त निगम के केंद्रीय कार्यालय ने 25-2-87 को एक परिपत्र जारी किया परंतु उन प्रावधानों को प्राथी पर लागू नहीं किया गया। जब समस्त विवाद माननीय उच्चतम न्यायालय के समक्ष विचाराधीन था, अखिल भारतीय स्तर पर निगम और उसके श्रमिक संगठनों के मध्य टर्म्स ऑफ कांप्रोमाइज के आधार पर सहमति बनी जिसे माननीय उच्चतम न्यायालय का भी अनुमोदन 1 3 89 को प्राप्त हुआ, जिसके तहत निगम ने अनुमोदन की प्रक्रिया को पुनः शुरू करने हेतु एक परिपत्र 14 3 89 को जारी किया जिसके अनुसार प्रार्थी नियमन के लिए हकदार था। प्रार्थी ने पुनः आवेदन किया परंतु प्रार्थी को नियमित नहीं किया गया। सभी प्रयासों में निष्फल होने के बाद प्रार्थी संगठन ने सहायक क्षेत्रीय श्रम आयुक्त के समक्ष इस विवाद को उठाया जो अंत में केंद्रीय औद्योगिक न्यायाधिकरण, जयपुर को प्रेषित किया गया। चूंकि न्यायाधिकरण के लिए संप्रेषित विवाद वर्णन में प्रार्थी की निगम सेवा में अनुमोदन से जुड़ा अहम मुद्दा सम्मिलित नहीं किया गया था। प्रार्थी ने श्रम मंत्रालय को आवेदन किया कि उनके द्वारा प्रेषित विवाद में समुचित परिवर्तन करने की कृपा करें। इस पत्र के बाद भी कोई कार्यवाही नहीं हुई, ऐसी परिस्थितियों मे प्रार्थी श्रम संगठन ने केंद्रीय औद्योगिक न्यायाधिकरण के समक्ष प्रेषित विवाद से संबंधित कोई कार्यवाही नहीं की और इस प्रकार "नो डिस्प्यूट अवार्ड दे दिया गया। इन परिस्थितियों में प्रार्थी ने माननीय उच्च न्यायालय, जयपुर के समक्ष एक रिट याचिका दायर की। निगम की ओर से इस याचिका का इस आधार पर विरोध किया गया कि याचिका में अनेक तथ्य ऐसे हैं जो विवादित हैं। अतः याचिका सुनने योग्य नहीं है। प्रार्थी चाहे तो अन्य वैकल्पिक उपचार उपयोग में ले सकता है। इन परिस्थितियों में प्रार्थी श्रम संगठन ने नियमन से जुड़े विवाद को उठाया तथा यह विवाद न्यायालय को संप्रेषित हुआ। प्रार्थी निगम की सेवाओं में नियमित होने का अधिकारी है। निगम ने यह स्पष्ट स्वीकारोक्ति की है कि श्रमिक श्री अनिल उनके द्वारा वेतन पा रहा है। उसके बावजूद भी वह उसे अपना कर्मचारी नहीं मानते हैं। प्रार्थी दिनांक 6-6-84 से नियमित पद में हुई रिक्ति पर अस्थाई तौर पर कार्य कर रहा है और कार्यालय के अनुशासन एवं पर्यवेक्षण के सर्वथा हीं अधीन रहा है। अतः प्रार्थना की कि प्रार्थी को अप्रार्थी नियोजक की सेवा में 7 1 87 से कंपटोमीटर ऑपरेटर के पद पर नियमित कर्मचारी के पद पर माना जावे तथा उक्त तिथि से नियमित कर्मचारी को उपलब्ध समस्त वेतन व अन्य लाभ परिलाभ के योग्य घोषित किया जावे। साथ ही यह अवार्ड भी पारित करे कि प्रार्थी को उसके द्वारा किये गये सेवाकाल का लाभ उसे पेंशन, ग्रेच्युटी, भविष्य निधि व पदोन्नति भी मिले।

3. अप्रार्थी की ओर से जवाब में प्रारंभिक आपत्ति यह उठायी गयी है कि उक्त रेफरेंस के पूर्व प्रार्थी द्वारा उन्हीं तथ्यों को लेकर समझौता अधिकारी के माध्यम से रेफरेंस केंद्र सरकार के जरिये उन्हीं तथ्यों पर आधारित भिजवाया गया था जिसका निर्णय सक्षम केंद्रीय श्रम न्यायालय द्वारा दिनांक 16 7 91 को "नो डिस्प्यूट अवार्ड के रूप में दिया गया जो अंतिम हो गया। इसी प्रकरण एवं तथ्यों के संबंध में प्रार्थी द्वारा माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय में

एक रिट याचिका 5291/90 प्रस्तुत की गयी जो दिनांक 22 10 .99 को निरस्त हुई जिसकी अपील माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय में प्रस्तुत की गयी, जिसका निस्तारण 14-5-2002 को हुआ जिस निर्णय में भी माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय ने यह पूर्णतया प्रतिपादित किया कि नो डिस्प्यूट अवार्ड अंतिम रूप से पारित निर्णय है। पूर्व के तथ्यों को छिपाते हुए यह पुन: रेफरेंस करवाया गया है, जो चलने योग्य नहीं है। प्रार्थी यूनियन का सदस्य विधि अनुसार नहीं बन सकता है। प्रार्थी व निगम के मध्य मास्टर व सर्वेन्ट के संबंध कभी नहीं रहे। प्रार्थी अस्थायी/बदली एवं अंशकालीन कर्मचारी की परिभाषा में नहीं आता है तथा पंचाट प्रार्थी पर लागू नहीं होता है। प्रार्थी संविदा पर होने के कारण उक्त परिपत्र के प्रावधान उस पर लागू नहीं होते हैं। नो डिस्प्यूट अवार्ड श्रम न्यायालय द्वारा दिया गया, वह अंतिम हो गया जिसे माननीय उच्च न्यायालय द्वारा भी अंतिम होना माना गया है। अत: प्रार्थी अब कोई अनुतोष प्राप्त करने का अधिकारी नहीं है। यह गलत है कि प्रार्थी कार्यालय के अनुशासन एवं पर्यवेक्षण में रहा हो। अत: निवेदन किया कि प्रार्थी का उक्त रेफरेंस नो डिस्प्यूट अवार्ड के रूप में निरस्त करने का आदेश प्रदान किया जावे।

प्रार्थी की ओर से साक्ष्य में गवाह ए डब० 1 अनिल, ए डब० 2 दुर्गालाल, ए० डब० 3 भगवान के बयान करवाये गये। 3 प्राथी की ओर से गवाह एन ए डब० 1 संजय श्रीवास्तव के बयान करवाये गये। उभयपक्ष की ओर से लिखित बहस भी प्रस्तुत हुई है। प्रार्थी की ओर से निम्नलिखित न्यायिक दृष्टांत प्रस्तुत किये गये:—

1 — 2001 लैब आई सी 3197,

2 — 2009 लैब आई सी 2532,

3 — 2005 (3) सी डी आर 2488,

4 1957 एल एल जे एस सी 477,

5 — 1997 एल एल जे (1) 207,

6 — 1989 आर एल डब्ल्यू (2) 336,

7 — 1981 एल एल जे (1) 382,

8 — ए आई आर 1958 एस सी 353,

9 — ए आई आर 1995 एस सी 1617,

10 — 2005 (4) आर एल डब्ल्यू 3090

जबकि अप्रार्थी की ओर से निम्नलिखित न्यायिक दृष्टांत प्रस्तुत किये गये:—

1 — ए आई आर 1998 एस सी 336,

2 — 1994 एस सी 1638,

3 — 2010 डी एन जे एस सी 376,

4 2003 एस एस सी सिविल अपील नं 1262/63 जिनका सम्मान् अवलोकन किया गया।

5. इस प्रकरण में अप्रार्थी की ओर से अपने जवाब में प्रारंभिक आपत्ति उठायी गयी है कि इस रेफरेंस के पूर्व प्रार्थी द्वारा इन्हीं तथ्यों को लेकर समझौता अधिकारी के माध यम से रेफरेंस केंद्र सरकार के जरिये इन्हीं तथ्यों पर आध ारित भिजवाया गया था जिसका निर्णय सक्षम केंद्र श्रम न्यायालय द्वारा 16-7-91 को नो डिस्प्यूट अवार्ड के रूप में दिया गया जो अंतिम हो गया। इन्हीं तथ्यों के संबंध ा में प्रार्थी द्वारा माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय में एक रिट याचिका 5291/90 प्रस्तुत की गयी जो दिनांक 22-10-99 को निरस्त हुई जिसकी अपील माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय में प्रस्तुत की गयी जिसका निस्तारण 14-5-02 को हुआ। उक्त तथ्यों के संबंध में पूर्व में पारित नो डिस्प्यूट अवार्ड के पश्चात् उन्हीं तथ्यों पर आधारित पुन: रेफरेंस करवाया गया है जो क्लेम चलने योग्य नहीं है। इसके अलावा यह भी प्रारंभिक आपत्ति उठायी गयी कि प्रार्थी यूनियन का सदस्य विधि अनुसार नहीं बन सकता। अत: उक्त ट्रेड यूनियन को प्रार्थी की ओर से उक्त कार्यवाही करने का विधिक अधिकार नहीं है। इस प्रकरण में दिनांक 8-2-08 की आदेशिका के अनुसार यह तय किया गया था कि प्रकरण के अंतिम निस्तारण के समय इस प्रारंभिक आपत्ति पर विवेचन कर निस्तारण करना न्यायोचित होगा। अत: अप्रार्थी द्वारा उठायी गयी प्रारंभिक आपत्ति का सर्वप्रथम विनिश्चय किया जाना है।

6. उभयपक्ष की ओर से जो साक्ष्य हुई है उसमें इन तथ्यों को विवादित नहीं किया गया है कि दिनांक 16-7-91 को पूर्व में जो रेफरेंस हुआ था उसका निर्णय नो डिस्प्यूट अवार्ड के रूप में दिया गया। प्रार्थी द्वारा माननीय उच्च न्यायालय में एक रिट याचिका प्रस्तुत की गयी। माननीय एकल पीठ द्वारा उक्त रिट याचिका का निर्णय दिनांक 22-10-99 को किया गया तथा खंड पीठ में प्रस्तुत अपील का निर्णय दिनांक 14-5-02 को हुआ। माननीय एकल पीठ का निर्णय प्रदर्श डब 20 है तथा अपील का निर्णय प्रदर्श डब 21 है। अप्रार्थी की आपत्ति है कि पूर्व में औद्योगिक न्यायधिकरण द्वारा नो डिस्प्यूट अवार्ड पारित किया गया था तथा उन्हीं तथ्यों पर माननीय उच्च न्यायालय में दायर रिट याचिका व अपील प्रार्थी के विरूद्ध तय हुई थी। अत: उन्हीं तथ्यों पर पुन: यह रेफरेंस मेंटेनेबल नहीं है। इसके विपरीत प्रार्थी का यह कथन है कि पूर्व में जो रेफरेंस था उससे भिन्न यह रेफरेंस है तथा यह भी कहा गया है कि पूर्व में औद्योगिक न्यायाधिकरण द्वारा प्रकरण का गुणावगुण पर निर्णय नहीं हुआ था, बल्कि पक्षकारों की अनुपस्थिति के कारण नो डिस्प्यूट अवार्ड पारित किया गया था। अत: पुन: रेफरेंस विधि द्वारा बाधित नहीं है तथा श्रम न्यायालय रेफरेंस को वैधानिकता को तय करने का अधिकार क्षेत्र नहीं रखता है। श्रम न्यायालय द्वारा प्रेषित रेफरेंस का विधि-अनुसार निर्णय किया जाना है। रेफरेंस की वैधानिकता का बिंदु श्रम

न्यायालय के क्षेत्राधिकार में नहीं है। इसके अलावा यह भी कहा गया है कि नो डिस्प्यूट अवार्ड विधिक रूप से कोई अवार्ड नहीं है तथा यह औद्योगिक विवाद के वास्तविक अधिनिर्णय की श्रेणी में नहीं आता है। इस संबंध में न्यायिक दृष्टांत 2001 लैब आई सी 3197 तथा 2005 (3) सी डी आर 2488 राजस्थान डी बी प्रस्तुत किये गये।

7. यह विवादित नहीं है कि पूर्व में जो रेफरेंस केंद्र सरकार द्वारा सक्षम औद्योगिक न्यायाधिकरण को प्रेषित किया गया था उसमें प्रार्थी की अनुपस्थिति के कारण नो डिस्प्यूट अवार्ड दिनांक 16-7-91 को पारित किया गया। प्रार्थी ने उक्त रेफरेंस के लंबित होने के दौरान माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय में एक रिट याचिका भी प्रस्तुत की जिसका निर्णय दिनांक 22-1-99 को हुआ तथा माननीय उच्च न्यायालय द्वारा यह आदेश पारित किया गया:- "Accordingly, I find no merit in the writ petitions and the same are dismissed. However, the petitioners shall be free to take any other appropriate remedy in accordance with law, if they so choose."

8. इस निर्णय के विरूद्ध प्रार्थी द्वारा खंड पीठ में अपील दायर की गयी जिसका निर्णय प्रदर्श डब-21 के द्वारा हुआ तथा निर्णय अनुसार यह माना गया कि:- "The learned single Judge is perfectly correct in his approach in not entertaining the writ petition as the appellant has efficacious alternative remedy in the matter."

9. माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय के उक्त निर्णयों के अनुसार प्रार्थी की रिट याचिका इन आधारों पर खारिज की गयी थी, कि प्रार्थी को वैकल्पिक प्रभावी उपचार उपलब्ध था तथा प्रार्थी का विवाद औद्योगिक न्यायाधिकरण को रेफर किया गया था जहां से नो डिस्प्यूट अवार्ड पारित हुआ। प्रार्थी ने उक्त नो डिस्प्यूट अवार्ड को रिकॉल करने या पुर्नविलोकन के लिए प्रार्थना नहीं की और न ही इसे माननीय उच्च न्यायालय में चुनौती दी। अतः उक्त नो डिस्प्यूट अवार्ड जो प्रथम रेफरेंस के संबंध में पारित हुआ था वह अंतिम हो गया तथा रिट याचिका में प्रार्थी को कोई अनुतोष प्रदान नहीं किया गया क्योंकि प्रार्थी के पास प्रभावी वैकल्पिक उपचार मौजूद होने के आधार पर रिट याचिका को मेंटेनेबल माननीय उच्च न्यायालय ने नहीं माना। तत्पश्चात् केन्द्र सरकार द्वारा यह द्वितीय रेफरेंस दिनांक 1-2-07 को न्यायालय के अधिनिर्णयार्थ प्रेषित किया गया है। यह सही है कि पूर्व में प्रथम रेफरेंस पर न्यायालय द्वारा नो डिस्प्यूट अवार्ड पारित किया गया था तथा प्रार्थी को वैकल्पिक प्रभावी उपचार उपलब्ध होने के आधार पर माननीय उच्च न्यायालय द्वारा प्रार्थी की रिट याचिका व अपील खारिज की गयी, परंतु प्रथम रेफरेंस के पश्चात् सक्षम सरकार द्वारा द्वितीय रेफरेंस प्रेषित किया गया है। प्रथम रेफरेंस गुणावगुण पर निर्णीत नहीं हुआ तथा नो डिस्प्यूट अवार्ड पारित किया गया। प्रार्थी की ओर से प्रस्तुत न्यायिक दृष्टांतों में यह कहा गया है कि नो डिस्प्यूट अवार्ड विधि के अंतर्गत कोई अवार्ड नहीं है क्योंकि यह गुणावगुण पर पारित नहीं हुआ है। इसी प्रकार माननीय उच्च न्यायालय के निर्णय 2005 (3) सी डी आर 2488 राज डी-बी- में भी यह अभिनिर्धारित किया गया है कि न्यायालय को रेफरेंस का उत्तर गुणावगुण पर देना चाहिये तथा न्यायाधिकरण नो डिस्प्यूट अवार्ड पारित नहीं कर सकता। उक्त न्यायिक दृष्टांत में माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिये गये निर्णय वीरेंद्र भंडारी/आर एस आर टी सी वगै जे टी 2002 (5) एस सी 21 का हवाला दिया गया है तथा माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने उक्त निर्णय में यह विधिक सिद्धांत प्रतिपादित किया है कि यदि किसी औद्योगिक विवाद का निर्णय गुणावगुण पर नहीं है तो यह नहीं कहा जा सकता कि औद्योगिक विवाद विद्यमान ही नहीं है तथा निम्नलिखित प्रकार से अभिनिर्धारित किया गया है:- "What is to be borne in mind in proceedings of this nature is that the industrial disputes are referred to the Labour Court or the Industrial Tribunal for maintenance of industrial peace and not merely for adjudication of the dispute between two private parties."

10. इसके अतिरिक्त माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने उक्त न्यायिक दृष्टांत वीरेंद्र भंडारी/आरएसआरटीसी वगै में यह विधिक सिद्धांत भी प्रतिपादित किया है कि यदि श्रमिक की अनुपस्थिति के कारण किसी रेफरेंस का गुणावगुण पर निर्णय नहीं होता है तो औद्योगिक विवाद समाप्त नहीं होता तथा ऐसे मामलों में द्वितीय रेफरेंस विधिक रूप से मान्य है:- "Industrial Disputes Act, 1947"-Ss.20(d) and 12(5) Second reference-Validity. Where consequent to non-appearance of the workman the reference was not adjudicated on merits, held the dispute dis not cease to exist-Hence, second reference of such dispute, held is permissible-Object of referring of disputes taken into consideration to reach this conclusion."

11. अतः उक्त न्यायिक दृष्टांत के अनुसार माननीय सर्वोच्च न्यायालय के द्वारा यह अभिनिर्धारित किया गया है कि यदि पूर्व के रेफरेंस का निर्णय गुणावगुण पर नहीं हुआ हो तो ऐसे मामलें में सक्षम सरकार द्वितीय रेफरेंस प्रेषित कर सकती है। पूर्व में जो अवार्ड प्रथम रेफरेंस के संबंध में पारित हुआ था वह नो डिस्प्यूट अवार्ड था। अतः गुणावगुण पर आधारित नहीं होने के कारण द्वितीय रेफरेंस माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा प्रतिपादित उपरोक्त विधिक सिद्धांतों के प्रकाश में मेंटेनेबल है। इसके अलावा जो रिट याचिका प्रार्थी द्वारा प्रस्तुत की गयी तथा जो खारिज की गयी वह इस आधार पर खारिज की गयी है कि प्रार्थी के पास वैकल्पिक प्रभावी उपचार है। अतः रिट याचिका में प्रार्थी को उक्त अनुतोष नहीं दिया जा सकता तथा दि 22-10-99 के निर्णय में प्रार्थी को यह भी स्वतंत्रता दी गयी कि वह विधि अनुसार अन्य उपचार प्राप्त करने के लिए स्वतंत्र है।

इसके अलावा इस प्रकरण में जो वाद कारण है, वह

लगातार है। प्रार्थी द्वारा कहा गया है कि वह दिनांक 6-6-84 से अप्रार्थी संस्था में आज तक कार्यरत है तथा उसे सभी शर्तों के पूर्ण करने के उपरांत भी सेवा में नियमितिकरण का लाभ नहीं दिया जा रहा है। अत: वाद कारण लगातार होने के कारण भी द्वितीय रेफरेंस मेंटेनेबल है क्योंकि पूर्व का निर्णय गुणावगुण पर आधारित नहीं था बल्कि पक्षकारों की अनुपस्थिति के कारण पारित किया गया तथा रिट याचिका में प्रार्थी को वैकल्पिक उपचार उपलब्ध होने के आधार पर अनुतोष नहीं दिये जाने योग्य माना गया है। प्रार्थी द्वारा प्रथम रेफरेंस के संबंध में हुए अवार्ड को इस मामले में चुनौती नहीं दी गयी है बल्कि जो द्वितीय रेफरेंस सक्षम सरकार द्वारा प्रेषित किया गया है उसका अधिनिर्णय किया जाना है। विधि का यह भी स्थापित सिद्धांत है कि श्रम न्यायालय को यह तय करने का अधिकार नहीं है कि रेफरेंस विधिक है अथवा नहीं? रेफरेंस की वैधता को चुनौती श्रम न्यायालय में नहीं दी जा सकती। प्रार्थी द्वारा प्रथम रेफरेंस में हुए अवार्ड को जो अंतिम हो गया था, चुनौती नहीं दी गयी है तथा द्वितीय रेफरेंस की वैधानिकता इस न्यायालय द्वारा तय किया जाना विधि-सम्मत् नहीं है एवं द्वितीय रेफरेंस को माननीय उच्च न्यायालय के समक्ष चुनौती दी गयी हो, यह भी प्रकट नहीं होता है।

13. अत: उपरोक्त विवेचन के अनुसार इस संबंध में प्रार्थी द्वारा उठायी गयी प्रारंभिक आपत्ति स्वीकार किये जाने योग्य नहीं है।

14. प्रार्थी द्वारा एक प्रारंभिक आपत्ति यह भी उठायी गयी है कि प्रार्थी निगम का नियमित कर्मचारी नहीं रहा। अत: वह यूनियन का सदस्य विधि-अनुसार नहीं बन सकता। अत: ट्रेड यूनियन को प्रार्थी अनिल की ओर से उक्त कार्यवाही करने का विधिक अधिकार नहीं है। इस संबंध में प्रार्थी की ओर से यह कहा गया है कि जो रेफरेंस न्यायालय को प्रेषित किया गया है, उसमें श्रम संगठन को स्पष्ट तौर पर पक्षकार बनाया गया है । धारा 36 के अंतर्गत यह आवश्यक नहीं है कि श्रमिक का प्रतिनिधत्व जिस यूनियन द्वारा किया जा रहा हो, वह उसका सदस्य हो बल्कि यह प्रर्याप्त है कि जो श्रम संगठन हो, वह उस उद्योग से संबंधित हो जिसमें श्रमिक नियोजित है। अत: उक्त आपत्ति के संबंध में भी ऐसा कोई आधार प्रस्तुत नही किया गया है, जिसके अनुसार यह माना जा सके कि प्रार्थी का क्लेम विधिक रूप से चलने योग्य नहीं हो। अत: प्रार्थी की उक्त प्रारंभिक आपत्ति भी स्वीकार किये जाने योग्य नहीं है।

प्रार्थी का यह कथन है कि वह दिनांक 6 6 84 को निगम में अस्थाई तौर पर कपटोमीटर ऑपरेटर के नियमित पद पर रखा गया था, उसे नियुक्ति पत्र नहीं दिया गया परंतु वह उस पद पर निंरतर आज तक निगम की सेवा में कार्यरत है तथा उसके द्वारा अन्य कर्मचारियों की भांति उतना ही समय कार्य किया जा रहा है। परंतु भगुतान उसे सोमवार से शुक्रवार 36/- रूपये प्रतिदिन तथा शनिवार को 18/- रूपये की दर से वेतन दिया जा रहा है। यह भुगतान मासिक तौर पर किया जाता है। प्रार्थी का यह कथन है कि न्यायमूर्ति श्री आर० डी० तुलपुले की अध्यक्षता में गठित राष्ट्रीय न्यायाधिकरण के अवार्ड तथा न्यायमूर्ति श्री एम० एस० जामदार की अध्यक्षता में गठित राष्ट्रीय औद्योगिक न्यायाधिकरण के अवार्ड के अंतर्गत उसके द्वारा सभी वांछित शर्तें पूरी किये जाने के बावजूद भी तथा अनेक प्रतिवेदन देने के बाद भी उसे निगम की सेवा में नियमित नहीं किया गया तथा नियमित वेतन भत्ते भी प्रदान नहीं किये गये। प्रार्थी ने यह भी कहा कि निगम ने उसे सेवा में नियमितिकरण का लाभ इस कारण से नहीं दिया कि वह संविदा कर्मी है, परंतु वह संविदा पर कार्यरत नहीं है। बल्कि निगम द्वारा वेतन पा रहा है एवं निगम की सेवा में वर्ष 1984 से कार्यरत है।

16. अप्रार्थी की ओर से यह कहा गया है कि प्रार्थी संविदा ठेकदार होने के कारण उक्त पंचाट व परिपत्रों के प्रावधान उस पर लागू नहीं होते है। प्रार्थी अस्थायी/बदली/अंशकालीन कर्मचारी के रूप में कार्यरत नहीं था बल्कि संविदा पर कार्यरत था। अत: प्रार्थी को नियमानुसार सेवा में नियमितिकरण का लाभ नहीं दिया जा सकता।

17. इस संबंध में दोनों पक्षों की ओर से मौखिक व दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत हुई है। प्रार्थी ने अपने बयानों में यह कहा है कि मुझे कोई नियुक्ति पत्र नहीं दिया गया। छुट्टी रविवार व अन्य अवकाश का भुगतान नहीं होता था। मुझे अस्थायी तौर पर रखा गया था। यह कहना गलत है कि मुझे ठेके पर कार्य दिया गया हो। गवाह ए०डब० 2 ने यह कहा है कि यह सही है कि जो भी अस्थायी कर्मचारी रखे गये उन्हें पद के अनुरूप वेतन श्रृंखला दी जाती थी। स्वत: कहा कि कंसोलिडेट के रूप में दी जाती थी। गवाह ए डब० 3 ने कहा है कि प्रार्थी को मौखिक आदेश पर रखा गया था। नियुक्ति पत्र नहीं दिया गया। यह सही है कि उसे रविवार अथवा अवकाश के दिन का भुगतान नहीं होता था। गवाह एन ए डब० 1 ने कहा है कि वर्ष 1984 में प्रार्थी को संविदा के आधार पर कार्य पर रखा गया था। यह कार्य लेखा विभाग में करता था। प्रार्थी को प्रतिदिन सोमवार से शुक्रवार छ: घंटे व शनिवार तीन घंटे कार्य करना होता था तथा छ: रूपये प्रति घंटे के हिसाब से थे जो प्रार्थी के निवेदन पर मासिक रूप से उसे अदा की जाती थी। जिरह में कहा है कि मैने संविदा पत्र नहीं देखा। संविदा पत्र पत्रावली में मौजूद नहीं है। यह कहना गलत है कि एल आई सी में रूल्स में कंपटोमीटर ऑपरेटर का कोई पद हो।

18. जो दस्तावेज पत्रावली पर प्रस्तुत हुए है उसमें दि० 17-4-86 का दस्तावेज प्रदर्श डब० 2 महत्वपूर्ण है। इस पत्र में प्रार्थी को अस्थायी तौर पर नियुक्त किया जाना वर्णित किया गया है। इसी प्रकार दि० 19-4-86 के पत्र प्रदर्श डब० 3 में भी प्रार्थी को अस्थायी कंपटोमिस्ट दर्शाया गया है। यह दस्तावेज स्वयं अप्रार्थी निगम के द्वारा जारी किये गये हैं। प्रदर्श डब० 14 सीनियर डिवीजनल मैनेजर अजमेर द्वारा दि० 6-4-86 को जोनल मैनेजर एल आई सी नयी दिल्ली को लिखे गये पत्र की प्रति है जिसमें स्वयं यह माना गया है कि प्रार्थी को नियुक्ति पत्र के अभाव में यह माने जाने का कोई आधार नहीं है कि उसे संविदा

पर नियुक्त किया गया हो अथवा किसी एजेंसी के माध्यम से नियुक्त किया गया हो, अतः प्रार्थी पंचाट में वर्णित किसी भी अपवादों में नहीं आता है तथा यह माना गया कि प्रार्थी का क्लेम अनावश्यक रूप से पूर्व में खारिज किया गया है तथा प्रार्थी के पक्ष में इस पत्र के जरिये अनुशंसा भी की गयी। यह दस्तावेज भी स्वयं अप्रार्थी निगम का बताया गया है जिसे अप्रार्थी द्वारा इंकार नहीं किया गया है। प्रदर्श डब० 18 निगम के सीनियर डिवीजनल मैनेजर द्वारा नयी दिल्ली कार्यालय को लिखा गया पत्र है, जो दिनांक 11-4-96 का है, उक्त पत्र में भी यह माना गया है कि प्रार्थी अनिल निगम का अस्थायी कर्मचारी है। प्रदर्श डब० 19 भी निगम के सीनियर डिवीजनल मैनेजर द्वारा लिखा गया पत्र है जिसमें यह स्वीकारोक्ति है कि प्रार्थी द्वारा कंपोटिस्ट के रूप में पूरे कार्यालय समय में कार्य किया जा रहा है। इस प्रकार उक्त दस्तावेजों में स्वयं निगम द्वारा यह माना गया है कि प्रार्थी अस्थायी कर्मचारी के रूप में कार्य कर रहा था तथा उसको विभिन्न दस्तावेजों में अस्थायी कर्मचारी के रूप में दर्शाया गया है। अतः अब अप्रार्थी का यह कथन कि वह निगम का अस्थायी कर्मचारी नही था बल्कि संविदा पर कार्य कर रहा था, माने जाने योग्य नहीं है। जो साक्ष्य पत्रावली पर प्रस्तुत हुई है, उसके प्रार्थी की नियुक्ति किसी एजेंसी के मार्फत् नहीं हुई है बल्कि प्रार्थी को ही इस कार्य हेतु नियुक्त किया गया है तथा निगम द्वारा भुगतान भी सीधे प्रार्थी को ही मासिक तौर पर किया जाता रहा है। दिनांक 14-3-89 के परिपत्र प्रदर्श डब० 11 में सेल्फ कांट्रैक्टर तथा कांट्रैक्टर द्वारा लगाये गये श्रमिकों को अपवाद की श्रेणी में रखा गया है जिन पर यह पंचाट लागू नहीं होता है परंतु पत्रावली पर निगम द्वारा ऐसी कोई मौखिक अथवा दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत नहीं की गयी है, जिसके आधार पर यह माना जा सके कि प्रार्थी की नियुक्ति किसी ठेकेदार द्वारा की गयी हो तथा भुगतान ठेकेदार को किया जाता हो अथवा प्रार्थी सेल्फ कांट्रैक्टर हो। प्रार्थी द्वारा प्रस्तुत न्यायिक दृष्टांत 1957 एल एल जे एस सी पेज 447 में प्रतिपादित सिद्धांतों के अनुसार भी यदि किसी श्रमिक द्वारा किया कार्य किया जाना है और कैसे किया जाना है, यह उसके नियोजक द्वारा तय किया जाता हो तो ऐसी स्थिति में यही माना जावेगा कि वह श्रमिक नियोजक का कर्मचारी है:-"There is a distinction between a contract for service and a contract of service. In the first case the master can order or require what is to be done while in the second case he can not only order or require what is to be done but how it shall be done." अप्रार्थी का यह भी प्रकरण नहीं है कि प्रार्थी को किसी प्रोजेक्ट विशेष के लिए निश्चित अवधि व निश्चित कार्य के लिए रखा गया हो। यह निर्विवादित है कि प्रार्थी 6-6-84 से लगातार निगम की सेवा में है। अतः करीब 26 वर्ष से अधिक समय से जब प्रार्थी लगातार निगम में कार्यरत है तो किसी विशेष कार्य के लिए सीमित अवधि के लिए रखा जाना भी साबित नहीं होता है। अप्रार्थी गवाह ने अपनी साक्ष्य में यह कहा है कि एल आई सी के रूल्स में कंपटोमीटर ऑपरेटर का पद नहीं है परंतु एल आई सी के स्टाफ रेग्यूलेशंस रूल्स 1960 तथा संशोधित नियम 1996 आदि प्रार्थी की ओर से प्रस्तुत किये गये हैं जिनमें कंपटोमिस्ट ऑपरेटर का पद व निर्धारित वेतन श्रृंखला दर्शायी गयी है।

19. इस प्रकरण में जो साक्ष्य है, उसके आधार पर यही प्रकट होता है कि प्रार्थी द्वारा क्या कार्य किया जाना था और कैसे किया जाना था यह निगम द्वारा ही निर्धारित किया जाता था। अतः उपरोक्त मौखिक व दस्तावेजी साक्ष्य तथा स्वयं अप्रार्थी के कार्यालय द्वारा जारी दस्तावेजों के आधार पर यह साबित होता है कि प्रार्थी अप्रार्थी संस्था में अस्थायी कर्मचारी के रूप में कार्यरत था तथा वह संविदा श्रमिक नहीं था एवं पंचाट के अंतर्गत सेवा में नियमितिकरण की आवश्यक शर्तें पूरी करता था। अतः उसका नियमितिकरण तथा उसे नियमित वेतन कंपोटिस्ट पद नहीं दिया जाना उचित और वैद्य नहीं है।

20. जहां तक प्रार्थी को प्रदान किये जाने वाले अनुतोष का प्रश्न है पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्य व उपरोक्त विवेचन के अनुसार प्रार्थी द्वारा जो प्रथम रेफरेंस किया गया था, वह नो डिस्प्यूट अवार्ड के रूप मे निर्णीत हुआ तत्पश्चात् प्रार्थी द्वारा रिट याचिका भी माननीय उच्च न्यायालय में प्रस्तुत की गयी जो इस आधार पर खारिज हुई कि प्रार्थी के पास प्रभावी वैकल्पिक उपचार उपलब्ध है एवं तत्पश्चात् द्वितीय रेफरेंस केंद्र सरकार द्वारा 1-2-07 को न्यायालय के अधिनिर्णयार्थ प्रेषित किया गया जिसका निर्णय अब किया जा रहा है। अतः प्रकरण के उपरोक्त समस्त तथ्य एवं परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए प्रार्थी कंपटोमीटर के पद पर सेवा में नियमितिकरण व इस पद के नियमित वेतन का द्वितीय रेफरेंस की दिनांक 1-2-07 से पाने का अधिकारी माना जाता है अतः अवार्ड निम्न प्रकार से पारित किया जाना न्यायसंगत है।

आदेश-अवार्ड

फलतः केंद्र सरकार द्वारा प्रेषित विवाद का उत्तर इस प्रकार से दिया जाता है कि प्रबंधन एल आई सी ऑफ इंडिया डिवीजनल ऑफिस अजमेर द्वारा श्री अनिल महेंद्रू कंपटोमिस्ट को सेवा में नियमितिकरण नहीं किया जाना एवं नियमित वेतन नहीं दिया जाना अनुचित एवं अवैध है। अतः प्रार्थी श्री अनिल महेंद्रू द्वितीय रेफरेंस की दिनांक 1-2-2007 से कंपटोमिस्ट के पद पर नियमित नियुक्ति पाने एवं उक्त पद का नियमित वेतन पाने का अधिकारी है। अप्रार्थी उक्त अवार्ड की पालना दो माह में पूर्ण करे।

निर्णय/अवार्ड लिखाया जाकर आज दिनांक 14-9-2011 को खुले न्यायालय में हस्ताक्षर कर सुनाया गया। अवार्ड की प्रति नियमानुसार केंद्र सरकार को गजट में प्रकाशनार्थ तुरंत प्रेषित की जावे।

मनोज कुमार व्यास, न्यायाधीश

Printed by the Manager, Government of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054.